॥ श्रीवाग्वादिन्यायनमः ॥

॥ भूमिका ॥

बचन बचोगिरा औ शारदा हंसयानी। लपित युत इला औ भाषित ब्रह्माणी ॥ सुखद वरद आर्य्या उक्त व्याहारदानी। जयति सरस्वतीगी भारती वाग्वानी ॥ १ ॥ गल जलज सुमाला भालमा बिन्दु सोहै। कमल दृग विशालं वक्र राकेश मोहै ॥ कनक सम शरीरं पुस्तकं बीण पानी। जयति० २॥ अति अगम अपारं सिन्धु नौका पुरानी ॥ निशिदिन मन चिन्ता सो हरौ दीन जानी। जननि तुव भरोसे ग्रन्थ भाषा बखानी ॥ जयति० ३ ॥

दोहा ॥ कदन अनेकन विघन के, एक रदन गणराज।
वन्दनयुत वंदन करौं, पुष्कर पुष्कर पाज ॥

कवित्त ॥ मूष मृगेश बली वृषवाहन किंकर कीन्हो करोरि तैंतीस को।
हाथन में फरसा करवाल त्रिशूलधरे खलखोइबो खीस को ॥
जक्तगुरू जगकी जननी जगदीश भरे सुखदेत अशीश को।
दासप्रणामकरै करजोरि गणाधिपको गिरिजा को गिरीशको ॥

सहस्रासहस्र धन्यवाद उस ईश्वर परब्रह्म परमात्मा का है जिसने इसमायाजाल सृष्टि को फैलाकर नाना रूपों से सुशोभित किया है यदि यह सम्पूर्ण रूप पशु पक्षी स्थावर जंगम आदि न होते तो यह कैसा भयानक ज्ञानपड़ता उसकरुणानिधान सर्वशक्तिमान्ने दशइन्द्रिय चेतना शक्तिधारक मनुष्यको उनको उचित रीति से भरतन करणार्थ उपजायाहै यदि देखिये तो नानाप्रकार के वाहनादि गुण और शिलाकारी आदि मनुष्योंकेही निमित्त हैं बिचारे पशु पक्षी उनसे क्या लाभ पातेहैं जिनके अस्थिचर्म आदिभी मनुष्यों के काम आजाते हैं, परन्तु सब जीवोंमें मनुष्य ज्ञानवान्हैं तौभी प्रमादके वशी भूतहो क्रोध लोभ मायामोह अहंकार आदि पांचो ठगोंसे ठगाये जाते हैं और उनको कुछभी ध्यान नहीं आता कि हम कौनहैं कहांसे आये और कहां जाना है, इसक्षणभंगुर संसार में अजर अमरकी भांति बिचरते हैं, बड़े पश्चात्ताप कीबात है कि वह लेशमात्र भी संसारी दशाकी ओर दृष्टिकर करुणाकरको

स्मरण नहीं करते और न उसके नित्यप्रति रूपबदलने पर ध्यानकर अपने परिणामोंको शुद्ध करतेहैं काम क्रोधादिके वशीभूत हो विषय भोगादि के रूप ही हुयेजाते हैं, इसमहा प्रमाद से निर्मुक्त कर सुमार्ग लखाने वाला कौन है ? वही मातृ विद्या जो आजकल समयके एरफेर में आकर क्षीण होती जाती है जिस समय इसविद्या का प्रचारथा कैसे२ नामी कवि हुये कि जिनके अनेक संस्कृत ग्रंथ विद्यमान हैं जब संस्कृत का बलक्षीण हुआ और देशांतरीय विद्याका प्रचार हुआ तब कवियों ने भाषा काव्य करना आरम्भकर दिया अब वह समयभी स्वप्नहोगया अब तो कोई इसकी ओर दृष्टिही नहीं करते और जो करतेभी हैं वह चार अक्षर पढ़कर पण्डित बनजाते हैं तो बताइये उनको शब्दार्थ शक्ति कहांसे आवै और वह श्लोक और छन्दों से कैसेशब्द निकालकर अर्थ जानसकैं ऐसीदशामें उन्नतिहो कि अवनति फिर देखिये कि अन्य देशान्तरीय विद्या के अधिक प्रचार होनेके कारण और मातृ विद्या अप्रचारके कारण विचारे ग्रंथकार अपने श्रमको सफल नहीं करपाते और जान मालके पश्चात्ताप में सूखकर ठठरी होजातेहैं—हम पहिले कहचुकेहैं कि मातृ विद्या नित्यप्रति क्षीणहोती जातीहै इसलिये जो संस्कृत और काव्यमें कोषादि विद्यमान हैं वह इससमय की आवश्यकता दो कारणों से पूरीनहीं करसके प्रथम जो बड़े २ ग्रंथहैं उनकी तरफ कोई ध्यानही नहीं करते और दूसरे जोछोटे२ ग्रंथहैं उनमें किसीमें १०० नामकी नामावलीहै और किसीमें १५० की, जिसने अपना वर्षों समय व्यतीत कर रटरटाकर कण्ठाग्र भी करलिया वह वहींतकरहा न १०० से १०१ और १५० से न १५१ जानसका तीसरे बड़े ग्रंथ बहुमूल्य ऐसे हैं कि हरएक का उनके खरीदने का साहसही नहीं होता, इसमहा विपत्तिके दूरकरने का उपाय मैं सोचता रहा और इस सोच विचार में पड़कर निश्चय किया कि एकऐसा कोष तैयार करना चाहिये कि जिससे हमारे भ्रातृगण जो वर्षों समयव्यतीत कर जिस तात्पर्य को नहीं पातेहैं उसको मिनट अर्थात् निमिषमात्र में पाजावें और पुस्तक लेनेमें भी उनको रुपयों की जगह आनेभी न लगाना पड़ें बस एकशब्दकोष भगवान्शब्द सागर और दूसरा नाम कोष भगवान्नाम सागर के रचने का उद्यम किया और अनेक ग्रंथ एकत्र कर उनके शब्द और नामावली इनकोषों में संग्रह किया इस भगवान्नाम सागर में शब्दों की नामावली सम्पूर्ण अकारादि क्रमसे और सम्पूर्णशब्द अकारादि क्रमसे श्रेणी बद्धहैं और इसके अतिरिक्त सरलसे सरल शब्दनामावली के आदि में दियागया है जिसमें बालकोंको

पढ़ने में और समझनेमें कुछभी कठिनता न हो जैसे हाथी घोड़ा ऊंट आदि नामोंकी नामावली में यहीशब्द पहिले लायेगये हैं और तीन २ नाम तकके नाम इसमें संग्रहीत हैं इसपर भी एक सूचीपत्र अकारादि क्रम से सम्पूर्ण उनशब्दों का दियाहुआहै जिनकी नामावली इसकोषमें है जिसकारण यह नामसागर अमर और नाममालाकाही नहीं बल्कि वर्तमानसमय के सबकोषों से बढ़कर उपकारी गुणकारी और लाभदायक है द्वितिय शब्दों के अन्त में शब्दसे शब्द और नामसे नाम बनाने की रीति है और उदाहरण के नाम आदि भी अकारादिही क्रममें हैं जैसे सांपसे हवा और हवा नामों से महावीर, जलसे कमल कमल से ब्रह्मा आदिके नामहैं हमारे कहने और बताने की कोई आवश्यकता नहींहै विद्यार्थी और मातृ भाषाके प्रेमी जब इसको ग्रहण करैंगे तभी सम्पूर्ण गुण प्रकट होजायँगे हमको भली भांति आशा है कि हमारी यह पुस्तक कवियोंको भी उपयोगी होगी इसके आधारसे पर्याय शब्द ढूंढने के हित अधिक परिश्रम न करना पड़ेगा ॥

॥ ग्रंथकार का देश ग्रामादि वर्णन ॥

यह तुच्छ बुद्धी ग्रंथकार कसबे महमूदाबाद में रहता है जो निज प्रदेश सीतापूर की पूर्व दिशा २० कोस पर और अवध राजधानी लखनऊ की उत्तर दिशा १६ कोसपर स्थितहै इस कसबे में खानज़ादे राजाओं की राज्य सदैव से चलीआती है वर्तमानकालमें श्रीमान् ऑनरेबुल राजा अमीरहसन खां के.सी.यस.आई. पदस्थ हैं जिनकी न्यायशीलता और प्रजा पालकता देश देशांतर में विख्यातहै इस कसबेकी चारोंसीमायें वन उपवन सरोवर और देवालयों से सुशोभित हैं जिनमें श्रमित पथिकों को स्वर्ग के सुख प्राप्त होतेहैं और नानाभांति के पक्षी हर्षित क्रीड़ा किया करते हैं राजमहल ग्रामकेमध्य एक सरोवरपर स्थित है जिसका द्वार हयगजादि राज चिह्नों से भूषित है इसीग्राम में श्रीअग्रवाल कुलभूषण जैनवंशावतंस श्रीमान् लालारत्नलाल महाजन रहतेरहे जो सदैव अपने धर्म कर्ममें सावधान ईश्वर भक्तिमें लीन थे इनके जेठभाई का नाम शिवचरणलाल था जो अपने गुण कीर्ति से आजलों प्रसिद्धहैं भाग्यवश लाला शिवचरणलालजी के कोई सन्तान जीवित न रही और लाला रत्नलाल जी के लालाकन्हैयालाल हुये इनके दो पुत्र एक नेमदास और दूसरा मैं भगवान्दास जैन हुआ नेमदासजीके कोईपुत्र न हुआ मेरे एक पुत्र जिसका नाम वासुदेवकुमार जैन है ॥

॥ धन्यवाद ॥

मैं श्री युत पण्डित बद्रीनारायण मिश्र वर्तमान डिप्टी इन्स्पेक्टर स्कूल जिला बांदा का यथोचित धन्यवाद करता हूं इन महाशयजीने मेरी इसग्रंथ के रचने में अतिही सहायता किया और सर्वभांति कष्ट सहकर मेरे ग्रंथको शोधकर छपाने को उत्साहित किया॥

❀ चिह्न ❀

औ०=औषधि, ना०=नामानि, पौ०=पौधा, वृ०=वृक्ष, वृ० व्रा फ०=वृक्ष व्रा फल

सजग ! सचेत !! सावधान !!!

१—प्रिय भ्रातृगण इसपुस्तक भगवान्नाम सागर कोष के सर्व प्रकार के अधिकारों [हकों] को मैंने अपनेही आधीन रक्खा है॥

२—इस की रजिस्ट्री सरकारी नियमानुसार बमूजिब ऐक्ट २५ सन् १८६७ ईसवी के कराली है॥

३—मैंने आपही इसको ऐसे अल्पदामों में अर्थात् केवल ।।।) में देनेका साहस किया है कि जिसमें छोटे बड़े सभी मातृभाषाके प्रेमी तथा विद्यार्थी इस से लाभ उठावैं॥

४—व्यौपारी तथा थोकके खरीदारों को कमीशन मिलती है अतः अब आप महाशयों से निवेदन है कि आप इतनेही में तृप्त होकर इसको अथवा इसके आशयको या इसके अनुवादादि का छापनेका उद्यम न करें जिससे कि लाभके बदले हानि न सहना पड़े॥

५—पाठकगण महोदय जो पुस्तक खरीद करें उसपर हमारेनामकी मोहर देखलियाकरें जिसपर मोहर न हो उसको चोरीका माल समझकर हरगिज न लेवें और जोमहाशय बिनामोहरकीपुस्तकें पकड़ैंगे उनको इनाम दियाजायगा॥

आप महाशयों का सेवक

भगवान्दास जैन

महमूदाबाद जिला सीतापूर–अवध



श्रीगणेशायनमः

भगवान्नामसागर.

॥ दोहा ॥

नाम एक नामानि बहु पूररहीं जगमांझ ।
ज्यों अकाश नखतावली जगमगात है सांझ ॥
जाना चाहत नाम जे कवि कोविद गुणधाम ।
तिनहित यहरचनाकियो सागरसिंधु ललाम ॥
मंगलकारण देव जो गणपति गौरि मनाय ।
रच्यों ग्रंथ भाषा सुभग सारद शीश नवाय ॥

अ

अंगार ना० अंगार, अलात, उल्मुक ३

अंगिया ना० कूर्पासक, चोल, चोली, वक्षस्स्थल, रतनवक्र ५

अंगुठा ना० अंगुठा, अंगुष्ठा, अंगूठा ३

अंगुरी ना० अंगुरि, अंगुरी, अंगुल, अंगुलि, अंगुली, अंगुलीय, अंगुल्य, अग्रुष, अथर्य, अभीशु, अराव्य, अविनय, करज, करशाखा, करा, कक्ष्या, गभस्त, जामय, दीधिति, धात, धुर, याकृत्म, योजनप,

रशुका, विप, विश, शर्य, शाखा, सनाभि, स्वसार, हरित, हस्ताग्र, क्षिप ३३

अंगुरी (अंगूठाके पासकी) ना० तर्ज्जनी, प्रदेशनी, प्रदेशिनी ३

अंगुरी (बीचकी) ना० मध्यमा १

अंगुरी (कंगुरियाके पासकी) ना० अनामा, अनामिका २

अंगुरी (कंगुरिया) ना० कनिष्ठिका. कनीनिका, कनीनी, कन्यसा ४

अंगूठी ना० अंगुरीयक, अंगुलिभूषण, अंगुलीयक, अंगूठी, ऊर्मिका, मुंदरी, मुद्रिका७

अंगेठी ना० अंगारधानिका, अंगारशकटी, अंगेठी, हसनी, हसंती ५

अंगोछा ना० उत्तरासंग, उत्तरीय, प्रावर, प्रावार, वृहतिका, संव्यान ६

अकोहर (वृ० वा फ०) ना० अंकुहर अंकोट, अंकोठ, अंकोड़, अंकोल, अंकोलक गुप्तस्नेह, दीर्घकीलक, नामफल, निकोचन, निकोठक, पाठसा, बेरची, भूसिता १४

अखरोट ना० अक्षोट, अक्षोटक, अक्षोड़, आक्षोट, आक्षोड़, कन्दराल, कर्पराल, जातपील, पृथक्छद, वृंतफल१०

अगर (**काली**) ना० अगरु, अनार्यक, कृमिजग्धा, कृष्णअगरु, कृष्णागरु, जांगल, जोंसाइत, तपामसिद्ध, राजार्ह, विश्वरूपक, वृत्तागरु, शीतमाणित १२

अगस्तवृक्ष ना० अगस्त, अगस्य, अगस्त्या, वंगसेन, मसिया, मुनिद्रुम, मुनिपुष्प७

अगस्त्यऋषि ना० अगस्ति, अगस्त्य, कुम्भज, कुम्भसम्भव, घटयोनि, मैत्रावरुण, मैत्रावरुणि, वरुणि ८

१—घटनामों पर जकार (पैदाकरनेके) अर्थ के शब्द लगाने से अगस्त्यऋषि के नाम होतेहैं जैसे कुम्भज, घट योनि, घटज

अगहनमास ना०=अगहन, अग्रहायण अग्रहायणिक, अग्रहायन, अग्रहायनक, मारग, मार्ग, मार्गशीर्ष, सहस, सहा १०

अगुआ (पेशवा, आगेचलनेवाला) ना० अग्रतःसर, अग्रसर, अग्रेसर, पुरःसर, पुरोग, पुरोगम, पुरोगामी, पृष्ठ ८

अगुरु ना० अगुरु, कृमिज, प्रवर, योगज, राजार्ह, लोह, वंशक, वंशिक, वंशिका ९

अग्नि ना० अग्नि, अग्नी, अनल, अप्पत, अप्पित, असितग्रीव, असितार्चिस्, आशर, आशायाश, आशुशुक्षणि, आश्रय, आश्रयआश, आश्रयभुक, आश्रयास, आसुपासु, उषर्वुध, ऊषबुध, ऊषर्बुध, कृपीटयोनि, कृशानु, कृषाणु, कृष्णवर्त्मा, चित्रभानु, जातवेद, जातवेदा, ज्वलजोति, ज्वलन, ज्वाला, तनुनिपात, तनूनपा, तनूनपात, दमना, दमुना, दमूना, दव, दहन, धनञ्जय, धूमकेतु, निर्जरजीभ, पावक, मित्रहोत्र, रोहिताश्व, लोहिताश्व, लोहिताक्ष, वाह्नि, वह्नी, वर्हि, वर्हिशुष्मन्, वसन्तर, वायुसख, वायुसखा, विभावसु, विश्वानरा, वीतिहोत्र, वृपाकपि, वृहद्भानु, वैश्वानर, शिखावान, शिखि, शिखी, शिषि, शुक्र, शुचि, शुष्म, शुष्मन्, शुष्मा, शोचिकेश, शोचिष्केश, सप्तर्चि, समीगर्भ, समीरसख, सुखमा, सुवल, स्वाहापति, हरि, हव्यवाहन, हिरण्यरेत, हिरण्यरेता, हुतभुक्, हुताशन ७५

१-पवननामोंपर मित्रअर्थ के शब्द लगाने से अग्नि के नाम होतेहैं जैसे पवनमीत, पवनसख, वायुसखा, समीरसख आदि

१-अग्निकण (चिनगारी) ना० अग्नि कण, अग्निकनिका, अनलकण, चिनगारी, चिनगी, स्फुलिंग, स्फुलिंगा, हुतासनकण ८

१-अग्निनामोंपर कणअर्थ के शब्दलगाने से अग्नि कणके नाम होतेहैं जैसे-अनल कण, अप्पतकण, आश्रयकण आदि

अग्निजिह्वा ना० कराली, काली, मनोजवा, विश्वदासा, सधुम्रवर्णा, सुलोहिता स्फुलिंगिनी ७

१—अग्निनामोंपर जिह्वा अर्थ के शब्द लगाने से अग्निजिह्वा के नाम होतेहैं जैसे अग्निजिह्वा, अनलजिह्वा, आदि

अग्निज्वाला ना० अर्चि, कील, कीला ज्वाल, ज्वाला, शिखा, हुतासनज्वाल, हेति८

१—अग्निनामोंपर ज्वाला अर्थके शब्द लगाने से अग्निज्वालाके नाम होतेहैं जैसे अनलज्वाला, अप्पितज्वाला, उषर्बुधज्वाला

अग्नितेज ना० अनलतेज, अप्पततेज, कृशानुतेज, जलन, जलना, सञ्जर, संताप७

१—अग्निनामोंपर तेज अर्थ के शब्द लगानेसे अग्नितेज के नामहोते हैं जैसे अप्पित तेज, कृशानुतेज, दहनतेज, आदि

अग्निप्रिया ना० अग्नायी, अग्निप्रिया अनलप्रिय, जातवेदप्रिय, धनञ्जयप्रिय, तनूनपाप्रिय, दहनप्रिय, स्वाहा, हुतभुक प्रिय, हुतासनप्रिय १०

१—अग्निनामोंपर प्रिया अर्थ के शब्द लगाने से अग्निप्रिया के नामहोते हैंजैसे अनलप्रिय, धनञ्जयप्रिय आदि ।

२—अग्निप्रिया नामोंपरपतिअर्थके शब्द लगानेसे अग्निके नाम होतेहैं जैसे अग्नायी पति, स्वाहापति आदि

अघाया ना० अवन, तर्प्पण, तृप्ति, प्रीणन४

अङ्गीकार ना० अंगीकार, अभ्युपगम, आगुर, आगू, आगूर्, आश्रव, आश्रव, आश्रव, नियम, प्रतिश्रव, प्रतिज्ञान, संश्रव, समाधि, सम्वित् १४

अङ्गीकारकियाहुआ ना० अंगीकृत, आश्रुत, उपगत, उपश्रुत, उररीकृत, उरीकृत, ऊरीकृत, प्रतिश्रुत, प्रतिज्ञात, संगीर्ण, संश्रुत, समाहित, सम्विदित, स्वीकृत १४

अच्छा ना० उद्ध, तल्लज, प्रकाण्ड, मचर्चिका, मतल्लिका ५

अजगर ना० अजगर, वाहस, शयु ३

अजमोद ना० अजमोद, अजमोदा, अत्युग्रगंधा, कर्कट, कारवी, खराह्वया, ब्रह्म कुशा, खराश्वा, दीपक, दीप्य, वली, मयूर, मयूरशिखा, मोदाहस्तिमयूरक, लोचमर्कट, लोचमस्तक, वास्तिमोदा १७

अजवाइन ना० अजवायन, अजमोदिका, उग्रगंधा, जवाह्वया, जवानिका, जवानी, जवासाह्वया, दीपका, दीप्या, ब्रह्मदर्भा, नीपनीया, भूकदंबाक, यमानिका, यमानी, यवानिका, यवानी १७

अजवाइनखुरासानी ना० जवानी, जावनी, तीव्रा, मदकारिणी, मदकारिनी, रुरुष्का६

अञ्जन ना० अंजन, कज्जल, जलपाटल, दीपज, दीपसुत, नागमुखी, सनागदीप ७

१—दीपनामोंपर सुत अर्थके शब्दलगाने से अंजनके नामहोतेहैं अर्थात् दीपतनय, दीपसुत, दीपसूनु, दीपांगज आदि

अञ्जीर ना० अंजीर, काकोदुम्बरिका फल, मंजुल ३

अटारी ना० अट्ट, प्रासाद, सौध, हर्म्य, क्षोम, क्षौम ६

अण्डा ना० अण्ड, अण्डा, कोश, कोष, पेशि, पेशी, पेशीकोष ७

अतिक्रम ना० अतिक्रम, अतिपात, उपात्यय, पर्य्यय, पर्य्याय ५

अतिशय (बारम्बार, बहुत) ना० अतिवेल, अतिमात्र, अतिशय, अत्यर्थ, उद्गाढ़, एकांत, गाढ़, तीव्र, दृढ़, नितांत, निर्भर, बाढ़, भर, भृश १४

अतिस्थिर ना० स्थास्नु, स्थिरतर, स्थेयस् स्थेयान् ४

अतीस ना० अतिविष, अतिविषा, अतीस अपरा, अरुणा, उपविषा, घुणवल्लभा, प्रतिविषा, भंगुरा, महौषध, विश्वा, विषा, शित शृंगी, शुक्लकंदा, शृंगी, श्यामकंदा १६

अत्यल्प ना० अणीय, अत्यल्प, अल्पिष्ठ अल्पीय, कणीय, कनीय ६

अदरख ना० आर्द्रिका, आर्द्रक, औषद, कटुभद्र, तत्कन्द, शृंगवेर, शृंगवेर ७

अद्भुत (अजीबगरीब) ना० अद्भुत आश्चर्य्य, चित्र, विचित्र, विस्मय ५

अधम (पापी) ना० अणक, अधम, अनक, अरम, अर्वा, अवद्य, अवम, आणक, कपूय, कुत्सित, कुपूय, खेट, गर्ह्य, निकृष्ट, प्रतिकृष्ट, याप्य, रेप, रेफ १८

अधिकारी ना० अधिकारी, अधिकृत, अध्यक्ष

अधोमुख ना० अधोमुख, अधोमुखी, अवाक्, अवाची ४

अनादर ना० अनादर, अवमानना, अवहेलन, अवहेला, अवज्ञा, असूक्षण, असूक्षण, असूर्क्षण, तिरस्क्रिया, परिभव, परिभाव, परीभाव, रीढ़ा, विमानना, संसूर्क्षण, हेला १६

अनार (फ० व० वृ०) अस्तवीज, करक, कीरप्रिय, डालिम, दाड़िम, दाड़िम्ब दाड़मी, दाड़िमी, दालिम, दंतवीज, दशनाकार, रक्तकुसुमा, लोहितपुष्पक, शुकप्रिया, सुकपीक, हानीककर १९

१—शुकनामोंपरप्रिया और पुष्पनामोंके प्रथमरक्तशब्द लगानेसे अनारके नामहोतेहैं जैसे शुकप्रिया, रक्तकुसुमा, आदि

अनिरुद्ध ना० अनिरुद्ध, उषापति, ऊषापति, ऋष्यकेतु, ऋष्यकेतन, ब्रह्मसू, विश्वकेतु ७

अनुक्रम ना० अनुक्रम, आनुपूर्व, आनुपूर्वक, आनुपूर्वी, आनुपूर्व्य, आवृत, परिपाटि, परिपाटी, पर्य्याय ९

अनेकरूपवाले ना० नानारूप, पृथग्विध बहुविधि, विविध ४

अन्त ना० अन्त, अन्त्य, चरम, जघन्य पश्चिम, पाश्चात्य ६

अन्तरध्यान ना० अगोचर, अंतर्द्धान, अंतर्हित, अंतरित, गुप्त, गूढ़, तिरोहित, दुर, दुरह, लुकान १०

अन्धकार ना० अन्ध, अन्धकार, अन्धेर, कुहरतम, तमस, तम, तमिस्र, तिमिर, ध्वांत ९

१-अन्धकार नामोंपररिपु अर्थके शब्दलगानेसे सूर्य्य के नाम होतेहैं जैसे अन्धकारारि

अन्न ना० अन्ध, अर्क, अन्न आयु,इरा, इला, इष, ऊर्क, कीलाल, धासि, नम,नेम पय, पितु, वृक्ष, प्रय, ब्रह्म,यश,रस,वर्चः वाज, श्रव, शश्य, शून्यता, सिन, सुत, सुतम्, स्वधा, क्षुध, २९

अन्नादिकाढेर ना० उत्कर, कूट,पिञ्ज पुञ्ज, पुञ्जिन, राशि ६

अपभ्रंस (अशुद्धशब्द) ना० अपभ्रंश, अपशब्द २

अपमानित ना० अपमानप्राप्त, अपमानित, अवज्ञानित, अवमत, अवमानित, अवज्ञात, परिभूत ७

अपराजिता (औ०) ना० अपराजिता, आस्फोटा,आस्फोता,गिरिकर्णी,गिरीकर्णी जया,नीलपुष्पी,महापराजिता,विष्णुक्रांता ९

अपराध ना० अग, अपराध,अवगुण, अहित,आग, आगस् ,दोष, मंतु, हेलन ९

अपवादी (चोरी छिनारासे दूषित) ना० अपवादी, अभिशस्त, आक्षारित, लोकापवादी, क्षारित ५

अप्रधान ना० अप्रधान, अप्राध्य,उपसर्जन ३

अप्रियवादी ना० अनर्गलवादी, अवद्धमुख, कटुवादी, दुर्मुख, मुखर, वादी ६

अप्सरा ना० अप्छरा, अप्सरस,उर्वसी, उर्व्वशी, ऊर्वसी, घृताची, तिलोत्तमा, मंजुघोषा,मेनका,सुकेशी,स्वर्वेश्या,स्वर्वैश्या १२

अफवाह (गौगा) ना० किंवदन्ति, किंवदन्ती, जनश्रुति, लोकप्रवाद ४

अफीम ना० अफीम, अहिफेन, अहिफेनिक, आफू, आफूक, तद्रसोद्भूत ६

अबरख ना० अभ्रक, अमरख,अमल, आकाश, गिरिज,गिरिजामल, पटलावर, पीतक, स्वस्थ, स्वास्थ १०

१-पार्वतीनामोंपर मलशब्दलगानेसे अबरखकेनामहोतेहैं जैसे गिरिजामल, शिवामल

अभिप्रायकेयोग्य ना० आकार,इंग,इंगित

अभिमान ना० अभिमान, अहंकार, गर्व, दर्प, मद, मान ६

अभिमानी ना० अभिमानी, अहंकारी गर्वित, गर्वी, दर्पित, दर्पी, मानी ७

अमरबेलि ना० अमरबेलि,आकाशबेलि, कटम्भरा, कुब्जप्रसारिणी, प्रसारिणी, भद्रबला, राजबला, लता,बल्लरी, बिसती, बिसुनी, व्रतती,सरण, सरणी १४

अमलबेंत ना० अमलबेंत, अमलवेतस्, अम्लवेतस्,चुक्र,चुक्रवेतस्,शतभेदक,सहसूनुत्—अम्ललोणिका, अम्ललोलिका, अम्बष्ठा,चांगेरी, चुक्रिका,दंतशठ, ६ येभी किसीरके मतानुसार अम्लवेतकेनामहैं ॥

अमला ना० अमला,अम्रातक,आम्रातक कपीतन, पीतन ५

अमलोलवा ना० अमलोलवा,अम्ललोणिका, अम्ललोलिका,अम्बष्ठा,चांगेरी, चुक्रिका, दन्तशठा, लोनिया ८

अमावस ना० अर्दशः,अमा,अमामसी अमामासी, अमावस,अमावसी, अमावस्या अमावासी, अमावास्या, कुहु, कुहू, दर्शः, सूर्य्येंदुसंगम १३

अमास ना० अमास,शोथ,शोफ,श्वयथु,सूजन

अमिलतास ना० अमिलतास, आरग्वध, आरेवत, आर्ग्वध, कर्णिकार, कृतमाल, चतुरंगुल,दीर्घफल, राजवृक्ष, व्याधिघात,

शम्पात,शुम्पाक,सम्पाक,सुपर्णक, सुवर्णक स्वर्णांग, स्वर्णभूषण १७

अमिली (वृ० वा फ०) ना० अमली अमिली, अमिलीय, अम्लिका, अम्लीका, आंबिली, आमिली,आम्लिका, आम्लीका, चिंचा, चुक्रिका, तिंतड़ी, तिन्तिड़ी, तिन्तिड़िक, तिन्तिड़ीका, तिंतिली, शुक्र चण्डिका, शुक्रिका १८

अमृत ना० अगदराग, अमी,अमृत, पियूष, पीयूष, पेयूष, पैयूष मधु, मयूष, मृगांक, सुधा, सुरभोग, सोम १३

अमृतफल ना० अमृतफल,अमृताब्द, फलाकृति, रुचिफल, लघुविल्व ५

अम्बर (कपड़ा) ना० अंशुक, अम्बर चीर, चैल, चोल, छादन, दुकूल, निचोल पट, वसन, वस्त्र, वास, १२

अरणी (अगियाखर) ना० अग्निमंथ अरणि, अरणी, कणिका, जयकेतु,जयः मणिकारिका, वैजयन्ती, श्रीपर्णी ६

अरहर ना० अरहर,अर्हा,आढ़की,काक्षी, तुवरी, तुवरिका, तूर, तूवरिका,तूवरी, तूवरीका,तार,मृतालक,मृत्स्ना,सुराष्ट्रज१३

अर्जुनवृक्ष ना० अर्जुन,इन्द्रद्रुम,ककुभ, नन्दीवृक्ष,नन्दीसर्ज, वीरतरु, शतद्रुम ७

अर्हंत (जैनियों के इष्टदेव) ना० अर्हन्, अर्हंत, केवली, जिन, जिनदेव, जिनराज तीर्थंकर, तीर्थंकृत, भगवान, मार्जित, मदनविदारण, मदनमारण,वीतराग, सर्वदर्शी, सर्वज्ञ १५

अलग ना० तनु, पृथक, पेलव,विरल४

अलसी ना० अतसी, अलसी, उमा, चेलु नीलपुष्पी, मसृणा, क्षुमा ७

अल्प ना० अल्प, स्तोक,क्षुल्लक ३

अवाच्यवक्ता ना० अवाच्यवक्ता,कुवाच्यवक्ता, जल्पाक, जल्पाकी, बहुगर्ह्यवाक्, वाचाट, वाचाल ७

अशिक्षित ना० अविनीत, धृष्ट,धृष्णक, धृष्णु, वियात ५

अशोक ना० अशोक, दोहल,वञ्जुल३

अश्विनी (नक्षत्र) ना० अश्वनी, अश्वयुग्, अश्विनी ३

अश्विनीकुमार ना० अश्विनीआत्मज, अश्विनीतनय,अश्विनीपुत्र अश्विनीसुतौ, अश्विनीकुमार, अश्विनौ, आश्विनेयौ, दस्रौ, नासत्यौ, नासिक्यौ, स्वर्वैद्यौ ११

१—अश्विनी नामपरसुत अर्थ के शब्द लगाने से अश्विनी कुमारके नाम होते हैं जैसे अश्विनीतनय,अश्विनीनन्दन आदि

असगंध ना० अश्वगंध, अश्वगंधा, अश्वा, कोकणी, तुरंगाब्दा, बरहा,वराहकर्णी, वरोहक, वल्या, वाजकिरी, वाजीकरी, वृषा १२

असबरग(स्पृक्का) ना० असपरक, कोटिवर्षा, कोटीवर्षा, देवा, पिण्डका, पिशुना, मरुन्माला, लंकापिका, लंकोपिका, लता, लघु,बधू,विडार,समुद्राता,स्पृक,स्पृक्का१६

असहाय ना० एक, एकक, एकाकी३

असाढ़ (मास) ना० अशाढ़,अषाढ़, अषाढ़क, असाढ़, आषाढ़, शुचि ६

असिमिलोरा ना० अपत्र, अल्पपत्र, अस्मत, कुवस्म, पापनाशन, मल्लिका, युग्मपत्र, योनिकुशला ८

अहंकार ना० अतितव्य, अभिमान,

अहंकार, उर्दावत, उद्धर, उद्धत, गर्व, घमण्ड, दर्प, मद, मान, सौंडीर १२

अहीर ना० अभीर, अहिर, अहीर, आभीर, गोदुह, गोधुग्, गोधुह, गोप, गोपाल, गोसंख्य. वल्लभ, बल्लव १२

अहीरिन ना० अभीरी, अहिरिन् अहीरिन, आभीरी, गोदुही, गोपाली, गोपालिका, महाशूद्रा, महाशूद्री, बल्लवी १०

अक्षर (लिखाहुआ) ना० अक्षर विन्यास, अक्षरसंस्थान, लिखन, लिखित लिपि, लिपी, लिवि, लिवी, लेखन ६

अज्ञान ना० अविद्या, अहंमति, अज्ञान, ज्ञानहीन ४

आ

आंकुश ना० अंकुश, आंकुश, शृणि, सृणि ४

आंख ना० अम्बक, अक्ष, अक्षि, आंखि ईक्षण, चष, चक्षु, चक्षुस्, दृक्, दृग, दृष्टि, दृष्टी, नयन, नेत्र, नैन, नैना, लोचन १७

आंखकी पुतली ना० तारका, कनीनिका, कनीनी ३

आंगन ना० अंगण, अंगन, आंगन, अजिर, चत्वर, प्रांगण ६

आंत ना० अंत्र, आंत, आंतड़ी, आंतू, परितत, परीतत् ६

आंधी ना० आंधी, प्रकम्पन, महापवन, महावात ४

आंवला (पानी) ना० औमलक, नागर, प्राचीन, रक्तक ४

आंवला (भूमि) *ना० अंवरामूमि,* अंवरीभूमि, अभ्रटा, अमलाज्झटा, जटा झटामला, झाटामाला, झाटामला, तमालकी, तामलकी, ताली, बहुपत्रा, भूधात्री, वितुन्नक, शिव, शिवा १६

आंसू ना० अश्रु, आंशू, नेत्रजल, नेत्राम्बु, रोदन, लोचनवारिज, लोचनसलिल ७

१—पानी नामों के प्रथम नेत्र नामके शब्द लगाने से आंसूके नाम होते हैं

आइना ना० आइना, आदर्श, आरसी, दर्पण, दर्पन, प्रतिविम्बित, मुकुर, शीशा ८

आकाश (आसमान) ना० अकाश अध्वर, अध्वा, अनन्त, अन्तरिक्ष, अन्तरीक्ष, अभ्र, भ्रम, अम्बर, आकाश, आप, इव, ख, खम्, गगण, गगन, गौ, तारापथ, दिव, द्युः, द्यौ, धन्वा, नभ, नाक, पुष्कर, पृथिवी, प्रश्नि, वार्हि, विष्टप, विष्णुपद, विहाया, विहायसा, विहायस्, विहायसी, व्योम, व्यौम, सुरवर्त्म, सुरवर्त्मन्, सगर, समुद्र, स्वः, स्वयम्भू, हरिपद ४३

आकाशगंगा ना० आकाशगंगा, विषगंगा, मन्दाकिनी, सुरदीर्घिका, स्वर्णदी, स्वर्नदी ६

१—आकाश नामोंपर गंगानाम के शब्द लगाने से आकाश गंगाकेनाम होते हैं ।।

आकाश पाताल ना० अदिती, अपारे अंभसी, अही, ओरायो, उर्वी, गभीरे, गम्भीरे, घृतवती, चम्वौ, दूरेअंते, धिषणे, नभसी, पार्श्वौ, पुरंधी, पृथ्वी, बहुले, मही, रजसी, रोदसी, सदसी, सम्नी, स्वधे, क्षोणी, २४

आड़ू ना० आड़ू, आरुक, वीरसेन ३

आदमी ना० अदमी, अनव, आदमी, *आयव, कृष्टय, गोध, चर्षणय, अगत,* जन, जंतव, तस्युष, तुर्वशा, द्रुह्यव, धवा, नर, नरा, नहुष, नृ, पंचजना, परमपवित्र

वपु, पुमान्, पुमांस, पुरव, पुरुष,पुरुषा, पुरूषा,पूरषा,पूरुषा, पूतना,मनुज, मनुजा, मनुष्य, मनुष्या, मर्त, मर्त्य, मर्त्या, मर्य, माणव, मानव, मानवा, मानुक, मानुष, मानुषा, मानुष्य, यादव, विवस्वंत, विश, व्राता, हरप, क्षितिप ५०

आदमीभेद (नायक भेद काव्यानुसार) ना० अधम, अनकूल, अनाभिस नायक, अनुरक्त, आरूढ़, उत्तम,उपपति काममत्तनायक,क्रियाचतुरनायक,गुणमानी गूढ़नायक, चतुरनायक, दक्षिणनायक, धनमत्तनायक,धीरप्रधाननायक,धीरललित नायक, धीरोदात, धीरोधिता,धृष्टनायक पति, प्रोषितनायक, बचनचतुरनायक, मत्तनायक, मध्यमनायक मानीनायक,मूढ़ नायक, रूपमानीनायक, वैसिकनायक, शठ,शिष्ट,सुरमत्तनायक,स्वकृतनायक ३२

आदि ना० अग्रिम, आदि, आदिम, आद्य, पूर्व, पौरस्त्य, प्रथम ७

आधीन ना० अधीन, अस्वच्छन्द, आधीन, आयत,गृह्यक,निघ्न,परवन्तौ ७

आधीरात ना० अधरा, अधगत, अर्द्धरात्र,अर्द्धरात्रि, निशाहानिशि,निशिथ, निशिनिशि; निशीथ, निसिनिसि, मध्य रात्रि १०

आनन्द ना० अनन्द,आनन्द,आनन्दथु, आनन्दि, आमोद, उत्सव, नन्दि, प्रमद, प्रमुद, प्रमोद, प्रीति, मुत्, मुद, मुदा, मुदिता, मोद, विनोद, शर्म, शर्म्म,शात, सम्मद, सम्मुद, सात, सुख, सौख्य, हरष, हर्ष २७

आबीसेब ना० अंमफला, चापसह, सिंवतिकाफल ३

आम (वृ० वा फ०) ना० अतिसौरभ, अम्र, आंब, आम, आम्र, कामवल्लभ, कामाग, चूत, पिकप्रीय, पिकबंधु, मधुदूत, मनोत्सव, माकन्द, रसाल, सहाकार, सहकार १६

आम्बाहल्दी ना०अम्बाहल्दी,आम्बाहल्दी, कचूर, कर्चुर, कर्चूर, गन्धमूला, गन्धमूली, गन्धशटी, पलाशः, शटी,षटी, षड्ग्रन्थिका, सटी १२

आयुबड़ीवाला ना०आयुष्मान्,जैवातृक, जैवातृका, दीर्घायुषी ४

आरम्भ ना० अभ्यादान, आरम्भ, उद्घात, उपोद्घात ४

आरा व आरी ना०करपत्र,क्रकच,क्रकर ३

आरामशीतला ना० आरामशीतला, कुष्कुर, कुष्कूर, देवगंधा, मर्दक ५

आरतगल ना०अगुंठ,आगुंठ,आर्तगल, प्रवर्षन; बहुकण्ठ ६

आलसी ना० अनुष्ण, अलस, आलस्य, तुन्दपरिमार्ज, तुन्दपरिमृज, मन्द,शीतक७

आलस्य ना० तन्दि, तन्द्रा, तन्द्रि, तन्द्री, प्रमीला ५

आलू ना० आलू, काष्टा, काष्टालू, पिण्डालु, पिण्डालू, मध्वालू, महत्कष्टा, माध्वालू, रक्तकन्द, रक्तालू, रोमसासंख, लूहस्तालु, वृषागंधा, संकाशी, सास्वालू, स्वल्पकष्ठक,हस्तालुक, हस्तालू १८

आश्चर्य ना० अद्भुत्, अद्भुत,अहो, आश्चर्य्य, चित्र, विस्मै,विस्मय ७

आसन ना० आसन, आसना,आस्या

पट, पीठ, पीढ़ा, विष्टर ७ * *

आहूबेर (हाऊबेर) ना० अश्वत्थफला, ध्वांक्षनाशिनी, प्लीहहंत्री, मत्स्यगंधा, विषघ्नी, विस्रा, हपुषा, हबुषा, हाहूबेर ९

आज्ञा ना० आयसु, आदेश, आज्ञा, निदेश शासन, शास्ति, शिष्टि ७

आज्ञाकारी ना० आश्राव, आज्ञाकारी बचनग्राही, बचनेस्थित, विधेय, विनयग्राही ६

——इ——

इच्छा (चाह) ना० अभिलाष, अभिलास, आकांक्षा, इच्छा, ईप्सा, ईहा, कांक्षा, काम, कामना, तर्ष, तट्, तृषा, दोहद, दोहल, मनोरथ, लिप्सा, वांछा, स्पृहा १८

इत्र (अतर) ना० इतर, इत्र, चूर्ण, वासयोग ४

इनरायन ना० इनराइन, इन्दरुवा, इन्द्रवारुणी, इन्द्रायण, ऐन्द्री, गवाक्षी, गवादनी, चित्रा, महाफला, मृगादना, मृगाक्षी, मृगैर्वाह, वारुणी, विशाला, श्वेतपुष्पा १५

इन्द्र ना० अप्सरानाथ, अप्सरापति, अमरपति, अमराधिक, अमराधिप, अमरापति, अमरेश, आखण्डल, आखण्डलपति, आखण्डलराजा, इन्द्र, ऐरावतिपति, कौशिक, गीरवाणेश, गोत्रभिद्, जम्भभेदी, जिष्णु, तुराषाट्, तुराषाड्, तुराषाह, दिवस्पति, दिवापति, दुश्चमन, दुश्च्यवन, देवपति, देवराज, नमुचिसूदन, नमुचिहरि, पाकशासन, पाकारि, पुरन्दर, पुरुहूत, पुलोमजापति, पुलोमजापती, पौलोमअरि, प्राचीनवरा, वास्तष्पति, विडोजा, विडौजा, भूधरमदमोचन, मघवन, मघवा, मघवान्, मरुत्वान्, मरुत्सखा, मातलिसूत, मेघवाहन, रिपुपाक, लेखर्षभ, वज्रधर, वज्री, वासव, वास्तोष्पति, त्रिदशेश, विबुधेश, वृद्धश्रवा, वृषव्रत, वृषा, वृत्रहा, शक्र, शक्राह्व, शचीपति, शतक्रतु, शतमन्यु, शुनाशीर, सक्रंदन, सतमान, सहस्रदृग, सहस्राक्ष, सुरपति, सुरभूप, सुनासीर, सुत्रामा, सूत्रामा, स्वर्गेश, स्वराट, स्वःराज, हय, हरि, हरिवाहन, हरी ८२

१—नेत्र नामोंके प्रथम सहस्र अर्थके शब्द लगानेसे और अप्सरा, इन्द्राणी, दिन और देवता नामोंपर पति अर्थ के शब्द लगाने से इन्द्रके नाम होते हैं जैसे सहस्रनयन, अप्सरानाथ, सुरेश्वरयापति, शचीपति, अहर्पति, दिवसपति, सुरपति आदि

२—इन्द्रनामों पर अस्त्र और धनुष अर्थ के शब्द लगाने से इन्द्रधनुषकेनाम होते हैं जैसे इन्द्रधनुष, शक्रास्त्र आदि

इन्द्रजाल ना० इन्द्रजाल, माया, शांबरी साम्बरी ४

इन्द्रजाली ना० इन्द्रजालिक, इन्द्रजाली, प्रतिहार, प्रातिहार, प्रातिहारक, प्रातिहारिक, मायाकार, मायाविन्, मायावी, मायिन्, मायी ११

इन्द्रधनुष ना० इन्द्रायुध, पुरंदरास्त्र, शक्रधनु

१-इन्द्रनामोंपर अस्त्र और धनुष अर्थ के शब्द लगाने से इन्द्र धनुषके नाम होते हैं जैसे इन्द्रधनुष, शक्रास्त्र आदि

इन्द्रपुष्पी ना० अग्निशिखा, अनन्ता, इन्द्रपुष्पा, फलिनी, विशल्या, शक्रपुष्पिका ६

१-इन्द्रनामोंपर पुष्पी शब्द लगानेसे इन्द्रपु-

र्णाके नाम होते हैं जैसे शक्रपुष्पी आदि

इन्द्रपुत्र ना० इन्द्रपुत्र, जयन्त, पाकशासनि ३

इन्द्रयव ना० इन्द्रजव, इन्द्रयव, कालिंग, कालिंग, भद्रजव, भद्रयव ६

इन्द्रयान ना० इन्द्रयान, विमान, व्योमयान, स्वयान ४

१-आकाशनामोंपर यान अर्थके शब्द लगानेसे इन्द्रयानकेनाम होतेहैं जैसे अभ्रयान, व्योमयान आदि

इन्द्रवारुणी ना० अन्येन्द्रवारुणी, आत्मरक्षा, इन्द्रवारुणी, इन्द्रविषादनी, ऐन्द्रन्दी, क्रमिकुम्भ, गजचिर्पटी, गवादिनी, चन्द्रदत्त सुता, चित्रदेवी, चित्रा, चित्राफल, नागदन्ती, महाला, मृगाक्षी, विशाला, वृषभाक्षी, श्वेतपुष्पा, क्षुद्रफला, त्रिपुर्सी २०

इन्द्राणी ना० इन्द्रप्रिया, इन्द्राणी, पुलोमजा, शचि, शची ५

इन्द्रनामोंपर प्रियाअर्थके शब्द लगानेसे इन्द्राणी के नाम होते हैं जैसे हरिप्रिया

इन्द्री ना० इन्द्रिय, इन्द्री, विषयि, हृषीक ४

इन्द्रीदमन ना० इन्द्रियनिग्रह, इन्द्रीदमन, इन्द्रीनिग्रह, दम, दमथ, दान्ति ६

इलायचीबड़ी ना० इलायची, एला, चन्द्रबाला, निष्कुटि, पृथ्वी, पृथ्वीका, बहुलगंधा, बहुला, भद्रेला, बृहदेला, स्थूलैला, स्थूला, त्रिदिवोद्भवा, त्रिपुरा १४

इलायची छोटी या गुजराती ना० उपकुंचिका, कपोतवर्णी, कोरंगी, तुच्छा, द्राविड़ी, निष्कुटी, पृथ्वीका, बहुला, भृङ्गपर्णिका, सूक्ष्मा, सूक्ष्मैला, त्रिपुटा, त्रुटि, त्रुटी, १४

ई

ईंधन ना० इध्न, इन्धन, ईंधन, एध, एधस्, समित ६

उ

उजला ना० अर्जुन, अवदात, अवलक्ष उजला, उज्जल, उज्वल, गौर, धवल, पांडु, पाण्डुर, वलक्ष, विशद, विषद, शुक्ल, शुचि, शुभ्र, श्येत, श्येता, श्येनी, श्वेत, श्वेता, सित, सिता, हरिण २४

उड़री ना० उड़री, दिधिषु, दिधिषू, पुनर्भू ४

उतराई ना० अनुतर, आतर, आतार, उतराई, तरपराय ५

उत्कण्ठा ना० उत्कण्ठा, उत्कालिका २

उत्सव ना० उत्सव, उद्धव, उद्धर्ष, मह, महस, क्षण ६

उदार ना० उदार, दयालु, महाशय, महेच्छ ४

उदास ना० अन्तर्मना, उदास, दुर्मना, विमना ४

उदाहरण ना. उदाहरण, उदाहार, उपोद्घात

उद्योग ना० उद्यम, उद्योग, गुरण, गूरण, गोरण ५

उपटन (बोकवा) ना० उबटन, गात्रानुलेपनी, वर्णक, वर्ति, वर्ती, विलेपन ६

उपटनलगाना ना० उच्छादन, उत्सादन, उद्वर्तन ३

उपरागिनी ना० काफी, जंगला, झंझौटी बंगाल, बरवा, बैसारि, पूर्वी, भास, माध्वी मुल्तान, रामकली, घट, सहाना, सिन्दूर, सोहनी, हमीर १६

उपवास (फांका) ना० उपवस्त, उपवास, उपोषण, उपोषित, औपवस्त ५

उर्द (अन्नविशेष) ना० उर्द,माष,माषकलाय;राजमाषक, वीर्यकर ६

उलटा ना० अपटु,अपसव्य, उलटा, प्रतिकूल, प्रसव, विपरीत ६

उलटापुलटा ना० विपर्यय,विपर्य्याय विपर्य्यास,व्यतिक्रम, व्यत्यय,व्यत्यास६

उलटी (उच्छार) ना०उलटी, छर्दि, छर्दिस्, छर्दी, प्रच्छर्दिका, वमथु, वमन, वमि, वमी ९

उल्का ना०अग्न्युत्पात,उपाहित,उल्का, धूमकेतु ४

उल्लू (पक्षी) ना० अहरान्ध,उलूक, उल्लू,उल्लूक, काकारि,कौशिक,घुग्घू,घूक, घूघू, दिवान्ध, दिवाभीत, धूक, निशाचर, निशाटन,पेचक, वायसाराति १६

१-दिननामोंपरअंध और रातनामोंपर चर अर्थके शब्द लगानेसे उल्लूके नाम होते हैं जैसे दिवांध,निशाचर आदि

उसानापसाना ना० निष्पाव,पव.पवन३

ऊ

ऊंट ना० उष्ट्र, उष्ट्रक; ऊंट,ऊष्ट्र,ऊष्ट्रक क्रमेलक, क्रमेलिक, दीर्घग्रीव, धूम्र, मय, मरुत्य,मरुप्रिय, महांग,वक्रकुल, वक्रग्रीव साखाशन् १६

ऊंटगाड़ी ना० अध्युष्ट्र,उष्ट्रयान २

ऊख ना० इक्षु, ईख, ऊख, कृष्णेक्षु, गुड़तृण, पौंड्र, पौंड्रक, पौंड्रि, मधुतृण, महारस, रसाल, सुकुमार, ह्रस्वमूल १३

ऊंचा ना० उच्च,उच्छ्रित,उतंग,उत्तुंग, उदग्र, उन्नत,ऊंच,ऊंचा,तुंग,प्रांशु १०

ऊसर ना०अनूपर,ऊपर,ऊपवान्,ऊसर४

ऋ

ऋण (कर्जा)ना०उद्धार,उधार,ऋण, पर्य्युदंचन ४

ऋत्विज् ना०कुरव,देवयव,भरता,मरुत, यतस्रुच, वाघत,वृक्तबर्हिष, सवाध ८

ऋद्धिवृद्धि (औ०) ना०ऋद्धि.योग्य, रथांगी,लक्ष्मी, वृद्धाख्य, वृद्धि, सिद्धि७

ऋषभक (औषधिविशेष) ना० ऋषभ, दुर्धर,धीर, धुर्य ४

ऋषि (तपस्वी) ना० ऋषि,ऋषी, जटली,जपी,तपस्वी,तपी, तापस्, तापसी, दण्डजारु, दण्डी, निर्वानी, भगवान्भन, भिक्षुक, मुण्डी, मुनि, मुनी, यती, योगी, योगेश्वर, वर्णि, वर्णी, व्रती, शंसित, संन्यासी, संयमी, साधु, साधू २७

ए

एकाग्र ना० अनन्यवृत्ति.एकतान,एकसर्ग, एकाग्र,एकाग्र्य एकायन,एकायनगत

एकांत ना० उपांशु,एकांत,छन्द,छन्न, निःशलाक,रह, विजन,विविक्त,विविक्त९

ऐ

ऐरावत ना०अभ्रमातंग, अभ्रमुवल्लभ, ऐरावण, ऐरावत ४

ऐश्वर्य ना०ऐश्वर्य, भूति,विभूति,सिद्धि४

ओ

ओखरी (गाली)ना०ओखरी;ओखली, उखल, उदूखल, उलूखल ५

ओला (पत्थर) ना० उपल, ओला, करक, करका, वर्षोपल ५

ओठ ना०अधर,ओठ,ओष्ठ,दंतावास,

ष्ठोष्ठ,रदनछद,रदनच्छद,रदनपट,रदपट९

१ दांतनामोंपर वासअर्थ के शब्दलगाने से ओष्ठके नाम होतेहैं जैसे दंतावास आदि

२-ओष्ठ नामोंपर उपमा शब्द लगाने से कन्दूरी (इन्द्रायण)के नाम होतेहैं जैसे ओष्ठोपम आदि

——⁂ औ ⁂——

औंगा ना०अपामार्ग,ऊंगा,औंगा,किणही खरमंजरी,मत्यकपर्णी, मत्यक्पुष्पी,मयूर जटा, मयूरक,वशिर, शिखरी, शैखरिक, शैखरेय १३

औंगालाल ना० ऊंगालाल, कपिपिप्प ली, वसिर ३

औंधेमुख ना०अधोमुख,अवनत,अवाग्र, आनत, नत ५

औंरा ना० अंवरा, अमृतफल, अमृता, अम्रात, अम्रातक, आंवड़ा,आंवला,आमलक,आमलकी,आम्रात,आम्रातक,औंरा, कायस्था, तिष्यपुष्पा, तिष्यफला, तिष्या, धात्रिका,धात्री, धात्रीफल, वयस्था शिवा, श्रीफली २२

औषधि ना० अगद, औषध, औषधि भेषज, भैषज्य ६

——⁂ क ⁂——

ककड़ी ना० इर्वारु,ईर्वारु ईर्वालु,उर्वारु एर्वारु, ककरी, कर्कटि, कर्कटी, कांकड़ी, लोमशकगडा, लोमशा, व्यालपत्रा १२

ककड़ीजठऊ ना०गवाक्षी,गोडुम्बा,चित्रा ३

ककही (नागवला) ना०ककही, गांगेरुकी,जषा,नागवला,बला,ह्रस्वगवेधुका ६

ककूंदरि ना०ककून्दरि, कोलदल,खुर, नख, नखी, नखाख्य, शख,शुक्ति, हट्टविलासिनी, हनु १०

ककोड़ा ना०ककोड़ा,कर्कोटकी,पीतपुष्पा ३

कंकण ना०ककना, कंकण,कंगन,करभूषण ४ (येहीकड़ेकेभी नामहैं) ॥

कंकोल ना०कंकोल, कटुकंकोल,मर्दाच, मधुवोषित ४

कंघी (हाथीदांतआदिकीबनी) ना० कंकत, कंकतिका,कंकती, कंघी,प्रसाधन, प्रसाधनी ६

कचनार(दोनों)ना०आस्फोत,कांचनारि, कांचनक;कुण्डली, कुद्दाल, कोविदार, गंडारि,चमरिक,ताम्रपुष्प,पाकारि, मरिक, युगपत्रक,रक्तपुष्प, शोणपुष्पक, स्मंतक, स्वल्पकेशरी १६

कचलूण ना०कचलूण,काच,काचमल, काचसंभव लवण, त्रिकूट, ६

कचूर ना०कचूर, कर्चूर कर्चूरक,कर्बूर कर्बूरक, कल्पक, काल्यक,काल्यक, गंधमूलक, गंधमूला, गंधमूलिका, गंधमूली, दुर्मल,द्राविड़, द्राविड़क, वेधमुख्य १६

कचूरभेद ना०गंधमूलिका,पलाशी,शटी, पट्टग्रंथा, षड्ग्रंथिका ५

कछुआ ना०कच्छप, कछुवा, कछुहा, कमठ, कूरम, कूर्म्म, गूढ़पाद,दृढ़पृष्ठक ८

कछुवी ना० कछवी, कछुही, कमठी, डुलि,डुली डुड़ि, दुलि, दुली ८

कञ्जा (वृ०वा फ०) ना०करंजु,करंज करंजक, घृतपर्णक, घृतकरञ्ज, घृतपूर्ण, घृतपूर्णक, चिरबिल्व, चिरविल्व, चिर विल्वक, चिरुविल्व, नक्तमाल, नक्ताह, पूतिपर्ण, पूतिपर्णक, पूतिकरंज १६

करञ्जाकांटेदार (दुर्गंधकरंज) ना० कलिकारक, कलिमाल्य, पूतिका, पूतिकरज पूतिकरंज, पूतीक, पूतीकरज, पूतीकरंज, प्रकीर्य्य, प्रकीर्ण, सोमवल्क ११

करञ्जाभेद ना० (करंजविशेष) अंगारवल्लरी, मर्कटी, षड्ग्रंथा ३

कञ्जूस (सूम) ना० अनमितंपच, कंजूस, किम्पच, किम्पचान, कृपण, मितंपच, क्षुद्र ७

कटनास ना० कटनास, किकि, किकीदिवि किकिदीवि, कीकि, कीकिदिव, चाय, चास, दिवि, दीवि, नीलकंठ, नीलटांस, लीलागड़ास

कटहर ना० अतिवृहत्फल, कटहर, कटहल, कंटकफल, कंटकिफल, कंटकीफल, गर्भकंटक चम्पकालु, पणश, पणस, पनस, फलस १२

कटभी(वृक्षविशेष, ना० कटभी, कटुम्भर मधुरेण, स्वादुपुष्प ४

कटैयाउजली ना० गर्भदा, चंद्रपुष्पा, चंद्रभा, चंद्रहांसा, चंद्री, प्रियंकरी, लक्ष्मणा श्वेतकटाई, क्षेत्रजा, क्षेत्रदूतिका, क्षेत्रदूती ११

कटैयाछोटी ना० कराटकारी, कराटकनी, कराटाकिनी, कराटकारिका, कंटालिका, कराटालु, कुली, दुःस्पर्शा, दुष्प्रधर्षिणी, धावनी, निदिग्धिका, पृशी, प्रचोदनी, भटकटाई, राष्ट्रिका, वृहती, व्याघ्री, क्षुद्रा ११

१-येही भटकटैया के नाम हैं

कटैयावड़ी ना० कुली, दुष्प्रधर्षिणी, पौरकी महती, महोटिका, राष्ट्रिका, वार्ताकी, महोष्ट्री, वृहती, सिंही, हिंगुली, क्षुद्रभंटाकी, क्षुद्रवार्ताकी ११

कटोरा ना० कंश, कंस, कांस्य, जलपात्र, पानपात्र, पानभाजन ६ (येही कटोरी गिलास और आबखोरा के नाम हैं) १ पानीनामोंकेऊपरपात्र अर्थकेशब्दलगानेसे कटोरा के नाम होतेहैं जैसे जलपात्र आदि

कठचम्पा (वृक्षविशेष) ना० कठचम्पा कर्णिकार, द्रुमोत्पल, परिव्याध ४

कठफोरवा(पक्षीविशेष) ना० कठफोरवा, कठफोरा, दार्वाघाट, शतपत्रक ४

कठिन ना० उग्र, उल्वण, कक्खट, कठिन, कठोर, कर्कश, कर्कशा, क्रूर; खक्खट, घोर, जठर, जठरा, जरठ, जरठा, तव्य, दारुण, दृढ़, निष्ठुर, परुष, पुरुष, मूर्त, मूर्तिमत्, रेरिटेरि २१

कठुम्मर(कठियागूलर) ना० कर्कोडुम्बर, काकोडुम्बरिका, काकोदुम्बरिका, कठूम्बर, जघनेफला, फल्गु, मलू, मलयू ८

कठोरबचन ना० आतवाद, अभिवाद, परुषवचन, पारुष्य ४

कड़ा ना० कंकण, कंकन, कंगन, करभूषण ४

कड़ुआरस ना० कषाय, कुवर, तुवर, तूवर ४

कढ़ाई ना० ऋचीष, ऋजीष, पिष्टपचन पिष्टपाचन ४

कण्ठा वा कण्ठी ना० कण्ठभूषण, कण्ठभूषा, गैवेयक, ग्रैव, ग्रैवेय, ग्रैवेयक ६

कण्ठीलम्बी ना० लम्बन, ललन्तिका २

कतरनी ना० कतरनी, कर्तरी, कृपाणी ३

कथिक ना० कथक, कथिक, कुशीलव, चारण ४ (येही भाड़ोंके भी नामहैं)

कदम ना० कदम, कदम्ब, कादम्ब, नीप, प्रियक, वृत्तपुष्प, हरिप्रिय, हलिप्रिय ८

कनेर (कनइल) ना० अश्वहा, अश्वमार, अश्वमारक, अश्वरोधक, कनइर, कनइल कनेर, करवीर, करवीरक, चण्डात, द्रुमोत्पल, परिव्याध, प्रतिहास, प्रतीहास, रक्त-

पुष्प, शतप्रास,श्वेतपुष्पक,स्थलकुमुद १८

१-घोड़ों के नाम परघातक अर्थके शब्द लगानेसे कनेरके नाम होतेहैं जैसे अश्वहा

कनखजूरा ना० कनखजूरा,कर्णजलौका, कर्णजलौकस्,खनखजूरा,गोजर, शतपदी६

कनफूल ना० कनफूल,कर्णपुष्प,कणफूल कर्णफूल,कर्णभूषण,कर्णिका,तर्की,ताड़पत्र, तालपत्र, श्रवणपुष्प, श्रवणभूषण ११

कनात वा पड़दा ना० कनात,जवनिका, तिरस्करणी, तिरस्कारणी, पड़दा, परदा, प्रतिसीर, प्रतिसीरा, यमनिका ६

कन्दूरी (लताविशेष) ना० ओष्ठोपम, ओष्ठोपमफला,ओष्ठी, कन्दूरी, दन्तच्छदोपम,बिम्बी, बिम्बीफल, रक्तफला, बिम्ब, बिम्बजा, बिम्बा, बिम्बिका १२

१-ओष्ठनामोंपर उपमाअर्थके शब्दलगाने से कन्दूरी(इन्द्रायण)के नाम होते हैं जैसे ओष्ठोपम;दन्तच्छदोपम आदि

कन्या ना० अंगजा, आत्मजा, कन्यका, कन्या, कुमारी, तनया, तनुजा, तनूजा, दुहिता, पुत्री, बेटी, सुता१२

कपटी ना० अनृजु, निकृत,कपटी, शठ४

कपड़ा ना० अंशुक, अम्बर, आच्छादन, चीर, चेल, चेली, चैल,चोली,छादन, दुकूल, निचोल, पट, बसन, बस्त्र, बासा, वास, वासा, शुक १८

कपड़ाअच्छा ना० पट,पटि,पटी,सुचेलक,४

कपड़ा का किनारा ना० निवीत,निवीता, निवृत, प्रवृत, प्राविता ५

कपड़ाकीमती ना० बहुमूल्य, बहूमूल्य, महाधन ३

कपड़ाकोरा ना० अनाहत, तन्त्रक, नवाम्बर, निष्प्रवाणी ४

कपड़ाके चिथड़े ना० कर्पट,नक्तक,लक्तक३

कपड़ाकीचौड़ाई ना० परिणाह,विशालता विस्तार ३

कपड़ाके दोनों किनारा ना० दशा, वस्तप, वास्त ३

कपड़ा पुराना ना० जीर्णवस्त्र,पटच्चर, वस्त्रजीर्ण ३

कपड़ामोटा ना० वराशि, वरास, स्थूल शाटक, स्थूलशाटका ४

कपड़ाकीलम्बाई ना० आनाह, आयति, आयाम, आरोह, दैर्घ्य ५

कपड़ासूती ना० कर्पास,फाल, बादर ३

कपार (खोपड़ी)ना० कपार,कपाल,कर्पर, कर्पार, शिरास्थि ५

कपास (रुई)ना० कपास,कर्पास,कर्पासी तुण्डकेरी, तुण्डिकेरी,पिचु, बादर, बादरा, वदरा, समुद्रांता १०

कपूर ना० कदलीसुत,कपूर, कर्पूर,घनसार चन्द्र, चन्द्रशिता, चन्द्रसंज्ञा, भूतीक, शीतप्रभ, शीतमयूख, शीतमरीचि, शीतरश्मि, सिताभ, सिताभ्र, सितकर, हिम, हिमांशु, हिमबालुक, हिमाह्वय, हिमाह्व २०

१-केलानामोंपरसुत अर्थकेशब्द लगानेसे कपूरके नाम होते हैं जैसे कदलीसुत आदि

कबीला (औ०) ना० कपिला,कबीला,कमीला,कंपिल्ल,कर्कश, काम्पिल्य,कांपिल्ल, कांपील; चन्द्रः,रक्तांग,रेची,रेचनक,रेचनी, रोचन, रोचनी, रोचनिका, लोहितांग १७

कबूतर ना० कपोत,कपोतक,कबूतर,कल-

रव, घुघुरकृत,पाण्डुर, पारापत, पारावत, फाख्ता,मंजुघोष,मंजुघोषा, मदोत्कट १२

कमर ना० अवलग्न,ककुद्मती, कट, कटि, कटी, कमर, करिहां, फलकश्रोणि, मध्यः, मध्यमः विलग्न,श्रोणीफल, श्रोणि, श्रोणिफल,श्रोणिफलक, श्रोणी, श्रोणीफल, श्रोणीफलक १८

कमरख ना० कमरख, कर्मरंग, कर्मरंग, कर्म्मार, भव्य, बृहदम्ल ६

कमरी ना० उर्णायु,ऊर्णायु,कमरी,कम्बल४

कमल ना० अब्ज, अमयज, अम्बुज, अम्भोज, अम्भोरुह, अरविन्द, अर्णज,आस्यपत्र,इन्दीवर,उत्पल,कंज,कमल,कल्हार, कुमोद, कुव, कुबलय, कुबेल,कुशेशय, कुसेसय, कैरव,कोकनद,जलज,तामरस,तोयज तोयसुत, तोयासुत, नलिन, नरिज, नील, नीलाम्बुज,पंकज,पंकेरुह,पद्म,पद्म,पयज-पाथज, पाथोज, पुटक, पुण्डरीक, पुष्कर, भुवनज, महोत्पल,रक्तसंधक,राजिव,राजीव वनज; विसप्रसून; वारिज, शतदल,शतपत्र, शतपत्री,श्वेतस्वरूप, सरज,सरसीरुह,सरोज,सरोरुह,सरोजन्मन,सलिलसुत,सहसदल, सहसपत्र,सारस,हल्ल,हल्लक,क्षीरज ६०

कमलउजला ना० अम्भोज,अम्भोरुह, अरविन्द, अर्विन्द,आम्बोद्भव, कमलश्वेत, कमलोज्जल, कुमुद,कुशेशय,कुसेसय,कुहाअब्ज,कुहाब्ज, कैरव, नल, नलिन,पंकज, पंकेरुह, तामरस, पद्म, पद्म, पुण्डरीक, पुष्कर,महोत्पल,राजिव,राजीव,विशप्रसून, विषप्रसून, शतपत्र,शतपत्री, शरत्पद्म,श्वेतोत्पल, श्वेताम्भोज,श्वेतकमल, सरसीरुह, सरोज, सहसदल, सहस्र दल, सहस्रपत्र, सारस, सिताम्भोज ४०

कमलनीला ना० इन्दिवर,इन्दीवर,इन्दीवार कुवलय,नीलकमल,नीलाम्बुज,नीलोत्पल ७

कमललाल ना० कुमुद, कोकनद, रक्तसंधक,रक्तसंध्यक, रक्तसरोरुह,रक्तोत्पल,शोणितोत्पल,हल्ल, हल्लक ९

१-पानी नामोंपर जकारलगानेसे कमल के नाम होतेहैं जैसे तोयज आदि

२-कमलनामोंपर सुतअर्थके शब्द लगानेसे ब्रह्मा और पति अर्थ के शब्दलगानेसे सूर्य केनामहोतेहैं जैसे कमलज,पंकजपीतमआदि

कमलगट्टा ना० गालोड्य, पद्मबीज, पद्मकर्कटी, पद्माक्ष, वराटक,बीजकोश, बीजकोष, श्याम ८

कमलजड़ (भसीड़) ना० कमलमूल, करहाट,करहाटक, भसीड़, भसीड़ा,मृणाल, मृणाली,विश, विष,विस, शिफा, शिफाक, शिफाकन्द १३

कमलदण्ड ना० नलनीरुह,नाल,नाली, मिश, मृनाल, मृनालिका, विशअम्भोजा ७

कमलपल्लव ना० कमलपल्लव,कमलपत्र, नवदल, संवर्ति, संवर्तिका, संवर्ती ६

कमलरज ना० कमलधूलि, कमलरज, कांचनाह्वय, किंजल्क, केशर, केसर ६

कमलनी ना० कमलनी,कमलिनी,नलिनी पद्मनी,पद्मिनी,पुटकिनी,बिसिनी,सरोजिनी, सरोरुद् (ह) सरोरुह १०

कम्भारी(स्त्री०) ना० कम्भारी,कश्मीरी, काश्मरी,काश्मर्य,काश्मर्या,कृश्मरी,कृष्णवृन्तिका, खम्भारी, गम्भारी, भद्रपर्णिका,

भद्रपर्णी, भद्रपर्णीकी, मधुपर्णिका, मधुपर्णी श्रीपर्णी, सर्वतोभद्रा, सर्वभद्रा, हीरा १८

कम्मर ना० कम्मर, कम्बल, कम्मल, रल्लक ४

करकोंच ना० करकोंच, कराकुल, क्राचा, क्रुड, क्रुंच, क्रुंचा, क्रौंच ७

करंजा(पौ०)ना० अंगारवल्लरी, अंगारवल्ली काकतिक्ता, करञ्जिका, करंजा, वायसी ६

करधनी (पुरुषोंकी) ना० पुरुषकटिभूषण, शृंखल, शृंखला ३

करधनी (स्त्रियोंकी) ना० कांचि, कांची किंकिणी, किंकिनि, किंकिनी, मेखला, रशना, रसन, सप्तकि, सप्तकी, सारसन, स्त्रीकटिभूषण, स्त्रीकटिभूषणा, क्षुद्रघण्टिका, क्षुद्रा, क्षुद्रावलि, क्षुद्रावली १७

करमुआसाग ना० करमुआ, करेमुआ, कलम्ब, कलम्बक, कलम्बी, कलम्बू ६

करियाट (श्यामलता) अनन्ता, उत्पलशारिवा, करियाट, गोपा, गोपी, शारिवा, श्यामा, श्यामलता, सारिवा १०

१-येही गुलीरस व श्यामलता व पीपरि व शाम्बके नाम हैं ॥

करीलवृक्ष ना० अपत्र, करीर, करीरक, करील, क्रकच, क्रकर, गूढपत्र, गूंथिक, गूंथिर, मरुभूरुह १०

करुणारस ना० अनुकम्पा, अनुक्रोश, करुणा, कारुण्य, कृपा, दया ६

करेजा ना० अग्रमांस, करेज, करेजा, कलेजा, बुक, बुक्कन, बुक्का, बुक्काग्रमांस, बुक्की, बूक, बूक्कन, बूक्का, बृक, बृक्कन, बृक्का १५

करेला ना० कटिल्लक, काटिल्ल, कठिल्लक करेला, करैला, कारवल्ली, कारवेल्ल, कारवेल्लक, सुकांड, सुशवी, सुषवी, सुसवी १२

करौंदा (दोनों) ना० अविग्न, आविग्न, करमर्द, करमर्दी, करमार्दिका, करमर्दक, कृष्णपाकफल, कृष्णपाक, कृष्णफल, कृष्णफलपाक, पाककृष्णाफल, पाकुकृष्णा, वरिवर सुषेण, सुषेणा, १५

कर्छुल ना० कम्बि, कम्बी, करछुल, कर्छुल, कलछुल, खज, खजाका, दर्वि, दर्वी, दार्वी १०

१-येही चिमचाके भी नाम हैं

कलवार ना० कलवार, कलाल, मण्डहारक, शौण्डिक ४

कलसा ना० कलश, कलशा, कलशि, कलशी, कलस, कलसा, कलसि, कलसी, कुट, कुम्भ, घट, घटी, निप १३

कलिहारी (औ०) ना० अग्निशिखा, अतिजिह्वा, अनन्ता, करिहारी, कलिहारी, गर्भघातिनी गर्भपातिनी, गर्भनुत, नलपुष्पिका, पुष्पसंचारी, पुष्पसौरभा, प्रमदी, लांगली, लांगलिका, लांगलिकी, वन्हिचक्री, वन्हिशिखा, विद्युद्युक्त, विशल्या, विषल्या, शक्रपुष्पी, शक्रपुष्पका, हलनाबीरा, हलिनी २१

कली (बोड़री) ना० कलि, कलिका, कली, कोरक ४

कलीनई ना० जालक, क्षारक, क्षारका ३

कलीफूलती ना० कुड्मल, कुड्मल, मुकुल ३

कलौंजी ना० उपकुंचि, उपकुंची, कुंची, कुंचिका कुंजिका, बृहज्जीरक, सुषवी ७

कल्पवृक्ष ना० कल्पतरु, कल्पवृक्ष, देवतरु, पारिजात, पारिजातक, मन्दार, सन्तान, हरिचन्दन ८

१-कल्प औरदेवतानामोंपर वृक्षनाम

के शब्द लगानेसे कल्पवृक्षके नाम होतेहैं जैसे कल्पतरु, देवतरु आदि ॥

कल्याण ना० कल्याण, कल्याणी, कुशल, कुषल, कुसल, भद, भद्र, भविक, भव्य, भावुक, मंगल, शस्त, शिव, शुभ, श्रेयः, श्रेयस्, शं, सस्त, स्वः, स्वा, क्षेम २१

कवच ना० उरच्छद, कंकटक, कवच, जगर, जागर, तनुत्र, दंशन, दंसन, वर्म ९

कवचपहिनेहुए ना० ऊढकंकट, कवचधारी, दंशित, वर्मित, व्यूढकंकट, सज्ज, सन्नद्ध ७

कवाबचीनी ना० कक्कोल, कक्कोलक, कंकोलक, कवाबचीनी, कोशफल ५

कशेरू ना० गुण्डकन्द; क्षुद्रमुस्ता २

कसौटी ना० कष, कसौटी, निकष, शाण, शान ५ (येहीशाणके नाम हैं)

कसाई ना० कौटिक, मांसविक्रेता, मांसिक, वैतंसिक ४

कसीस ना० कशीश, कासीस; कासीसत्रितय ३

कसौंदीगाजर ना० कर्कश, कासमर्द, काशमर्द; गाजर, पत्रोपस्कर ५

कस्तूरियाहरिण ना० कस्तूरी, कस्तूरिया, गंधी, मुण्डिनी; मुण्डी, मृगमाद्रिक ६

कस्तूरी ना० कस्तुरिका, कस्तूरिका; कस्तूरी, नाभिः, मदः, मदनी, मृगः, मृगनाभिः, मृगनाभिनागर, मृगमद, मृगनाभिजा, मृगाण्डजा, ललिता, वेदमुख्या, सहसूभित्, सहस्रवेधी १६

कहना ना० कथन, निगद, निगाद ३

कहाहुआ ना० अभिहित, आख्यात, उक्त, उदित, कथित, जल्पित, भाषित, लपित

——॥ **का** ॥——

कांकई (फल) ना० कांकई, किंकिणी, ग्रंथिल, दैवतरु, व्याघ्रपाद, व्याघ्रपात् ६

कांच ना० कांच, क्षार २

कांजी ना० अवन्तिसोम, आरनालक, कांचिक, कांजिक, कांजिका, कांजी, कांजीक, कांजीका, कुञ्जल, कुल्माष, कुल्माषाभिषुत, कल्मास, धान्याम्ल, सौवीर १४

कांटा (तौलनेका) ना० एषणिका, कांटा, नराची, नाराची४ (येहीतराजूकेभी नामहैं)

कांदीबालू ना० कर्दमक, कांदीबालू, पंक, बालुका, सिकत्य ५

कांधा ना० अंश, अंस, कंध, कन्धर, कन्धा, कन्धर, कांधा, भुजाशिर, भुजासिर, स्कन्ध, स्कंधः, स्कंधस १२

कांपना ना० कम्प, कम्पन, कम्पित, वेपथु ४

कांपनेवाला ना० कम्पन, कम्प्र, चटल, चपल, चलन ५

कांपाहुआथोड़ा ना० आकंपित, आधूत, चलित, धुत, प्रेंखित, बेलित ६

कांशीसदृश ना० कांसी, तप्तलोमस, सषेचर, साधीतु ४

कांशीसदृश (दूसरी) ना० तुवर, पुष्पका, वस्त्ररागभृक, सौमहे ४

कांस (तृण) ना० इक्षुगंधा, काण्ड काण्डक काशक; काश, काशा, काशी, कास, पोटगल ८

कांसा (धातु) ना० कांसा, कांस्य, निजघोष, पंचलोह, प्रकाशक, लोह ६

काकमांची (कौआहांडीगोड़ी) ना० काकजंघा, काकतिक्ता, काकनासा,

काकनासिका, काकभिया, काकमाचि, काकमाची,काकमाता;काकांगा, काकांगि काकाजात्तुक, काकांची काका,काकांगी, कौआठोंठी,दासी, दासीध्वांत्तमाची, नदी· कांता, पारा, रसायनी, वतपदी, वायसी, समांतिका, सुलोमशा२४

काकभास ना० काकभास,राधुरजमज, शिखावाक्त, संतीगृकी ४

काकरासिंगी ना० ऋषभ,कर्क, कर्कट कर्कशृंगी;कर्कटाह्वा; कर्कटी; कर्कटश्रृंगि का, कर्कटश्रृंगी, कर्कटाख्या,काकड़ाशृंगी काकराशृंगी,कुलीरशृंगी,नतांगी,महाघोषा, वृषः,शृंगनामनी, शृंगी १७

काकुनि ना० ककुनी,काकुनि,कारम्भा, गंधफली, गुन्द्रा,गोवन्दिनी,प्रियक,प्रियंगु, फलिनी, फली,महिला,महिलाह्वया, विष्व कसेना, श्यामा १४

काकोली ना० ककोड़ी,ककोली, क- यस्था,काका,काकोल, काकोली, कायस्था, कायस्थिका, मधुरा, वयस्था, वायसोली, वीरा,स्वादुमांसी, स्वादुरसा १४

काजल ना० कुल,कुलत्था,कुलत्थिका कुलाली, चत्तुष्या ५

काञ्चनी (स्वर्णवल्ली) ना० काक- वल्लरी, काकायु, काञ्चनी, रक्तफला, स्वर्णवल्ली,स्वर्णवल्लिका ६

कातिक ना० ऊर्ज, कातिक,कार्तिक, कार्तिकिक, बहुल, बाहुल ६

कान ना० कर्ण, कान, शब्दग्रह,श्रव, श्रवण,श्रवसी,श्रुति, श्रोतु, श्रोत्र,श्रोत्र१०

कामदेव ना० अतन, अनंग,अनन्यज, अस्मर, आतमभू, आत्मभू, कन्दर्प,काम, कामदेव, कुसुमधनु, कुसुमेषु, जगद्देतु,झ- ककेतु, झषकेतु, दर्पक, दारन, पंचवाण, पंचसर,पुष्पचाप, पुष्पजनक, पुष्पधनुष, पुष्पधनू,पुष्पधन्वा, प्रद्युम्न,प्रद्विम्न,मकर ध्वज, मनजात, मदन, मनमथ, मनमथन, मनसिज, मनोज,मनोभव, मन्मथ, मयन, मानसनिकेत, मार, मीनकेतन, मीनकेतु, मैन, रतिपति, रतीश, वितन, विरह- विदारण, विषमवाण, वृष, शम्बरारि, सम्बररिपु; सम्बरारि, स्मर, हरिव्यापक, हृदयनिकेत ५२

१–पुष्पनामोंपर धनुषनामके शब्द,मन नामोंपरनिकेत औरजातअर्थकेशब्द,मछली नामोंपर केतु, बाण नामोंकेपूर्वे पंच और विषम शब्द, रति नामोंपर पति अर्थीशब्द और सम्बरनामोंपर शत्रुअर्थी शब्दलगाने से कामदेवके नाम होते हैं जैसे पुष्पचाप, मानसनिकेत, मनजात, झककेतु, पंचवाण विषमवाण, रतिनाथ, सम्बररिपु आदि ॥

२–कामदेव नामोंपर रिपुअर्थ के शब्द लगानेसे महादेवकेनाम होतेहैं जैसे कामारि

कामी ना० अनुक, अभिक, अभीक, कमन, कमिता, कमू, कामन,कामयिता, कामी,कामुक,पुश्चल १०

कायफर ना०कट्फल, कायफर,काय- फल, कुमुदा, कुमुदिका, कुम्भिका,कुम्भी, कैटर्य, कैडर्य, भद्रवती, भद्रा, महाकुम्भी, श्रीपर्णिका, श्रीपर्णी, सोमवल्क १५

कारण ना० करण,कारण,बीज, हेतु४

कार्य्यरुकना ना०अतिबन्ध,प्रतिष्टम्भ; विष्टम्भ ३

कालासाग ना० कालशाक,कालासाग

—❀ कि ❀—

किन्नर ना० किन्नर, किम्पुरुष, तुरंगवदन, मयुः ४

किरण ना० अंशु,अभीशु,अर्चि,उस्र, करः, किरण, किरणि, किरन, किर्ण, खेदिष्ट, गभस्त,गभस्ति,गो,दीधत,दीधिति, घृणि, घृष्णि, प्रश्नि, भानुः, मयूख,मयूष, मरीचि, रश्मि, वसु २४

किशान, ना० कर्षक, कार्षक, कृषिक, कृषीबल,क्षेत्रकर,क्षेत्रकृत; क्षेत्राजीवन ७

किसमिस ना० काकलीद्राक्षा, काकोलीद्राक्षा; निर्बीजद्राक्षा, लघुद्राक्षा ४

—❀ की ❀—

कीचड़ ना० कर्दम, कीचड़, चहला, चहटा, जंबाल,निषद्वर,पंक,शाद ८

१–कीचड़ नामोंपर जकार लगानेसे कमलके नाम होतेहैं जैसे पंकज, शादजआदि

२-कमल नामोंपर सुतअर्थके शब्दलगानेसे ब्रह्माकेनाम होतेहैं जैसे पंकजसुअन आदि

—❀ कु ❀—

कुआर (मास)ना०अश्वयुज,आश्वयुज, आश्विन, इष, इषु, ईष, कुआर,कुआंर ८

कुकरौंधा ना०कुकरौंधा,कुकरौंधा,कुकुद्दर कुक्कर,कुक्कुर गठिवन;ग्रन्थिपर्ण,ग्रन्थिपर्णी, रोमशुक,बर्हिपुष्प, बर्हिः,बर्हिनपुष्प, वर्ह, वर्हि,वर्हिवार्हि;वर्ही,शीर्ण, शुकपुष्प, शुकचञ्चुक,शुक,शुकवर्ह,स्थौणेय,स्थौणेयक२३

कुचिला ना० करद्रुम, काकतिन्दुक, काकपीलु,काकपीलुक, काकेन्दु, कालतिन्दुक,कालपीलुक, काकाण्ड, काकस्फूर्ज, कुचिला, कुलक, कुपीलु, तिन्दुक,तिन्दुकि तिन्दुकी,तिन्दुल,मर्कटतिन्दुक,विषतिन्दुक

कुटकी (औषधि) ना० अशोकरोहिणी, अशोका,कटम्बरा,कटम्भरा,कटुक,कटुकी, कटुका, कटुम्बरा, कटुरोहिणी, कांडरुहा, काण्डेरुहा, कृष्णभेदा,कृष्णभेदी, केदारकुटकी,चक्रांगी, जांगी, तिक्ता, वकुला, मत्स्यशकला,मत्स्यपिता,मत्स्य पित्ता, रोहिणी, शकुलादनी,शकलादिनी, सादनी २९

कुटनी ना०कुटनी,कुट्टनी,शंभली,संभली४

कुण्डल ना० कर्णभूषण,कर्णवेष्टन,कुण्डल३

कुड़ा(वृक्षविशेष)ना०काही,कौटज,कुटज, कुटच;कुलिंग,कूटज,गिरमल्लिका,पांडुरद्रुम, मल्लिकापुष्प, यवफल,वत्सक,वरातिक्त,वत्साह्व,वृक्षक,शक्रभूरुह,शक्र,शक्रद्रुम,शक्रपर्य्याय,शक्रपादप,शक्रशाखी,शक्राशन,शक्राह्वय संग्राहिन;संग्राही; संग्राहिन; संग्राही २४

कुतिया ना० कुक्की, कुक्करी,कुतिया, कृतज्ञका, कौलेयका,कौलेया,गृहपालिका, ग्रामसिंहका, पुरोगतिका, भषका, भीषणा, मंडला, मृगदंशिका, शुनका,शुनी, श्वनी, श्वानी, सरमा, स्वनी, स्वानी २०

कुत्ता ना०इन्द्रमहकामुक,कुकर कुक्कर, कुकुर कुक्कुर,कुर्कुर,कुत्ता,कूकर,कृतज्ञ, कौलेय, कौलेयक, गृहपाला, ग्रामसिंह, पुरोगति, भषक,भीषण, मण्डल,मृगदंशक, शुन, शुनक, शुना, शुनि, शुनु,श्व,श्वा, श्वान्, स्वा, स्वान २८

कुदार ना० अवदारण, कसी, कुदार, कुद्दाल, खनित्र ५

कुन्द (पुष्पविशेष) ना० कुन्द, मनोहर, माध्य, बोरट; शुक्रपुष्प, सदापुष्प ५

कुन्दरू ना० ओष्ठोपमफला, कुंदक, कुन्दुरुक, कन्दरू; कुन्दुर, कुन्दुरु, तुण्डकेरी, तुण्डिकेरी, तुण्डी, दंतच्छदोपमफला, पीलुपर्णी, बिंबिका, बिंबी, भीषण, मुकुन्द, मुकुन्दु; रक्तफला १८

कुंवारी ना० कुआरी, कुमारी, कुवारी, बाला, वासू ५

कुमुदिनी ना० कमोदनी, कुमुत, मुकुद, कुमुदवती, कुमुदिनी, कुमुद्वती, फफूली ७

कुम्हार ना० कुम्भकार, कुम्भार, कुम्हार कुलाल ४

कुररी (पक्षी) ना० उत्क्रोश, कुरर कुररी ३

कुरैया (औषधि) ना० इन्द्र, कालिंग, कुटज, कुरैया, कूटज, कौट, कौटज, गिरिमल्लिका, पांडुरद्रुम, मल्लिकापुष्प, वत्सक, यवफल, वरतिक्त, वृक्षक, शक्र, शाक्रिभूरुह, शक्रशाखी १७

कुलिंजन (औषधिविशेष) ना० उग्रगंधा, कुलिंजन, कुलींजन, महभरी, सुगंधा

कुलीन ना० कुलसम्भव, कुलीन, बीज्य,

कुलथी ना० कुरथी, कुलत्थिका, कुलथी, कुलत्थ, कुल्माष, कुल्मास, यावक ९

कुल्हारी ना० कुठार, कुठारी, कुदारी, कुदाली, कुल्हाड़ी, कुल्हारि, कुल्हारी, परशु, परश्वध, परस्वध, पर्शु, पर्वध, स्वधिति १ १ यही फौड़ा (फरुहा) केनामहैं

कुबेर ना० अलकापति, अलकाधिपति, एकपिंग, एकपिंगल, ऐड़विड़, ऐड़बिल, ऐलबिड़, ऐलविल, ऐलबिल्य, किन्नराधिप, किन्नरपति, किन्नरेश, कुबेर, गुहकेश, गुह्यकेश, गुह्यकपति, गुह्यकेश्वर, द्रव्यद, द्रव्यपति, द्रव्याधीश, धनद, धनपति, धनाधिप धनेश, नरवाहन, पुण्यजनपति, पुण्यजनेश्वर, पुन्यजनेस्वर, पौलस्त्य, मनुष्यधर्म्मा, यक्ष, यक्षपति, यक्षराट्, यक्षराज, यक्षेश, यक्षेश्वर, राजराज, वित्तेश, वैश्रवण, श्रीद, हरसखा, त्र्यम्बकसख, त्र्यम्बकसखा ४६

१ धननामोंपर पतिअर्थ के शब्दलगानेसे कुबेरकेनामहोतेहैं जैसेधनपति आदि

कुबेरदूत ना० किन्नर, किम्पुरुष, तुरंगवदन, मयु ४

कुबेरपुत्र ना० कुबेरात्मज, कुबेरतनय, नलकूबर, मनिग्रीव ४

कुश ना० कुथ, कुश, डाभ, दर्भ, पवित्र, यज्ञभूषण, बर्हि, सूच्यग्र ८

कुशलानन्द ना० आनन्दन, आप्रच्छन, आमन्त्रण, कुशलानन्द, सभाजन, स्वभाजन ६

कुसुम ना० कमलोत्तरम, कुसुम, कुसम्भ, कुक्कुटशिखा कुसुम्भ, पावक, पीत, महारंजनम, लट्वा, वन्हिशिख, वस्त्ररञ्जन १०

कुसुमबीज ना० वरटा, वराट्टिका, वर्रै ३

—— कू ——

कूजा (पुष्प) ना० आतकेशर, अलिकुलसंकुला, कुब्ज, कुब्जक, कंटकाढ्य, खर्व, नलिा, भद्रतरुणी, महासह, महासहा, बृहत्पुष्प ११

कूट (औषधि) ना० आप्य, उत्पल, कुष्ठः, कूट, कौबेर, पाकल, पारिभद्रक, पारिभव्य, पारिभाव्य, रोगाह्वय, वाप्य ११

कूप ना० अन्धु, आवत, उत्स, उदपान,

अदृश्यदात, काट, कातु, कारोतर, कुआं, कुशय, कूआं, कूप, केवट, क्रिवि, खात, प्रहि, वव्रू, सुद १८

कूला ना० कटिः,कटिप्रोथ,कटिप्रोथौ, कुल्ला, कूल, कूला, प्रोथ, स्फिचौ ८

—— कृ ——

कृष्ण ना० अद्वैत,अवतारी,असुरदमन, असुरारी,अज्ञात,आग्नेयाम्पात,कंसदमन, कंसनिकन्दन, कंसहतन,कंसाराति,कालीदमन, कालीमदमर्दन, कालीमर्दन, कुंजविहारी, कूबरीपति, कृष्ण, कृष्णचन्द, केशव,केशदिलन,केशीमदमर्दन,केशीमर्दन, केशिसूदन, कैटभमर्दन, कैटभारि, गिरधर, गिरधारी, गिरवरधारी, गोचारण,गोचारी, गोपनन्दन,गोपपति, गोपाल,गोपिकानाथ, गोपिकापति,गोपीजनवल्लभ,गोपीनाथ,गोपीवन्द्य,गोपीजनवल्लभ,गोमतीनाथ,गोमतीपति,गोवरधनधर,गोवर्द्धनधर,गोवर्धनधर, गोवरर्धनधारी,गोविन्द,घनश्याम, चाणूरनिपाती, चाणूरविघाती, चतुर्वर्गप्रदायक, चन्द्रवंशअवतंश, जगतगुरु, जगन्नाथ, जनार्दन, जीभावन, दधिचोर, दयासिन्धु, दामोदर, देवकीसुत, देवकीसुवन,दैत्यविदारण, दैत्यारि, नटनागर,नटवर,नन्दकिशोर, नन्दनन्दन, नन्दलाल, नन्दसुवन, नारायण,निरालम्बु,पीतपटधारी,पीताम्बरधारी,पूतनाघातन,पूतनादलन,पूतनानाशन, पूतनापतन, पूतनाहतन, प्रभानिधि, प्रभु, प्रभू, प्रलम्बरिपु, प्रलम्बारि,वनमाली,बनवारी, बल्लभलाल,मंजुलग्वाल,मथुरानाथ, मथुरापति, मथुरेश, मदनतात, मदनमदमोचन, मनहारी, मनोरम, मनोहर,माखनचोर, मोहन, यदुकुलपति, यदुकुलभूषण, यशुदानन्दन, यशुदासुत, यशुमतिबाल, रमानाथ, रमापति, राधापति, राधारमण, राधिकावल्लभ, रामानुज, रुक्मिणिपति, रुक्मिणीनाथ, रुक्मिणीरमण, लक्ष्मीपति, वंशीधर,बकारि,बकारी,वायसारि,वासुदेव, विष्णु, विहारी, वीरवर, वृजनाथ,वृजपति श्याम, श्यामघन, श्रीकंत, श्रीधर,श्रीनाथ, श्रीपति, सुखकारी, सुरपतिमदभंजन,सुरपतिमदमोचन,स्वयंश्री,हंसद्युति,हरि,त्रिभंग, त्रिभंगी १३५

१–जोविष्णुके नामहैं वेही श्रीकृष्णके भी नाम हैं (विष्णुके नाम देखो)

२–कंस, काला, कैटभ, दैत्य, पूतना, बक, वायस नामोंपर नाशन अरि और मर्दन अर्थके शब्द गिरनामोंपर धरअर्थके शब्द गोनामोंपर चारण अर्थके शब्द,नन्द यशोदा, और देवकी नामों पर सुतअर्थ के शब्द, माखन नामोंपर चोरअर्थके शब्द यदु, और चन्द्रवंश नामोंपर नाथ और भूषण अर्थकेशब्द गोपी,राधा और रुक्मिणी नामोंपर पतिअर्थके शब्दलगानेसेश्रीकृष्णके नाम होते हैं ॥

कृष्णागरु ना० अगुरु,अनार्जक,अनार्यक,अनार्यज,काकतुण्ड,कृमिज,कृमिजग्ध, कृष्णअगरु, कृष्णागरु, विश्वरूपक ९

केकड़ा ना० करकट, करकड़, कर्कट, कर्कटक, कुलीरल्ल, कुरुविल्लक,कुलिर, कुलीर, ककड़, वृश्चिक, षोड़शांघ्रि ११

केंचुआ ना० किञ्चलुक, किञ्चलूकन,

किंचिलिक, किंचुल, किंचुलक, किंचुलूक, गण्डूपद, महीलता, शूककीट ९

केंचुल (सांपकीखाल) ना० कंचुक, कंचुल, केंचुल, निर्म्मोक ४

केतकी ना० केतकि, केतकी, ककचच्छद, तृणद्रुम, सूचिपुष्प सूचीपुष्प ६

केवड़ा (पुष्पप्रसिद्धि) ना० केतक, केवड़ा, केवरा, ककचच्छद, जम्बुक, पुष्पचामर, सूचिपुष्प, सूचिकापुष्प ८

केवाच ना० अजरा, अजहा, अध्यण्डा, अव्यंगा, अव्यंडा, आत्मगुप्ता, ऋष्यप्रोक्ता, कण्डूकरी, कण्डुरा, कण्डूरा; कपिकच्छु, कपिकच्छुरा, कपिकच्छू, कपिलता, कवांच, केमाच, केवांच, कैंच, कौंछ, क्यवांच, गात्रभंगा, गुप्ता, चण्डा, जड़ा, दुस्पर्शा, प्रावृषायणी, मर्कटी, लांगली, शूकशिम्बा, शुकशिम्बी, शूकशिम्बि, शूकशिम्बी, सद्यःशोथा स्वर्णगुप्ता ३०

केला ना० अंशुमत्फला, अंशुमतीफला अंसुमत्फला, अजादिमान, अम्बुसारा, ऊरुस्तंभा, कदल, कदला, कदली, कष्ठील, काष्ठीला, करटाप, केरा, केला, गुच्छदंतिका, गुच्छफला, ततपत्री, पतच्छदा, बारणा, बारणबुसा, बारबुसा, भानुफला, मंजिफला मोचा, रम्भा, लोचक, वारणबुसा, वारनबुसा, वीरा, सकृत्फला, संतर्पण; सुपुष्पी; हस्तिविषाणी ३३

केवाड़ा ना० अरर, अररि, अररी, कपाट, कपाटी, कवाट, कवाटी, केवाड़, केवाड़ा ९

केशर ना० अग्निशिख, अग्निशेखर, काश्मीर, कान्त, कावेर, काश्मीरजन्म; काश्मीरजन्मन, काश्मीरजन्मा, काश्मीरी, कुंकुम, कुसुमात्मक; केशर, केसर; खल; घसृण, घस्र, घुसृण, चारु, धीर, पिशुनपीतक, पीतकावेर, वर, बल्हिक, रक्त, रक्तचन्दन, रुधिर, लोहितचन्दन, वर, वर्ण, बर्ण, वाल्हिक, वाल्हीक, शोणित, संकोच; संकोचपिशुन ३७

कै

कैथ (वृक्ष व फल) ना० कपित्थ, कपिप्रिय, कवित्थ, करवल्लभ, करंजफलक, काठिन्यफल कैत, कैथ कैथा, खरपादाढ्य; ग्राहिफल, ग्राहिन, ग्राही, दधित्थ, दधिफल, दन्तशठ, दवित्था, पुष्पफल, मन्मथ, लिङ्गक; लिङ्गवर्द्ध; सम्भव्य; सुरभिच्छद २३

कैदी ना० कीलित, कैदी, बन्दी, बंधुआ, बद्धः, संयत ६

को

कोढ़ी ना० कुष्टि, कुष्टी, कुष्ठ, कोढि, कोढ़ी, मंडलक, श्वित्र, श्वेत, श्वेत्र ९

कोण (दिशाकामध्य) ना० अपादिश, कोण, कोन, प्रदिक्, विदिक ५

कोदौं ना० कुद्रव, कोदव, कोद्रव, कोदौं, कोरदूष, कोरदूषक ७

कोदौंबन ना० उद्दाल, बनकोद्रव २

कोमल ना० कोमल, मंजुल, मृदु, मृदुल, सुकुमार ४

कोयली ना० अम्बुखण्डन, अहारी, आहारी, कलकण्ठ, कलरव, कोकिल, कोकिला, कोयल, कोयली, ताम्राक्ष, परभृत, परिभृत, पिक, पिकी, पुरपुष्ट, मधुदूत, मधुदूतक, रक्तदृग; वनप्रिय १६

कोशाम्रवृक्ष ना० कृमिवृक्ष,कोषाम्र, कोशाम्र, घनस्कन्ध,सुकोशक, क्षुद्राम्र ६

कोहड़ा ना०कुम्हड़ा,कुष्माण्ड,कुष्माडक कूष्माण्डक, कोहड़ा, गंगाफल, घृणावास, पुष्पफल,पीतपुष्प,बृहत्फल,सीताफल १२

कोहड़ाभूमिउजला ना० अक्षगंधिका, भूमिकोहड़ाश्वेत, महाश्वेता, श्वेतभूमि - ष्माण्ड, क्षीरविदारी, क्षीरवल्ली,क्षीरवि- दारिका, क्षीरशुक्ला ८

कोहड़ाभूमिकाला ना०इक्षुगंधा,कृष्ण भूमिकुष्माण्ड, क्रोष्ट्री,विदारी,क्षीरशुक्ला,

कोहनी ना० कफाणि,कफणी,कफोणि, कफोणी, कूपरा, कूर्पर, केहुनी, कोहनी, टिहुनी ६

——कौ——

कौआटोड़ी (औषधिविशेष) ना० काकनासा; काकतुण्डफला, काकांगी;कौ- आटोड़ी, कौआठोढ़ी ५

कौंधा ना० इरंमद, कौंधा,मेघज्योति३

कौआ ना०अरिष्ठ,अर्ष्ठी,आत्मघोष,आत्म घोषा,इकदृग,इकनैन,एकदृष्टि,एकनेत्र,एकाक्ष करट,कालिभुक,काक,काग,कौआ,क्राग,गूढ़ कामी, चतुरद्विज, चिरंजीवी, द्रोण;ध्वांक्ष ध्वांक्ष, परभृत, पिकापिता, बलभाग,बलि- पुष्ट, बलिभुक, मौकली, मौकुलि, मौकुली, वायस, सकृतप्रज, सकृत्प्रज ३२

कौआकाला व डोम ना० काकोल, द्रोण, द्रोणकाक ३

कौआजल व धुमिला ना० कालक- एठक, जलकाग, दात्यूह, दात्यौह ४

कौडिल्लापक्षी ना०करटु,करेटु,कर्क- राटु, कर्करेटु ४

कौड़ी ना० कपर्ही, कपर्दी,कौड़ी,चरा- चर, लघुशंखनक, वारिशुक्त, वराटिका, शम्बूक, क्षुल्लक ९

क्रकर (करकौंच पक्षी) करकरेटु, करटुक, करेटुक, क्रकण, क्रकर ५

क्रीड़ामात्र ना० केलि, केली, क्रीड़ा, खेल, खेला, द्रव, नर्म्म, परिहास,परीहास, लीला १०

क्रोध ना०अमर्ष,आकर्ष, आमर्ष,एहस्, कोप, क्रुध, क्रुधा, क्रोध, क्षोभ, जूर्णि, तपुषी, तम, त्यज, पापपितु, प्रतिघ, भाम, मन्यु, रुट्, रुष, रुषा, रोष, हर, हृणि, हेल, ह्वर २५

क्रोधी ना० अमर्षण, आमर्षण,कोपन कोपी,क्रोधन,क्रोधी,क्षोभी,तापुषी,तामसी, भामी, रुषी, रोषी १२

——ख——

खच्चर ना० अश्वतर,खच्चर,वेगसर,

खजांची (रूपाका अधिकारी) ना० टंकपति, नष्किक, रूपाध्यक्ष ३

खजाना ना० निधि, शेवधि, सेवधि३

खजुआना ना०कण्डू, कण्डूया,कण्डू- ति, खर्जू ४

खजुली ना०कच्छू,खर्जू,खाज, पामन, पामा, पामानी, पामे, विचर्चिका ८

खजूर ना०खरजूर,घनामय,दुरारुहा२

खड़ैचा ना० किंकोदिव, किंकोदिवि, खञ्जन, खंजरिट, खंजरीट, खड़ैचरा,

खड़ारिच, खड़ारिचा, खड़ैंचा, चौंड़ाखा, ममोला ११

खण्डित (कटाहुआ) ना० कृत्त, खण्डित, छात, छित, छिन्न, दात, दित, लून, वृक्ण ९

खपरा (कड़ाह जिसमेंचवेनाभूनाजाता है) ना० अम्बरिष, अम्बरीष, कड़ाह, खपरा, भ्राष्ट्र ५

खरपनिहा (पानीकेखर) ना० अतिछत्र, छत्रा, पालघ्न, भूस्तृण, मालातृण५

खरबूजह ना० खरबूजह, खर्बूजा, दशांगुल षड्भुजा, षड्रेखा, षण्मुखा ६

खरी ना० खरी, खल, तिलकाकिट्ट, तिलपिष्टक, पतल ५

खवैया ना० अद्मर, घस्मर, भक्षक, भक्षणशील ४

खस ना० अभय, अमृणाल, अवदान, अवदाह, इष्ट, इष्टकापथ, उशीर, उशीरक, उषीर उसीर, कम्भु, खस, खसखस, जलाशय, नलद, मृणाल, लघु, लय, लघुलय, लामंजक, वीर, वीरण, वीरतर, शीघ्र, शीतमूल, शीतल; समगंधिक, सेव्य, हरिप्रिया २७

——❀ खा ❀——

खांड ना० खण्ड, खांड़, फाणित, माधवी, मत्स्यण्डी शक्कर, शर्करा ७

खांसी ना० काश, कास, खांसी, खोखी, क्षवथु ५

खादित (खायाहुआ) ना० अन्न, अभ्यवहृत, अशित, खादित, गिरित, गिलित, गृस्त, ग्लस्त, चर्वित, जग्ध, जग्ध, प्रत्यवसित, प्सत, भक्षित, भुक्त, लिप्त, लीढ़ १७

खारी ना० (कडुआलोन, खारी, वस्तुक,

खाल ना० असृग्धरा, असृग्धारा, खाल चाम, त्वक, त्वच; त्वचा ७

खाली ना० तुच्छ, रिक्त, रिक्तक, शुन्य, शून्य ६

——❀ खि ❀——

खिन्नी (फलवृक्ष) ना० अध्यण्ड खिन्नी, खिरनी, खिरिणी, फलाध्यण्ड, राजादन, राजादनफल, राजन्य, क्षीरिका, क्षीरी, क्षीरवृक्ष, क्षीरशुक्ल १२

खिरैंटी (औषधि) ना० ओदनी, खिरहिट्टी, भद्रौदनी, समंगा ४

——❀ खी ❀——

खीर ना० खीर, जाउर, जाउरि, परमअन्न, परमान्न, परमान्ना, पायस, क्षीरतन्डुल, क्षीरतन्दुला, क्षीरिका १०

खीरा ना० कंटकीलता, कंटकिफल, खीरा, मूत्रफला, मूत्रल, सुधावास, सुशीतल, त्रपुसी, त्रपुष; त्रपुषा, १०

——❀ खू ❀——

खूंटी ना० विहंगिका, विहंगिमा; भारयष्टि; भारयष्टी ४

खून ना० अश्र; असृक; असृज; अस्त्र, कोणप; क्षतज; क्षतजात; रक्त; रुधिर; लोहित; लोहू; शोणित; शोनित; क्षतज, क्षतजात.

——❀ खे ❀——

खेत ना० केदार, खेत, वप्र, क्षेत्र ४

खेतकाटना ना० अभिलाव; लव; लवन; लवनी ४

खेतजुते ना० कृष्ट; शीत्य; सीत्य; हल्य ४

खेततीनबारके जुते ना० तृतीयाकृत, त्रिगुणाकृत, त्रिशीत्य,त्रिसीत्य,त्रिहल्य९

खेतदोबारकेजुते ना०द्विगुणाकृत,द्विती याकृत,द्विशीत्य,द्विसीत्य,द्विहल्य,मम्बाकृत

खेल ना० कुतुक, कुतूहल, कौतुक, कौतूहल, क्रीड़ा, खेल ६

खेवैया ना०नियाम,नियामक, नियामक। पोतवह, पोतवहा,पोतवाहा ६

——❀ खै ❀——

खैर ना० कंटकी, काण्टन, कत्था, खदिर,खयर, खैर, बहुशल्य, बालतनय, बालदलक, बालपत्र, बालपत्रक, यज्ञिय, रक्तसार १३

खैरउजला ना० कदर, कार्मुक, कुञ्जकण्टक, खादिर, खदिरोपम, खयर-सार,खैरश्वेत, ब्रह्मशल्य, श्वेतखयर, श्वेतसार,श्वेतसारक,सोमवल्क, सोमवल्कल, सोमसार, हिमालय १५

(इसको पपरियाकत्था भी कहते हैं)

खैरकाला ना० टुण्टुक,तमाल,तिक्तक

खैरलाल ना० अरुम्, असूखदिर, ताम्रसारक, याज्ञिक, यूपद्रुम, रक्तखदिर, सुसार ७

खैरदुर्गंध ना० अमरज, अरिम, अरिमेदक, आसमेद, अहिमार, अहिमारक, इरिमेद,कालस्कंध, कैडर्य्य, खदिरपत्रिका गायत्री, गिरिमेद, गोधास्कन्ध, पत्रतरु, महासार, विटखदिर, सारखदिर १७

खैरश्वेत ना० अरिमर्शित,गायत्री, गायत्रिन् जिह्मशल्य,जिह्वाशल्य, तिक्तसार, तिक्तसाक,दन्तधावन,प्रियसख,मदन,मदनक,यज्ञांग,यूपद्रु,रागचूर्ण,सुशल्य,क्षितिक्षम

——❀ खो ❀——

खोजा (नपुंसक जो रनिवासमें रहतेहैं) ना० वर्षवर, शंड, शंढ,षंड, षंढ ५

खोवा ना० किलाट,खोवा,खोहा,मावा; क्षीरविकृति ५

——❀ ग ❀——

गंवार ना० अविनीत, गंवार,दुर्विनीत, समुद्धत ४

गगनधूरि (रेणुका) ना०अभीष्टा, कपिला,कपिलोमा, कांता, कृतान्ता,कौंती, खरनादिनी, ज्योत्स्नी, द्विजा, धर्मिणी, नन्दिनी,पाण्डुपत्नी, पाण्डुपुत्री, ब्रह्माणी, भस्मगंधा, भस्मगन्धिका, भस्मगंधिनी, भस्मगर्भा,महिला,रामजननी,राजपुत्री,रेणु रेणुका, वरात्करी, सुपर्णिका हरेणु, हरेणुका, हिमा,हेमगन्धिनी २९

गंगा (नदीप्रसिद्ध) गंग, गंगा,जन्हुतनया, जान्हवी, ध्रुवनन्दा, निगमनदी, निर्जरनदी, पावनी, भागीरथी, भीष्मसू, मन्दाकिनी, माहेश्वरी, लोकउद्धारनी,विश्वंदवध्वनी, विश्वेश्वरी,विष्णुपदी,विष्णुपादोदकी, शैलजा, शोकहा, सुरधुनि,सुरनिम्नगा, सुरसरि, त्रिपथगा, त्रिस्रोता, त्रैतापनाशिनी २५

१-देवता नामों पर नदीनाम के शब्द लगाने से गंगाके नाम होतेहैं जैसे देवनद, देवापगा, सुरसरि आदि ॥

गजपीपर व छोटीपीपर ना० इभकणा इभोषण, कपिवल्ली, कपिल्लिका, करिपिप्पली, कुंजरपिप्पली, कोलवल्ली,गज

पिप्पली, गजपीपरि, चव्यजा, चव्यफल, छिद्रवैदेही, तेजोवती, भव्या, वर्तुली, दशिर वशीर, वसिर, वारणपिप्पली, शनकावालि; शकुलादनी शैलजा, श्रेयशी, स्थूलवैदेही, स्थुला

गझिन ना० गझिन, घन, निबिड़, निरंतर, सघन, सान्द्र ६

गटई ना० कण्ठ, कण्ठा, कण्ठी, गटई, गल, गला, नटई ७

गठिवन ना० कुशपुष्प, गठिवन, गुच्छक गुत्थक, गुत्स, गृन्थिपर्णी, ग्रंथि, ग्रंथिक, ग्रंथिपर्ण, ग्रंथिवर्ही, ग्रंथिवार्हिन्, तृणपुष्प, तैलपर्णक, थुनेर, नीलपुष्प, मरुत, वर्ह, वार्हि, वार्हिस्, वर्हिकुसुम, वर्हिपुष्प, वार्हिःपुष्प, शीर्ष; शुक, शुकच्छद, शुकपुच्छक, शुकपुष्प, शुकवर्ह, सुगन्ध, स्थौणेय, स्थौणेयक ३१

गड़ासी ना० खन्ता, खन्ती, गडासी, स्तम्बघन, स्तम्बघ्न, स्तम्बहनन, स्तम्बहननी

गडुआ ना० आरु, आल, आलु, कर्करी, गलन्तिका ५

गड़ेरिया ना० अजाजीव, अजापालक, जावाल

गणदेवता ना० अनिला-४९, आदित्या १२, आभास्वरा-६४, तुषिता-३६, महाराजका व महाराजिका २ से २०, रुद्रा-११ वसवः८, विश्वे-१३। (बहु० विश्वे वा विश्वेदेवा) साध्या १२

गणेश ना० इकदन्त, एकदन्त, एकरद, एकरदन, एकदशन, गजबदन, गजानन, गणनाथ गणपति, गणराउ, गणराज, गणाधिप, गणेश, गिरिजांगज, गिरिजानन्दन, गिरिजासुअन, गिरिजासुत, गौरिसुत, गौरीसुत, द्वैमातु, द्वैमातुर, मूषकवाहन, लम्बोदर, विघ्ननिधन, विघ्नराज, विघ्नेश, विनायक, शम्भूसुत, शिवसुत, शुभकरण; हरतनय, हरसुत, हेरम्ब ३३

१-गणशब्दपर पतिअर्थके शब्द, पार्वती और महादेव नामोंपर सुतअर्थकेशब्द, और मूषक नामोंपर वाहनअर्थ के शब्दलगानेसे गणेशजीके नामहोतेहैं (नामसंज्ञादेखो)

गंडीरशाक ना० गण्डीर, गण्डीरशाक, समष्ठिला, समष्ठीला ४

गदहपुरैना (उजला) ना० गदहपुरैना, गदहपूर्ना, गोफघ्नी, चिराटिका, दीर्घपत्रिका, देववल्लभ, पुनर्नवा, प्रत्यंगिरा, भ्रातृषायणी, मण्डलपत्रिका; वर्षांगी, विशाख वैशाखी, शशिवटिका, शिवाटिका, शोथघ्नी, शोफघ्नी, श्वेतमूला, सांठ १९ (इसीकोपत्थरचट्टा या विसखपरामी कहते हैं)

गदहपुरैना (लाल) ना० कठिल्लक, क्रूरा नव, पुनर्नव, पुनर्नवा, भौम, रक्तगदहपूर्ना, रक्तपुनर्नवा, रक्तपुष्पा, रक्तवर्षाभू, लोहिता, वर्षकेतु, वर्षाभव, विषघ्नी वृषकेतु, शिलाटिका, शोणपत्र, शोथघ्नी, शोफघ्नी, सारिणी, क्षुद्रवर्षाभू

गदहा ना० खर, गदहा, गधा, गर्दभ, गर्धव, चक्रीवान, दुर्गम, वैसाखनन्दन, राशभ, रासभ; वारवहा, वालेय १२

१—वैसाख नामोंपर सुतनामके शब्द लगानेसे गदहाके नाम होतेहैं उनको स्त्री लिंग आदेशकरनेसे गदही के नाम होतेहैं जैसे वैसाखनन्दन वैशाखनन्दिनी आदि॥

गन्धक ना० कीटघ्न, क्रूरगंध, गंधक, गन्धपाषाण, गन्धमोदन, गंधाश्मा, गन्धाश्मन्

गन्धिक, गिरिजबीज, दिव्यगंध, देवीबीज, दैत्येन्द्र, धातुवैरिन्, धातुवैरी, पामघ्न, पामारि, पीतक, बालि; बलिरस, रसगंध, शुकपुच्छ, शुल्वारि, सुगन्ध, सुगन्धक, सुगंधिक, सौगंधिक २६

गन्धपसारण (औषधि) ना० गन्धप्रसारिणी, गंधभद्रा, गंधखण्ड, गन्धाढ्या, गन्धाली, चारुपर्णी, पसरन, पूतिपत्रिका, प्रतापनी, प्रभद्रा, प्रबला, प्रसरा, प्रसारिणी; बला, बल्या, भलता, भद्रालपत्रिका, भद्रालपत्री, भद्रकाली. भद्राली, भद्रा, भद्रपर्णी, भद्रोत्कट, राजपर्णी, राजबला, शरणा, शरणी, सरणि, सरणी, सरा, सारिणी, सुप्रसरा ३२

गन्धरस ना० गंधरस, गोप, गोस, गोसशशः, पिण्ड, पिण्डगोस, प्राणः; बर्बर, बोल, रसः, रसगंध, व्रणारि; शश १३

गन्धर्व ना० चित्ररथ, तुम्बुरु, विश्वावसु, हहा, हाहा, हाहास, हुहु, हूहू ८

गरगरैया ना० गरगरैया, गौरैया, चटका, चिड़ी ४

गरगरौआ ना० कलविंक गृहचिड़ा, गौरैवा, ग्राम्या, चटक, चिड़ा ६

गरहेडुआ ना० कुन्त, गवेडु, गवेधु, गवेधुका, हिंस्रा, क्षुद्रा ६

गरुड़ ना० उरगारिपु, उरगारि, खगपति, खगेश्वर, खगेश, गरुड़, गरुत्मान, तार्क्ष, तार्क्ष्य, नागांतक, पन्नगासन, विष्णुरथ, वैनतेय, सुपर्ण, सुरेशजित, हरियान १६

१-सर्पनामोंपर शत्रुअर्थके शब्द और हरि नामोंपर वाहन अर्थके शब्दलगानेसेगरुड़ के नामहोते हैं जैसे नागांतक, हरियान

गर्भ ना० गर्भ, दोहद, दोहदलक्षण, दोहल, पेट, भ्रूण, हमल ७

गर्भपहिला ना० उपसर, प्रजन, प्रजनन, प्रथमगर्भ ४

गर्भस्थान ना० गर्भस्थान, गर्भागार; गर्भाशय ३

गर्भिणीस्त्री ना० अन्तर्वत्नी, आपन्नसत्त्वा, गर्भिणी, गुर्विणी, दोहदवती, दोहदिनी, दोहलवती, श्राद्धालु ८

गर्भिणीस्त्री की इच्छा ना० दोहद, दोहल, दोहला ३

गर्मथोड़ा ना० इषत्उष्ण, कदुष्ण, कवोष्ण, कोष्ण, मन्दोष्ण ५

गर्मबड़ा ना० अतिउष्ण, खर, तिग्म, तीक्ष्ण

गर्मीऋतु ना० उष्ण, उष्णक, उष्णागम, उष्णोगम, उष्णोपगम, ऊष्ण, ऊष्णक, ऊष्णागम, ऊष्णोगम, ऊष्णोपगम, ऊष्मा, ऊष्मान्, गर्मी, ग्रीषम, ग्रीष्म, ग्रीष्मऋतु, तप, तपस, निदाघ १६

गला ना० कण्ठ, कण्ठा, कण्ठी, कंधर, कन्धरा, कपोलयान, गरदन; गर्दन, गल, गला, ग्रीवा, धमनल्ल, धमनी, शिरोधर, शिरोधरा शिरोधि १६

गली ना० खोरि, खोरी, गली, प्रतोली, रथ्या, विशिखा, वीथिका, वीथी ८

गलीकोटकी ना० कोटमार्ग, दुर्गसंचर; संक्रम, संक्राम ४

गली गांवके भीतरकी ना० प्रतोली, रथ्या, विशिखा ३

गहना (ज़ेवर) ना० अभरण, अलंकार

आभरण, परिष्कार, परिस्कार, भूषण, मण्डन, विभूषण ८

गहनाआदिसे अतिशोभित ना० भ्राजिष्णु, रोचिष्णु, विभ्राजी, विभ्राट ४

गहनापहिरनेवाला ना० अलंकारिष्णु, अलंकर्ता २

गहनापहिरेहुए ना० अलंकृत, परिष्कृत परिस्कृत, प्रसाधित, भूषित, मण्डित ६

गहनापहिरनेकीशोभा ना० आकल्प, नेपथ्य, प्रतिकर्म, प्रसाधन, वेश, वेष ६

गहिरा ना० गभीर; गम्भीर,निम्न ३

—— गा ——

गांजा ना० गञ्जा,गांजा,गांझा,गांधारी गृञ्जन,तारिता,मादनी,सम्विदामंजरी,हर्षिणी।

गांड़ (मलत्यागस्थान) ना० अपान, गुद, गुदा, पायु ४

गांडरघास ना० अतितीव्रा,गण्डदूर्वा, गण्डाला,गांडर, ग्रन्थिदूर्वा; ग्रन्थिपर्णी;ग्रंथिमूला;ग्रंथिला;जलस्था,तीव्रा,नाड़ी,मत्स्याक्षी, मीननेत्र,मीनाक्षी,वीरण,वीरतर,श्यामकाण्डा,श्यामग्रंथि, शकुलाक्षक, सूचीपत्रा

गाजर ना० गर्जर,गाजर,ग्रंथिमूल,धेनुदुग्धकर,नारंग,पिण्डमूल, पीतकन्द,पीतमूलक, वर्तुल,सुपीत,सुमूलक,स्वादुमूल १२

गाय ना० अघ्न्या,अर्जुनी,इड़ा,इरा,उस्रा, गाय, गैया, गो, गौ, जगती, मही, माता, माहेयी, रोहिणी, शकरी, शृंगिणी,सुरभि, सुरभी, सौरभेयी १९

गायत्री ना० अनुष्टुप, अनुष्टुभ,आद्यछन्द, उष्णिक, उष्णिकह, उष्णिग, गायत्री, गायत्री, बृहती ६

गारुड़ी (सांपझारनेवाला) ना० अहितुण्डिक, अहितुण्डिकि, आहितुण्डिक, गारुड़ी, व्यालग्राह, व्यालग्राही,सर्पग्राही, सांपग्राही ८

१-सांपनामोंपर ग्राहीअर्थके शब्द लगानेसे गारुड़ीके नाम होतेहैं जैसे अहिग्राही।।

गाल ना० कट कपोल,गण्ड, गाल ४

गालमें चिन्हबनाना ना० आस्यपत्र, पत्रलेखा, पत्रवल्ली, पत्रांगुलि, पत्रावली, मकरपत्र ६

गालीदेना ना० अभिषंग, अभीषंग, आक्रोशन ३

गावजवां ना० गोजिह्वा, गोजिह्विका

—— गि ——

गिद्ध पक्षी ना० करागस,गिद्ध, गीध, गृद्ध, गृध्र, दाक्षाय्य, दूरदर्शी, शकुनि, शकुनी, सुदृष्टि, सुदृष्टी ११

गिरना ना० अवनय,अवनाय,निपातन नियोतन ४

गिरगिट ना० कृकलाश,कृकलास,कृकुलास, गिरगिट,गिर्गिट, शरट,शरठ,सरठ८

—— गी ——

गीला ना० आर्द्र,उत्त,क्लिन्न, तिमित, समुन्न, सार्द्र, स्तिमित ७

गीलाकरना ना० तेम,समुन्दन,स्तेम ३

—— गु ——

गुच्छा ना० गुच्छ, गुच्छक, गुच्छा, गुत्स, गुत्सक, स्तवक ६

गुड़ ना० अमृतसार,इक्षुरसक्वाथ,इक्षुसार किण्व, खंडज, द्रवज, मादक, रसज, रसपाकज, सुराबीज, स्वादुखण्ड ११

गुडहर (पुष्पप्रसिद्धि) ना० अर्कप्रिया, उडू, ऊर्ध्वपुष्प, ओडहुल, ओड्र, ओड्रपुष्प, ओड्रहुल, ओड्राख्या, गुडहर, गुडहल, गुड़पुष्प, जपा, जया, जयापुष्प, जवा, जवापुष्प, ताम्रवर्णा, नाड़ेयी, पिण्ड, प्रातिका, रक्तपिण्ड, रक्तपुष्पी, रागपुष्पा, वरासन हेमपुष्प, त्रिसंध्या २६

गुण्डालावृत्त ना० गुण्डाला, जलाशया

गुथाहुआ ना० गुथित, गुफित, गुम्फित, ग्रथित, ग्रन्थित, दृब्ध, मर्दित, मथित, संदित, संमिलित १०

गुप्ती ना० इली, ईलि, ईली, करपालिका, करवालिका, खांडा, गुप्ती ७

गुफा (बनाईहुई) ना० कंदर, कंदरा, कंदरी, गह्वर, गुहा, दरा, दरी ७

गुफा (बेबनाईहुई) ना० गह्वर, गुहा, देवखात, बिल ४

गुर्च ना० अनन्ता, अमरा, अमृत, अमृतवल्लरी, अमृतवल्ली, अमृतसम्भवा, अमृता, उद्धारा, कुण्डली, कुण्डलिनी, गिलोय, गुडूची, गुडुची, गुडूची, गुरुचि, गुर्च, चक्रलक्षण, चक्रलक्षणिका, चन्द्रहांसी, चन्द्रा, छद्मिका, छिन्नरुहा, छिन्ना, छिन्नारुहा, छिन्नारूहा, छिन्नोद्भवा, जीवंती, जीवन्तिका, ज्वरघ्न, ज्वरविनाशिनी, तंत्रिका, तंत्री, तिक्तपर्वा, तिक्तपर्वन्, देवनिर्मिता, धीरा, निर्जरा, पापरोद्धारा, पित्तघ्नी, पित्तघ्नीलता, भिषक्प्रिया, मधुपर्णिका, मधुपर्णी, मंडली, रसायनी, वत्सादनी वत्सादिनी, वयस्था, वरा, वातपित्तारि, विशल्या, विषघ्ना, शशिलेखा शुद्धवल्लिका, सुरकृता, सुधा, सोमवल्ली, सोमवल्लरी, सोमा

गुर्ज ना० गुर्ज, तोमर, शर्वला, सर्वला ४

गुलसकरी ना० अतिबला, अनिष्टा, खरगंधनिभा, खरगंधा, खरयन्तिका, खरवल्लिका, गंगेरुकी गंगेरन, गवेधुका, गवेशका, गुल्थ, गोरक्षजम्बु, गोरक्षतण्डुला, चतुष्पला, झषा, देवदण्डा; नागबला, भद्रोदनी, महाशाखा, विश्वदेवा, ह्रस्वगवेधुका; ह्रस्वा २२

गुलाब (पुष्पप्रसिद्धि) ना० अतिमंजुला, कर्णिका, गंधाढ्या, चारुकेशरा, चारुकेशरी, तरुणी, तर्विणी, पाटल, पुण्डर्य्य, पौंडार्य, मपौण्डरीक; महाकुमारी, लक्षपुष्पा, लक्षाढ्या, लाक्षा, शतपत्री, शतपत्रिका; शतपुष्पी, सवृत्ता, शुशीता, स्थलकमल २१

गुह (पुरुषमल) ना० अन्नमल, अवस्कर, उच्चार, गुह, गूथ, पुरीष, वर्च्चः, वर्च्चस्; वर्चस्क, विट्, विड, विश, विष, विषा, विष्ठा, विष्ठा, शकृत्, शमल, सकृत १९

——— गू ———

गुगूर ना० उदूखल, उद्दीप, उलूखल, उलूखड, उलूखलक, उष, कुम्भ, कुम्भी, कुम्भोल, कुम्भोलूखल, कुम्भोलूखलक, कुस्त, कौशिक, खलक, गुग्गुर, गुग्गुल, गुगुर, ग्रंथिक, जटाल, जटायु, दिव्य, दुर्ग, देवधूप, देवेष्ट, नक्तंचर, निशाकट, पलंकष, पलंकषा पुरः, भवाभीष्ट, भूतहर, मरुद्विष्ट, महिषाक्ष, महिषाक्षक, महिषाक्षि, यवनद्विष्ट, यक्षधूप, यातुघ्न, रक्षोहा, रमावेष्ट, रक्षोहन्, रूक्षगंधक, वर; शिव; श्यामा, सर्वसह ४६

गूमावृक्ष ना० एकष्ठील, एकष्ठीला,

कुम्भयोनि, कुम्भयोनी, कुम्भयोनिका, कुम्भिका, कुरुम्बा, कुरुम्बिका, गुम्मा, गूमा, गोमा, गोशीर्षक, ग्रीष्मसुन्दरक, चित्रपत्रिका, चित्रपर्णी, चित्राक्षुप, देवकुरुम्ब, द्रोण,द्रोणपुष्पी,द्रोणा,पाशुपत,फलेपुष्पा, बक, बसु,बुक,वसुक, वसूक, शिवमल्ली, सुपुष्पी, क्षवपत्री ३०

गूमाबड़ा ना० महाद्रोणा, महाद्रोणी २

गूलर (फल) ना० कांचन, गूलर, जंतुफल, पुष्पशून्य;सुचक्षुः; सुचक्षुस् ६

गूलर(वृक्ष) ना० उडुम्बर,उदम्बर, उदुम्बर, कांचन, क्रुमिकण्टक, खरदला, गुलरी,गूलर,गूलरि,गूलरी,जंतुफल,धर्मपत्र पवित्रक, पाणिभुक्,पाणिभुज्, पुष्पहीना, पुष्पशून्यवृक्ष, ब्रह्मवृक्ष, यज्ञयोग्य, यज्ञसार, यज्ञांग, यज्ञीय, यज्ञोदुम्बर, शीतवल्क, सदाफल, सुप्रतिष्ठित, हेमदुग्ध, हेमदुग्धक,हेमदुग्धिन्,हेमदुग्धी,क्षीरिवृक्ष, क्षीरी, क्षीरिन्,क्षेमफला, क्षेमाफला ३५

——— गे ———

गेंद ना० कन्दुक, गेण्डुक, गेण्डूक, गेंद, गेन्दुक ५

गेंदा वृक्ष ना० अतिचरा, अव्यथा, अम्बुरुहा,कार्णिकार,चारटी,छत्रपत्र,तरणी, तर्पिणी, देवा; पद्मचारिणी, पद्मा, पद्मावती,पद्माह्वा,लक्ष्मी, वपुष्टमा,शारदा, साधुपुष्प;सुपुष्करा; सुगंधमूला; स्थलकमल, स्थलपद्म,स्थलपद्मिनी २१

गेहूं ना०गन्धविह्वल,गोधुम,गोधूम,गोधूम, गोरक्षजम्बु,निस्तुषक्षीर, नन्दीमुख, प्रवेट, मधूली, म्लेच्छभोजन,म्लेच्छाश, यवन, सुमन,सुमनस्, सुमना,सुमनाः,सुमनास् १७

गेरू ना० गवेरुक, गवेधक, गिरिज, गिरिमृत्,गिरिमृद्,गिरिधातु, गिरिमृद्भव, गेरू, गैरिक, दलाढक, पत्रावलि,पाण्डरः; प्रत्यश्म,प्रत्यश्मन्,रुधिर, लोहितमृत्तिका, सुरंगधातु, १८

गेरूपीला ना० शिलाधातु, सन्ध्याभ्र, सुवर्णगैरिक, स्वर्णगैरिक, स्वर्णवर्णा, सुरक्तक, सुवर्ण ७

——— गै ———

गैंडा (पशु) ना० खड्गी, गण्डक, गयड़ा, गैंडा ४

——— गो ———

गोंद ना० निर्य्यह,निर्य्यास,निर्य्यूस ३

गोंदीवृक्ष ना० अंगारपुष्प, अंगारवृक्ष, अनिलान्तक,इंगुद, इंगुदी, इंगोट, इंगल, कोष्ठफल, गोंदनी,गोंदिनी, गोंदी,गोननी, गौरत्वक, जीवपुत्रक, तनुपत्र, तापसतरु, तापसद्रुम, तापसप्रिय, तिक्तक, तीक्ष्णकण्टक, पूतिगंध,पूतिपुष्प, व्यवहारिका, हिंगोट, हिंगुपत्र, २५

गोखरू ना० अश्वदंष्ट्रा; इक्षुगंधा, कण्टक, कण्टकफल, कण्टिन,कण्टी, गोकण्ट, गोकण्टक,गोखुर, गोखुरि,गोखुरु, गोखुरू, गोक्षुर; गोक्षुरक, धनस्यक, पदन्यास,पलंकषा पलंकषा, भद्रकण्ट,वनशृंगाट, वनशृंगाटक,वाजिपाद,श्वदंष्ट्र, श्वदंष्ट्रा,श्वदंष्ट्रक,षडंग,स्थलशृंगाट,स्थलशृंगाटक,स्वादुकण्टक,स्वादूकण्टक,क्षुर,क्षुरक,

चुरांग, त्रिकट, त्रिंकण्टक, त्रिकण्टु ३१

गोखुरूछोटा ना० कण्टफल, चणद्रुम चणद्रुम, भल्लटक, क्षुद्रगोक्षुर, क्षुद्रगोक्षुरक

गोदी ना० अंक, उछंगहु, उर, कोड़, कोरा, कौरा, गोदी, भुजनमध्य, भुजान्तर ६

गोभी ना० अधःपुष्पी, अधोमुखा, अनडुजिह्वा, कुरसा, गोजिह्वा, गोभी, दार्विं, दार्विका, दार्व्वी, वातोना, समाह्वा ११

गोबर ना० गोकृत, गोरथ, गोबर, गोमय, गोमल, गोविट् गोविश गोशकृत् गोहन्न, पव; शकृद्रस ११

गोमूत्र ना० गोजल, गोनिष्यन्द, गोमूत्र ३

गोमेदमणि ना० गोमेदक; गोमेदमणि २

गोरखमुण्डी ना० कुम्भला; तपोधना; परिव्राजी, मुण्डातिका; श्रमणा ५

गोरखमुण्डीबड़ी ना० तपस्विनी; महाश्रावणिका; स्थविरा ३

गोल ना० निस्तल, वर्तुल, वृत्त ३

गोसमूह (गायोंकीनार)ना० गवाम्बूज गोकुल, गोधन, गोमंतौ, गोमिनौ ५

गोस्वामी (गायोंकामालिक) ना० गवीश्वर, गोपति, गोमान्, गोमी ४

गोह ना० कृष्णसर्प, खोरकटा, खोरखटा, गोधा, गोधिका, गोधेय, गोह, गोधेर, निहाका, पंचनखी, महाविष, महाविषा, राजानिभ १३

—— गौ ——

गौरोचन ना० कांचनी, कांचनिया, गव्या, गोपवित्त, गोरोचना, गोलोचन, गौरी, गौतमी, गौरोचन, गौलोचन, चन्दनापा, पिंगा, पीता, वैदेही, वन्दनीया, वन्ध्या, मंगल्या, मनोरमा, मेध्या, रुचि, रुचिरा, रोचनी, शिवा, शुभान्वित; शोभना, शोभा; सुनन्दा २७

ग्रहणचन्द्र ना० उपरक्त, उपराग, ग्रहणचन्द्र, चन्द्रग्रहण, सोपप्लव ५

ग्रहणसूर्य्य ना० उपरक्त, उपराग, गहन, गहना, ग्रह, ग्रहण, ग्रहणसूर्य्य, सूर्यग्रहण ८

—— घ ——

घड़ियाल ना० अवहार, ग्राह, घड़ियाल

घर (मकान) ना० अगार, अध्म, अश्मन् अमा, अवसम, अस्त, आगार, आयतन, आराम, आलय, आलै, आस्पद, उदवसति, उद्वसति कुटि, कुटी, कुटीर, कूटी, कृति, कृदर, गय, गर्त, गृह, गृहा, गेह, घर, छदि, छर्दि, छाया, दम, धाम, धिष्ण्य, निकाय, निकेत, निकेतन, निलय, निलै, निशांत, नीड, नील, पस्त्य, भवन, मण्डप, मन्दिर, योनि, लय, वरूथ, वसति, वस्त्य, वार, वासकूटी, वासस्थान, वेश्म, शरण, शर्म, शाला, संकेत, सदन, सद्म, सभा, सादन, साला, स्थान, हरम्य, हर्म्य, त्रिशालय, त्रिशालै ६७

घरचौकोना ना० चतुःशाल, चतुःशाली, संजवन, संयवन ४

घरिया (धातुगलानेवाली) ना० तैजसावर्तनी, मूषा, मूषिका ३

—— घा ——

घांटी ना० अवटु, कृकाटिका, घाटा, घांटी ४

घाम ना० आतप, घाम, द्योत, प्रकाश, सूर्य्यप्रभा ५

घाव ना० अरु, ईर्म, घाव, व्रण ४

घि

घिनाना ना० अर्तन, ऋतीया, घृणा, निन्दा, रीज्या, हृणिया, हृणीया, हृणि, हृणीया ६

घी

घी ना० अजरा, अभिघार, अमृत, आज्य खजप, घी, घृत, तक्र, तनूनप, तामर, तृप्र; नवनीत, वह्निभोग, वाज, सार्पि, सर्पी, सानाय्य सारज, सार्पि, हवि, हविर, हविष्य; हविस् होम्य २४

घीकुवार ना० अदला, अफला, अम्बुधिस्रवा कण्टकप्रावृता, कुमारिका, कुमारी, गंधाढ्या, गृहकन्या, गृहपुत्रिका, घिकुवारि, घिकार, घिग्वार, घृतकुमारी, तरणि, तरणी, तरुणी, दीर्घपत्रिका, बलभद्रा, ब्रह्मघ्नी; सहा, स्थलेरुहा; स्थूलदला १२

घु

घुंघुची ना० अंगारवल्ली, अरुणा, इन्द्राशन, कक्ष्या, कांची, काकचिञ्चा, काकचिञ्चि, काकचिञ्चिका, काकजंघा; काकनासा, काकतुण्डिका, काकणन्तिका, काकिणी, काकिनी, काकादनी, काकादिनी, काकतिक्ता, काकपीलु, काकनासिका, कुञ्चिका, कृष्णचूड़िका, कृष्णालक, गुञ्जा, गुञ्जिका, गुञ्जाकिनी, घुंघुची, चिंची, चूड़ामणि, ताम्रिका, तुलाबीज, पाटलिका, पारावतपदी, पारावतांघ्रि, भीरुभूषणा, रक्ता, रक्तिका, वन्या, शिखण्डी, शिखण्डिन्; शिखण्डिनी, शीतपाकी, श्यामचूड़ा, संचाली, समला ४४

घुंघुचीसफेद ना० चक्रशल्या; चूड़ाला, भिरिगिटिका; शुक्लवर्णे; गुञ्जा; श्वेतगुञ्जा ५

घुंघुरू ना० कंकणी, किंकिणि; किंकिणी, घुंघुरू, क्षुद्रघंटिका ५

घुटना ना० अष्ठीवत्, अष्ठीवात्; अष्ठीवान्, उरुपर्वा; उरुपर्व; कूर्चशिरः, कूर्चशिरस्; घुटना; घुटन्; जानु; जानू ११

घू

घूमना ना० अटन; अटा; अट्या; पर्य्यटन; व्रज्या ५

घे

घेर ना० प्राकार, वरण, शाल, साल ४

घेरा ना० चक्रवाड़, चक्रवाल, वर्तुल, मण्डल, मण्डलाकार ६

घो

घोंघा ना० अम्बुमात्रज; जलक, जलकरंक; जन्तुकम्बु, जलडिम्ब; जलशुक्ति; जलशुक्तय, शंबु, शंबूक; शंबूका, शाम्बुक, शांबूक

घोड़ा ना० अत्य; अरुष; अर्व; अर्वा; अव्यथय; अशु; अश्व; एतग्व; एतश; उच्चैःश्रवस; गंधर्व; घोट; घोटक; घोटका; घोड़ा; जूयवी; तरल; तार्क्ष्य; तुरग; तुरंग; तुरंगम्; दाधिका; दधिक्रावा, दौर्गाह, धूर्यःनरः; पाति, पीतिन, पीती, पीथिः; पंद्व, मांश्चत्व, वाह्नि, वाजि; वाजी, वाजीय, वामी वार्याणाम्, वाह, वीति, ब्रध्न; श्येनास, सन्धव, सप्तवाजीय; सप्ता, सप्ति; सुपर्णा; सैंधव; सैंधव; हंसास; हय; हरि ५२

घोड़ालदुआ ना० पृष्ठ्य; स्थुरी; स्थोरी; स्थौरी ४

घोड़ा का शब्द (हिनहिनाहट) ना० हेषा, हूषा, ह्रेषा ३

घोड़ी ना० अश्या, अरुषी, अव्यथय, अश्वा, अश्वी, एतग्वा, एतशा, घोटका घोटकिन्, घोटकी, पतंगा, प्रसू, प्रसूका, बड़वा, वाजिनी, वामी, हया १७ ॥

१—घोड़ा नामों को स्त्री लिंग आदेश करने से घोड़ी के नाम होते हैं ॥

—— च ——

चकई (पक्षी) ना० कंका, कुका, कोका, चक्रवाका, चक्रवाला, चक्रा, वका, बकोशा, रथांगा, लोह पुच्छका १० ॥

चकवत (औषधि) ना० खर्ज्जूघ्न, चकवत, चक्रमर्द, चक्रवर्तिनी, चक्रिन्, चक्री, पद्माट ७ ॥

चकवा (पक्षी) ना० कंक, काक, कामिन्, कामी, कुक, चकवा, चक्रः, चक्रवाक, चक्रवाल, बक, बकोष, रथांग, लोह पुच्छक १३॥

चकोर (पक्षी) ना० चकोर, चन्द्रिका जीवजीव, योषी, सुलोचन ५ ॥

चचेड़ा ना० चचण्डा, चचेड़ा, चिचेड़ा, चिचिण्ड, बृहत्फल, वेश्मकूल, श्वेतराजी ७ ॥

चञ्चल ना० चंचल, चल, चलाचल, तरल, परिप्लव, पारिप्लव, लोल ७ ॥

चटकना (हाथ खुला हुआ) ना० चपट, चपेट, चर्पट, तल, प्रतल, प्रहस्त ६

चटनी ना० चटनी, मार्जिता, रसाला, रसिका, शिखरन ५ शिखरिणी ६ ॥

चंडाल ना० अन्तेवासी, चण्डाल, चाण्डाल, जनंगम, जलंगम, दिवाकीर्ति, निशाद, निषाद, पुक्कश, प्लव, मातंग, श्वाक, श्वपच, श्वपाक १४ ॥

चतुर ना० अभिज्ञ, उष्ण, कुशल, कुषल, कृतमुख, कृती, चतुर, चातुर, दक्ष, निपुण, निष्णात, पटु, पेशल, प्रवीण, प्रागल्भ, विदग्ध, विदुष, विद्वान, विशारद, विज्ञ, विज्ञानिक, वैज्ञानिक, शिक्षित, सूत्थान, सुष्णु, ज्ञाता २६ ॥

चना ना० कंचुकी, कृष्णचंचुक, चणक, चना, चिन्न, वित्र, बालभोज्य, भिन्न, भिन्नात्मा, भिन्न भिन्नात्मन्, वाजिभक्ष्य-वातन, सुगन्ध, हरिमन्थ, हरिमन्थक, हरिमन्थज १५ ॥

चन्दन ना० अंगराग, एकांग, गन्धराज, गन्धाढ्य, चन्दन, चन्द्रकान्त, तिलपर्ण, तैलपर्णी, पटीर, पराग, पिष्टसौरभ, पिष्टालिका, पीतसार, भद्रश्रिय, भद्राश्रय, भोगिवल्लभ, मंगल्य, मलयज, मलयोद्भव, लोहि, वर्णक, वल्गुक, शीतलप्रद, श्रीखण्ड, सर्पावास, सर्वीष्ट, सर्वेष्ट, सारगंध, सारंग, सित, सुगंध, सुरोत्तर ३२ ॥

चन्दन उजला ना० शीतगंध, शीतल, श्रीवास, श्रीवासच्छद, स्वेतचंदन, सितोद्भव, सुशीतल ७ ॥

चंदनकाला ना० कालिक, कालीय, कालीयक, कृष्णचंदन, हरिप्रिय ५ ॥

चंदनगोपी ना० आसंग, कंसोद्भवा, काली, काक्षी, जगत्, ताली, तुवरी, तुवरिका तूवरी, तूवरिका, तोमारिका, देवी, पार्वती, मृत् मृत्तिका, मृत्स्ना, सती, सुजाता, सु. मृत्ति-

का, सुराष्ट्रज, सुराष्ट्रजा, सौराष्ट्र, सौराष्ट्रिका, सौराष्ट्री, २५

चंदनपीला ना० इन्द्र चंदन, कनक, कालसार, कालीय, कालेय, गोशीर्ष, जायक, तैलपर्णिक, दिव्य, देवतरु, नंदनज, पीतक, पीतकाष्ठ, पीतचंदन, पीतसार, प्रचेल, मार्कदी, लोहित, बरचंदन, बर्बर, विटि, संज्ञ, सुराई, सुवर्ण, सुशीत, हरिचन्दन २६

चंदनलाल ना० अर्क चंदन, कुचंदन, कुशाद, ताम्राभ, ताम्रवृक्ष, ताम्रसार, ताम्रसारक, पतंग, पत्तरंग, पत्तूर, पत्रंग, पत्रांग, प्रवालफल, रक्त, रक्तचंदन, रक्तसार, रंजन, लोहित, लोहितचंदन, शोणित चंदन, क्षुद्रचंदन २१

चंदन वृक्ष ना० गंधसार, भद्रश्री, मालय, याम्य, रौहिण, शुभ्र ६

चंदनलगाना ना० चर्चा, चार्चिक्य स्थासक ३ ॥

चंद्रकांतिमणि ना० चंद्रकांत, चंद्रकांति, चंद्रमणि ३

चंद्रबिंब ना० बिम्ब, बिम्बा, मण्डल ३

चंद्रमा ना० अब्ज, अमीकर, अम्बुज, इंदु, उदधितनय, ओषधीश, ओशधीश, ओषधीप, कलंकधर, कलानिधि, कलाप, कांतिमान्, कुमुदबन्धु, कुमुदबांधव, ग्लौ, चंद, चंद्र, चंद्रमस, चंद्रमा, चांद, छपाकर, जर्ण, जलज, जलधिसुत, जैवातृक, जैवात्रिक, तारनईश, तारापति, द्विजराज, द्विजपति, नक्षत्रपति, नक्षत्रेश, निशाकर, निशानाथ, निशापति; निशिकर, निशिनाथ, निशापति, मृगवाहन, मृगांक, यामिनीपति, यामिनीश, रजनीकर, रजनीपति, रमाबन्धु, राकेश, विधु, विधू, विप्रनाथ, विभाकरारि, विभास, विष्णुसार, शम्भुभूषण, शम्भुशृंगार, शर्वरीनाथ, शर्वरीपति, शर्वरीश, शशधर, शशलांछन, शशांक, शशि, शशिन्, शशी, शुभ्रांसु, समुद्रज, समुद्रांगज, सरितापतिसुत, सवितारि, ससधर, ससांक, ससि, सागरज, सागरसुत, सागरसुताभ्रात, सिंधुज, सिन्धुजाभ्रात, सीतरश्मी, सुधाकर, सुधानिधि, सुधांशु, सोम, सोमन्, सोमा, हरि, हिमकर, हिमांशु, क्षपाकर, त्रियामापति ८८

१—जल नामोंपर ज कार, अमृत नामोंपर कर, सागर नामोंपर सुत, औषधि नामोंपर ईश, कलंक नामोंपर धर, कुमुद नामोंपर बन्धु, निश नामोंपर कर, और पति, नक्षत्र नामोंपर पति, विप्र नामोंपर पति, मृग नामोंपर वाहन, लक्ष्मी नामोंपर बन्धु, सूर्य नामोंपर रिपु, विष्णु नामोंपर सारा, महादेव नामोंपर भूषण, और शृंगार किरण नामों के प्रथम शीत, और हिम नामोंपर कर लगानेसे चंद्रमाके नामहोतेहैं,

२—चंद्रमाके नामोंपर रिपु अर्थी शब्द लगानेसे अन्धकार, राहु और सूर्य, और सुत अर्थी शब्द लगानेसे बुधके नामहोतेहैं जैसे चंद्ररिपु, शशिरिपु चन्द्रसुत आदि ॥

चन्द्रलक्षण ना० अंक, कलंक, चिन्ह, लक्षण, लक्ष्म, लक्ष्मण, लाञ्छन ७

चबेना ना० अभ्युष, अभ्यूष, अक्षत, मुरमुरा ४

चमड़ा ना० चर्म, चाम, त्वक् ३

चमार ना० चमार, चर्मार, चर्म्मकार, पादुकृत्, पादूकृत ५

चमेली (पुष्प) ना० चमेली, मनोहरा, मनोज्ञा, मालती, राजपुत्री, संध्यापुष्पी, सुकुमारा, सुप्रिया, हृद्यगन्धा ९

चमेली (वृक्ष) ना० चेतकी, जनेष्टा, जाति, जाती, तैलभाविनी, सुमना, सुमनस् ६

चम्पाकी कली ना० गंधफली, गंधा, चम्पकालिका ३

चम्पा पुष्प ना० अतिगंध, चम्पक, चम्पा, भ्रमरातिथि, सुभग ५

चम्पाभूमिना० भूमिचम्पक, सन्धिबंधर

चम्पावन ना० बनचम्पक, बनचम्पा, बनदीप ३

चम्पाविशेष ना० द्रुगम, द्रुघन, द्रुगम, भूमिचम्पक ४

चम्पावृक्ष ना० उग्रगंध, कटु, कनक कांचन, कुसुमाधिप, कुसुमाधिराट्, कुसुमाधिराज्, चम्पक, दीपपुष्प, नागपुष्प, पीतपुष्प, पुण्यगन्ध, प्रियसंदेश, वरलब्ध, विषघ्न, शीतल, शीतलच्छेद, भृंगमोही, भृंगमोहिन्, षट्पदातिथि, सुराभ, स्थिर गंध, स्थिरपुष्प, स्वर्णपुष्प, हेमपुष्प, हेमपुष्पक, हेमांग, चंद्र २८

चर ना० इग, चर, चराचर, चरिष्णु, जंगम, त्रस ६

चरस (मादकवस्तु) ना० चरस, चर्स सम्विदनिर्यास, सम्विदासार ४

चर्बी ना० चर्बी, तेजः, तेजस्, मज्जा, मांसज, मांसतेजः, मांसतेजस्, मेद, मेदः मेदस्, वपा, वसा, सार ११

चलनी ना० चलनी, चालन, चालनी, तितउ ४

चवँर ना० चमर, चवँर, चामर, प्रकीर्णक ४

चव्य (औषधि) ना० उषणा, करिकणावल्ली, कुक्कुटमस्तक, कुकर, कोल, कोला, चवि, चविक, चविका, चवी, चव्य चव्यक, चव्या, तीक्ष्ण, तेजनी, तेजोवती, तेजोह्वा, दीपनीय, नाकुला, परमा, पुरन्दर, वल्ली, वशिर, शौण्डी २४

—— चा ——

चांदनी ना० कौमदी, कौमुदी, चंद्रप्रभा, चंद्रिका चंद्रिमा, चांदनि, चांदनी, जौन्ह ज्योत्स्ना, ज्यौत्स्ना १०

चांदनी वृक्ष (पुष्पविशेष) ना० चांदनी ज्यौत्स्ना, मालती ३

चांदी ना० अकुप्य, इन्दुलोहक, कलधूत, कलधौत, कुमुद, खर्ज्जुर, खर्ज्जूर, चन्द्र, चन्द्रभूति, चन्द्रलोहक, चन्द्रहास, तारूक, तार, दुर्वर्ण, दुर्वर्णक, धौतप्रजादान भस्मक, रँगवीज, रजत, रूपा, रूप्य, रूप्यक, रौप्य, शुभ्र, श्वेत, श्वेतक, सित, सार हंसाभिरूप, हिमांशुभिरूप, हिरण्य३२

चांवल ना० तण्डुल, तन्दुल २

चांवलोंका पानी ना० ज्येष्ठाम्बु, तण्डुलीण, तण्डुलाम्बु, तण्डुलोत्थ, तण्डुलोदक ५

चा (चाहपत्ती) ना० चा, चाह, श्लेष्महर, श्लेष्मारि ४

चाईचूई ना० इंद्रलुप्त, इंद्रलुप्तक, केशघ्न खलति, चाईचूई ५

चाङ्गेरी ना० अम्बष्ठा, अम्लपिष्ट, अम्ललोणिका, अम्ललोणी, अम्ललोना, अम्ललोनिया, चांग, चांगेरी, चुक्रा, चुक्रिका दंतशठा, लोण, लोणाम्ला, लोलिका क्षुद्राम्ला

चाह ना० इच्छा, इष्ट, काम, निकाम, प्रकाम ५

——❀ चि ❀——

चिकना ना० चिकना, चिक्कण, मसृण स्निग्ध ४

चिकित्सा (रोगपरिज्ञा) ना० चिकित्सा, निग्रह, रोगदमन ३

चिड़या ना० अण्डज, अण्डयोनि, खग, खेचर, गगनपंथी, गरुत्मान, तुंगा, द्विज, नागौका, नभङ्गम, नभसंगमा, नीडोद्भव, पतग, पतंग, पतन, पतत्रि, पतत्री पक्षी, पत्ररथ, पत्री, पित्सत्, वयस, वाजि वाजी, वि:, विकिर, विष्कर, विहग, विहंग, विहंगम, विहंगमा, विहगा, विहायस्, विहाया, वी, शकुन, शकुनि, शकुनी, शकुंत, शकुंति, शकुंती ४१

चिड़ियोंके बच्चे ना० अर्भक, अर्भका डिम्भ, डिम्भा, पाकू, पाका, पृथुक्, पृथुका, पोत, पोता, प्रथुक, प्रथुका, शावक् शिशु १४

चिड़ीमार ना० जीवान्तिक्, जीवांतक् पक्षिघातक्, व्याध, शाकुनिक, शाकुनी ६

चिता ना० चिता, चिति, चित्या, मृतदाहाधार ४

चितेरा ना० कारु, चितेरा, चित्रकर, चित्रकार, सिल्पी ५

चित्तशांति ना० शम, शमथ, शमनम् शांति, ४

चिन्ता ना० आध्या, आध्यान, चिंता चिंतिया, स्मरण, स्मृति ६

चिमगोदर ना० अजिनपत्र, चिमगादुड़ चिमगादुर, चिमगीदड़, चिमगीदर, चिमगोदर ६

चिमगोदरी ना० अजिनपत्रा, चमगुदरी चर्म्मचटिका, चिमगोदरी ४

चिमचा (कर्छुल देखो)

चिरचिरा (लटजीरा) ना० अधामार्गव, अधाघण्ट, अध्वशल्य, अपांगक, अपामार्ग, अक्षर, आघाट, उष्ट्रकाण्डी, ऊंटकटीरा, कटुमंजरिका, कणठा, कणिटन, काण्डिर, किणि, किणिहि, कीशपर्णा, कीशपर्णी, कुब्ज, केशपर्णी, खरमंजरी चमत्कार, चिरचिटा, चिरचिरा, दुरभिग्रह धानुष्का, धामार्गव, परांक्पुष्पी, पांडुकंटक प्रत्यक्पर्णी, प्रत्यक्पुष्पी, मयूर, मयूरक, मयूरजटा, मर्कटपिप्पली, मर्कटी, मार्ग, मालाकण्ट, लिंगवर्द्धिनी, वशिर, शिखरी, शिखरिन, शैखरिक, शैखेय, स्थूलमंजरी क्षवक, क्षारमध्य, क्षीरिणी ४७

चिरचिरा लाल (लाललटजीरा) ना० आघट्टक, कपिपिप्पली, दुर्ग्रहिनिका रक्तापामार्ग, क्षुद्रापामार्ग ५

चिरायता ना० अनार्य्यतिक्त, अर्द्धतिक्त, कटुतिक्तक, काण्डतिक्त, कांडतिक्तक किरात, किरातक, किराततिक्त, कैरात, चिरतिक्त, चिरायता, चिरीतिक्त, ज्वरांतक तिक्तक, तृणनिम्ब, दीर्घपत्र, नाड़ीतिक्त,

नाक्षीतिक्ता, कवाल, नैपालनिम्ब, भूनिम्ब, भूतिक, सन्निपातनुत्, सुतिक्तक, हेम २१

चिरौंजी फल ना० चिरौंची, प्रियाल बीज, सन्नबीज ६

चिरौंजी वृक्ष ना० अखट्ट, उपवट, खरस्कन्ध, चायपट, चार, चारक, तापस प्रिय, द्रुसन्नक, धनु, धनुस्, धनुष्पट, पट, पियाल, प्रसन्नक, प्रियाल, बहुवल्क, मुनि, राजभोग्य, राजवृक्ष, राजातन, राजादन, ललन, वृक्षादन, सन्न, सन्नकद्रु, स्नेह बीज २६

चिलगोजा ना० चक्षफल, चिलगोजा, लंब बीज, लम्बबीजा ४

चिल्लीशाक ना० अम्ललोहिता, मौड़वास्तूक, चिल्ली, दुली, मृदुपत्री, वास्तुकी, क्षारदला ७

चित्रविचित्र (चितकबरा) ना० एत, एता, एनी, कर्बुर, कर्बुर, कर्मीर, कल्माष, किर्मीर, चित्र, शबल १०

——— चा ———

चीढ़ ना० कफठिनी, गंधवधू, गंधमादनी, चीड़, चीढ़, तरुणी, तारा, दारुगंधा, भूतमारी, मंगल्या १०

चीतल पशु ना० कृतमाल, कृष्ण पुच्छक, चीतल, छित्वरी, छिक्कार, वर्णचर, वातप्रमी, वातमृग, बिन्दुचित्रक, वृषन १०

चीता (गुलबघा व तेंदुआ) ना० चित्रक, चित्रकाय, चित्री, चीता, तरक्ष, तरक्षु, तीक्ष्ण दंष्ट्रक, द्वीपी, द्वीपिन्, तरक्षु, मृगादन, वेगवान १२

चीतावृक्ष ना० आंकन, अग्निमुख, अपाचित, आप्पित, आश्रयाश, कृशानु, कृष्णवर्त्मा, कृष्णवर्त्मन्, चित्र, चित्रक चित्रभानु, चित्रांग, चीता, जातवेदस, जातवेदस, ज्योतिष्क, तनूनपात, तनूनपाद, दहन, दारुण, दाहक, दीपनीय, द्रीमिन्, द्वीपी, धनंजय, पाठी, पाठिन्, पार्ठीमुल, पालक, पावक, पावक, वन्हि, वन्हिनामा, वन्हिनामन्, वन्हिसंज्ञक, विभाकर, विभावसु, वृहद्भानु, वैश्वानर, शम्बर, शार्दूल, शिखी, शिखिन्, शुक, शुचि, शुष्मा, शुष्मन्, शूर, शोचिष्केश, सप्तार्चिः, सप्तार्चिषम्, हिमाराति, हिरण्यरेता, हिरण्यरेतस्, हुतभुक्, हुतभुज् ६३

चीतावृक्षकाला ना० कृष्णचित्रक, कृष्णचीता, घण्ट कर्णक ३

चीतावृक्ष लाल ना० अग्नि, अतिदीप्य, अत्याल, अनल, उपकुंच, काल, कालमूल, दाहक, द्रयाग्नि, पावक, महांग, रक्तचित्रक १२

चीनिया कपूर ना० कदु, चीनक, चीनकर्पूर, चीनककर्पूर, तुषार, द्वीपकर्पूरज, धवल, मेघसार ८

चील्ह पक्षी ना० अकाशी, आताइन, आतापिन्, आतापी, आतायी, चिरम्भण, चिरिल्लिका, चिल्ल, चिल्ली, चीरिल्लिका, चील, चील्ह, चील्हर १३

चील्ह बगली ना० कंक, लोहपृष्ठ, स्वेत चिल्ह ३

——— चु ———

चुम्बकपत्थर ना० अयस्कांत, कांत,

कान्तलोह, चुंबक, भ्रामक, रोमक, लोहकांत, लोहाकर्षण ८

१ लोहा नामों पर आकर्षण अर्थ के शब्द लगाने से चुम्बक पत्थर के नाम होते हैं—

चुरिहार ना० काम्बविक, चुरिहार, मनिहार, शांखिक ४

—— चू ——

चूंची ना०उरज,उरजात, उरमण्डन, उरसिज उरस्य, उरोज, कुच, कुचा, चूंची, पयोधर. मण्डन. महेश; वक्षोज, स्तन १४

१—उर (छाती) नामों पर जकार लगानेसे स्तन. (चूंची) के नाम होते हैं

२—जो महादेव के नाम हैं वह भी उपमा वाचक स्तन(चूंची)के नाम होते हैं

चूंची की ढेपुनी ना: उरजाग्र, कुचाग्र, चूचुक, चोजन ४

चूक ना० चंद्र, चुक, चुक्रिका, चूक, दलाम्ल, रसाम्ल, सहस्रवेध ७

चूकाशाक ना० अम्लचूड़, अम्लवास्तूक. अम्लशाक, कुचांगरी, चिंचाम्ल, चिंचासार, चुक्र, चुक्रक, चुक्रिका, दलाम्ल, दशनाढचा, रोचनी, लिकुच, वृक्षाम्ल, शतवेधिनी, शाकाम्लभेदन, शुक्ता, शुक्तिका १८

चूरा ना० चिउड़ा, चिउरा, चिपिट, चिपिटक, चिपुट, चिविट, चूडा. चूरा, चौला, पृथुक १०

चूल्हा ना० अधिश्रयणी, अन्तिका, अन्दिका, अश्मंत, अस्मंत, उद्धान, उद्धार, उध्मान, चुल्लि, चुल्ली, चूल्ह, चूल्हा. १२

—— चे ——

चेचक (शीतलारोग) ना०मसूरिका, मसूरी, रक्तवटी, रक्तवरटी, विस्फोटक ४

चेबुनाशाक ना० चञ्चु, चंचुपत्र, चंचुर, चंचुशाक, चीरपत्रिका ५

चेला ना०अंतेवासी,अंतेवासिन् ,चेला, छात्र. दीक्षित, मौंड, मौञ्ज्य, विद्यार्थी, शिष्य ६

—— चै ——

चैत्रमास ना०चैत, चैत्र, चैत्रिक, मधु, माधव ५

चैतन्य पुरुष ना० आत्मा, पुरुष, पूरुष, क्षेत्रज्ञ ५

—— चो ——

चोंधरा ना० क्लिन्नाक्ष,चिल्ल, चुल्ल, चोंधरा, पिल्ल ५

चोंच ना० चंचु, चंचू, चोंच, त्रोटि, त्रोटी ५

चोटी ना० केशपाश, केशपाशी, चूड़ा, चोटी, शिखा ६

चोर ना० अत्रशस, इकाग्र,एकागारिक, ऐकागारिक, गूढचर, चोर, चौर,तक्का, तसकर, तस्कर,तायु, तृपु, दस्यु, निशाचर, पटच्चर, परास्कंदी,पाटच्चर, प्रतिरोधक, प्रतिरोधी, मलिम्लुच,मुषावान्, मोषक, रिक्व, रिपु, रिभ्वा, रिहाया, वनर्गु, वृक, स्तेन, स्तेय, स्तैन्य, हरिश्चत ३२

१—येही डांकू के भी नाम हैं

२—रात्रिनामों पर चर अर्थ के शब्द लगाने से चोर के नाम होते हैं

चोरकी स्त्री (चोट्टी) ना० अघशंसा, इकामा, एकागारिकी, गूढचरी, तस्करा, निशाचरा, पट्टचरा, पाटच्चोरि, प्रतिरोधका, प्रतिरोधिनी, मलिम्लुचा, मुषीवाना, मोषका, रिक्था, स्तेना, स्तैन्या १८

१ चोर नामोंको स्त्री लिंग आदेश करने से चोर की स्त्री के नाम होते हैं ॥

चोरी (चोरी की वस्तु) ना० चोरिका, चौरिका, चौर्य्य, तस्करता, स्तेय, स्तैन, स्तैन्य ७

चोरी करना ना० आभिगृहण, अभिहार, अभ्याहार ३

चोर नाम गंधद्रव्य (भटेउर) ना० कितव, कोयनक, कोरक, क्रोधमूर्छित, खङ्ग, गणहास, गणहासक, चराडा, चोरक, तस्कर, तत्फल, दुष्कुल, दुष्कुलीन, दुस्पत्र, धनहारि, धूर्त, निशाचर, नीच, पटु, पर्णचोरक, फलचोरक, भटेउर, राक्षसी, सुग्रन्थि, क्षेम, क्षेमक, क्षामक २७

चोर पुष्पी ओषधि ना० केशिनी, चोरपुष्प, चोरपुष्पिका, चोरपुष्पी, चोरहुली, चोरहूली, चोरा, चौराख्य, चौर, शंखिका, शंखिनी, शरघ्नी १२

—— चौ ——

चौगड़ा ना० चौगड़ा, शश, शशा ३

चौपतिया शाक ना० ग्राहक, तमालक, वभ्रु, शिखी, शिखिन्, शितिवार, सितावर, सुनिषएण, सुनिषण्णक ६

चौराई शाक ना० अग्निशिखा, अल्पमारिष, कांडेर, गुडफूल, वनस्वन, तराडुल, तण्डुली, तराडुलीक, तराडुलीय, तराडुलीयक, तण्डुलेरक, पथ्यशाक, भण्डीर्य, मण्डीर, मेघनाद, विषघ्न, मुशाक, स्वनिताह्वय १८

चौराहा ना० चतुष्पथ, चौराहा, शृंगाटक ३

—— छ ——

छल ना० आदेश, कपट, कूट, छद्म, छल, निभ, लक्ष, लक्ष्य, व्याजकर व्यपदेश, व्याज ११

—— छा ——

छाता (छतुरी) आतपत्र, छत्र, छाता, मेघडम्बर ४

छाती ना० उर, क्रोड़, क्रोड़ा, छाती भुजांतर; वत्स, वक्ष, वक्षस, वक्षस्थल ९

१—छाती नामों पर जकार और आगा अर्थ के शब्द लगानेसे स्तन(चूंची) के नाम होते हैं जैसे उरज, उरोज,

छाल ना० छल्लि, छाल, त्वक् ३

—— छि ——

छिनारि (पर पुरुष रत स्त्री) ना० अघा, अधमा, अभिसारिका, अलज्या, असती, इत्वरिका, इत्वरी, कनारि, कुनारी, कर्कशा, कुलटा, कुलवैरिणी, खला, चराडा, चराडी, छिनारि, छिनाल, दुष्टा, धर्षणी, धर्षिणी, पांशुला, पांसुला, पुनर्भू, पुंश्चली, पुश्चली, प्रलोचना, बन्धकी, मुक्ता, व्यभिचारिणी, व्याभिचारिणी, सफला, संबंधुकी, स्वैरिणी, स्वैरिनी ३४

छिनारिसुत (छिनारिका लड़का) ना० अघासुत, असतीसुत, कुलटासुत, कौलटेय, कौलटेयी, कौलटिनेय, कौलटेर, बन्धुल, बान्धकिनेय, सफलातमज १०

१—छिनारि नामोंपर सुतअर्थके शब्द लगानेसे छिनारिसुतके नाम होतेहैं ॥

छिनारिसुता (छिनारिकी लड़की) ना० अघासुता, असतीसुता, कुलटांगजा, कुलटासुता, कौलटेया, कौलटेरा, चंडी, सुता, दुष्टात्मजा, सफलासुता ६

१—छिनारि नामोंपर सुता अर्थ के शब्दलगानेसे छिनारिसुताके नाम होतेहैं

छिपकली ना० गृहगोधा, गृहगोधिका, गृहालिका, छिपकली, पल्ली, मुशली, मुषली, विस्तुइया ८

छिरहिटीलता ना० गारुडी, छिरहिट, छिरहिटी, छिरहिट्टी, छिलहिण्ड, तार्क्षी, दीर्घकाण्डा, दीर्घवल्ली, दृढकाण्डा, दृढलता; पातालगरुड, पातालगरुडी, मतिसोमा, महिषवल्ली, मेचकभिधा, सोमवल्ली १६

—— छीं ——

छींक ना० छींक, चव, क्षुत्, चुत ४

छींका ना० कांच, छींका, शिक्, शिकहर, शिक्य ५

छीमी ना० छीमी, फळी, शिम्बा, शिम्बि, शेमरी, सभी, सिंवा ७

—— छू ——

छूरी ना० असिधेनुका, असिपुत्री, चाकू, छुरिका, छुरी, छूरी, शस्त्री ७

—— छे ——

छेद ना० कुहर, गर्त, गह्वर, छिद्र, छेद, निर्व्यथन, बिल, रन्ध, रन्ध्र, रस, रोक, वपा, विरोक, विवर, शुभ्र, शुषि, शुषिर, शुषी, श्वभ्र, सन्ध, सुषि, सुषिर, सुषी, स्वभ्र २४

छेदना ना० वेध, वेधन, व्यध ३

छेदाहुआ ना० छिद्रित, विद्ध, वेधित ३

छेनी (पत्थरतोड़नेकी) ना० टंक, टांकी, तंक, पाषाणदारण ४

—— छो ——

छोटा ना० खर्व, नीच, न्यक्, न्यङ्, वामन, ह्रस्व ६

छोड़ाहुआ ना० उत्सृष्ट, तानत, त्यक्त, त्यागित, धूत, विधुत, समुज्झित, हीन ८

छोहारा ना० कृष्णा, खर्ज्जूरी, गुच्छफला, दाख, द्राक्षा, प्रियाला, मधुरसा, मृद्वीका, यक्ष्मघ्नी, रसा, रसाला, राजखर्ज्जूरी, स्वादुफला, स्वाद्वी; हरहूरा, हारहूरा १६

छोंकरावृक्ष ना० अपराजिता, इष्टा, ईशान, ईशानी, कचरिपुफला, काननद्दर, काननारि, केशमथनी, केशहंत्री, छोंकर, छोंकरा, जया, जीवंती, तपनतया, तुंगा, दुरितदमनी, न्यग्रोध, पिंगी, पापशमनी, भद्रा, मंगल्या, मेध्या, लक्ष्मी, वशिनी, वन्हिगर्भा, शंकरी, शक्तुफला, शक्तुफालिका, शकुफली, शमी, शिवा, शिवाफला, शीतशिव, शीताशिवा, शुभकरी, सक्तुफला, सक्तुफली, समीर, समुद्रा, सुखदा, सुपत्रा, सुरभि, हविर्गन्धा ४३

——❀ ज ❀——

जगत ना० जगत्, जगत, भुवन, लोक, विष्टप ५

जंगल ना० अटवी, अरण्य, आरण्य, कच्छ, कक्ष, कांतार, कानन, गहन, जंगल, विपिन, वन १०

जतुकालता ना० कृष्णरुह, कृष्णवल्लिका, जतुका, तरुवल्ली, दीर्घफला, निशान्धा, पद्मावता, पर्पटी, बहुपत्री, विज्रूलिका, वातारि, सुपत्रिका, सुपुत्रिका, सुवर्णिका १४

जनैया ना० चतुर, विदुर, विंदु, ज्ञाना, ज्ञानी ५

जन्म ना० उत्पत्ति, उद्भव, गर्भविमोचन, जनन, जनि, जनी, जनु, जनुस्, जन्म, प्रसव, प्रसूति ११

जमालगोटा ना० कनकफल, कानकफल, कुम्भनीवीज, कुम्भीवीज, घंटवीज, घंटिनीवीज, चक्रदंतीवीज, जयपाल, जेपाल, दंतीवीज, मकूलकवीज, मलद्रावी, मलद्राविन्, मलदर, मुकूलकवीज, रेचक, विशोधिनीवीज, वीजरेचन, शोधनीवीज, सारक २०

जमीकन्द ना० अर्शोघ्न, कोल, ओल्ल, कण्डोल, कण्डूल, कन्द, कंदवर्द्धन, कंदशूरण, कंदाह, कंदी, कंदिन्, चित्रदंडक, जमीकंद, जिमीकंद, तीव्रकण्ठ, दुर्नामारि, धीरपत्री, बहुकंद, मूल, रुच्यकंद, वातारि, शूरण, सुकंदी, सुकन्दिन्, सुवृत्त, सूरण, स्थूलकंद २७

जमीकन्द जंगली ना० वनकंद, वनज, वनोद्भव ओल्ल, वनशूरण, स्थलकंद ५

१—जमीकन्द नामों के प्रथम जंगल नामके शब्द लगाने से जंगली जमीकन्द के नाम होतेहैं ॥

जमुहाई ना० जमहाइ, जमुहाइ, जम्भा, जम्भाइ, जृम्भ, जृम्भण, जृम्भा, जृम्भिका,

जरदीतृण ना० जयाश्रया, जरदी, जरदीतृण ३

जलन ना० कोप, दाह, प्रोष ३

जलकुम्भी ना० शशकुम्भी, आकाशमूली, कुतृण, कुमदा, कुम्भी, कुम्भिका, कुम्भीक, खमूल, खमूलिका, जलकुम्भा, जलवल्कल, पाट, पाटद्रुम, पाहुका, पानीयपृष्ठज, पृश्निका, पृश्नी, प्रश्नी, वारिकर्णिका, वारिचत्वर, वारिमूली, वारिपर्णी, श्वेतपर्णी, हठालु, हठा २६

जलन्धर रोग ना० जठरामय, जलन्धर, जलोदर ३

जलपीपर ना० अग्निज्वाला, कच्चट, चित्रपर्णी, चित्रपत्री, जलपिप्पली, जलपीपरि, जलाग्नि, तृणशीता, तोयपिप्पली, पित्तला, बहुशिख, मत्स्यगंधा, मत्स्यादनी, लांगली, शकुलादनी, शारदी १६

जलबेंत ना० अम्बुवेतस, जलबेंत, जलवेतस्, तोयकाम, नदीकूलप्रिय, नादेय, नादेयी, निकुंचक, परिव्याध, महागंध, वानीर, वृत्तपुष्प, वृत्तमृदभू, शाखाम्ल १४

जलाहुआ ना० उषित, दग्ध, प्लुष्ट, प्लुष्ट ४

जनेवी ना० कुण्डली, कुण्डलिनी २

जल्दबाज़ि ना० अव, जवन, तरस्वी, त्वरित, प्रजवी, वेगी ६

जवाखार ना० जवाखार, तद्यर्थ, तीक्ष्ण, तीक्ष्णरस, पांशज, पावक, यवनालज, यवज, यवप्रस्थ, यवलास, यवशूक, यवशूकज, यवक्षार, यवाह्व, यवाग्रज, यावशूक, रेचक, सुवर्चिक्षार, स्वर्जिकक्षार १०

जवानी ना० जवानी, तरुणता, तारुण्य, युवावस्था, यौवन ५

जवाब ना० उत्तर, प्रतिवचन, प्रतिवाक्य, समाधान ४

जवासा ना० अनंता, अराणि, ऊलक, आत्ममूली, इदंकार्य्या, कच्छुरा, कण्टकालक, कुनाशक, कुलाशक, गिरिकर्णी, जवासा, ताम्रमूला, दीर्घमूली, दुरभिग्रहा, दुरालभा, दुरालम्भा, दुर्लभा, दुष्पर्श, दुष्प्रधर्षा, दुस्पर्श, दुस्पर्शा, धनुर्याष, धन्वयवास, धन्वयवासक, धन्वयास, धमासा, पद्ममुखी, प्रबोधनी, प्रबोधिनी, फाञ्जिका, बहुकंटक, बालपत्र, मरुद्भवा, मालिनी, यवास, यवासक, यवासा, यास, रोदनी, रोदनिका, विकण्टक, विरूप, विषघ्न, समुद्रान्ता, सारिणी, सिंहनादिका, सुरा, क्षुद्रगुदी ४८

जवासा छोटा ना० कर्भप्रिया, कर्भादनी, कषाया, फणिहत्, मरुसम्भवा, मरुस्था, विशारदा, क्षुद्रदुरालभा ८

जहाज ना० जलयान, नौ, पोत, वोहित ४

——ॐ जा ॐ——

जांघ ना० उरू, जंघा, जांघ, नलकिनी, प्रसृता, सक्थि ६

जांघ ऊंचीवाला ना० ऊर्द्धजानु, ऊर्द्धज्ञ, ऊर्द्धज्ञु ३

जांघ दूरवाला ना० प्रगतजानु, प्रगतजानुक, प्रज्ञ, प्रज्ञु ४

जांघ मिलीवाला ना० संहतजानु, संहतजानुक संज्ञः, संज्ञ ४

जागना ना० जागर, जागरण, जागर्ति, जागर्य्या, जाग्रित, जाग्रिया ६

जानाहुआ ना० अवगत, अवसित, परिचित, प्रतिपन्न, बुधित, बुद्ध, मनित, विदित ७

जानेवाला ना० प्रसारी, विसारी, विसृत्वर, विसृमर ४

ज़ामिन ना० प्रतिनिधिभूत, प्रतिभू, लग्नक ३

जायफल ना० जाति, जातिकोश, जातिकोष, जातिफल, जातिसार, जाती, जातीकोश, जातीकोष, जातीपूग, जातीफल, जायफर, जायफल, तृण, पुट, फलक, मज्जासार, मालतीफल, लव, शालूक, शालूक, समुद्रान्ता, सुमनाफल, सुरभिफल

जाल (मृगपकड़ने का) ना० मृगबन्धन मृगबन्धनी, वागुर, वागुरि ४

जाल लगानेवाला ना० जालिक, जाली, वागुरिक, वागुरी, ४

जावित्री ना० गुड़त्वक, गुड़त्वच्, जातिकोषी, जातिपत्री, जातीपत्री, जावित्री, त्रिरात्मक, मालतीपत्रिका, राजभोग्य, सुमनपत्रिका, सौमनसा ११

——ॐ जि ॐ——

जिंगिनियाहुक्ष ना० जिङ्गनी, जिंगिनी

झिंगानिया, झिंगिनी, झिंगी, प्रमोदिनी, मुनिर्यासा ७

जियापोता वृक्ष (पातिजिया) ना० अतिगन्धाल, कुमारजीव, गर्भकर, गर्भद, जियापिता, जियापोता, जीवपुत्रक, पतिजिया, पवित्र, पिताजिया, पुत्रजीव, पुत्रजीवक, यष्टीपुष्प, वृत्तपत्रा, श्लीपदापह, सुजीवक १६

——❀ जी ❀——

जीतनेवाला ना० जयशील, जित्वर, जिष्णु, जेता ४

जीभ ना० जिह्व, जिह्वा, जीभ, रसन, रसना, रसज्ञा ६

जीरा ना० कणा, कृष्णसखी, जरण, जीर, जीरक, जीरण, जीर्ण, दीप्य, द्रुता, सुपर्वा १०

जीरा काला ना० अजाजी, उपकुंचि, उपकुंचिका, कण, कारवी, कुंचिका, कुञ्चिका, कृष्ण, कृष्णजीरक, कृष्णा, जरण जरणा, तरुण, तिलातप्या, पतिंबरा, पृथु, पृथ्वी, पृथ्वीका, बहुगन्धा, मधाट, शाली, सुशवी, सुपवी, स्यामजीरक, स्यामजीरा २५

जीरा छोटा ना० सुगन्ध, हृद्यगन्ध, हृद्यगन्धि, क्षुद्र जीरक ४

जीरावड़ा ना० मारणी, जीर्णा, दिव्या, मनोज्ञा, स्थूलजीरक ५

जीरासपेद ना० अजाजी, कणजीर, कणजीरक, कणा, गौरजीरक, दीर्घकणा, मागध, श्वेतजीरक, सितदीप्य ७

जीवशाक ना० जीवशाक, जीवन्त, दीर्घपत्र, प्रवालिका, रक्तनाल, शाकवीर ९

जीवक वृक्ष ना० कालस्कन्ध, चिरजीवक, चिरजीवी, चिरजीविन्, चिरंजीवी, चिरंजीविन्, जीवक, जीवन, दीर्घायु, दीर्घायुष, निधि, प्राणक, प्राणद, प्रिय, बलद, बलवर्द्धिनी, मंगाह्व, मंगल्य मधुर, मधुरक, वाहसख, वृद्धिद, शृंगक, श्वेत, ह्रस्वांग २५

जीवन्ती (डोडी शाक) ना० काञ्जिका, जीवनी, जीवनीया, जीवन्ती, जीवन्तिका, जीवभद्रा, जीवा, जीविका, जीव्या डोडी, तीक्ष्णगन्धा, दार्विपत्रा, पयस्विनी भद्रा, मंगल्यनामधेया, मंगल्या, मधु, मधुश्वासा, मधुस्रवा, मुगराटिका, रक्तांगी, रणमुष्टि, विषमुष्टि, वृषाकपायी, शशशिम्बिका, शाकश्रेष्ठा, सुकालुका, सुखकरी, सुपिंगला, सूक्ष्मपर्णी, स्वनाशिनी, स्तुर्जीवा

जीवन्ती पीली ना० तृणग्रन्थि, सुजीवंती, स्वर्णजीवंती, हिमाश्रया, हेमलता, हेमाह्वा ६

जीवन्ती बड़ी ना० जीवपुष्पा, पुत्रभद्रा, प्रियंकरी, मधुरा, बृहज्जीवंती ५

जीविका (रोजी) ना० आजीव, आजीवन, जीवन, जीविका, वर्तन, वर्ता, वृत्ति ७

——❀ जु ❀——

जुआ (हारजीत का खेल) ना० अस्तिग्राम, अक्षवती, कैतव, जुआ, द्यूत, पण ६

जुआरी ना० अक्षदेवी, अक्षधूर्त, कितव, द्यूतकर्मी, द्यूतकृत, धार्त, धूर्त, धूर्त ८

जुआ करानेवाला (फड़बाज) ना० द्यूतकारक, द्यूतकारिका, फड़बाज, सभिक, सभिका ५

जुगनू ना० खद्योत, जुगनू, ज्योतिरिंगण, सोनकीट ४

जुल्फ ना० काकपक्ष; जुल्फ, जुल्फी, शिखण्ड, शिखण्डक, शिखाण्डक ६

जुवां ना० आपालि, केशकीट, जूं, जुवां, ढींगर, यूक, यूका, ७

जुही (पुष्प) ना० अम्बष्ठा, अम्बष्ठिका, गणिकापुष्प, जीवनी, जुही, नहसंती, बलजा, बहुगन्धा, बालपुष्पिका, बालपुष्पा, भृंगानन्दा, मागधी, मोदिनी, वासन्ती, शिखण्डिनी, सूक्ष्मा, १६

जुही पीली ना० अजथ्या, गंधाढ्या, नागपुष्पिका, पीतिका, पीतयूथी, मनोहरा, यवतिक्ता, शिखण्डी, शिखण्डिन्, सुगन्धा, सुवर्णयूथी, स्वर्णयूथी, स्वर्णयूथिका, हारिणी, हेमपुष्पी, हेमपुष्पिका, हेमयूथिका, हेमा, हेमा १९

जुहीवृक्ष ना० गणिका, जननी, झटिका, झाटा, यूथिका, यूथी ६

——❀ जू ❀——

जूठन ना० उच्छिष्ट, जुट्टन, फेल, फेलक, फेला, फेलि, फेला, भुक्तसमुज्झित, ६

जूता ना० उपान, उपानत्, कोपान, चरणदासी, चर्मपात्र, जूता, जूती, पदत्राण, पनही, पादपीठ, पादत्राण, पादुका, पादू, पुपान, मोचीपात्र १५

——❀ जे ❀——

जेठमास ना० जेठ, ज्येष्ठ, ज्यैष्ठ, शुक्र ४

——❀ जै ❀——

जैतवृक्ष ना० अपराजिता, आयुधधर्मिणी, जया, जयन्ती, जैत्री, तर्कारी, नादेयी, वैजयन्ती, वैजयंतिका; शिवानी, शिवाम्मृति, सूक्ष्मपत्ना, हरिता, १३

——❀ जो ❀——

जोंक ना० असृङ्मर्दिणी, असृपा, जलजंतुका, जलसर्पिणी, जलायुका, जलौका जलौकसा, जलौकसी, जलौका, रक्तपा, रुधिरपा, ११

१ रक्तनामों पर पीनेवाला, अर्थ के शब्द लगाने से जोंक के नाम होते हैं॥

जोलाहा ना० कुपिंद, कुविन्द, तन्तुवाय, तंत्रवाप, तंत्रवाय, तंतुवाय ६
(यही कोरी के भी नाम हैं)

——❀ जौ ❀——

जौ (अन्न प्रसिद्ध) ना० कंचुकी, कुंतल, जव, जो, जौ, तीक्ष्णशूक, तुरंगप्रिय, दिव्य, धान्यराज, पवित्रधान्य, पूर्वट, प्रावट, मेध्य, यव, यवक, यवनालज, शतपर्विका, शितशूक, शीतशूक, श्वेतशुंग, सक्तुक, सितशूक, हयप्रिया, हयेष्ठ, २४

जौहरी ना० ताङ्क, हरियव, २

ज्योतिषी (नजूमी) ना० कार्तान्तिक,

गणक, ज्योतिषिक, ज्यौतिषिक, ज्यौतिषी, ज्यौतिषी, दैवज्ञ, मौहूर्तः, मौहूर्तिकः, सांवत्सर, ज्ञानी ११

ज्वार (जोन्हरी अन्न) ना० अत्यम्ल, इक्षुपत्र, जूर्णाह्वय, ज्वार, दीर्घनाल, दीर्घशर, देवधान्य, मकाई, मक्का, मौक्तिकतण्डुल, यावनाल वृत्ततण्डुल, क्षेत्रज १२

ज्वार उजली (छोटी जोन्हरी) ना० तारतण्डुल, धवलयावनाल, नक्षत्रकांतिविस्तार, पाण्डुर, श्वेतज्वार ५

ज्वार लाल ना० तुवरयावनाल, रक्तज्वार, रक्तयावनाल ३

ज्वाला ना० अग्नि, कल्मलीकिन, अंगगाभवन, जात, तर, तेज, मल्मलाभवन, शाचि, शुचिर्भगाणि, हर, ह्वाण,

झ

झगड़ा ना० विवाद, व्यवहरण, व्यवहार ३

झंझ वायु ना० झंझावात झंझावायु, प्रकम्पन, महापवन, महावात ५

झण्डा ना० केत, केतन, केतु, झंडा, ध्वज, ध्वजा, निशान, पताका, वैजंती, वैजयंती १०

झरना ना० झर, झरना, झर्ना, निर्झर, वारिप्रवाह ५

झा

झाऊ वृक्ष ना० अफल, झाऊ, झावु, झावुक, पिचुल, बहुगंथि ६

झारी ना० कनकालुका, झारी, भृंगार ३

झि

झिंझिरीठा ना० झिंझिरिष्टा, झिंझिरीठा, सोम अवफला ३

झी

झींगुर ना० चिल्लिका, चीरी, चीरुका, चीलिका, झिल्लिका, झिरीका, झिरुका, झिल्लिका, झिल्लका, झिल्ली, झिल्लीका, झींगुर, झींरिका, झारुका, भृंगारी १५

झुल्हा (सिमईवालावाला) ना० झुल्हा, वलिन, वलिभ, वलिमात, वलिमान् ५

झूठ ना० अनृत, अलीक, अवितथ, झूठ, मिथ्या, मिथ्या, मृषा, मृषा, मोघ, विफल वृथा, व्याज १२

झूला ना० अवग्रह, अवग्राह, झूला, मचा, ४

झोंझ ना० कुलाय, खोंता, घोसुआ, घोसला, नीड़, पर्णगृह, पर्णनिवास, पक्षाविसस्थान ८

झोर (ढदवान जिससे जीव गर्भमें रहता है) ना० उल्व, खेरी, गर्भाशय, जरायु, जरायुज ५

ट

टपकना (घी आदि का) न च्योत, प्राघार, श्च्योत ३

टाकाजुआ ना० ग... ... ... पत्र, अत्र, मकन्द, स्वस्ति ७

टहलुआ (नौकर) ना० ... अनुगामी, अनुचर, अनुजीवी, अनुग...,

अभिसर, अर्थी, किंकर, गोप्य, गोप्यक, चेट, चेटक, चेड, चेड़क, चेरा, टहलुआ, दाश, दास, दासेय, दासेर, नियोज्य, पत्ति, पद्ग, पदात, पदाति, परिचारक, पारिचारक, प्रेष्य, प्रैष, प्रैष्य, विधिकर, भुजिष्य, भृत्य, भृत्यक, सहाय, सेवक ३६

टहलुइन (लौंडी) ना० अनुगा, अनुगामिनी, अनुचरा, अनुचरी, अनुजीविनी, अनुप्लवा, अभिसरी, अर्थिनी, किंकरा, किंकरी, गोप्या, गोप्यका, चेटा, चेटका, चेटिका, चेटी, चेड़का, चेड़ा, चेड़ी, चेडिका, चेरी, टहलुइन, दासी, दाशी, दाशिन, दाशिना, दासी, दासेया, दासेरा, नियोज्या, पत्तिना, पद्गा, पदातनी, पदातनी, परिचारिका, पारिचारिका, प्रेष्या, प्रैषा, प्रैष्या, विधिकरा, विधिकरी, भुजिष्या, भृत्यका, भृत्या, सहाया, सेवकिन ४३

——❀ टि ❀——

टिटिहिरी पक्षी ना० कोयष्टिक, कोयष्टी, टिटहरी, टिटिभक, टिटिहिरी, टिट्टिभ, टिट्टिभक ७

टिण्डा ना० टिण्टिश, टिण्डिश, डिण्डिश, ढेंडस, ४

टिण्डा वृक्ष ना० टिण्टिशवृक्ष, टिण्डिशवृक्ष, तिण्डिश ३

——❀ टु ❀——

टुकड़ा ना० कण, खण्ड, भाग, भित, लेश, शकल, सकल, सत्क, हिस्सा ९

——❀ टे ❀——

टेढ़ा ना० अराल, असित, आविद्ध, उर्म्मिमत्, कुंचित, कुटिल, जिह्म, नत, वेल्लित, भुग्न, वक्र, वृजिन १२

——❀ टो ❀——

टोप लड़ाई का ना० युद्धटोप, शिरस्त्र, शीर्षक, शीर्षण्य ४

——❀ ठ ❀——

ठग ना० उपधि, कपट, कुसृत, कैतव, छद्म, ठग, दंभ, निकृति, व्याज, शाठ्य १०

ठठेरा ना० ताम्रकुट्टक, शौल्विक, सौल्विक ३

——❀ ठु ❀——

ठुड्डी (दाढ़ी) चिबुक, मवनीलाकन, हनु ३

——❀ ठू ❀——

ठूंठ ना० गुल्म, ठूंठ, स्तम्भ ३

——❀ ड ❀——

डब्बा ना० सम्पुटक, सम्पुटा, सम्पुट, ३

डर ना० आतंक, आदंक, उत्रास, खौफ, डर, दर, भय, भिया, भी, भीत, भीति, भीर, भ, विभ्रास, संत्रास, साध्वस, साध्वस, त्रास १८

डरपोक ना० कातर, भीत, भीरु, भीरुक, भीलुक, त्रस्त, त्रस्नु ७

——❀ डा ❀——

डांड़ (जिससे नाव खेते हैं) ना० नौकादंड, क्षिपणि, क्षिपणी, क्षेपणि, क्षेपणी ५

——❀ डे ❀——

डेरा ना० उपकारिका, उपकारी, उपकार्या, डेरा, तम्बू, दूष्य, दूष्य, ब स्त्रगृह ८

——❀ डो ❀——

डोंगी (छोटीनाव) ना० अम्बुवाहिनी, अम्बुसेचनी, काष्ठाम्बुवाहिनी, द्रुणि, द्रुणी, द्रोणि, द्रोणिका, द्रोणी ८

डोलची ना० डोलची, सेकपात्र, सेचन

——❀ ढ ❀——

ढकाहुआ ना० आच्छादित, छन्न, छादित ३

——❀ ढा ❀——

ढांपना ना० अन्तर्द्धा, अन्तर्द्धि, अपवारण, अपिधान, आच्छादन, छदन, छादन, ढांकन, ढापन, ढांपना, तिरोधान, पिधान, व्यवधा ११

ढाकवृक्ष ना० इभकर्ण, इभकेशर, कनक, करक, किंशुक, छिउला, छिपुला, टेसु, ढाक, पत्तोर्ण, पर्ण, पलंकषा, पलाश, पलाशक, पूतद्रु, ब्रह्मपादप, ब्रह्मवृक्ष, ब्रह्मोपनेता, मातंग, मुनि, मेघनाद, याज्ञिक, रक्तपुष्पक, राजादन, लाक्षातरु, लाक्षावृक्ष, वक्रपुष्प, वातपोथ, वानप्रस्थ, विपर्णक, त्रिपत्रक, समीरक, क्षारश्रेष्ठ, त्रिपत्रक, त्रिपर्णी ३५

ढाककी कली ना० अंगारिका, रक्तरेणु, रक्तरेणुका ३

ढाल ना० असिचर्म, चर्म, ढाल, फर, फल, फलक ६

——❀ ढू ❀——

ढूंढना ना० अन्वीक्षण, अन्वेषण, गवेषण, मार्गण, मृग, मृगण, विचयण, संवीक्षण ८

ढूंढाहुआ ना० अन्विष्ट, अन्वेषित, खोजित, गवेषित, मार्गित, मृगित, संवीक्षणित ७

——❀ ढे ❀——

ढेलवांस ना० गोफनी, गोफीया, ढेलवांस, ढेलवांसी, भिन्दिपाल, सृगः ६

——❀ त ❀——

तकिया ना० उपधान, उपध्यान, उपवर्ह, उपवर्हन, उशीश, कंदुक, तकिया,

तगर ना० कालानुशारिवा, कालानुसारिका, कालानुसार्य्य, चक्र, दीन, नत, पिण्डी, पिण्डीतक, पिण्डीतगरक, महोरग, लीन, विनम्रक, शठ, क्षत्र १४

तगर फूल ना० कुंचित, कुटिल, तगरपुष्प, दण्डहस्त, नहुषाख्य, पार्थिव, पिण्डपुष्प, राजहर्षण ८

तगर मूल ना० जिह्म, तगरमूल, दीपन, वक्र ४

तगर वृक्ष ना० कटुच्छद, कालपर्ण, जिह्म, तगर, तगरपादिक, नद्यावर्त, सितपुष्प ७

तज ना० उत्कत, तज, त्वक्, त्वक्पत्र, त्वचपत्र ५

तट ना० अनंतर, अभ्यर्ण, अभ्यास, अवदूर, अवधी, अवलग्न, अज्ञास, आसन्न, उपकंठ, कूल, तट, तटी, तीर, निकट,

पुलिन, प्रतीर, रोध, रोधा, रोधू, सन्निधि, सीमा २१

तपस्वी नाο तपस्वी, तापस, पारिकांक्षी,

तबेला नाο अश्वशाला, घोड़शाला, घोड़सार, मन्दुरा, वाजिशाला, स्तवल, हयशाला ७

१—घोड़ा नामों पर शाला अर्थ के शब्द लगाने से तबेला के नाम होते हैं

तमाखू नाο कृमिघ्नी, तमालपत्र, ताम्रकूट, धूम्रपत्रा, भ्रामरापहा, सुलभा, स्वयंभुवा ६

तमाखू वृक्ष नाο कलञ्ज, कालस्कंध, कालताल, कृष्णस्कंध, खल, गृधूपत्रा, गृध्राणी, छद, तम, तमा, तमालक, तमाल, तापिञ्ज, धूम्रपत्रावृक्ष १४

तरकस नाο अपासंग, इषुधि, इषुधी, उपासंग, तरकस, तूण, तूणा, तूणी, तूणीर, तूनीर, निषंग ११

तरदी (कांटेदार वृक्ष विशेष) नाο खर्बुरा, तरदी, तारदी, ताम्र, रक्तबीजका,

तरबूज नाο कर्कारुक, कालिंग, कालिंगदा, कालिन्दक, कृष्णबीज, गोडुम्ब, चेलान, तरबूज, तरम्बुज, तुम्बीपुष्प, तोयफला, नाटाम्र, फलवर्तुल, लतापनस, बृहद्गोल, शीर्णवृन्त, शृगालजम्बु, सुखवास, सुखाशक, सेट्ट २०

तर्क नाο अध्याहार, ऊह, ऊहा, तर्क, ४

तलवार नाο अशि, असि, ऋष्टि, करपाल, करवाल, करबान, करवाल, कुसह, कृपाण, कृपान, कौक्षेयक, खड्ग, चंद्रहास, तलवार, निस्त्रिंश, निस्त्रिंशक, मंडलाग्र, रिष्ट, शिसिक, विशसन, सेलह २१

तवाखीर (तेउखर) नाο तवक्षीर, तालसंभूत, तालक्षीरक, यवज, क्षारजल,

—— ता ——

तांबा नाο अद्रिसार, अंबक, अरविंद, अर्क, उडुंबर, उदुंबर, औदुंबर, कनीयस, कमल, कृष्य, तपन, तपनेष्ट, तांबा, तामस, ताम्र, ताम्रक, तामा, द्विष्ट, द्व्यष्ट, नैपालिक, पवित्र, मर्कटास्य, मुनिपित्तल, म्लेच्छ, म्लेच्छमुख, म्लेच्छास्य, रक्तधातु, रवि, रविनामक, रावप्रिय, रावलोह, रविसंज्ञक, लोहितायस, लोहितायस्, वरिष्ठ, शाबर, भेदास्य, शुल्ल, शुल्व, शुल्बक, शोणित, सूर्याह्व ४१

ताड़ वृक्ष नाο आसवद्रु, करपत्रवान्, करपत्रवान्, गुच्छपत्र, तन्तुनिर्य्यास, तरुराज, तल, ताड़, तार, ताल, तृणद्रुम, तृणराज, तृणराजक, दीर्घतरु, दीर्घद्रु, दीर्घपत्र, दीर्घपादप, दीर्घस्कन्ध, द्रुमेश्वर, द्रुमश्रेष्ठ, ध्वजद्रुम, पत्री, भूमिपिशाच, मदाढ्य, मधुरस, महोन्नत, लतातरु, लेख्यताल, लांगल, लेखाह्व, लेख्यपत्र ३१

ताड़ फल नाο चोच, ताल, तालफल ३

ताड़ी (ताड़वृक्ष का रस) नाο ताड़ि, ताड़ी, तारिका, तालकी, तालरस, तालसुरा, ताली, मधुर, सैन्धी, हाला १०

ताड़ीनजानेवाला (तालदेनेवाला) नाο पाणिघ, पाणिवादा २

ताना नाο उत, ऊत, स्यूत ३

ताम्मस ना० आमर्ष, कामानुज, क्रध, क्रोध, मन्यु, रुठ ६

तारा ना० उड़, उडु, उड्वी, ऋक्ष, तार, तारक, तारका, तारा, नक्षत्र, भ १०

ताम्रवल्लीलता ना० ताम्रवल्ली, तालिका, ताली, शोधनी, सूक्ष्मवल्ली ५

तालाब ना० कासार, जलाधार, जलाशय, जलाशया, तटाक, तटाग, तड़ाक, तड़ाग, ताल, तालाब, पद्माकर, पुष्कर, मानसर, सर, सरवर, सरोवर, सरसि, सरसी, स्तादि, हृद २०

ताल मखाना ना० कोकिलाक्ष, पिच्छिला, भिक्षु, वज्र, शृगालघण्टी, शृगाली, शृंखली, क्षुर, ८

ताल मखाना वृक्ष ना० इक्षु, इक्षुर, इक्षुरक, इक्षुगन्धा, काकेक्षु, काण्डेक्षु, कुलिक, कोकिलाक्ष, कोकिलाक्षक, कोकिलनयन, पिकाक्ष, पिकेक्षणा, वज्रकंटक, वज्रास्थिशृंखला, वीरतरु, क्षुरक, त्रिक्षुर १७

तालाब छोटा ना० अल्पसर, पल्वल, वेशन्त ३

तालू ना० तारु, तारू, तालु, तालू, तालुक ५

तालीशपत्र औषधि ना० अर्कवेध, करिपत्र, ताल, ताली, तालीश, तालीशपत्र, धात्रीपत्र, नील, नीलाम्बर, शुकोदर १०

तालूके ऊपरकी छोटी जीभ (कौआ) ना० अधोजिह्विका, अधोजिह्वा, अलिजिह्वा, अलिजिह्विका, उपजिह्वा, उपजीभ, गलशुण्डिका, प्रतिजिह्वा, लम्बिका, शुण्डिका, सुधाश्रवा ११

तावा ना० ऋजीष, ऋजीष, तवा, तावा, पिष्टपचन ५

(एही कड़ाही और हण्डा के भी नाम हैं)

ति

तिधारा थूहर ना० धारास्नुही, नेत्रारि, पत्रगुप्त, त्रिधारस्नुही ४

तिनिच्छ वृक्ष ना० अतिमुक्त, अतिमुक्तक, अक्षक, चक्री, चक्रिन, चित्रककर्मा, चित्रकर्मन, चित्रकृत, जलधर, तिनिश, तिनाशक, तिनिच्छ, नेमि, नेमिन, नेमा, भस्मगर्भ, मेषिका, मेषी, रथ, रथद्रु, रथक, वञ्जुल, शकट, स्यन्दनद्रुम, स्यन्दनि, २८

तिल (काले चिन्ह जो शरीर पर होते हैं) ना० कालक, क्लोम, तिल, तिलक, तिलकालक ५

तिल (जिसका तेल निकलता है) ना० तिल, पापघ्न, पूतधान्य, सातिल, सुगन्ध, स्नेहफल, स्नेहरंग, होमधान्य, होम धान्य ९

तिलकाले ना० कृष्णतिल, स्वधाप्रिय, २

तिल वृक्ष ना० अतुल, क्षुरक, तिलवृक्ष, पवित्र ४

तिलका तेल ना० तिलतैल, तिलरस, तिलस्नेह ४

तिलकी खली ना० तिलकिट्ट, तिलपेज, तिलपिंज ३

तिलक वृक्ष ना० खरपत्रक, छिन्नरुह, तरुणी कटाक्षमाल, तिलक दग्धरुह, पुष्प, पुण्ड्रक, मंजर, मंजरी, मुखमण्डनक, भूतनीप, रेचक, विशेषक, श्री-

मान्, श्रीमान, स्थिर पुष्पी, स्थिर पुष्पिन्, तुरक १८

तिलक (जो रोरी आदि से माथे पर लगाते हैं) ना० चित्रक, टीका, तमालपत्र, तिलक, रोचना, विशेषक ६

तिलक करना ना० विलेपन, समालंभ

—— ती ——

तीतर पक्षी ना० कपिंजल, चित्रपक्ष, तित्तर, तित्तिर, तीतर ५

तीतर काला या तीतर जंगली ना० आटि, आटी, आडि, आडी, शराटि, शराडि, शराति, शरारि, शराति, शराली १०

तीरंदाज ना० कृतपुंखवत, कृतहस्त, धनुर्विद्याभ्यासी, सुप्रयोग विशिख ४

तीक्ष्ण ना० उग्र, उत्कट, चंचल, तीग्म, तीव्र, तीव्र, तीक्ष्ण, ७

—— तु ——

तुनिवृक्ष ना० कच्छ, कच्छप, कान्तलक, किंशुक, कुठेरक, कुणि, कुबेर, कुबेरक, तुणि, तुणिन, तूणी, तुणीक, तुन, तुनि, तुन्न, तूणिन, तूणी, नन्दिक, नन्दि वृक्ष, नन्दी वृक्ष, पीतक, शस्यध्वंसी, शस्य संवरण, समासवान्, समासवान्

तुम्बरू वृक्ष ना० तीक्ष्णकल्क, तीक्ष्ण पत्र, तीक्ष्णफल, तुम्बुरु, तुम्बुरू, द्विज, शूलघ्न, सगन्धि, सार, सौरज १०

तुलसी वृक्ष ना० अपेत राक्षसी, अपेत राक्षसी, कठिंजर, कठिल्लक, कांडनी, कायस्था, कुठेर, कुठेरक, गौरी, तीव्रा, तुलसा, तुलसी, नागदंतिका, पर्णास, पर्वपुष्पी, पवित्रा, पत्रपुष्पा, पावनी, पुण्या, प्रेतराक्षसी, बहुपत्री, बहुमंजरी, भूतघ्नी, भूतपत्री, मंजरी, माधवी, रामदूती, वृंदा, वैष्णवी, श्यामा, सुगन्धा, सुबहा, सुरदुंदुभि, सुरवल्ली, सुरसा, सुलभा, हरिप्रिया, हरिवल्लभा, त्रिदशमंजरी ३९

तुलसी उजली ना० अर्जक, अर्जक, कटुपत्र, कुठेरज, गंधपत्र, गंधबहुल, श्वेत तुलसी, श्वेत पर्णाश, सितार्जक, सुमुख १०

तुलसी काली ना० कराल, करालक, कालक, कृष्णतुलसी, कृष्णपर्णी, कृष्णार्जक, मालूक, सुरसा ८

तुलसी लाल ना० गन्धनामा, गन्धनामन्, गन्धपर्णास, गन्धकणिजक, तीक्ष्णगन्ध, देवदुन्दुभी, पत्रपुष्प, रक्ततुलसी, शिवालय, सुगन्धक १०

—— तू ——

तूतवृक्ष ना० क्रमुक, टंकानक, तूत, तूद, तूल, नूद, पाहात, पूग, पूप, पूपक, ब्रह्मकाष्ठ, ब्रह्मदारु, ब्रह्मण्य, मदसार, विप्रकाष्ठ, सहतूत, सुपुष्प, सामदु १८

तूतिया ना० अक्ष, कर्परी, कांस्यनील, ताम्रगर्भ, तुत्थ, तुत्थक, तुत्थांजन, तूतक, तूतिया, नील, नीलांजन, मयूरक, मयूरग्रीविक, मयूरतुत्थ, मूषातुत्थ, मृतामद, वितुन्नक, शिखिग्रीव, शिखिकण्ठ, हरिताश्म, हरिताश्मन्, हेमतार, हेमसार २३

तृप्ति (अघाया हुआ) ना० तर्पण, तृप्ति, साहित्य ३

—— ते ——

तेंदूवृक्ष ना० अतिमुक्तक, इन्दकी, कालस्कन्ध, केन्दु, केन्दुक, गालव, तिंद, तिंदुक, तिन्दुकि, तिन्दुकी, तिंदुल, तेंदू, नीलसार, रामण, शीतसारक, स्फूर्जक १६

तेज ना० छवि त्विट्, दीप्त, दीप्ति, द्युति, द्युती, धृति, प्रभा, भा, भास, भासस, रुक, रुचि, रुचा, रोचि, रोचिषी, शोचि, शोचिषा १८

तेजपात (औषधि) ना० अंशुक, अनेक, उत्कट, गन्धमान, गंधपत्र, गोपन गोमेदक, चोच, छदन, तमाल, तमालक, तमालपत्र, तापस, तेजपत्र, तेजपात, दल, पत्र, पत्रक, पत्राख्य, पाकरंजन, पालाश, राम, वरांग, वासः, वासस्, सुकुमारक, सुपत्र, सुरनिर्गन्ध २८

तेजबल ना० तेजबल, तेजोवती, तेजोह्वा, बहुफल ४

तेजबल वृक्ष ना० कण्टवृक्ष, गंधफल, तेजः फलवृक्ष, शाल्मली फल ४

तेल ना० तेल, तैल, स्नेहन, ३

तेलमलना ना० अभ्यंग, अभ्यंजन, तैलमर्दन ३

तेलकन्द ना० तिलचित्रपत्रक, तिलांकितदल; तेलकंद, तैलकंद ४

—— तो ——

तोंद (बड़ा पेट) ना० तुण्डिभ, तुण्डिल, तुण्डी, तुंद, तुंदिक, तुंदिभ, तुंदिल, तुंदी, तोंद, पिचण्डिल, पिचिण्डिल, पिचिण्डवान, पिचिण्डवान, बृहत्कुक्षि १४

तोंदुआ (बड़ा पेटवाला) ना० तुण्डिल, तुंदल, तुंदला, तुंदिभ, तुंदिल, तोंदला, तोंदुआ, त्वंदार ८

तोड़ा (धन्नी के भीत से बाहर निकलहुये खम्भा जिनपर छज्जापाटाजाता है) ना० चाल, नीध्र, नीव्र, पट, पटल्, पटल, प्रांतः, वलीक ८

तोरई (तरकारी प्रसिद्ध) ना० कर्कशच्छदा, कृतच्छिद्रा, कृतवेधना, कोशातकी, कोषातकी, घण्टाली, जांगुल, जालिनी, जाली, झिंगाक, पटोलिका, पीतपुष्पः, भरणी, मृदंगफलिनी, सुतिक्ता, क्ष्वेड़ा १६

तोरई भरी ना० कर्कोटकी, काशफला, जालिनी, नैनुआ ४

तोरई उजले फूलकी ना० ज्योत्स्ना, ज्योत्स्निका, ज्योत्स्नी, ज्योत्स्नी, पटोली ५

तोरई कड़ुई ना० कटु तुण्डालता, तिक्ततुण्डी २

तोरई घिया ना० कृतवेधक, घोषातकी, धामार्गव, महाजाली, राजकोषातकी, श्वेतघोषक, सर्पातक, हस्तिपर्णिका ८

तोरई पीले फूलकी ना० पीतवर्णघोषा, महाजाली, क्ष्वेड़ ३

तोरई बड़ी ना० घोषक, तुरंगक, देवदाली, पीतपुष्पी, महाकोशातकी, हस्तिघोषा, हस्ति घोषातकी ७

—— थ ——

थवई ना० थवई, पलगण्ड, राज, लेपक ४

थाल्हा ना० अलवल, आलवाल, आवार, आवाल ४

थूक ना० निष्ठीवन, निष्ठेव, निष्ठवन, निष्ठ्यूति, लसिका, लार, लाला

थूहरवृक्ष ना० नागरी, दण्डवृक्षक, महातरु, महावृक्ष, समंत दुग्धा, सिंहतुंड, स्नुही, क्षीरकाण्डक ८

थूहर भेद ना० चर्म्मकषा, चर्म्मकसा, चर्म्मकारी, विषाणिका, सातला, स्वर्ण पुष्पा ६

थोड़ा ना० अणि, अणु, अर्भक, अल्प, ईषद, ऋहत्, कण, कणी, कणीका, क्षुधु, कृश, तनु, तनुक, तनाकु, तोष, दभ्र, दरस, निघृष्व, पवाकु, प्रतिष्ठा, विरल, मंद, मायक, मात्र, रंच, रंचक, लव, लेश, वम्रक, श्लक्ष्ण, सूक्ष्म, सूक्ष्म, स्तोक, ह्रस्व, क्षुल्लक, त्रुटि, त्रुटी ३७

——— द ———

दंती वृक्ष ना० अणुरेवती, अनुकूला, उदुम्बरपर्णी, उदुम्बर छदा, उदुम्वर दला, उदुम्बर पर्णी, उपचित्रा, एरण्डपत्रिका, एरण्डफल, कुम्भी, चक्रदंता, चित्रा, तरुणी, दन्तमूलिका, दन्तिका, दंतिजा, दांतनी, दंता, दशानिक, नागस्फोता, निःशल्या, निकुम्भा, निकुम्भ, प्रत्यक्श्रेणी, भद्रा, मधुपुष्पा, मुकूलक, रूक्षा, रेचनी, वाराहांगी, विशल्या, विशोधनी, शीघ्रा, श्येनघण्टा, सर्पदंष्ट्री, सेतुभेदी, सेतुभेदिन् ३८

दग्धावृक्ष ना० दग्धरुहा, दग्धावृक्ष, भस्मरोहा, सुदग्धि ४

दमारोग ना० अतिरोग, उष्णा, यक्ष्म, यक्ष्मन्, यक्ष्मा, राजयक्ष्मा, राजयक्ष्मन्, रोगराज, शोष, क्षय, क्षयी ११

दया ना० अनुकम्पा, अनुक्रोश, अनुग्रह, करुणा, कारुण्य, कृपा, घृणा, दया, माया ६

दयालु ना० कारुणिक, कृपालु, दयालु, दयाशील, सुरत ५

दरवान (चौकीदार) ना० उपदर्शक, चौकीदार, ड्योढ़ीवान, दर्शक, दोवारिक, दौवारिक, द्वारपाल, द्वारिक, द्वारिन्, द्वारी, द्वास्थ, द्वास्थित, द्वास्थितदर्शक, प्रतिहार, प्रतीहार १५

दरिद्र ना० दरिद्र, दीन, दुर्गति, दुर्विध, दुस्थ ५

दर्जी ना० तुन्नवाय, दर्जी, सौचिक ३

दवनपापड़ा ना० दवनपापड़ा, पर्पट, प्रगंध ३

दवना वृक्ष ना० काण्डपुष्प, कुलपत्र, गंधोत्कटा, जटिला, तपस्विपत्र, तपोधन, तापस, दंडीनि, दमन, दमनक, दलामल, दवना, दांत, देवशेखर, दोना, दौना, ध्याम, पवित्रक, पत्री, पांडुराग, पुण्डरीक, पुष्प चामर, ब्रह्मजटा, मुनि, मुनिपुत्र, श्याम

दही ना० गोरस, दधि; दही, मंगल्य, विरल, क्षीरज ६

दहीकी मलाई ना० कंटूवर, कादम्ब, कादम्बर, दधिसर, दधिस्नेह, दध्युत्तर, दध्युत्तरग, शर ८

दहीका तोड़ ना० दधिमंड, मस्तु २

दक्षिणापानेयोग्य ना० दक्षिणार्ह, दक्षिणीय, दाक्षिण्य, दाक्षिरय ४

——— दा ———

दांत ना० छदन, दत्, दंत, दशन, दांत, द्विज, रद, रदन ८

दांत का पीड़ा ना० दंतपीड़ा, दंतशूल, दशनवेदना ३

दाद रोग ना० चर्म्मदूषिका, त्वग्दोष, दद्रु, दद्रुण, दद्रू, दद्रू, दाद ७

दादवाला ना० दद्रु, दद्रुण, दद्रुरोगी, दद्रू, दद्रूण ५

दान ना० अंहति, अंहिति, अपवर्जन, उत्सर्जन, त्याग, दान, निर्वपण, प्रतिपादन, प्रादेशन, वितरण, विश्राणन, विसर्जन, विहायित, स्पर्शन १४

दामाद ना० जमाई, जमात, जामात, जामाता, दमाद, दामाद, दुहितापात, दुहितुपात, यामाता, सुतापति १०

१—कन्या नामोंपर पति अर्थकेशब्द लगानेसे दामादके नाम होते हैं॥

दारुहल्दी ना० कटंकटेरी, कर्कटनी, कालीयक, कालेयक, कामवती, कामनी, काष्ठा, गौरी, दारुनिशा, दारुपीता, दारुहरिद्रा, दारुहल्दी, दार्वी, दिष्ट, द्वितीयाभा, द्विहरिद्रा, निशा, पचम्पचा, पर्जनी, पर्जन्या, पर्यर्णा, पीतद्रु, पीता, पीतिका, मम्मनी, शर्म्मरा, स्थिररागा, हरिद्रु, हरिद्राद्वय, हेमकांति ३०

दारू ना० अन्नमल, आसव, कत्तोय, कल्या, कादम्बरी, कापिश, कापिशायन, कामनी, कुकम, गंधमादनी, गन्धोत्तमा, चपला, तरला, तीक्ष्णतैल, देवसृष्टा, देहला, दैत्या, नदना, पकरस, परिप्लुता, परिस्रुत, परिस्रुता, प्रसन्ना, प्रसन्ना, प्रिया, बुद्धिहर, बुद्धिहा, मएडा, मत्ता, मद, मदगंधा, मदना, मदनी, मदविल, मदिरा, माध्वी, मदोत्कटा, मद्य, मधु, मधुमध्वीक, मधुल, माधवना, मनोज्ञा, महाभुर्गी, मद नन्दा, माधवी, माधुरा, माध्वीक, माध्वी मार्द्वीका, मालिका, मेधावी, मेधाविन्, मैरेय, वरुणतनया, वरुणात्मजा, वारुणि, वारुणी, वाल्कली, विधता, वीरा, शुण्डा, सीता, सिधना, सिधुसुती, सीता साध्व सुप्रतिभा, सुरा, स्वादुरसा, हालप्रिया, हारहूर, हालहल, हाला, हालाहल, हालाहला ७०

१ वरुण और समुद्र, नादिर मत अर्थ के शब्द लगाने से दारू के नाम होते हैं

दारू ऊंखरसकी ना० आसव, मैरेय, शीधु ३

दारू काढ़ा ना० जगल, मद्यकल्क, मदक, सुरा, कल्क ५

दारू गुड़की ना० गुड़ल, गौड़ी, गौड़ी मद्य, हालक ४

दारू महुआ ना० मधुक पुष्पकृत मद्य, मध्वासव, माधवक, माध्वक, माध्वीक, मार्द्वीक, ६

दारू खमीर ना० कराव, किरव, नग्नहु, मदिरा खमीर, सुराबीज ५

दारूखाना ना० कलवारखाना, मद्यगृह, मद्यशाला, मद्यस्थान, शराबखाना ५

दारूपात्र (कुज्जा) ना० चषक, पानपात्र, मद्यपानपात्र ३

दारूपीना ना० अनुतर्ष, अनुतर्ण, मद्यपान, सरक ४

दारूपीने की सभा ना० आपान, पानगोष्ठिका, पानार्थसभा ३

दारूपीने का समय ना० मधुक्रम, मधवार, सुरापान समय ३

दारू का फूल ना० कालोत्तम, कालेत्तर, सारभाग, सुरामण्ड ४

दारूबनाना (चुआना) ना० अभिषव, मद्यसन्धान, सन्धान, मद्यसज्जीकरण

दालचीनी ना० उत्कट, गन्धवल्कल, गुडत्वक, गुडत्वच्, वन, चोच, त्वक्सार, त्वच; दारुसिता, दालचीनी, बहुगंध, मुखशोधन, रामवल्लभ, वनप्रिय, वन्य, वराङ्ग, वरांगक, वल्कल, विज्जुल, शीत, सवगंध, सिंहल, सुगंधिवल्कल, सुरस, सुतकट, हृद्य २६

दाहअगर ना० तैलागरु, दहनागरु, दाहागरु, दाहागुरु; धूपागुरु, नववल्लभ पर, वन्हिकष्ठ ८

——❀ दि ❀——

दिगम्बर ना० दिगम्बर, नग्न, नंगा ३

दिग्गज (दिशापति) ना० अञ्जन, ऐरावत, कुमुद, पुण्डरीक, पुष्पदंत, वामन, सार्वभौम, सुप्रतीक ८

दिग्गजनी (दिग्गजों की स्त्रियां) ना० अंगदा, अंगना, अञ्जनावती, अनुपमा, अभ्रमु, अभ्रम, कपिला, ताम्रकर्णी, पिंगला, शुभदंती, शुभ्रदंता ११

दिन ना० अह, अहन्, अहर, घस, दिन, दिव, दिवस, दिवा, द्यु, वासर, वासर ११

१—दिननामोंपर कर, पति और मणि अर्थी शब्द लगाने से सूर्य्य के नाम होते हैं

२—सूर्य नामोंपर सुत अर्थी शब्द लगाने से शनैश्चर, करण और सुग्रीव के नाम होते हैं

३—सूर्य्य नामोंपर सुताअर्थी शब्द लगाने से यमुना जी के नाम होते हैं

४—सूर्य्य नामों पर रिपु अर्थी शब्द लगाने से चन्द्रमा और केतु के नाम होते हैं

५—दिन नामोंपर पति अर्थी शब्द लगाने से इन्द्र के नाम होते हैं

६—इन्द्र नामों पर सुत अर्थी शब्द लगानेसे अर्जुन और बालिके नाम होतेहैं

७—इन्द्र नामोपर जित या जीत शब्द के लगाने से मेघनाद के नाम होते हैं

दिशा ना० आत, आशा, आष्टा, ओर, उपर, ककुप, ककुभ, ककुभा, काष्ठा, गो, इलसुता, दिक्, दिग, दिश, दिशा, व्योम, हरित १७

दिशानामों पर पति अर्थ के शब्द लगाने से दिशापति के नाम होते हैं

दिशापति ना० अग्नि, इन्द्र, ईश, कुबेर, नैर्ऋत्य, पितृपति, मरुत, वरुण ८

——❀ दी ❀——

दीप (चिराग) ना० दिया, दीप, दीपक, प्रदीप ४

दीवार ना० कुड्य, कुद्य, भित्ति, भीति

——❀ दु ❀——

दुःख ना० अकदन, अमानस्य, अ-

बाधा, आभाल, आमानस्य, आहि, कदन; कलेश, कष्ट, कृच्छ्र, क्लेश, गहन, तुदा, दुःख, दुक्ख, पीड़ा, प्रसूतिज, बाधा विहन, विधुर, वृजिन, व्यथा, व्यसन, शोक २४

दुखी ना० दुखी, दून, धूपायित, धूपित, सन्तप्त, संतापित ६

दुद्धी पौधा ना० उत्तमकणिका, उत्तमा, दुग्धिका, दुग्धा, दुग्धिया, दुग्धी, दुग्धया, पयस्या, मधुरसा, वीरा, क्षीरावी, क्षीरविका, क्षीरिणी, क्षीरिन, क्षीरी

दुपट्टा ना० उत्तरासंग, उत्तरीय, प्रावर, प्रावार, बृहतिका, संव्यान ६

दुपहरिया वृक्ष ना० अर्कवल्लभ, ओष्ठपुष्प, दुपहरिया, नीप, बन्धुक, बन्धुजीव, बन्धुजीवक, बन्धुर, बन्धुल, बन्धूक, बन्धूल, मध्यन्दिन, रक्तक, रक्तपुष्प, रविनाथ, रागपुष्प, रागप्रसव, सूर्यभक्त, सूर्यभक्तक, हारिप्रिय२०

दुर्गन्धि ना०दुर्गन्ध, दुर्गंधि, दुर्गंधिन्, दुर्गंधा, पूतिगन्धि ५

दुर्बल ना० अमांस, आशक्ति, कृश, छात, दुर्बल, निर्बल, लव, शात, सूक्ष्म, हीन, क्षीण ११

दुलहा ना० दुलहा, धव, पति, प्रिय, भरंड, भर्ता, वर ७

दुष्ट ना० असाधु, क्रूर, खल, दुर्जन, दुष्ट, पिशुन ६

——— दू ———

दूती (मिलानेवाली स्त्री) ना०दूति, दूतिका, दूती, संचारिका, संचारी ५

दूध ना० अमृत, गोरस, दुग्ध, दूध, दोहज, पय, पयः, पयस्, पीयूष, पुंस्वन, पेय, सूम, सोमज, स्तन्य, क्षीर १५

दूधकी मलाई ना० शर, संतानिका, क्षारस, क्षीरसर, क्षीरसार ५

दूधफनी वृक्ष ना० गोजापर्णी, दुग्धफेनी, दूधफेनी, पयःफेनी, पयस्विनी, फेनदुग्धा, लूताारि, वणकेतघ्नी ८

दूधविदारी ना० ऋष्यगंधा,ऋक्षगंधा, ऋक्षगंधिका, दूधविदारी, पयःकन्दा, पयस्विनी, पयोलता, महाश्वेता, क्षीरकंद, क्षीरवल्ली, क्षीरविदारी ११

दूब (घास) ना० अनंता, अमरा, कच्छरुहा, गुणा, तिक्तपर्वा, तिक्तपर्वन्, दुर्म्मरा, दूब, दूर्वा, पूता, भार्गवी, मंडली, महावरा, महौषध, रसाला, रुहा, रोहिणी,लता,वारुणी,विरजा,शतग्रंथि,शतधा, शतपर्वा, शतपर्विका, शतमूली, शिवा, शिवेष्टा, शांता, सहस्रवीर्य्या, सारा, हरिता, हरितालिका, हरताली ३२

दूबउजली ना० अनंता, गण्डाली, गोलोमी, गोसम्भवा, गोसशश, गौरी, चण्डा, दिव्या, दुर्म्मरा, प्रचण्डा, भद्रा, भार्गवा, मंगला, विघ्ननाशनकांता, शतवीर्य्या,शुभा,श्वेतदूर्वा, श्वेता,सहस्रकांडा, सितच्छदा, सितदूर्वा, सिता, सितालता, सुपर्वा सुरवल्लभा, स्वच्छा २६

दूबगठीली ना० अलिदूर्वा,मालाग्रंथि, मालादूर्वा; रक्तघ्नी, रक्तपित्तहा,वल्लिदूर्वा, शूलग्रंथि ७

दूबनीली ना० अनंता, अनुष्णाव-

ल्लिका, जया, भार्गवी, भूतहल्ली, मंगला, श्यामा ७

दूबहरी ना० अनंता, जया, नीलदूर्वा, शांता, शाम्भवी, शुभगा, हरितदूर्वा ७

दूर ना० आक, आरे दूर, पराक, पराचहि, परावत ६

दूरबहुत ना० अतिदूर, दविष्ठ, दवीय, बड़ीदूर, बहुतदूर, सुदूर ६

—— दे ——

देखना ना० आलोक, आलोकन, ईक्षण, दर्शन, निध्यान, निरीक्षण, निर्वर्णन,

देवजाति ना० अप्सरस, किन्नर, गंधर्व, गुह्यक, पिशाच, भूत, यक्ष, रक्षांसि, विद्याधर, सिद्ध १०

देवता ना० अग्निजिव्हा, अग्निजिह्वा, अदितिनन्दन, अदितीसुत, अमर, अमर्त्या, अमृतांधस, अमृतेश, अश्वन्या, आस्वय, आदितेय, आदित्य, आमृत्यु, ऋभव, ऋभु, ऋभु, क्रतभुज, गीर्वाण, दलेखा, दानवारि, दिविष, दिविषद्, दिविसद्, दिवोकस्, दिवाका, दिवौकस, दिवौका, देव, देवता, दैवता, द्युषत्, द्युसत्, निर्जर, निर्जरा, पावकमुख, लेखा; वन्हिमुख, वाहिमुख, विबुध, वृंदारका, सुपर्वाण, सुविमानगात, सुमनस, सुर, त्रिदश, त्रिदिवेश ४६

१ अग्नि नामोंपर मुख अर्थ के शब्द लगाने से देवता के नाम होतेहै ॥

२ देवता नामोंपर पति अर्थी शब्द लगाने से इंद्र के नाम होतेहैं

३ इंद्र नामोंपर जीत शब्द लगाने से मेघनाद के नाम होतेहैं

४ इंद्रनामोंपर सुत अर्थी शब्द लगानेसे अर्जुन, वालि और जयंतके नाम होतेहैं

५ देवता नामोंपर अरिअर्थके शब्द लगाने से राक्षसके नामहोतेहैं

६ राक्षस नामोंपर नाशन अर्थके शब्द लगाने से विष्णु के नाम होतेहैं ॥

देवदारु ना० काष्ठदारु, किलिम, दारु, दारुक, देवकाष्ठ, देवाह्व, पारिभद्र, पीतन, पीतदारु, भद्रक, भद्रदारु, भद्रवत, भूतहारि, भूतहारिन्, मस्तदारु, मार्टीक, वनचन्दन, वरचंदन, सुकाष्ठक, सुरदारु, सुरद्रुम, सुरभूरुह, सुराह्व, स्नेहाविद्ध, स्निग्धदारु, देवदारुवृक्ष ना० अमरदारु, इंद्रदारु, इंद्रवृक्ष, देवदारु, भद्रकिलिम, पारिभद्रक, पीतदारु, पूतिकाष्ठ, भद्रदारु; महादारु, शक्रद्रुम, शक्रपादप, शिवदारु १३

देवताडवृक्ष ना० अगरी, अघमर्षिका, आखु, आखुविषहा, खर, खरगरी, खर्गद्रि, जुञ्जक, गरागरी, गरी, जीमूत, जीमूतक, फाञ्जिका, महाच्छद, विषजिह्व, वेणी १६

देवदालीलता (घघरबेलि) ना० आखुविषहा, कटफला, कण्टफला, कदम्बी, कर्कटी, गरा, घोषा, जीमूत, जीमूतक, तरंगिका, दाली, देवताड, देवदाली, महाकोषफला, रोमशफलिका, विषहा, वेणी, सारमूषका, मतकोरी, सोनैया २०

देवर ना० देव, देवर, देवल, देवा ४

देवरानी जेठानी ना० यातर, याता, यातृ

देवसभा ना० देवसभा, सुधर्मा, सुरसभा, सुरसमाज ४

देह ना० अंग, आत्मा, उपघन, कलेवर, काया, कुणप, गात्र, तन, तनु, पुद्गल तनुस, तनू, देह, देही धाम, पतंग, मूर्ति, वपु, वर्ष्म, विग्रह, शरीर, संग्रहन, संघूहन, संहनन २४

देहकेभाग ना० अंग, अपघन, अवयव, प्रतीक ४

—— दो ——

दो (जोड़ी) ना० उभय, उभे, द्वे, द्वैत, दोय, द्वंद, द्विते, द्वै, प्रियपीन, मिथुन, यम, यमल, युग, युगल, युगुल, युग्म १६

—— दौ ——

दौरा (बांसका टोकना) ना० करण्डोल, पिट, पिटक्, पेटक ४

द्वार ना० द्वार, प्रतिहार, प्रतीहार ३

—— ध ——

धतूरावृक्ष ना० अष्टापद, उन्मत्त, कण्टफल, कनक, कनकाह्वय, कर्दुर, कलम; कांचन, कार्तस्वर, काहला पुष्प, कितव, खर्जूघ्न, खरदूषण, खल, गांगेय, घाटिका, चामीकर, जातरूप, जाम्बूनद, तपनकंटक, तूरी, देविका, धतूर, धतूरा, धुस्तुर, धूर्त, धूर्तकृत्, धूस्तूर, पुरीमोह, भर्म; भर्मन्; मत्त, मदन, मदनक, महारजत, मातुल, मातुलक, मादन, मार, मोहन, रुक्म, वृहत्पाटलि, शठ, शातु, शातकुंभ, शिवप्रिय, शिवशेखर, शैवसुमन, सुवर्ण, स्वर्ण, हाटक; हिरण्य, हेम, हेमन् ५४

धतूराकाला ना० कृष्णधुस्तूरक, कृष्णपुष्प, क्रूरधूर्त, विषाराति, शिव, सचिव, सिद्ध ७

धतूराफल ना० उत्क्षिप्त, कनकफल, धतूरफल, प्रमद, मातुलपुत्रक ५

धन ना० अर्थ, अर्तथ, द्युम्न, द्रविण, द्रव्य, धन, नुम्ण, मलिह, मेघा, रत्न, रा, रिक्थ, रेक्णस्, रै, वसु, वित्त, विभव, स्वापतेय, हिरण्य १९

धनवतीस्त्री ना० आढ्या, इभ्या, धनवती, धनाढ्या ४

धनिया ना० अवरिका, उग्रा, कुनटी, कुस्तुम्बरी, कुस्तुम्बरु, छत्रा, छत्राधान्य, जनप्रिय, तुम्बुरु, धनिक, धनिया, धनीयक, धनेयक, धन्या, धन्याक, धानक, धाना, धानेय, धनेयक धान्य, धान्यक, धान्यबीज, धान्याक, धेनिका, भिदा, महामुनि, वितुन्नक, वीजधान्य, वेधक, वेषणा, शाकयोग्य, सुगंधि, सूक्ष्मपत्र ३३

धनिष्ठानक्षत्र ना० धनिष्ठा, श्रविष्ठा

धनी ना० आढ्य, इभ्य, धनपात्र, धनमान, धनाढ्य: धनी ६

धनुष (कमठा) ना० इष्वास, कार्मुक, कोदण्ड, चाप, धनु, धनुः, धनुष, धनुस्, धनू, धन्व, धन्वन्, धन्वा, बाणासन, शरासन १४

१—बाणनामोंपर आसन अर्थ केशब्द लगाने से धनुषके नाम होते हैं ॥

धनुषकाडोरा ना० गुण; ज्या, मौर्वी, शिंजिनी ४

धनुषधारी ना० धनुर्द्धर, धनूधर, धनुषधारी; धनुष्मान, धन्वी, धानुष्क, निषंगी ७

धरणीकन्द ना० धरणी, धरणिकन्द, धारणीया, धीरपत्री; वनकन्द, मुकन्दक ६

धव (वृक्षविशेष) ना० कषाय, गौर; दृढतरु, धनिक, धव, धवल, धुरन्धर, धौ धीर, नन्दितरु, पाण्डुतरु, पाण्डुर, मधुरत्वच, शाकटाख्य, शुष्कवृक्ष, शुष्कांग, संकटाक्ष, स्थिर १८

—— ❀ धा ❀ ——

धातुमक्खी ना० अज, ताप्य, ताप्यक, ताप्युत्थसंज्ञक ४

धान ना० आद्य, केदार, धरण, धान, धान्य, व्रीहि; शालि, शाली, सस्य; सुकुमारक, स्तम्भकरि ८

धानकलमी ना० कलम, कलामक २

धान चीना ना० अणु, कंगु, काक, कवंगु, चीन, चीनक, चीना, व्रीहिभेद, व्रीहिराजिक, स्थूलकंगु १०

धान नीवार ना० ओडि, ओडिका, प्रसाधिका ३

धानसाठी ना० मुकुन्दक, षष्टिक, षष्टिका, षष्टिकधान्य; षाष्टिकव्रीहि, षष्टिशालि, षाठी, सर्वसंगत, साठी, स्निग्धतंडुल

धामिनवृक्ष ना० गोत्राविटप, गोत्रवृक्ष, धन्वंग, धन्वन, धमनि, धर्म्मण, पिच्छिलक, पिच्छिलत्वक, पिच्छिलत्वच्, रक्तकुसुम, रूक्षामह, रूक्षस्वादुफल, सारपादप, सारास्ल, सुतेजन १९

धायकेफूल ना० अग्निज्वाला, कुञ्जरा, कुमुदा, गुच्छपुष्पी, जूपण, ताम्रपुष्पी, तीव्रज्वाला, धातकी, धातुपुष्पिका, धातुपुष्पी, धातृपुष्पिका, धातृपुष्पी, धावनी, पार्वती, बहुपुष्पिका, मदहेतु, मद्यपुष्पा, मद्यवासिनी; रोधपुष्पिणी, वाह्लकरी, वह्निज्वाला; वह्निपुष्पा, वह्निशिखा, संघपुष्पी, सिंदूरी, सीधुपुष्पी २६

धाराकदम्ब ना० कलम्बक, धाराकदम्ब, धाराकदम्बक, धूलिकदम्ब, धूलिकदम्बक, नीप, पुलकी, पुलकिन्, प्रियक; प्रावृषेण्या, प्रावृष्य, भृंगवल्लभ, भ्रमरप्रिय १३

धावा (लड़ाईका) ना० प्रत्युत्क्रम, प्रत्युत्क्रमण, प्रत्युत्क्रांति ३

—— ❀ धु ❀ ——

धुरा ना० धुर, धुरा, धू, यानमुख ४

धुवांघरका ना० गृहधूम, धुन्धुमार, धूमज, धूमरस, धूमसार ५

धूपबनाईहुई ना० कृत्रिमधूप, बकधूपक; वृकधूप ३

धूपसरल ना० धूपवृक्ष, धूपवृक्षक, पीड़ा, पीत, पीतद्रु, पीतन, पीतदारु, पीतवृक्ष, मनोज्ञ; शरल, श्री, श्रीवासच्छद; श्रीवेष्टक, सरल, सुरभिदारु, स्निग्ध १६

धूमिलवर्ण ना० कृष्णलोहित, धूमल, धूमिल, धूम्र ४

धूरि ना० खेह, चूर्ण, धूर, धूरि, धूल, धूलि, धूली; धूसरी, पांशु, पांसु, पास, रज; रेणु, संचरा, क्षार, छांद १६

धूरिलगाहुआ ना० गुड़वेष्ठन, गुंठित, गुण्ठित, रूषित ४

धूर्त ना० कपटी, कुटिलकृत, कृतघ्नी, छद्मी, छली, जिह्मक, जिह्मगो, धूर्त, वंचक, व्याजि, व्याजि, व्याजी १२

धूसरवर्ण ना० कपिश, धूसर, श्याव ३

—— धो ——

धोती वा पैजामा ना० अन्तरीय, अधोंशुक, उपसंव्यान, धोती, परिधान ५

धोबी ना० धोबी, निर्णेजक, रजक ३

धौंकनी ना० चर्म्मप्रसेवक; चर्म्मप्रसेविका, धौंकनी, भस्त्रा, भाथी ५

ध्रुव ना० औत्तानिपादि, ध्रुव, ध्रूव ३

—— न ——

नकचपटा ना० अवटीट, अवनाट, अवभ्रट; नकचपटा; नतनासिका ५

नकछिकनी (औषधि) ना० उग्रगंधा, उग्रा, छिक्कनी, तिक्ता, नकछिकनी, च्चवकृत् ६

नकटा ना० गतनासिका, नकटा, विग्,

नखी ना० अंजनकेशी, अश्वखुर, करज, करजाख्य, कोलदल; खुर, खुल्ल, गन्धराजी, धमनी, नख, नखरी, नखी, नटी, नागहनु, बदरीपत्र, बदरीपत्रक, मरुम, शंकु, शंख, सिम्बि, हट्टबिलासिनी, हनु; हारिणाक्षी, हस्तिनी २४

नगर ना० नगर, निगम, पट्ट, पट्टन; पट्टनी, पत्तन, पुटभेदन, पुर, पुरि, पुरी, स्थानीय ११

नगाड़ा ना० दुन्दुभि, दुन्दुभी, नगाड़ा, भेरि, भेरी ५

नगाड़ा बड़ा ना० आनक, आनकदुन्दुभि, आनकदुन्दुभी, पटह ४

नटव नटावा ना० कृशाश्विन, कृशाश्वी, जायाजीव; नट; नटावा, नर्तकपुरुष, भरत, भावाट; भावानुग; भाविक, भ्रकुंस; भ्रुकुंश, भ्रूकुंस, लासक, शैलालिन, शैलाली; शैलूष, सर्ववेशिन, सर्ववेशी १९

नदी ना० अग्रुः, अग्रूः, अजिरा, अपगा, अर्णा, आपगा, कुल्या, कूलवती, जलधिगा, तटिनी, तरंगिणी, तरंगिनी, द्वीपवती, धुनि, धुनी, नद, नदी, नद्य, नद्या, नभनु, निम्नगा, पयस्विनी, यह्वी, रोधवक्रा, रोधवती, वक्रगा; शैवलिनी, सरस्वती, सरित, सरिता, स्रवन्ती, स्रोतस, स्रोतस्वती, स्रोतस्विनी, स्रोतोवह, स्रोतोवहा, हिरण्यवर्णा, ह्रदिनी, ह्रादिनी ३९

१ नदी नामोंपर पति अर्थ के शब्द लगाने से समुद्रके नामहोतेहैं

२ समुद्रनामोंपर सुत अर्थके शब्दलगाने से चन्द्रमा और सुता अर्थके शब्दलगाने से लक्ष्मी के नामहोते हैं ॥

नदीआदिसेघिराहुआ ना० आवृत, वलयित, वेष्ठित, रुद्ध, संवीत ५

ननद ना० ननद, ननन्दा, ननान्दि, ननान्दा, ननंदी ५

नमस्कार(प्रणाम) ना० अतिवन्दन, अभिवादन, नत्वा, नमस्कार, नमामि, प्रणत, प्रणम्य, प्रणाम, वन्दन ९

नमानना ना० निग्रह, निरोध, विग्रह, विरोध ४

नया ना० अभिनव, इदा, इदानीम, नव, नवीन, नव्य, नूतन, नूत्न, प्रत्यग्र ९

नरक ना० दुर्गति, नरक, नारक, निरय ४

नरककी पीडा ना० कारणा, कारिका, तीव्रवेदना; नरकपीड़ा, याचना, यातना६

नरसल (नरकुल) ना० किष्कुपर्वा, किष्कुपर्वन्; कीचक, छिद्रान्त, छिद्रान्तर, दीर्घवंश, धमन, नट; नड, नरसल, नर्तक, नल, नाल, नालवंश, पोटगल, मृदुपत्र; वंशपत्र, विर्भाषण, शून्यमध्य १९

नरसलबड़ा ना० देवनल, देवनाल; नलोत्तम, महानल, वन्य, बृहतनल; सुरद्रुम, सुरनाल, स्थूलदण्ड, स्थूलनाल १०

नरम ना० कोमल; मृदु, मृदुल, सुकुमार

नर्मदानदी ना० नर्मदा, मेकलकन्यका, मेकलसुता, रेवा, सोमोद्भवा ५

नली (गन्धद्रव्य विशेष) ना० ककुभादिनी; कपोतचरणा, कपोतत्राणा, कपोतांगि, कपोतांघ्रि, कान्यजा, किम्भरा, खारटिका, नखांग नर्तकी; नलिका, नली, नलिनी, निद्रालु, निधि, निर्मध्या, विद्रुमलता, विद्रुमलतिका, शुषिरा, स्यमीका १९

नवसादर ना० चंदनशा; धूमजांगज, धूमोत्थ; नरसार, नौसादर; वज्रक, वज्रखार, वज्रखार, विदारक, सार १०

नस ना० नस, नसा, वस्नसा, स्नासा, स्नायु २

नसूर ना० नसूर, नासूर, नाड़ीव्रण, नालीव्रण ४

नह ना० करज, कररुह नख; नखर नखरा, नह, नाखून, पुनर्भव ८

नहान ना० आप्लव, आप्लवन, आप्लाव, नहान, स्नान ५

—— ना ——

नाऊ ना० अंतर्वासिन्, अंतर्वासी, अंतावसायी, दिवाकीर्ति, नाई, नाऊ, नापित, मुण्डी, क्षुरी ६

नाक ना० गंधवह, गंधवहा, घोणा, घ्राण, नस, नसा, नस्त, नाक, नाशा, नाशिका, नासा, नासिका १२

नाक (जलजीव विशेष) ना० कुम्भीर, कुम्भील, नक्र, नाक ४

नाकका मैल ना० नासिकामल, सिंघण, सिंघाण, सिंघाणक, सिंहान ९

नाकुलीकन्द ना० अहिभुक्, अहिभुज्, अहिमर्द्दनी, अहिलता, ईश्वरी, गंधनाकुली, नकुलकंद, नकुलाढ्या; नाकुली, नागगंधा; फणिहंत्री, महासुगंधा, महाहिगंधा, रक्तपत्रिका, विषमर्द्दनिका, विषमर्द्दनी, सर्पगंधा, सर्पादनी, सर्पाक्षी १८

नाखूना (औषधि) ना० करम, कूटस्थ, चक्रकारक चक्रनख, चक्रनायक नख, नखांग, नाखूना, व्याघ्रनख, व्याडायुध, व्याधिखंग, व्यालबल, व्यालायुध, शुक्ति, हनु १५

नागकेसर पुष्प ना० कांचन, कांचनाह्वय, चारुन, किञ्जल्क, खरपातन,

गजकुसुम, चांपेय, चांपेयक, दलाढक, द्विप, नागकिंजल्क, नागकेशर, नागपुष्प, नागाख्य, पन्नगकेशर, पिञ्जरपुष्प, पुष्परोचन, फणिकेशर, फलक, भुजंगाख्य, राजपुष्प, रुक्म, वराटकरजाः, वराटकरजस्, वास्थेय, सर्पाख्य, सर्वगन्ध, सुपर्णाख्य, सुवर्ण, स्वर्ण, हेम, हेमन्, हेमकिञ्जल्क ३२

नागकेशर वृक्ष ना० इभ, इभाख्य; कनक; कनकाह्व, कनकाद्रुम, काम्बोज, कुम्भीक, केशर, केशरी, केशरिन्, केसरी, केसरिन्, तुंग, देववल्लभ, नागकेशर, नागकेसर, पुन्नाग, पुन्नागवृक्ष, पुरुष, पर्यदाप्रिय २०

नागदन्ती=हाथीसुंडा देखो

नागदौन ना० जम्ब, जाम्बवी, जाम्भवी, दुःसहा, नागदमनी, नागदौन, नागपत्रा; नागपुष्पी, बलामोटा, रामपुष्पी, रास्ना, विषापहा १२

नाच ना० ताण्डव, नटन; नर्तन, नाच, नाट्य, नृत्त, नृत्य, लास, लास्य ९

नाचनेवाला पुरुष=नटादि देखो

नाचनेवाली वेश्या ना० नर्तकी, नर्तकी, भावाटा, लासिका, लास्या; विलासिका

नाड़ी (नब्ज) ना० तन्तुकी, धमनि, धमनी, धरणी, धामनी, नाडि, नाड़ी, शिरा ८

नाड़ीशाक ना० कालक, कालशाक, केबुक, चंचु, नलित, नाड़िक, नाड़िपत्र, नाड़ीक, नाड़ीच, नारीच, नालिका, मालिता, विश्वरोचन, आदुशाक १४

नातिन ना० नप्ता; नप्ती, नातिन, नातिनी, नातिनी, सुतात्मजा ६

१ कन्या नामोंपर कन्या अर्थके शब्द लगाने से नातिनके नामहोते हैं॥

नाती ना० नप्तृ, नाती, सुतात्मज, ३

१—कन्या नामोंपर सुत अर्थके शब्द लगाने से नाती के नामहोते हैं॥

नाम ना० गोत्र, नाम, संज्ञा ३

नाम पुकारने का ना० अभिख्या, अभिधा, अभिधाना, आह्वा; आख्या, आह्वय, नाम; नामधेय, संज्ञा ९

नारंगीफल ना० नागर, सुगन्धक २

नारंगीवृक्ष ना० ऐरावत; किर्मीर, किर्मीरत्वक् किर्मीरत्वच्, गन्धपत्र, गन्धाढ्य, गोयूथ, चक्राविकाशी; चक्राधिवासिन, चोलकी, चोलकिन्, तृणशून्य, त्वक्सुगंध; त्वग्गंध, दंतशठ, दंतशठ, नरंग, नागरंग, नागरुक, नागदेवी, नारंग, नारंग, पिच्छिलत्वक्, पिच्छिलत्वच्; मुखप्रिय, योगरंग, योगारंग, राजफणिज्झक, लतारुक, वक्त्रवाप, वरिरट, विशालज, सुरंग

नारियलफल ना० किकि, खानेदक, चेच; जलकरंग, दाक्षिणात्य, नाड़िकेल, नाड़ीकेल, नारियर, नारियल, पयःपेटी, पयोधर, पुटोदक, बाल; बाला, रसफल, लांगली, लांगलिन्, विश्वामित्रकलाय, शिरःफल १९

नारियलवृक्ष ना० उच्चतरु, करकाम्भाः; करकाम्भस्, कूर्चशेखर, कौशिकफल, तृणद्रुम, तृणराज, तृणराजक, दुरारुह, दृढनीर, दृढफल, दृढमूल, नारिकेर, नारिकेल; नारिकेलि, नारिकेली, नालिकेरि,

मंगल्य, मुण्डफल, वरफल, विश्वामित्रप्रिय, सदापुष्प, सदाफल, सुतुंग, सुभंग, सुराकर, स्कन्धतरु, स्कन्धफल २८

नाव (किश्ती) ना० तरण, तरणि, तरणी; तरि तरी, नौ, नौका, नाव, मांगना

नाव डोंगिया वा बेड़ा ना० उडुप, उडूप, कोल, तरणि, तरणी, प्लव, बेड़ा. ७

नासपाती ना० अमृतफल, अमृताह्व, नासपाती, त्रिहो ४

——— नि ———

निकट (पास) ना० अध्यास, अनतिदूर, अनन्तर, अन्तस्थ, आन्तिक, अन्ति, अभ्यग्र, अभ्यर्ण, अभ्याश, अर्वाक्, अवदूर, अवमे; अवलून, अस्तमित; अज्ञाम, आके, आसन्न, उप, उपकण्ठ, तट, नाड़ित, तीर, निकट, पास, पार्श्व, लगे, संदेश, सन्निधि, सन्निकृष्ट, समर्याद, समीप, सविध, संवश, संवेष, सामीप. २६

निकटअति ना० अतिपार्श्व, अन्तिकतम, अन्तिम, नेदिष्ट ४

नित्य (लगातार) ना० अजस्र, अनवरत, अनारत, अनिश, अविरत, अश्रांत, ध्रुव, नित्य, शाश्वत, सतत, सदातन, सनातन, सन्तत, सर्वदा १४

निद्रित (सोताहुआ) ना० निद्रालु, शयालु, स्वप्नक ३

निन्दा ना० अपवाद, अवर्ण, आक्षेप, उपक्रोश, कुत्सा, गर्हण, जुगुप्सा, निन्दा, निर्वाद, परिवाद, परीवाद ११

निरविसी (औषधि) ना० अपविषा, अविषा, उच्चटा, उत्तानक, चक्रला, चूडाला, निर्विषा, निर्विषा, विषवैरिणी, विषहंत्री, विषहा, विषापहा, विषाभावा, शुक्लला १४

निरादर करना ना० निरसन, निराकरण, निराकृति, प्रत्याख्यान, प्रत्यादेश ५

निरादर कियाहुआ ना० अनादरित, निरस्त, निराकृत, निरादरित, प्रत्याख्यात, प्रत्यादिष्ट ६

निर्मली ना० गुच्छफल, तोयप्रसादन, तोयप्रसादनफल, दन्तपुष्प, दन्तफल, द्रावक ६

निर्मलीवृक्ष ना० कत, कतक, कतकफल, चक्षुष्य, छेदनीय, तिक्तफल, तिक्तमरिच ७

निसोथ ना० कलिंग, कालिंगिका, काली, कुटरणा, कुम्भ, तिराटी, निवृता, निसोथ; परिपाकिनी, पालिन्दी, भगा, मलया, मालविका, विदला, वृकार्त्ता, व्याघ्रादनी मसहा, सरणा, सरला, सुवहा, सुषेणी, त्रिभृत्, त्रिभृत, त्रिभण्डी, त्रिवृत्, त्रिवृता, त्रिवेला, त्रिपुटा, त्रिपुटी २८

निसोथ व तिधारा उजला ना० रेचनी, रोचनी, श्वेतत्रिवृत्, सरसा, सर्वानुभूति ५

निसोथ व तिधारा काला ना० अर्द्धचन्द्रा, कालमेशिका, कालमेशी, कालमेषिका, कालमेषी; काला, कृष्णत्रिवृत्त, पालिन्दी, पालिन्धी, श्यामनिशोथ, श्यामत्रिधारा, श्यामा, सारा, सुषेणिका, त्रिपुषा, त्रियामा,

निसोथ व तिधारा लाल ना० अरुणा,

कालिन्दी, कुलवर्णा, ताम्रपुष्पिका, रक्त त्रिवृत्, त्रिपुटा ६

निसोदर=नवसादर देखो

निस्तेज (तेजहीन) ना० निष्प्रभ, निस्तेज, प्रभाहीन, विगत ४

—— नी ——

नींबू ना० अंतमारी, दंताघात, निम्बु, निम्बुक, नींबू, वह्नि, वह्निबीज, शोधन,

नींबूकरना ना० करण; करना २

नींबू कागजी ना० गुरुबर्द्धन, निम्बूक, लिम्पाक ३

नींबूखट्टा ना० अम्लजम्बीर, अम्ल निम्बूक २

नींबू चकोतरा ना० कुशा, गिरिजा, देवदूती, पूतिपुष्पिका, मधुकर्कटिका, मधु कर्कटी, मधुकुक्कुटी, मधुपर्णी, मधुवल्ली, मधुबीजपूर, मधुरा, मातुलुंगा, सुगंधा, सुरजंबीर १४

नींबू जम्भीरी ना० गम्भीर, गिल, ज म्बिर, जम्बीर, जम्भ, जम्भक, जम्भर, जम्भल जम्भा, जम्भिन्, जम्भीर, जम्भीरी, जाड्या रि, दंतकर्षण, दंतशट, दंतशठ, दंतहर्षक, दंतहर्षण, प्रस्थपुष्प, फणिज्ज, फणिज्जक, मुखशोधी; मुखशोधिन, रेवत, लिम्पाक, वक्त्रशोधी, वक्त्रशोधिन् १७

नींबू बिजौरा ना० अम्बुकेशर, अम्ल केशर, इक्षुक, केशराम्ल, केशरी, केस राम्ल, छोलंग, जन्तुघ्न, दन्तुरच्छद, देवदूती, पूरक, पूर्णबीज, फलपूर, फल पूरक, मातुलुंग, मातुलुंगक, रुचक, रोचनफल, लुंगुष, बिजौरा; बीजक; बीजपूर, बीजफलक, श्वफल, सुकेशर, सुपूर, स्पृह,

नींबू बिजौरा जंगली ना० अरण्यक्टा, देवदाली, देवेष्टा, पचनी, वनपूरक, वन बीज, वनबीजक, वनबीजपूरक ८

नींबूविहारी ना० वनबीजपूर, मातु लुंगिका. २

नींबूमीठा ना० कमला, कुरम्ब, कुल पालक, कूलपालक, पित्तद्रावी, पित्तद्राविन्, मधुजम्बीर; मधुरजम्भीर; मिष्टनिम्बू, रसद्रावी. रसद्राविन्; शर्करक. १२

नींबूवृक्ष ना० अग्नि, निम्बुवृक्ष. २

नींमवृक्ष ना० अरिष्ट, अर्कपादप, काकफल, ककेष्ट, कैटर्य, चीर्णपर्ण, छर्दिघ्न, छर्दिघ्न, दीप्ति, नलद्रगु, निबन्ध, निम्ब, निम्बक; नींब; नीम, नेता; पवकृत, पारिभद्र, पारिभद्रक; पिचुमन्द, पिचुमर्द, पीतसारक, प्रभद्र, मालक, यवनेष्ट, राज भद्रक; वरत्वच, विशीर्णपर्ण, शीत, शीर्णपर्ण, शीर्णपत्र; सर्वतोभद्र, सुमना, सुमनास्, हिंगुनिर्यास ३५

नीच (कमीना) ना० अपशद, अप सद, इतर, क्षुल्लक, जाल्म; निहीन, नीच, पामर, पृथक्जन, प्राकृत, विवर्ण, क्षुल्लक

नीलवृक्ष ना० अक्लिका, असिता, काला, कुसला, कृष्णा, केशी, क्लीतकिका, गन्धपुष्पा, ग्रामणी, ग्रामिणी, ग्रामीणा, ग्राम्या, तुच्छा, तुत्था, तूली, दुर्गा, दूलिका, दूली, दोला, द्रोणिका, नखवृक्ष, नखालु, नरप्रिय, नील, नीलपत्रिका, नीलपुष्पिका,

नीला, नीलिका, नीलिनी, नीली, नेपाली, पिंगाशी, वणिग्बंधु, बहुला, भद्रा, भारवाही, मधुपर्णिका, मधुपर्णी, मेघवर्णा, मोचा, रंगपत्री, रंगपुष्पी, रजनी, रजनी, राज्ञी, शोधनी, शोफनाशन, श्यामलिका, श्यामा, श्रीफला, श्रीफली, सिक्थक, स्थिररंगा, त्रियामा. ५४

——— ने ———

नेवारी ना० आर्तिमोचा; आरफोटा, कर्णपल्ली, कुमारिका, कुमारी, खरस्वरा, गंधनिलया, ग्रीष्मभवा, ग्रीष्मी; ग्रीष्मोद्भवा, ग्रैष्मी, देवलता, नवमल्लिका; नवमालिका, नेवारी, नेपाली, भद्रवल्ली, भद्रवर्म्मन, वसंत; शिखरिणी, शीतमल्लिका, सुकुमारा, सुकुमारी, सुगंधा २४

नेत्रबाला (औषधि) ना० अम्बु, अम्भः, अम्भस्, उदक, उदीच्य; कच, कचामोद; केश, केशनाम, केशनामन्, जल, पर्णीर, बाल, बालक, बाला, रमणी, राम, ललनाप्रिय, बर्हिःष्ट, बर्हिष्ठ, वारक, वारि, वारिद, वारिबालक, ह्रिवेर, ह्रीवेर, ह्रीवेल, ह्रीवेलक २८

——— नै ———

नैयायिक ना० गुणी, गुणिन; पटु, वाग्मी, वाग्मिन्, वाचोयुक्ति वाचोयुक्ती, ७

——— नो ———

नोक (तलवारकी) ना० अभ्रि, अश्री, कोटि, कोटी, कोण, पालि, पाली,

नोन ना० कदर, नलरस, नून, नोन, पटु, लवण, लोन, सर्वरस, सर्वरसोत्तम९

नोन कचिया ना० काच, काचमल, काचलवण; काचसम्भव, काचसौवर्चल; कुरुविन्द, कृत्रिम, धूर्त, नलि, नलिक, पाक्ज, हयगंध. १२

नोनकाला ना० रुक्ष, कृष्ण, कृष्णलवण, कौद्रविक, चोहार कोड़ा, जरण, तिलक, दुर्गंध, द्विलवण, रुचक, शूलनाशन; सौवर्चल, हृद्यगंध १३

नोनखारी ना० औषरक, बहुलवण, मिश्रक, मेलकलवण, लवणमद, लवणक्षार, लवणरज, लवोत्थ, लोणा, सर्वसंसर्ग लवण, क्षारलवण ११

नोनपहाड़ी व नोनसेंधा(लाहौरीनमक) ना० तुरंग, द्विलवण, नादेय, पथ्य, मणिमंथ, लवणोत्तम, शिव, शिवात्मक, शीतशिव, शुद्ध, शैलेय, शैलेयक, श्याम, सिंधुज, सिंधुजन्म, सिंधुजन्मन्, सिंधुरथज सिंधुलवण, सिन्धूद्भव, सिन्धूपल, सेंधा, सैन्धव २२

नोन बिरिया सौंचर (सौंचर नोन) ना० आसुर, कालवण, कृतक, कृत्रिम, खण्ड, खण्डलवण, द्राविड़क, पाक्य, विट; विटलवण, विड, विडगन्ध, विडलवण; सुपाक्य; क्षार, १५

नोनरेहका ना० उद्भिद, उष, ऐरिण, औद्भिज, और्व, औषर, द्रोणीलवण, पांशव, पांशुज, रोमक, सह ११

नोनसमुद्र ना० अक्षिव, अक्षीव, कटक, वटक, तीक्ष्ण, लवणाब्धिज,

वशिर, वसिर, शिव, समुद्रलवण, सागरोत्थ, सामुद्र, सामुद्रक, सामुद्रलवण, साराङ्क, सार.ङ्किज ११

नोनसांभर ना० आकरसम्भव, औद्भिद, गजोशज, मरुलवण, मरोत्थ, वाश्नास्याकरसम्भव, पृथ्वीज, महारम्भ, रामलवण, रोमक, रोमलवण, रौम,रौमक, रौमलवण, वसुक, वसूक, शाकम्भरीय, शुभ्र, साम्भर, सांभर, साम्भरिलवण २१

न्याय ना० अभ्रेष, कल्प, देशरूप, नीति, न्याय, समंजस ६

न्याययुक्तद्रव्य ना० अभिनीत, औपयिक; न्याय्य, भजमान, युक्त, लभ्य६

न्यायाधीश ना० अक्ष; अक्षदर्शक, न्यायकर्ता, न्याया, न्यायाधीश, प्राड्विवाक. ६

न्यौरा ना० नकुल, न्यौरा, न्यौला; पिंगल, बभ्रु, बभ्रू, सर्पभक्षक, सर्पारि, सांपारि ६

१—सांप नामों पर अरिअर्थक शब्द लगाने से न्यौरेके नामहोते हैं

——— प ———

पंख ना० गरुत, छद, तनरुह, पक्ष, पतत्र, पक्ष, पत्तम, पत्र. ८

पंखा ना० तालवृन्त, तालवृन्तक,पंखा, बेना, व्यजन५

पकरिया वृक्ष ना० अवरोहशाखिन्, अवरोहशाखी, कन्दराल, कन्दरालक, कमण्डलु, कमण्डलुतरु,कलापी,कलाशिर्गर्दभाण्ड; जटि, जटिल, जटिन्, जटी, दृढप्ररोह, पर्कटि, पर्कटी,पर्कटिन्, पाकर, पाखर, पिळखन, पीतन, प्लव, प्लवक, प्लवंग, प्लक्ष, प्लाक्ष, भिदुर, मंगल्यच्छाय, महावृक्ष, यवफल, शमिर्षीक; शुंग, शुंगिन्, शुंगी, शृंगी; क्षीरिन्, क्षीरिवृक्ष, क्षीरी. ३९

पकरिया छोटा ना० पीरि, पुलड्ड, महावरोह, ह्रस्वप्लक्ष ४

पचौड़ावृक्ष ना० रक्तपीड,पञ्चकृत्य पंचरक्षक ३

पछतावा ना० अनुताप, पछतावा, पश्चाताप, विप्रतिसार, विप्रतीसार. ५

पंच (रोदा) ना० गव्य,गुण विल्ला, जीवा, ज्या, पंच, प्रत्यंचा, मौर्वी, रोदा, शिंजिनी, १०

पंचगुरिया ना० चण्डा, चाण्डाली, चित्रफला, बहुपत्री, लिंगिनी, लैंगी, स्वयम्भू. ८

पटिया (वेणी) ना० कवरी, कबरि, कबरी. केशपाश. केशवेश, केशहस्त, पटिया. प्रवेणि, प्रवेणी, जट, वेणि, वेणिका, वेणी १३

पट्टीसोनेकी (चेटीका) ना० पारितथ्या, बालपाश्या,सीमन्तभूषण,स्वर्णपट्टी

पटुआ ना० अपराजिता, अशनपर्णी, असनपर्णी, कटुनिष्पत्रक, खेदिनी, गिरी; तृपितोत्तरा, त्वक्सार, दीर्घपल्लव, दीर्घशाख; देवा, पटशाख, पटुआ, पट्टवृक्ष, मातुलानी, माल्यपुष्प; शणा; बालक, शणपर्णी,शीत,शीतक,शीतल,शीतलवानक सनपर्णी, सुदर्शिनपर्णी २२

पटुआशाक ना० नाडीक, नाडीशाक पट्टशाक, पाट्य, राजशण ५

पठानी लोध—लोध्र पठानी देखो

पढ़ना ना० निपठ, निपाठ, पठन, पाठ

पण्डित ना० अद्धातिथ, अभिरूप; आकेनिप, अभु, कवि, कुशल, कृष्टि, कोविद, कृत्स, दीर्घदर्शिन, दीर्घदर्शी, दोषज्ञ, धीमत्, धीर, नागर, निपुण, निष्ण, निष्णात, पटु; पण्डित, प्रवीण, प्रवीन, प्रज्ञ, प्राज्ञ, बुद्धिमान, बुध, मनीषित, मनीषी, सन्धाता, विदग्ध, विचक्षण, विद्वान, विप, विपश्चित, संख्यावत्, सुधी, सूर, सूरि, सूरिन्, सूरी, ज्ञ ४१

पंडित (पढ़ानेवाला) ना० अध्यापक, उपाध्याय, पाठक ३

पतंगवृक्ष ना० पतंग, पत्तंग, पत्तरंग, पत्तूर, पत्रंग, पत्रांग; माल्यवृक्ष, ७

पतंग काष्ठ ना० कुचन्दन, पट्टांग, पट्टरंजनक, रक्तकाष्ठ, रक्तसार, लोहित सुरङ्ग, सुरंग. ८

पतला ना० अणु; कण; कणिक, कणीयस्; कृश, तनु, दभ्र, मात्रा, लव, लेश, रवकण, सूक्ष्म, त्रुटि, त्रुटी. १५

पतवार ना० अरित्र, कर्णाधार, केनिपातक, पतवार. ४

पति (दूलहा) ना० आत्मपूरुष, आत्मभूत, कान्त, दयित, दुलहा, दूलहा, धव, नाथ, पति, पुरुष, प्रिय, प्रभु, भिय, भ्रिय, वर, वल्लभ, भर्ता, रमण, रमन, स्वामी. २०

पतिंगा ना० पतंग, पतंगिका, पतंगम, पांखी, शलभ. ६

पतिजिया ना० गर्भदात्री, पुत्रदा २

पतिव्रताहस्त्री ना० एकपत्नी, कुलवती पतिव्रता, शीलवती, सती, साधु, साध्वी, सुचरित्रा, ८

पतुरिया (कसबी) ना० अलजका, अलजिनका, कणेर, कामरेखा, कामुका, कामुकी, गणिका, मलिका, पतुरिया, प्रपुष्पा, पीवा, भाखाटी, भगलहासिनी, भंजिका, ममर, रूपाजीव, रूपाजीवा, वधूरा; वारमुखी, वारमुख्या, वारवधू; वारविलासिनि; वारविलासिनी, विलासिनी, विलासिनी, वारवाणी, वारस्त्री, विश्वरूपी, वेश्या; शम्भली; सर्ववल्लभा, ३३

पतुरिया नाचनेवाली ना० गुणालिका गुसानी; नृत्यवेश्या ३

पतोह ना० जाति, जनी पतोह, वधु, वधू वधूटी, स्नुषा ७

पत्थरका फूल ना० अश्मपुष्प, अश्मपुष्प; कालानुसारि, कालानुसार्य, कालानुसार्यक, गिरिज, गिरिपुष्पक; गुह, जर्जर, जीर्ण; पलित, भूरिछरीला, शिलाम, शिलाद्रु, शिलापुष्प, शिलाभव, शिलासन, शालेय, शिलोत्थ, शिलोद्भव, शीतपुष्पक, शीतशिव, शैवल, शैल; शैलक, शैलज, शैलनिर्यास, शैलाख्य, शैलाम, शैलेय, शैलेयक; सुभग, स्थविर, अश्मोद्भव, ४५

पथरीरोग ना० अश्मरी, अश्री २

पद्मरागमणि ना० पद्मराग, माणिक्य, लोहितक, शोणरत्न, ४

पद्माख औषधि ना० केदारज, पद्म, पद्मक, पद्मकाष्ठ,पद्मकाह्वय, मद्मगंधि, पद्माख, पद्मग, पद्मांग, पीतक, रक्त, शुभ, शीतल, श्रीपुष्प, श्रीवासच्छद, हिम. १४

पनड़ी ना० जतुकृत, जननि, जनी, पर्पटी, रंजनी, संस्पर्शा ६

पन्ना (रत्नविशेष) ना० अश्मगर्भ अश्मगर्भज, अश्मज,अश्मयोनि,गारुत्मत् पन्ना, पाचिका,मरकत, मसार, सौपर्ण, हरिन्माण. ९

पपरी ना० कृष्णा. ग्रन्थिपर्णी; चक्रव र्तिनी, जतुका, जतुकृष्णा,जतूका,मननी जनि, जनेष्ठा, ९

पपीहापक्षी ना०कपिंजल,कलिंग,चातक, दत्यूह, भूम्याट, पपिहा, पपीहगा,पपीहा पिक, भृंग,सारंग, सारंग, स्तोक,स्तोकक

पमार ना० अब्भुप, उरणाख्य, उर णाख्यक, उरणाक्ष, उरणाक्षक, एडगज गजाख्य,चकवड, चक्रगज, चक्रपद्माट, चक्रमर्द, चक्रमर्दक; चक्राह्व; चक्री, चक्रिन्, तार्कीक, तर्किल, तर्वट, दद्रुघ्न, दद्रूघ्न; दृढबीज. पद्माट, पमार, प्रमाड, पुन्नाट, पुन्नाड, प्रपन्नाड, प्रपुनाड. प्रपुन्नड . प्रपुन्नाट,प्रपुन्नाड, प्रपुन्नाल मेघलोचन; मेषाह्वय, मेषाक्षिकुसुम, क्रिमिर्दक, शिम्ब, शुकनाशन. ३८

परवरफल ना० अमृतफल, अमृता फल, कच्छुघ्नी, कटु, कटुक; कटुफल, कर्कशच्छद, कर्कशदल, कासमर्द, कासमर्दन, कुष्ठारि; ज्योत्स्नी; ज्योत्स्नी, तिक्तक, तिक्तभद्रक,नागफल,पटु,पटुक, परवर, पाण्डुफल, पाण्डु, राजनामा, राजनामन्; राजपटोल, राजफल, राजी पटोल, लताफल; वाजिमान्, वाजिमान्, वाजिगर्भ. ३०

परवर बेल ना० कुलक, पटोल, पटोललता. ३

परिवा ना० परिवा, पक्षति, पक्षती, प्रतिपत्, प्रतिपद्, प्रथमतिथि ६

परोस ना० परोस, सन्निकर्ष, सन्निकर्षण, सन्निकृष्ट, सन्निधान, सन्निधि,

पलङ्ग (खटिया) ना० खट्वा, पलङ्ग, पल्यङ्क, पर्य्यंक, मंच ६

पलाशीलता ना०अम्लपत्री,दीर्घपत्री दीर्घवल्ली; पर्णवल्ली,पलाशी, पत्रवल्ली, रसापबला, विषादनी, शठी, सुरपर्णी १०

पलुआ औरका ना० परजात,परभृत, परपुष्ट, परांचित, परिष्कराण, परिष्कन्न, परिष्कन्द, परैधित ८

पवित्र ना० पवित्र, पूत,प्रयत. ३

पसीना ना० घर्म्म, निदाघ, स्वेद, स्वेद. ४

पहर ना० पहर,प्रहर,याम ३

पहरा ना० उपरक्षण, गस्त, पहरा, सज्जन. ४

पहाड़ ना० क्ष्म, अगच्छ, अचल, अद्रि; अश्मर, अहार्य, गिरि. गोत्र,

प्रावन, ग्रावा, दरीभृत घर. नग परवत, पर्वत; पहाड़, भूधर, भूध्र, महीधर; महीध्र, मेरु, शैल,सानुमत् सानुत.

१—पहाड़ नामोंपर घर लगाने से श्री कृष्ण और हिमालयके संस्कृते नाम होते हैं

पहाड़की चोटी ना० कूट, शिखर, शृंग, सानु. ४

पहुंची(करभूषण) ना० आवाप,कटक, पारिहार्य, वलय, पहुंची ५

पहेली ना० पहेलिका, प्रहेला, प्रवल्हि, प्रवल्हिका, प्रवल्ही, प्रहेला, प्रहेलिका, प्रहेली ८

—— पा ——

पांजर ना० पंजर, पशुका, पांजर, पार्श्व, पार्श्वास्थि ५

पांति ना० आलि,आली,आवलि,आवली, पंक्ति, पंक्ती, पांति, पांती, वीथि, वीथी, राजि, राजी, श्रेणि, श्रेणी १५

पांव ना० अंघ्रि, अंह्रि, गोड़, चरण, चरन, चलन, पग, पद, पांव, पाद,पांव

पांवकी अगाड़ी ना० प्रपद,पदाग्र, पादाग्र, प्रपद ४

पांसा ना० अक्ष,देवन, पाशक,पांसा,

पाखण्डी ना० धर्मध्वजिन,धर्मध्वजी लिंगवृत्ति ३

पाखान भेद वृक्ष ना० अश्मभित, अश्मभिद, उपलभेदी, उपलभेदिन्, गिरिभित, गिरिभिद्, नगभित्, पाषाणभेदन, पाषाणभेदिन्, पाषाणभेदी, शिलाभेद, शिलाभेद, शिलोद्भव, श्वेता १४

पाखानभेद छोटा ना० चन्द्रोद्भवा, गिरजा, गिरिभू, चतुष्पत्री,नगजा,नगभू, पार्वती, शैलोद्भवा, सुद्रुम,पाषाणभेदा ९

पागल ना० उन्मत्त, उन्माद, चित्तविभ्रम, ३

पाठा ना० अम्बष्ठकी, अम्बष्ठा; अम्बष्ठिका, अम्बष्ठी, अवाला, अविद्धलिका, अम्बिका, अविद्धकर्णी, अविद्धकर्णी; एकाष्ठीला, एकोशिका, कुचेला, कुचेली, चित्रपुष्पी; छिन्नवेशिकी,दाक्षिनी दृढ़कुका, तिक्तपुष्पा, तिक्ता, दीपनी, देवी, पाठ, पाठा, पाठिका, पापचेलिका, पापचेली; प्राचीना, महातिक्ता, यूथिका, यूथी, रसा, रसा, रहस्या, वनतिक्ता, वनतिक्तिका, वरतिक्ता, वरतिक्तिका,वरा, विद्धकर्णी, विद्धकर्णी, विद्धकर्णिका, विद्धकर्णी, वृका, वृकी, वृत्तपर्णी,वृहतिक्ता, श्रेयसी, स्थापनी. ४८

पाडर वृक्ष (पडरा) ना०आमोघा, अम्बुवासिनी, अम्बुवासी, अलिप्रिया, काचस्थाली, कवेर, कामदूती, कालवृन्ता कालवेला,काला,कुम्भिका,कुवेराक्षी, कुबेराक्षी, कृष्णवृन्ता, गदा, घण्टकर्णी, ताम्रपुष्पा, तोयपुष्पी, तोयादिवासिनी, तोयाधिवासिनी,पाटला, पाटलि, पाटली, फलेरुहा, मधुदूती,मोघा, मोचा, रक्तपुष्पी वसन्तदूती, वासीता, सुपुष्पिका, स्थाली, स्थिरगंधा. ३१

पाडर वृक्ष उजला ना० काष्ठपाडर, काष्ठपाटला, गोमेद, गोमेद, घण्टा,

पाटाक, मुष्कक, शितपाटलिका, श्वेतपाटली

पाता ना० पत्ता, पत्र, पर्ण, प.त गाता, वल. ६

पाताल ना० अधः, अधस्, अधोभुवन, अधोलोक, नागलोक, पाताल, बलिसद्म, रसातल ८

पाथर ना० अश्म, अश्मन्, उपल, दृषद्; पत्थर, पत्थल, पषाण, पषान, पाषाण, पाषान, पाहन, प्रस्तर, शिल, शिला १३

पान ना० अहिवल्ली, अहिवल्लिका, अहिलता, उरगलता, कटुरा, कुहलि, गृहाशया; ताम्बूल, देवभीष्टा, नाग, नागपत्रा, नागपर्णी, नागवल्लरी, नागवल्लिका, नागवल्ली, पर्ण, पान, भक्ष्यपत्रा भुजंगलता, भुजंगवल्ली, मल्ला; मुखभूषण; सप्तशिरा, सर्पलता, स्त्रैणजन. २५

१—सर्पनामोंपर लता अर्थ के शब्द लगानेसे पानके नाम होते हैं॥

पानकी बेलि ना० ताम्बूलवल्लिका, ताम्बूलवल्ली; ताम्बूली देवाभीष्ट, नागबेलि, नागलता पत्रवल्ली, पर्णलता. ८

पानकी गिलौरी ना० आमोदी. गिलौरी, मुखवासन ३

पानी ना० अन्न, अप, अपक, अमय, अमृत, अम्ब; अम्बु; अम्भ, अम्भस्, अरविंद, अर्णः, अर्णस्, अहि, अक्षर, अक्षित्, आपस्, आपः, आवया; उदक ऋत, ओजस्, कं, कबंध, कमल, कर्बुर, कशस्, काण्ड, कीलाल, कुश, कृपीट, गहन, घनसार, घृत, चन्द्र, जड़, जल, जलाष, जामि, जीवन, जीवनीय, तामर, तुग्र्या, तूय, तृप्तिः, तोय, धरुण, नभस्, नलिन, नामन, नार, नीर, पयस्; पवित्र, पाथ, पानी, पानीय, पिप्पल, पुरीष, पुष्कर, पूर्ण, पेय, प्राण, बर्हिस, बुबुर, बुस, भुवन, भेषज, मधु, मेघपुष्प, मेघप्रभव, यशस्, यादु, योनि, रस, वन, वपुस, वाज, वारि, विष, व्योमन्, शम्बर, शंव, शुक्र, शुभ, ऋत; सत्य, सदन, सद्मन, सम्बर, सम्बल, सर, सलिल, सर्ग, सर्वतोमुख, सलिल, सुख, सरा, स्रोतस्, हविस्, हेमन्, क्षद्मन् क्षपः, क्षत्री, क्षीर, क्षोदस्. ११९

१—पानी नामोंपर चर लगाने से मछली और जलचर जीवोंके नामहोतेहैं

२—पानी नामोंपर ध व धर लगाने से मेघके नाम होते हैं॥

३—पानी नामोंपर अकार लगाने से कमल, चन्द्रमा, सोना और शंखके नाम होते हैं॥

४—कमल नामोंपर ज उद्भो, आसन अर्थीशब्द लगानेसे ब्रह्माके नाम होतेहैं॥

पानीबूंद ना० पृषत्, पृषत, पृषत्क, पृषन्ति, बिन्दु, विप्रुष्, विप्लुष.

पाप ना० अंहति; अंहस, आंहिति, अघ, अधर्म, अधर्म्म, एनस्, कलंक, कल्मष, कलुष, कल्मष, किल्बिष, दुरित, दुष्कृत, दोष, पंक, पाप, पाप्मन्, पाप्मा, वृजन, शमल, समल २२

१—पाप नामोंपर अरि और नाशन अर्थके शब्द लगानेसे विष्णुके नामहोतेहैं

पायजेब ना० पादांगद, पादपाश, पायजेब, पायल, पैंजनी, मंजीर, मञ्जीर,

१—जो बिछियोंके नामहैं वेही पायजेब के भी नामहैं ॥

पारखी ना० कारणिक, परिक्षक, परीक्षक, पारखी ४

पारसपीपल ना० कन्दराल,कपीतन, गर्दभाण्ड, गर्दभ, ताम्रार्का, ताम्रपाकिन्, नन्दी, नन्दिन्, पारसपीपल, पारिश, पारिशपीपल, प्लक्ष, फलपाका, फलपाकिन, शुंगा; शुंगिन्,सुपार्श्वक, क्षारी १९

पारा ना० अमृत, अग्नितेज;अशोक, ईश, ईश्वर, खलमूर्ति खेचर, चपल,नैत्र, दारद,दिव्यरस, दुर्धर, देव, देहज,पतङ्ग, पार, पारत, पारद, पारा, प्रभु, ब्रह्म,भव बीज, महातेजः; महातेजस्, महारस, मुकुन्द,मृत्युनाशक;यशोद,योगवाही रस, रसधातु, रसनाथ, रसराज, रसलेह,रसा यनश्रेष्ठ,रसेंद्र,रुद्रज, रेतः,रेतस्, रोगघ्न, लोकेश, शंकर,शुक्र,शम्भु, शिव,शिवधातु, शिवबीज, सर्व; सिद्धधातु,सिद्धरस, सूत; सूतक, सूतराट्, सूतराज्,स्कन्द, स्कन्दांशक, हरतेजः, हरतेजस्, हरबीज, ५८

पारेवत ना० पारेवत, रेवतक, रैवतक

पारेवत बड़ा ना० द्वीपखर्जूर, द्वीपज, महापारेवत, साम्राणिज, स्वर्णपारेवत ५

पार्वती ना० अजा, अपर्णा, अपर्ना, अम्बा,अम्बिका, अम्बीका, अर्य्यदारीणी अर्य्या, अर्य्यणी, आर्य्या,इड़ा,इन्द्राणी, इन्द्रानी, इला, ईश्वरा, ईश्वरी, उमा, कात्यायनी, कात्यापर्ना, कालिका, काली, गिरिजा, गिरिनन्दिनी, गिरिसुता, गौरा, गौरि,गौरी,चण्डा,चण्डालिका, चाण्डिका, चण्डी, चामुण्डा; जगदम्बा, दरीभृतन, दाक्षायणी, दुर्गा, देवि, देवी, नगजा, नगनन्दिनी, नारायणी, पर्वतसुता,पार्वती, ब्रह्माणी, भद्रानी, भवा, भवानी; मंगला, मंगली, माधवी; माहेश्वरी, मृड़ा, मृडानी, मृडी, मेनकात्मजा, मेनात्मजा, मेनासुता, मैनाकस्वसृ; योगमाया, रुद्रप्रिया, रुद्राणी, रुद्रानी, वामप्रिया, वामा, विन्ध्यवासिनी, विश्वेश्वरी, वैष्णवी, शंकरप्रिया, शंकरा, शांकरी, शंभुप्रिया, शम्भुरानी, शर्वाणी, शर्वप्रिया, शिवरानी, शिवा, शैलजा, शैलसुता,सती, सर्वमंगला, सर्वाणि, सर्वाणी, सिंहेश्वरी, हरप्रिया, हरभार्या, हररमणी, हरिप्रिया, हिमजा, हिमतनया, हिमसुता, हैमवती ९१

१—पहाड़नामोंपर सुता अर्थकेशब्द लगाने से पार्वतीके नामहोते हैं ॥

२—महादेव नामोंपर भार्या अर्थ के शब्द लगाने से पार्वती के नामहोते हैं॥

३—पार्वती नामोंपर पति अर्थकेशब्द लगाने से महादेवके नामहोते हैं ॥

४—पार्वतीनामोंपर सुत अर्थ के शब्द लगाने से गणेशजी के नामहोते हैं ॥

पालक (शाकप्रसिद्ध) ना० खोटा, ग्रामीणा, ग्रामवल्लभा, चीरितच्छदा,

पल्लंकी, पलंक्या, पालक, पालक्य, पालंक, पालंकी, पालंक्य, पालंक्या, मधुरा, मधुमूदनी वास्तुका कारा, सुपत्रा, तुरन्त्रिका, तुरिका

पालकी ना० पाञ्क. प्रवहण. रथगर्भक. शिविका. शीविका सुखपाल ६

पाला ना० अवश्याय, आवश्याय, तुषार, तुहिन, निशाजल, निहार, नीहार, पाला. प्रालेय. महिका, मिहिका. रजनी जल; हिम; हिमसहति. हिमानी. हिमि १६

१—निशा नामोंपर जलनामके शब्द लगाने से ओस, पाला, कोहिरा और बर्फ के नामहोते हैं

पाला समूह ना० हिमसंहति, हिम समूह; हिमानी. ३

पाहुना ना० अतिथि, अभ्यागत, आगन्तु; आगामिन्, आवेशक, गृहागत, पथिक, परदेशी, पहुना, पाहुन, पाहुना, बटाऊ, बटायू, बटोही, मुसाफिर, विदेशी १६

——पि——

पिआवांसावृक्ष (पुष्पप्रसिद्ध) ना० अम्लान, कटसरैया; कण्टकुरण्ट, कृष्ण शैरेक, झिण्टी, पीतका, मरुव, मरुवक, सहचर, सैरीय, सैरीयक, सैरेय, सैरेयक

पिआवांसा नीला ना० अर्तगल, आर्तगल, कण्टार्तगला, कबुदार, छादन, दासी, नीलकुरण्टक; नीलझिण्टी, परुष, बाणा, वाला, शैरीयक, शैरेयक, सहचर

पिआवांसा पीला ना० कण्टकिनी; कुरण्टक, कुरव, कुरण्डक, कुरुण्ट, कुरुण्टक, कुरुवक, दासी. पीतकुरुंट, पीतझिण्टी, पीत पुष्प, पुर, शोणझिण्टिका, सहचर, सहचरी, सहाचर १६

पिआवांसा लाल ना० अपारम्लान, ?करात; कुरव, कुरवक, कुरुवक, रक्त झिण्टी, रक्तम्लान. ७

पिघलाहुआ ना० द्रवीभूत, द्रुत, विद्रुत, विलीन. ४

पिठवन ना० अंघ्रिपर्णिका, अंघ्रिपर्णी, अंघ्रिवल्लिका, अंघ्रिवल्ली, कंकशत्रु, कलशि, कदल, कदला, कलशि, कलशी, कलसि, कलसी; क्रोष्टुकपुच्छिका, क्रोष्टुपुच्छी, क्रोष्टुविन्ना, खगशत्रु, गुहा, घृष्टिला, चक्रकुल्या, चक्रपर्णी, चित्रपर्णी दीर्घपर्णी, दीर्घा, धमनी, धावनि, धावनिका, धावनी, पर्णीचतुष्टय, पिठवन, पृथकपर्णी, पृश्निपर्णी, ब्रह्मपर्णी, महागुहा, मेखला, रसालिका, रामबालक, रामाटरूष लाङ्गली, लाङ्गलिका, बरम्बरा; बीरा, शीर्णमाला, शृगालविन्ना, सिंहपुच्छी, सिंह पुच्छ, सिंहलांगुली, सुमूला. ४७

पिटारीलता ना० कुलिंगाक्षी, कृष्ण वृन्तिका; पेटिकावृक्ष ३

पिण्डखजूर ना० नृपप्रिया, पिण्ड खर्जूर, पिण्डखर्जूरी, फलपुष्पा, फलमुद्रिका, मधुरस्रवा, यज्ञामलक, राजखर्जूरी राजजम्बू ६

पिण्डालु (पेंड़ालू) ना० ताम्बूल पत्र, नानाकन्द; पिण्डक; पिण्डकन्द, पिण्डालु, पिण्डालुक, रोमकन्द; रोमालु

पिता ना० आतुक; जनक, जनयितृ, जनित्व; तात, पिता, पित्र, बाप, बाप्ता बाप्तृ. १०

पितातुल्य (बापके बराबर) ना० पित्रतुल्य, पित्रसन्निभ, मनोजव, मनोजवस. ४

पित्त ना० अग्नि, अनल, तिक्तधातु, तेजः, तेजस्, पलंकर, पललज्वर, पलाग्नि, मायु ९

पित्तपापड़ा (औषधि) ना० अरक, कटुपत्र, कृशशाख, तिक्त, तृष्णारि, र्पट, पांशु, पित्तपापड़ा, पित्तारि, रक्तपुष्पक, वक्र, वरक, वर्म्मकण्टक, शीत, शीतप्रिय; सुतिक्त, त्रिपृष्टि. १८

पियाज ना० उष्ण, कृमिघ्न, क्रिमिघ्न, तीक्ष्णकन्द, दीपन, दुर्गन्ध, निकेतन; नीचभोज्य, पलाण्डु, पलाण्डू, पियाज, प्याज, बहुपत्र; मुकन्दक, मुकुन्दक, मुखगन्धक, मुखदूषण, यवनेष्ट; रोचन, लोहित, विश्वगन्ध; शूद्रप्रिय, मुकन्दक, सुकुन्दक. २४

पियाज जंगली ना० अरण्यपलाण्डु, बनप्याज, शार्दूलकन्द, श्वेतपलाण्डु ४

पियाजलाल ना० दीर्घपत्र, नृपकन्द, नृपप्रिय, नृपाह्वय, महाकन्द, महामूल, यवनेष्ट, रक्तकन्द, राजपलाण्डु; रोचक १०

पियाजहरा ना० दुद्रुम, दुर्द्रुम, लतार्क, हरितपलाण्डु, हरितप्याज ५

पिलही रोग (तिल्ली) ना० डिम्ब, तिल्ली, पिलही, प्लिहन, प्लिहा, प्लीहा

पिसाहुआ ना० अवध्वस, अवचूर्णित, अवध्वस्त; चूर्णित, चूर्णीकृत. ५

पिस्ता ना० पिस्ता, मुनिफल, हरिद्वीज ३

—— पी ——

पीकदान ना० पतद्ग्रह, पीकदान, प्रतिग्रह, प्रतिग्राह ४

पीछे ना० अनुपदम्, अन्वक्, अन्वच; अन्वीची, पश्चात्, पीछे. ६

पीड़ा ना० अमानस्य, आदीनव, आमीळ, आमानस्य; आमूव, कष्ट, कृच्छ्र, क्लेश, खेद; दुःख; पीड़, पीड़ा, बाधा, रुज्, रुजा, वेदन, वेदना, व्यथा, शंकट १९

१—पीड़ा नामोंपर नाशन अर्थ के शब्दलगाने देवता और ईश्वरके नाम होतेहैं जैसे शंकटमोचन,

पीढ़ा ना० आसन, पीठ, पीढ़ा. ३

पीतल धातु ना० आर, आरकूट, कपिलोह, कुकाञ्चन, दारु, द्रव्य, पिंगल, पिंगललोह, पित्तल, पीतक, पीतकावेर, पीतल, रिरी, रीति, रेत्य, सिंहल, सलोहक, सुवर्णक, हंसलोहक, क्षुद्रसुवर्ण. २०

पीनस (नाकरोग विशेष) ना० अपीनस, पीनस, प्रतिश्या, प्रतिश्याय. ४

पीपरामूरि ना० कटुग्रन्थि, कणामूल, कोलमूल, ग्रन्थिक, ग्रन्थिल, ग्रन्थीक, चटका, चटकाशिर, चटकाशिरस, चाटिका, दीपनीय; पत्राढ्य, पिप्पलीमूल, पीपरामूर, पीपलामूर, मूरि, मूल, विरूप, शिर, शोषसम्भव, षड्ग्रन्थि, सर्वग्रंथि, सर्वग्रंथिक, सिर, सुगन्धि. २५

पीपरि ना० अनन्ता, उपकुल्या, उषणा; ऊषणा, एकग्रह्या, कटी, कटुबीजा; कणा, कृकला; कृष्ण, कृष्णा; कोरंगी, कोला, कोल्या, क्रोष्ट्वादन, चञ्चला, चपला, चला, जटिला, तिक्ततण्डुला, तीक्ष्णतण्डुला, दन्तफली, दीपनीय; नन्दकि, पिपरी, पिप्पली, पीपल, पीपरि, प्रियंगु, बोधनी, भद्रा, मगधा, मगधोद्भवा, महौषध, मागधा, विधात्री, विश्वा, वैदेही, शौण्डी; श्यामा, सिंचिता, सूक्ष्मतण्डुला, सौंडा. ४३

पीपरिमूल ना० [illegible] ग्रन्थिक, पिप्पलीमूल, पीपरिमूल. ४

पीपलवृक्ष ना० [illegible], अश्वत्थ, कपीतन, कुञ्जराशन, कृष्णावास, केशालय, केशवावास, गजभक्षक, गजाशन; गुह्यपुष्प, चलदल, चलपत्र; चैत्यद्रु, चैत्यवृक्ष, देवभवन, देवात्मा, देवायतन, देवावास, धनुर्वृक्ष, नागबन्धु, पवित्रक, पिप्पल, पीपर, पीपल, प्लक्ष, प्लीहारि, बोधि, बोधितरु, बोधिद्रुम, बोधिपादप, बोधिवृक्ष, मङ्गल्य, महाद्रुम, मतङ्ग, याज्ञिक, वातरङ्ग वादरंग, विप्र, वृक्षादन शुचिद्रुम, शुभद, श्यामल, श्रीमत्, श्रीमान्, सेव्य, हयमारण; हरिवास, क्षीरद्रुम, क्षीरवृक्ष, क्षीरी ४०

१—गजनामों पर अशन अर्थके शब्द लगाने से पीपल वृक्ष के नामहोते हैं

पीला ना० [illegible], गौर, [illegible], पीत, पीला, हरिद्राभ. ४

पीलावर्ण ना० कडार, कद्रु, कपिल, पिंग, पिंगल, पिंगला, पिशंग; पिशंगी, पीतवर्ण, बभ्रु, हरिद्राभ, ११

पीलूवृक्ष ना० करभवल्लभ, कलभवल्लभ, गुणफल, धानी, धारिन्, धारी, पिलुक, पीलुवृक्ष, बामाधीडन, विरेचन, शीतसह, श्याम; स्रंसिन, स्रंसी. १३

पीलबड़ावृक्ष ना० मधुपीलु, महापीलु, महावृक्ष, राजपीलु, बृहत्पीलु. ५

—— पु ——

पुआ ना० अपूप, अपूप्य, आपूप्य, [illegible], पुआ [illegible]

पुआ बनानेवाला ना० आपूपिक, कान्दविक. २

पुकारना ना० आकारण, आहूति, आह्वान, हूति. ४

पुखराजमणि ना० पुष्पराग, पुष्पराज २

पुजारी ना० देवल, देवलक, देवाजीव, देवाजीविन्; देवाजीवी; पण्डा, पुजारी. ७

पुण्डरियावृक्ष ना० अनुज, चक्षुष्य, ताक्ष्र्य पुष्पक, पुण्डरिन् पुण्डरी, पुण्डरीकाक्ष, पुण्डरीयक, पुण्डर्य, पुण्ड्र, पौण्डरीक, पौण्डर्य, प्रपौण्डरीक; मालक, शिव, माल, पुष्प, सुपुष्प, स्थलपद्म. १७

पुण्य ना० धर्म, पुण्य, वृष, श्रेय, श्रेयस्, सत्कृत, सुकृत. ७

पुनेरा (धान्य विशेष) ना० अश्मरी, [illegible], देवधान्य, पवनाल, यवनाल, योनल. ६

पुन्नागवृक्ष (पुष्पवृक्ष विशेष) ना० अरुण, केशर, केशरिन्, केशरी, केशव, केसर, केसरिन्, केसरी, तुंग, तुंगक, पाटलद्रुम, पाण्डुनाग, पुरुष, प्रमुख, रक्तकेशर, रक्तपुष्प, रक्तरेणु. १७

पुराना ना० चिरंतन, पुरान, पुराना, पुरातन, प्रतन, प्रत्न, प्राचीन. ७

पुष्करमूल (पोहकरमूल,) ना० काश्मीर, कारमारन, पद्म, पद्मपर्णी, पद्मपत्र, पद्मपर्णिक, पुष्करमूल, पुष्करमूलक, पुष्करशिफा, पुष्कराह्वय, पुष्करिणी, पुहकरमूल, पोहकरमूल, पोष्कर, पोष्करमूल, ब्रह्मतीर्थ, मूलपुष्कर, वीर, श्वासारि, सुगन्धित. २०

पुष्पाञ्जन (जस्ताका फूल) ना० कुसुमाञ्जन, कौसुम, पुष्पाञ्जन, पौष्पक, रीतक, रीतिका, रीतिपुष्प, सदञ्जन. ८

पुष्यनक्षत्र ना० तिष्य, पुष्य, सिध्य ३

पुत्रदात्री (लताविशेष) ना० मधुकालता, पुत्रदात्री, भ्रमरी; वातारि, वेशीमाना ५

——❀ पू ❀——

पूजा ना० अपचिति, अर्च, अर्चि, अर्चा, अर्ह, अर्हणा, नमस्या, पूजा, सपर्य्या,

पूजाकरनेवाला ना० अपचेता, अपचेतृ, अर्चक ४

पूजित ना० अपचित, अर्चित, अर्हित, नमस्यित, पूजित. ५

पूर्णमासी ना० पंचदश, पक्षान्त, पूनो, पूनौं, पूर्णिमा, पूर्णमासी, पूर्णमास्या, पूर्णिमा, पौर्णमा, पौर्णमासी, पौर्णिमा, पौर्णमी. १२

पूषमास ना० तैष, पूष, पूस, पौष, पौस, सहस्य. ६

——❀ पे ❀——

पेट ना० उदर कुक्ष, कुक्षि, जठर, तुन्द, पिचण्ड; पिचिण्ड, पेट. ८

पेटारी (पिटारा) ना० पिटक, पिटारा, पिटारी, पेटक, पेट, पेटा, पेटिका, पेड़ा, मंजूष, मंजूषा, १०
(येही संदूकके भी नामहैं)

पेठा (खबहा कुम्हड़ा) ना० कुष्माण्ड, कुष्माण्डक, कुष्माण्डी; कूष्माण्ड, खबहा, ग्राम्यकर्कटी, घनवास, तरीह, तिमिष, नागपुष्पफला; पुष्पफल, पेठा, बृहत्फला, शिखिवर्द्धक, सुफला, स्थिरफला. १६

——❀ पै ❀——

पैदल ना० पत्ति, पदग, पदाति; पदाति, पदिक, पद्ग, पादात, पादाति, पादातिक, पादातिक, प्यादा. ११

पैना (चाबुक) ना० तोदन, तोत्र, पैना; प्रवयण, प्राजन. ५

पैनायाहुआ ना० तीक्ष्णकृत; तेजित, निशित, शात, क्ष्णुत. ५

——❀ पो ❀——

पोंछना ना० मार्जना, मार्ष्टि, मृजा. ३

पोंड़ ना० गांठि, ग्रंथि, परु, परुः, परुस्, पर्व, पोंड़; पोर. ८

पोता ना० पौत्र, पोता, सुतात्मज.३

१—सुतनामों पर सुत अर्थ के शब्द लगाने से पोतेके नामहोते हैं

पोती ना० पोती; पौत्री; सुतात्मजा.

१—सुत नामोंपर कन्या अर्थकेशब्द लगाने से पोतीके नामहोतेहैं

पोदीना ना० अम्बष्ठा, अम्बा, अम्बालिका, अम्बिका, केशी, गंधपत्री, छिन्नपत्री, दृढवल्का, ग्रस्थिका, बाला, भूरिमल्ली, मयूरविदला, मयूरिका, माचिका, मुखबाचिका, मोइया, रोचनी, वेदि, शठाम्बा, सहस्रा, सुरशाक. २१

पोयशाक ना०अपोदिका, उत्पादिका उपोती, उपोदकी, उपोदिका, उपोदीका; पिच्छिलच्छदा, पिच्छिला; पूतिका, पूतीका, पोतकी, पोतिका, बालिपोदकी, मदघ्नी, मदशाक, मोहनी, विशाला; वृश्चिकप्रिया. १८

पोयछोटी ना०मण्टपी, सूक्ष्मपत्रिका, स्वल्पपूतिका, क्षुद्रोपोदकी. ४

पोयजंगली ना० अरण्योत्पादिका, पोतिका, वन्योपदका ३

१—पोयनामके पहिले जंगल नाम के शब्द लगाने से पोयजंगलीके नामहोतेहैं

पोलाव ना० पलान्न, पोलाव २

पोस्ताकादाना ना० सुबीज, सूक्ष्म तण्डुल, सूक्ष्मबीज ३

पोहकरमूल=पुष्करमूल देखो

——❀ **पौं** ❀——

पौंड़ा ना० इक्षुबाटिका, इक्षुबाटी, करंकशालि, पुण्ड्र, पुण्ड्रक, रसाल ६

पौंड़ाकाला ना० कतारा, कान्तारा कान्तारक; कान्तारी ४

पौंड़ासफेद ना० पौण्ड्र, पौण्ड्रक, पौण्ड्रिक ३

प्यारा ना० अभीप्सित, अभीष्ट, दयित, प्रिय, प्यारा, प्रियप्राय, वल्लभ ७

प्यारी ना० कांता, दयिता, पत्नी, पुरंध्रि, पुरंध्री; प्यारी; प्रिया, प्रेष्टा, रमणी, वल्लभा १०

प्यास ना० अनुबंध, उदन्या, तर्ष, तृष्, तृषा, तृषाभू, तृष्णा, पिपासा, पिपास, प्यास १०

प्रभामात्र(चमक) ना० छवि, त्वष्, दीप्ति, द्युत्, द्युत द्युति, द्युतिमत्, प्रभा, भा, भास्, भास, भासस्, रुच्, रुचि, रुज्, रोचिष १६

प्रयोजन (मतलब) ना० अभिप्राय, अभीष्ट, अर्थ, आशय प्रयोजन ५

प्रलय (सर्वनाश) ना० कल्प, कल्पांत, काल,प्रलय, लय; संवर्त, क्षय,

प्रशंसा योग्य (तारीफ के लायक) ना० अनभिशस्य, अनवद्य, अनेवद्य, अनेमन्, अनेमा, असेमन्, असेमा, उकथ्य; पाक, प्रशंसनीय, प्रशस्य ११

प्रश्न (सवाल) ना० अनुयोग, अनुयोजन, पृच्छण, पृच्छा, प्रच्छ, प्रच्छण, प्रश्न. ७

प्रसन्न ना० तृप,तृप्त, प्रतीत,प्रसन्न प्रीत,हृष्ट ५

प्रसिद्धि ना० ख्यात, ख्याति, प्रख्यात, प्रतीत, प्रतीति, प्रथ, प्रथा, प्रथित, प्रसिद्ध, प्रसिद्धि, विख्य, विख्यात, वित्त, विश्रुत, १४

प्रसिद्ध गुणसे ना० आहतलक्षण, आहितलक्षण, कृतलक्षण ३

प्राणी (जीवधारी) ना० चेतन, जन्तु; जन्मिन्, जन्मी, जन्यु, प्राणी. शरीरिन, शरीरी ८

प्रातःकाल ना० अहना, अहर्मुख, उष, उषस्, उषा, ऊष, ओदर्ता, कल्य, काल्य, त्रियामा, प्रत्युष, प्रत्युषस्, प्रत्यूष, प्रत्यूषस्, प्रभात, प्रात, प्रातःकाल, वाजिनी, विभात, विभाती, सूनृता २०

प्राप्त ना० आसादित, प्राप्त, भावित, भूत, लब्ध, विन्न ६

प्रियंगु फूल ना० कंगुका, कटु, करम्भा, कांता, कारम्भा, कृशांगी, कृष्णपुष्पी, गन्धफली, गुन्द्रा, गोवन्दनी, गौरी, गौरीपुष्प, धनिका, पर्णभेदिनी, पीता, प्रियंगु. प्रियवर्णी, प्रियवल्ली, प्रिया, फलप्रिया, फला, फलिनी, फली, फूलप्रियंगु, मंगना, मंगल्या, महिला, महिलाह्वया, मातुलानी, मानिनी, लता, वनिता, वरवर्णिनी, वन्हिशिखा, विश्वक्सेना, विष्वक्सेना, वृत्ता, शुभा, शूद्रार्ता, श्यामा, सवेगा; पर्वतःशुभा, सुभगा, सौवर्णभेदिनी ४४

प्रियवक्ता (मीठाबोलनेवाला) ना० प्रियवक्ता, प्रियम्वद, शक्त, शक्न, शक्नु५

प्रीति ना० अनुराग, नेह, प्रणय, प्रश्रय, प्रसर, प्रियता, प्रीत; प्रेम, प्रेमन्, राग, स्नेह, हार्द १२

प्रीतियुत ना० उत्क, उत्कण्ठितमना. उन्मना ३

प्रेमी (आशिक,) ना० प्रणयी, प्रश्रयी, प्रसरा, प्रसरी प्रेमी. ५

—— फ ——

फटकरी ना० दृढ़रंगा, फाटकी; फिटकरी; रंगदा, रङ्गद्रढा, रंगांगा, शुभ्रा, श्वेता, स्फटिक, स्फटिका, स्फाटकारि, स्फटी. १२

फड़कना ना० फरकना, स्फरण, स्फार, स्फारण, स्फुर, स्फुरण, स्फूर्ति. ७

फण ना० फटा, फण, फणा. ३

फन्दा ना० उन्माथ, कूटयन्त्र, फन्दा, मृगबन्धनी, वागुरा. ५

फफूला (कोकाबेली) ना० अनुष्ण; उत्पल, उत्पलिनी, कन्दोल, कमोदनी, कवेल, कुइया, कुई, कुवल, कुमुत; कुमुद, कुव, कुवल, कुवलय, कुवेल, कोबल, गन्धसोम, गर्दभाह्वय, जलाह्वय, धवलोत्पल, निशापुष्प, निशाह्स, फफूला, रात्रिपुष्प, शशिकान्त; शशिप्रभ, शीतलक, शीतलजल, सोमबन्धु; हिमाब्ज, त्रिंशत्पत्र

फफूला उजला(उजली कमोदिनी) ना० कन्दट, कल्हार, कुमुद, गर्दभ, चन्द्रकान्त, रात्रिहास, शीतलक, शुक्लोत्पल, श्वेतोत्पल, सितोत्पल, सुगन्धिक, सौगंधिक ११

फफूला नीला (नीलीकमोदिनी) ना० इन्दिरावर, कुवलय, कुवेल, नीलकमोदनी, नीलकुमुद; नीलोत्पल ६

फफूलालाल (रक्तकमोदिनी) ना० कृष्णकन्द, कोकनद, रक्तकोकनद, रक्त कुमुद, रक्तकैरव, रक्तकल्हार, रक्तसंध्यक, रक्तसौगन्धिक; रक्तोत्पल; सोमाख्य, हल्लक ११

फरसा ना० कुठार,, परशु, परश्वध; परस्वध, पर्शु, स्वधिति. ६

फरुही (काठकी कुदार) ना० अभ्रि, अभ्रि, अभ्री, काष्ठकुद्दाल, फरुही ५

फरहद ना० कृमिघ्न, पारिजात, पारिजातक, पारिभद्र, बहुपुष्प, मन्दट, मन्दर, मन्दार, रक्तकेशर ६

फरहद वृक्ष ना० पारिभद्रक, रक्त कुसुम, राजभद्रक, सुतिक्तक ४

फरेंदाफल ना० जामुन, जम्बु, जम्बू, जाम्बव; फरेंद, फरेंदा, मेद, राजफला, राजार्हा, शुकप्रिया १०

फरेंदा वृक्ष ना० जम्बु, जम्बुल, जम्बू, जम्बूल, नदीकान्ता, नीलफला, महास्कंधा, श्यामला, सुदर्शन, सुरभिपत्रा १०

फरेंदा छोटा ना० काकजम्बु, कृष्ण फला, जलजम्बूका, दीर्घपत्रा, भृङ्गवल्लभा, भूमरेष्ठा, ह्रस्वजम्बु, ह्रस्वफला, क्षुद्रजम्बु ६

फरेंदाबड़ा ना० कोकिलेष्टा, पिकाप्रिया, फलेन्द्र, महाजम्बु, महाजम्बू, महानीला, महापत्रा, राजजामुन, राजजम्बू, बृहत्फला, सुरभिपत्रा. ११

फरेंदाभूमि ना० काकजम्बु, काष्ठजम्बु, नादेयी, नीललोहिता, भूजम्बु, भूमिजम्बूका, भूमिजम्बु; भूमरेष्टा, मधुप्रिया, ह्रस्वफला १०

—— फा ——

फांका ना० फांका, मुनिभेषज, लंघन, ३

फार ना० कूटक, कृषक, निरीश, निरीष, फल; फार, फाल. ७

फाराहुआ ना० दारित, फारित, भिन्न, भेदित. ४

फालसाफल ना० नागदन्तोपम, नीलचर्म्म, नीलचर्म्मन्, परावर, परावत, परुष, परुषा, परूष, परूषक, पत्रनो म्नुन, फलत्रय, फलसा, फालसा, १३

फालसा वृक्ष ना० गिरिपीलु; परुष वृक्ष, परुषवृक्ष. ३

फाल्गुणमास ना० तपस्य, फागुन, फाल्गुण, फाल्गुणिक, फाल्गुनिक. ५

—— फु ——

फुलवारी ना० आराम, उद्यान, उपवन, कृतारण्य, प्रसूनवटी, प्रसूनवनी, फुलवारी, वाटिका ८

—— फू ——

फूट (फलप्रसिद्ध) ना० इर्व्वारु- शुक्तिका, ईर्वारु; फूट, स्फुटी ४

फूल ना० उत्पल, कुसुम, पुष्प; प्रसून, फलपिता, फूल, मंजरी, ललित, सुम, सुमन, सुमनस्; सुमना, सून १३

१—फूल नामोंपर वाटिका अर्थके शब्द लगाने से फुलवारी के नामहोते हैं जैसे पुष्पवाटिका आदि

फूलका जीरा ना० किञ्जल्क, पीतराग, सिक्थक ३

फूलप्रियंगु=प्रियंगुफूल देखो

—— फे ——

फेकना ना० प्रक्षेपण; प्रेरण, क्षिप, क्षेपणा ४

फेफड़ा ना० फुप्फुस, वातफुल्लान्त्र २

—— फै ——

फैलाव ना० उरुरी, बड़. विग्रह, विस्तर, विस्तार, विस्तीर्ण, विस्तृत, व्यास ८

फैलाहुआ ना० उरु, तत, पृथु, पृथुक, पृथुल, महत, वड, विपुल, विशंकट; विशंकटा, विशंकटी, विशाल, विस्तीर्ण, विस्तृत, बृहत्. १५

—— फो ——

फोड़ा ना० पिडक, पिड़का, फोड़ा, विस्फोट ४

फौज ना० अनीक, अनीकिनी, कटक, चक्र, चमू, ध्वजिनी; पृतना; वरूथ, वरूथनी, वरूथिन, वरूथिनी, बल, वाहिनी, वाहिनी, साधन, सेन, सेना, सैन्य, सेन्या, सैन, सैन्य, सैन्या २२

फौजकाकूच ना० अभिनिर्याण, गम, गमन, प्रस्थान, यात्रा, व्रज्या. ६

फौजका जमाव ना० सर्वसंहनन, सर्वाभिसार, सर्वौघ, ३

फौजका निवास (मुकाम वा पड़ाव) ना० निवेश, शिविर, सेना निवास, सेना वास स्थान; अनीकस्थ. ५

फौजका फैलाव ना० आसार, प्रसरण, प्रसरणा, प्रसारणी, प्रसार्णा. ५

फौजकास्वामी ना० वाहिनीपति, सेनाध्यक्ष, सेनानी, सेनापति ४

—— ब ——

बंधेहुए ना० उदित, उद्दित, बद्ध; मूत, मूर्ण, सन्दानित, सन्दित, सित ८

बकरा ना० अज, गलस्तन, छग, छगल, छगलक, छाग छागल, छागलक, तभ. बकरा, बोकरा, बस्त, स्तभ, स्तुभ, शिशुवाहक

बकरी ना० अजा; गलस्तनी, छगी, छागी, बकरी, बोकरी वसोज, सर्वभक्ष्या ८

बकुची=बाकुची देखो

बकेना वृक्ष (जिसे बकायन नाम कहते हैं) ना० अद्रिका, उद्रेका, काण्ड, कार्मुक, केशमुष्टि, कैटर्य, कैटर्य्य, पार्थिव, कैदर्य; गिरिनिम्ब, जवि, द्रेका, पवनेष्ट, पार्वत, बकायन, महातिक्त, महाद्रेका, महानिम्ब, महारिष्ट, रामक, वननिम्ब; वमनेष्ट, हिमद्रुम २१

बखतर ना० कंचुक, चोलक, बखतर, वाणवार, वारवाण, सनाह ६

बखतर पहिरेहुए ना० अपिनद्ध, आमुक्त, पिनद्ध, प्रतिमुक्त ४

बगल ना० कक्ष, कांख, कोख, बगल, बाहुमूल ५

१—भुजानामों पर मूल अर्थके शब्द लगाने से बगल के नाम होते हैं ॥

बगुला (पक्षी) ना० बक, बकुला, बगला, बगुला, ४

बच औषधि ना० उग्रगंधा, काङ्गा, गोलोमी, चण्डा, जटिला, जीवा, तीक्ष्णगंधा, तीक्ष्णा, भद्रा, मंगल्या, रक्तोघ्नी, बच, बचा; वाशिर, शतपर्वा, शतपर्विका; षडग्रन्था, षडग्रन्थी, सुपर्णा, स्वरालु, क्षुद्रपत्री. २२

बच उजली ना० तीक्ष्णगंधा, दीर्घपत्रिका, मेध्या; श्वेतबचा, हैमवती ५

बचलाल ना० मेध्या; रक्तबचा २

बच्चा (दूधपीनेवाला) ना० उत्तानशयः, उत्तानशया, डिंभा, स्तनंधयी, स्तनंध्या, स्तनपा स्तनपायी. ७

बच्छनाभ (विषविशेष) ना० उग्र, बच्छनाभ, बत्सनाभ ३

बछड़ा ना० बच्छ, बछड़ा, बत्स, शकृत्करि, शकृत्करा; शकृत्करि, सकृत्करी ७

बटुली ना० उखा, उषा, कुण्ड, कुण्डी, पिठर, पिठरी, ६

बटेरपक्षी ना० चित्र, चित्रतनु, फणिखेल बटेर, लवा, लाव, लावा; वर्तीर, वर्तिक, १

बडवाग्नि ना० उर्व्व, उर्व्वा और्व्व, और्व्वा, बड़वाग्नि, बड़वानल, बाड़व. ७

१—अग्नि नामों के पहिले बड़वा शब्द लगाने से बड़वाग्निके नामहोते हैं

बटी वृक्ष ना० नदीवट, नदावट, यज्ञवृक्ष ३

बड़हर फल ना० कार्श्य, दृढ़वल्कल, मुख, रविप्रिय; लकुच, लिकुच, स्थूलस्कंध, क्षुद्र, क्षुद्रपनस, क्षुद्राम्लपनस १०

बड़हर वृक्ष ना० अम्लक, ऐरावत, कषायी, कषायिन्; खगवक्त्र, ग्रन्थिमत्फल, डहु, डहू, लकुच, शूर. १०

बड़ा ना० अभ्रूण, अभ्र, उक्षा, उन्नित, ऋभुक्षा, ऋष्व, ककुह, गंभीर, तवस, तविष, बड़ा, महत्; महिष, माहिन, यह्व, रभस, वर्हिष्ठ, वर्हिषत, वववक्षिथ, विरप्शी, विवक्षसे, विहाया, वृद्ध, बृहत, ब्राधन्. २५

बड़ाई ना० अतिशय, उत्कर्ष, प्रकर्ष, प्रशंसा, बड़ाई ५

बड़ावेग ना० त्वरा, त्वरि, त्वरी, वेग, सम्भ्रम ५

बढ़ई ना० काष्ठतक्ष, तक्षक, त्वष्टृ, बढ़ई; रथकार, वर्द्धकि, वर्द्धकी, वर्द्धकिन्,

बढना ना० एधा, बर्धन, वृद्धि ३

बढनी ना० अपूर्डा, तुरी, बहुकरा, बहुकरी, बुहारि, मार्जनी, शोधनी, समूहन, ६

बतक ना० कलहंस, बतक, बत्तक, बतख ४

बथुआशाक ना० कंकेल्ल, धनामल, चक्रवर्तिन्, चक्रवर्ती, चण्डिल, चन्दूल, ज्वरघ्न, टक्कदेशीय, पाशुपत्र, पिच्छुप्पक, बथुआ, बथुई, बथुवा, राजशाक, राम, वाम, वास्तु, वास्तुक, बास्तूक, शाकराज, शाकवीर, शाकश्रेष्ठ, क्षारपत्र, क्षारपत्रक. २४

बथुआ जंगली ना० कणज्जर, बनवास्तूक. २

बदाम ना० बदाम, बादाम, बातवैरी, वातवैरिन्, वाताद, सुफल ६

बन्दर ना० कपि, कीश, कीस, प्लवग, प्लवंग, प्लवंगम्, प्लवग, प्लवंग, प्लवगम्, वनौका, वनौकस, बन्दर; बलिमुख, वलीमुख, वानर, मर्कट, शाखामृग, हरि, हरी, १९

१—बन्दर नामोंपर पतिअर्थके शब्द लगानेसे बालि और सुग्रीवके नामहोतेहैं

बन्दी ना० टीका, पत्रपाश्या, बन्दी, ललाटभूषण, ललाटिका ५

बन्धन ना० चार, प्रासित, बन्धन ३

बबईपौधा ना० अजगंधा, अजगंधिका, अपेतराक्षसी, अर्जक, अविगन्धिका, असुरसा, उग्रगंध, कररी, कवुरा, कवरा, कबरी, कुठेर, कुठेरक, खरपुष्पा, गरघ्न जम्बीर, तुङ्गी, तुलसीद्वेषा; दोषाक्लेशी, निद्रालु, पूतिमयूरिका, बनतुलसी; मेषालु वरीक, बर्बर, बर्बर, बर्बरा, बर्बरी, वारलीक, श्वेतच्छद, सुगंधि, सुमुख, सुरभि, स्थानचञ्चला ३४

बबई उजली ना० बटपत्र, सितार्ज्जक २

बबईकाली ना० कालमान, कृष्णबर्बक, कृष्णवल्ली, कृष्णार्जक, गन्धपत्र, गरघ्न, पूतगन्ध, बनबर्बर, वायव ६

बबूरबृक्ष ना० अजभक्ष, आभा, कण्टक, कण्टालु, कफान्तक, किंकिराल, गोशृंग, तीक्ष्णकण्टक, दीर्घकण्टक, दृढबीज, पंक्तिबीज, पीतक, बब्बूर, बब्बूल, युगलाख्य, सूक्ष्मपत्र, स्वर्णपुष्प, हेमगौर १८

बरगदबृक्ष ना० अमरा, अवरोहि, अवरोहिन्, अवरोहा, कर्म्मज, जटाल, जाटल, जटिली, जटुल, नन्दिन्, नन्दी, नील, न्यग्रोध, पादरोहण, बहुपात्, बहुपाद्, बहुपाद, भाण्डीर, भूकेश भृङ्गिन्; भृंगी, मण्डलिन्, मण्डली; महाच्छाय, यमप्रिय, यक्षतरु, यक्षावास; रक्तमूत्रफल, रोहिण, रोहिन् रोही, वट, विटपिन्, विटपी, वृहत्पाद, वृक्षनाथ, वृक्षपाक, वैश्रवणालय, वैश्रवणावास, वैश्रवणोदय, शिफारुह, शुंग, शुंगिन, शुंगी, शूलिन, स्कन्धतरु, स्कन्धरुह, क्षीरिन्, क्षीरी ४९

बरदाई ना० वरद, बरदाई, बरदाता, मनोर्थपूरक; समर्द्धक, ५

बराबर ना० तुल्य, बराबर, सदृक्, सदृश, सदृक्ष, सधर्म्म, सम, समान, समानान्तर, सवर्ण, सवर्णा; सज्ञात, १२

बरिआरा पौधा ना० ओदन, बरिआर, बरिआरा; बला, वाट्यालक, वाट्यपुष्पी, वाट्या, वाट्याल, वाट्यालक, वाट्याली, सुवर्णा १२

बर्छा ना० प्राश, प्रास, बर्छा, भाला४

बर्छी ना० कुन्त; बर्छी २

बर्तन ना० अमत्र, आवपन, पात्र, बर्तन, वासन, भाजन, भाण्ड, भाण्डक, भाण्डा ६

बर्मा ना० नट, बर्मा, लास्फोटनी, ३

बर्रै ना० इड्डाचिका, गन्धमक्षी, गन्धाली, गन्धोली, बरई, बरटी; बर्रै, भिड, भिर, बर्बटी ९

बर्रै (कुसुम के बीज) ना० वरटा, वरट्टिका, बर्रै ३

बल ना० ओज, तरस्, तव, तविषी, तवीषी, द्रविण, पराक्रम, पाजस्, प्राण, बल, वीर्य्य, शक्त, शक्ति, शुष्ण, शुष्म, शुष्मन्, शौर्य्य, सहस्, सह,स्थामन्.२०

बलदेव ना० अच्युताग्रज, कामपाल, कालिन्दीभिदन,कालिन्दीभेदन,कृष्णाग्रज, तालांक;नीलाम्बर,प्रलम्बघ्न,प्रलम्बदमन, बरवीर, बल, बलदेव, बलभद्र, बलराम, बलल:, भद्रबल, भद्रबलल,मुशली;मुषली, मुसली, मूशलपाणिक, मूशलपाणी,मूशली राम:, रेवतीरमण, रेवतीरमण, रौहिणेय, संकर्षण, सीरपाणि; सीरपाणी; हलधर, हलायुध, हली. ३३

१—कृष्णनामोंपर, अग्रज औरभ्रात रेवती, नामोंपर रमण, मूशल और हल नामोंपर धर अर्थके शब्दलगानेसे बलदेव जीके नाम होते हैं ॥

बलवान ना० अंसल, ओज, बलगर, बलवान्; बलवाम, बली, मांसल ७

बवासीर रेग ना० अर्श,अर्स,अर्सस्, गुदकील; गुदांकुर, चर्मकील, दुर्नाम, दुर्नामक;दुर्नामन,नवासीर, बवासीर ११

बवासीर खूनी ना० रक्तअर्श, रक्तार्श, रक्तार्शस्. ३

बसंतऋतु ना० ऋतुपति, ऋतुराज, कुसुमाकर,पुष्पसमय; बसंत,मधु, माधव, सुरभि, सुरभी. ९

१—ऋतुनामोंपर पति अर्थके शब्द लगाने से बसंतऋतुके नामहोते हैं ॥

बसूला ना० बसूला,वृक्षभेदन,वृक्षभेदी, वृक्षादन ४

बहिंगी ना० बहंगी,बहिंगी,विहंगिका, विहंगिमा, भारयष्टि, भारयष्टिका, भार यष्टी, ७ ॥ १—येहीखूंटीके भी नामहैं

बहना ना० श्रव, स्रव, स्राव.३

बहादुर ना० बहादुर, बीर, विक्रांत, शूर, शूरबीर५

बहिन ना० बहिन, भगिनी, भग्नी, स्वसा. ४

बहिन छोटी ना० अनुजा,कनिष्ठका, कनिष्ठा, जघन्यजा ४

बहिनबड़ी ना० आत्तिका, अन्निका, अर्तिका, ज्येष्ठाभगिनी४

बहुत ना० अदभ्र, पुरह; पुरु, पुरुह, प्रचुर, प्रभूत, प्राज्य, बहु, बहुत, बहुल, भूमन्, भूय, भूयिष्ठ, भूरि, स्फार, स्फिर,

बहुरूपिया ना० ऐयार, बहरूपिया, बहुरूपिया, भरतपुत्रक, ४

बहेरावृक्ष ना० अक्ष, कफारि, कर्ष, कर्षफल, कलि; कलिद्रुम, कलिन्द, कलिफल, कलिवृक्ष,कल्क, कुशिक, तुमुल, तुष, तैलफल, बहुवीर्य, भूतावास, रोम हर्षण, बहेडुक, बिभीत बिभीतक, बिभीतकी, विषघ्न, संवर्त, सान्द्रपुष्प,हार्य्या,

१—कलि शब्दपर वृक्ष नामकेपर्य्याय लगानेसे बहेरावृक्षके नामहोतेहैं ॥

बहेराफल ना० अनिलघ्नक, कफघात फल, बहेड़, बहेर, बहेरा, सौभेद्रय, ६

—— बा ——

बांझककोड़ी (खखसा) ना० ईश्वरी कन्दवल्ली, कन्या, कुमारी, गर्भदात्री, तारसदुमसान्निभा, दिव्या; देवी, नागहंत्री, नागाराति, परा, पुत्रदा. बांझककोड़ी, भूतहंत्री; मनोज्ञा, योगेश्वरी, वन्ध्या, वन्ध्याकर्कोटिकी, विषकण्टकिनी, श्रीवन्दा, सर्पदमनी, सुगन्धा. १२

बांदा ना० उपर्दा, काकरुहा, कामतरु, कामवृक्ष, कामिनी, केशरूपा, गंधमादनी, जीवन्तिका, जीवन्ती, तरुभुक्, तरुभुज्, तरुरुहा, तरुरोहिणी, तरुस्था, नीलवल्ली, परपुष्टा, परवासिका, परवासिनी; पराश्रया, पादपरुहा, बांदा, बन्दका, बन्दा, बन्दाक, बन्दाका, बन्दाकी, बन्ध्या, वशिनी, वृक्षभक्षा, वृक्षरुहा, वृक्षादनी, श्यामा, सेव्या. ३३

बांस ना० कण्टालु कर्म्मार, कान्तार; कार्मुक, किलाटी, किलाटिन् त्वक्कुपर्व्वा त्वक्कुपर्व्वन्, तृणकेतु, तृणकेतुक, तृणध्वज, तेजन, त्वक्सार, त्वचिसार; दृढग्रंथि, दृढपत्र, धनुर्द्रुम, धनुर्वृक्ष, धानुष्य, फलान्त; पृत्युबीज, यवफल, वंश, वन्हिगर्भ शतपर्व, वेणु, शतपर्व्वा, शतपर्व्वन्, सतील, सन्तान, सुपर्वन, सुपर्वा. ३२

बांसके चांवल ना० वंशज, वंशतंडुल, वंशधान्य, वंशफल, वेणुज, वेणुयव, वेणुबीज, वैणव. ८

बांसकी छाल ना० तमाल, तमालक, वंशत्वक. ३

बांस छेदवाला ना० कीचक.

बाकला—औ पमारके नाम हैं वेही बाकलाके नामहैं ॥

बाकुची औ० ना० अवल्गुज, ऐन्दवी, कान्तिदा, काम्बोजी, कालमेषी, कुष्ठनाशिनी, कुष्ठहन्त्री, कृष्णप्रतिफला, कृष्णफला, कृष्णा, किमिभ्नी, चन्द्रप्रभा, चंद्ररेखा, चन्द्रलेखा, चन्द्री, छेलु; त्वग्दोषवहा, नेत्रगाहा, पानीयमूलक, पूतिगंधिका, पूतिफला, पूतिफली, प्रतिफला, भूकेशी, मसन, मासन, वल्गुला, वाकुची, वागुजी वापची, वावची, वेगाती, शमिर, शशिरेखा, शूलोत्खा, श्यामा, सिता, सितावरी, सुपर्णिका, सुप्रभा, सुवलि, सुवल्ली, सोमराजू, सोमराट्, सोमराजिका, सोमराजिन्, सोमराजी, सोमवल्लिका, सोमवल्ली, त्रयी. ४९

बाघ ना० द्वीपी, बाघ, व्याघ्र, शार्दूल

बाजपक्षी ना० आमिषप्रिय, गरुत्योधिन, पत्री, बाज, मीनर, शशादन, श्येन, सचान, सिचान, श्येन १०

बाजार ना० आपण; निषद्या, पण्य, पण्यशाला, विपाग, विपण, बाजार, हट्ट हाट ९

बाजी ना० ग्लह, पण, बाजी. ३

बाजूबन्द ना० अंगद, अन्तु, अन्दुक, अन्दू, अन्दूक, केयूर; बाजूबन्द, बिजायट,

बादाम ना० चोच, नेत्रोपम, नेत्रोपफल बदाम, बातवैरी, वादाम; सुफल. ७

बामन ना० खर्व, नीच, न्यक, न्यञ्च,

न्यच, लघु, लघू, वामन; ह्रस्व. ६

बार ना० अलक, कच,कुन्तळ, केश; चिकर, चिकुर, चिकूर, बार, बाल, शिखण्डक,शिरदेश, शिरोरुह,शिरोरूह.११

बारटद्दे ना० अलक, चूर्णकुन्तळ. २

बारसुन्दर ना० अलक, शिरस्य, शीर्षस्य, सुभ्ररकच, ४

बारों का समूह ना० कचपक्ष, कच पाश, कचहस्त, कुन्तलहस्त, केशपक्ष, केशपाश, कैशिक, कैश्य. ८

बारहसिंगा ना० बहुविषाणक, बारह सिंगा, बारहसिंहा, रुरु. ४

बालक ना० बाल, बालक, माणव, माणवक ४

बाल लीला ना०कुर्दन,कूर्दन क्रीड़ा, बालळील, बाललीला, लीला. ६

बालछड़ ना० चक्रवर्तिनी, जटावती, जटिला, भूतजटा, लोमशा, वहिनी, ६

बालू ना० इष्टगंध, बालु, बालुक, बालुका, रेणु, रेता ६

बासन्ती (लता) ना०बसंतगा,बासंती, महाजाति ३

बाहु ना० अग्नवान, अभीशु;आयनि, दोषन; दोषा, दोस, प्रवेष्ठा, बाह, बाहु, भरित्र, भुज, भुजा, भुरिज, भूषणाहु, क्षिपति; क्षिपस्ति, क्षिपस्ती. १७

—— ✱ **बि** ✱ ——

बिगाड़ ना० पर्यवस्था, पर्यवस्थान, प्रत्यवस्था, बिगाड़, विरोध,विरोधन. ५

बिछिया ना० कोटितुला,चरणाभरण, तुलाकोटि, नूपुर, पदांगद, पदांगुद, पाद कटक, बिछिया, बिछुआ,मंजीर, मंजीळ, मैनिक, मैनकी, शृंखल, शृंखला, हंसक,

बिछौना ना० बिछवना, बिछौना, शयन, शयनीय, शय्या ५

बिजुली ना० आकाशजी; ऐरावती, घनज्योति, घनज्वाला, घनवल्लिका, घन वल्ली, चंचला, चपला, छटा, छटाभा, तड़ित, दामिनि, दामिनी;बिजली,बिजुली, विद्युत्, शतह्रदा,शम्पा, शम्बा,सौदामनी, सौदामिनी,सौदाम्नी,ह्रादिनी,क्षणप्रकाशा, क्षणद्युति, क्षणप्रभा, २६

बिजुली का गर्जन (कौंधा) ना० वज्रनिर्घोष, वज्रनिष्पेष, विस्फुर्ज, विस्फूर्जथु, स्फुर्ज, स्फूर्ज, स्फुर्जथु, स्फूर्जथु, स्फूर्जन, ९

बिजौरा नींबू=नींबू बिजौरा देखो

बिनौर ना० कर्पासबीज, कर्पासबीज, तूलशर्करा, वदर, बिनौर, बिनौला.६

बिलाव ना० आखुभुक ... ार मारजार, मार्जार,बिड़ाल, ... ; ... वृषदंश... ६

१—मूसा नामोंपर, भु... श०,लगाने से बिलावके नामहोते हैं॥

बिलावबन(जंगलीबिलाव)ना०खट्टाश, खट्टास, वनजन्तु, बनमार्जार,बनबिलार, बनबिलाव ६

बिल्ली ना०आखुभुक,ओतु, बिळारि, बिलारी, बिल्ली; मंजारि,मंजारी,मार्जारी; बिड़ारि, बिडारी, बिडाली, बिराला, बि-

लाल, वृषदंशका. १४

बिरोजा (गंधाबिरोजा) ना० गन्धसांगक, बिरोजा २

बिवाह (निकाह) ना० उद्वाह, उपयम, उपयाम, करपीड़न, दारकर्म, निवेश, परिणय, परिणयन, परिभव, पाणिग्रह. पाणिग्रहण, पाणिग्रहन, पाणिग्राह, पाणिपीड़न, वियाह; विवाह, ब्याह; परिणाह. १८

—— बी ——

बीच ना० अन्तर;अन्तरा, अन्तराय, अन्तराळ, अन्तरस्थ, अभ्यंतर, बिच, मध्य, ८

बीछी ना० अलि, अलिन; अली, आलि, आलिन्द, आली, आलिन, द्रुण, द्रूण, द्रोण, बीछी, बीछू, वृश्चिक. १३

१—बीछी नामोंपर वृक्ष नामके शब्द लगाने से बीछू वृक्ष के नाम होते हैं ॥

बीदाना ना० पाटला, पिच्छलबीज; बीदाना, बिहदाना, हेमबीज ५

बीरवहूटी ना०अग्निरजाःअग्निरजास्, इन्द्रगोप, इन्द्रवधू, बीरवहूटी; भासुर, भास्वर.७

—— बु ——

बुखार ना० ज्वर,महागद,रोगश्रेष्ठ ३

बुढ़ापा ना० जरा, जीर्णि, विस्रसा, बुढापा, वार्द्ध,वार्द्धक,वृद्धत्व,वृद्धावस्था. स्थाविर ९

बुद्धि ना० अभिख्या, उपलब्धि, उपलब्धी, चित्, चेतना; चेतय, धिषणा, धिषना, धी, धीद, प्रतिपद, प्रज्ञान. प्रेक्षा, बुद्धि, मत, मति, मती, मनीषा; मनीषी, माया, मेध, मेधा, शची;शेमुखी, शेमुषी, संविद, ज्ञप्ति, ज्ञा २८

बुध (ग्रह) ना० इलापति, बुध, रौहिणेय, सोमसुत, सौम्य, ज्ञः६

बुध(बौद्धदेव)ना० अद्वय, अद्वयवादिन्, अद्वयवादी,अद्वैतवादिन्,अद्वैतवादी, अर्कबन्धु,गौतम,दशबल,दशभूमिग,बुद्ध;बुध; बोध, बौद्ध,बौध,मायादेवीसुत,माराजित्, मुनि, मुनीन्द्र, मुनीश; मुनीश्वर, लोकजित, विनायक, शाक्य, शाक्यमुनि, शाक्यसिंह, शास्ता; शास्तृ, श्रीघन, शौद्धोदनि, समन्तभद्र, सर्वज्ञ; सुगत. ३०

बुहारनेवाला ना० खलपू, बहुकर, बहुकरा, ३

—— बू ——

बूढ़ा ना० जरा, जरठ; जरन्त, जरसान, जरिन, जर्ण, जीर्ण, प्रवयण,बूढ़ा, वृद्ध,स्थाविर. ११

बूढ़ा अति ना० अतिबूढ़ा, ज्यायस, वर्षीयस ३

—— बे ——

बेठन ना०अच्छादन,आवरण,ओहार, निचोल, प्रच्छद, प्रच्छदपट, प्रच्छादन, बेठन, बेष्ठन. ९

बेत ना०अप्रिय,कर्कश,बेत,बेतसी,वेत्र, मृदुपर्व्वक, विदुल, विल, वेतस, सुदण्ड

बेतमारने योग्य ना० कशाघातनीय, कशार्ह, कश्य ३

बेंतवृत्त ना० अभ्रपुष्प, कलन, गन्धपुष्प, दीर्घपत्रक, नमूक, निचुल, मंजरीनम्र, रथ, रथपर्य्याय, रथाभ्र, रथाभ्रपुष्प, वंजुल; वंजुलप्रिय, वानीर, विदुल, वेतसवृत्त, शीत, सुषेण. १८

बेंतजल ना० अम्बुवेतस, जलबेंत, नादेय, नादेयी, निकुञ्जक, वानीर, विदुल

बेर (फल) ना० कुवल, कोल, कोलिफल, कोवल, गूढफल, तरफल, फेनिल बदर; बदरीफल, बेर, बालेष्ट, वृत्तफल, सुफल, सुवीर्य्य, सौवीर, स्वादुफल, स्वादुफला. १७

बेरबड़ा ना० उत्तमकोल, गोरक्षजम्बु, पृथुकोल, मधुरफल, राजबदर; राजबल्लभ, राजबेर ७.

बेरवृत्त (बेरी) ना० कण्टकिन, कण्टकी, कर्कन्धु, कर्कन्धू, कल, कुकोल, कुवली, कोल, कोलि, कोली, कोलिक वृत्त, गृध्रनखी, दृढवीज, विच्छलदला, कलशोशर; फेनिल बदर, बदार, बदरी, बक्रकण्ट, सौवीरक, स्निग्धपत्रा. २२

बेरभरा ना० कर्कशिका, भड़बेर, फलकर्कश, बेरभरा, बेलभरा, लघुबदर, वनबदर, शिखिप्रिय. ८

बेरभरावृत्त ना० भड़बेरी, बदरफली; बदरबल्ली, बहुफलिका, भूबदरी; लघुबदरी, वनबदरी, वनकोलि, बल्लीबदरी, सूक्ष्मबदरी. १०

बेलपत्री ना० ज्वरापहा, बिल्वपत्री, बिल्वपत्रिका, ३

बेलफल ना० गोहित, बिल्व, बेल, श्रीफल ४

बेलवृत्त ना० अतिमंगल्य, कर्कटाह्वय, कर्कोटक, कपीतन, गन्धपत्र, गन्धफल, गोहरीतकी, चैत्य, दुरारुह, पत्रश्रेष्ठ, पूतिवात, प्रतिवात, प्राचीनपनस, मंगल्य, महाकपित्थ, महाफल, महेशबन्धु, मालूर, मृत्युवंचन, लक्ष्मीफल, विल्व, शलाटु, शाण्डिल्य, शिवद्रुम, शैलूष, शैलपत्र, श्रीफल, सत्यफल, सदाफल, सर्वसिद्धि, सुभद्रक, सुभीतिक, हृद्यगंध, त्रिजटा, त्रिपत्र, त्रिशाखपत्र, त्रिशिख. ३७

बेलावृत्त ना० तृणशून्य, तृणशून्या, तृणशून्य, नारीष्टा, प्रिया; भद्रमल्लिका, भद्रबल्ली, भूपदि, भूपदी, मदयन्तिका, मदयन्ती, मल्ला, मल्ली, मल्लिका, माधुर, मुकुर, मोदिनी, वनचन्द्रिका, वनज्योत्स्ना शतभीरु, शीतभीरु, सितपुष्पा, त्रिपुटा २३

१—मल्लिकाशतभीरुश्च गन्धाढ्ये भद्रमल्लिका, शीतभीरुर्मदयन्ती, भूपदीतृणशून्यका ॥ मितिवाचस्पति

२—येभल्लिका, मोगरी और मकरन्द के भी नामहैं ॥

बेलाजंगली ना० आस्फोटा, आस्फोता, वनोद्भवा, वनमल्ली, वनमल्लिका, मोदयन्ती. ६

१—आस्फोता गिरि करायांच वन मल्ल्यांच यार्त्तितीति मेदिनी ॥

——❀ बै ❀——

बैल ना० अनडुह, अनड्वाह; उक्षन.

उक्षा, ऋषभ, बलिवद, बर्धं, बलीवर्द, वलीवर्द,भद्र,बिरसन,वृष,वृषभ, शक्कर, शक्खन, शक्खर, सौरभेय १७

बैल (एकधुरा लेजानेवाला) ना० एकधुर, एकधुरावह, एकधुरीण, ३

बैलजोतू (बैलबर्ला) ना० धुरंधर, धुरीण, धुर्य्य, धूर्धर, धूर्वह; धौरेय ६

बैलबड़ा ना०जरद्गव,जरद्गवी, वृद्धवृषभ, वृद्धोक्ष ४

बैसाख ना० विशाखु, वैशाख, वैसाख माधव, राध. ५

——बो——

बोझिया ना० बोझिया, भारवाह, भारिक, भारिन्. भारी. ५

बोरा ना० प्रसेव, बोरा, स्यूत, स्यून, स्योत, स्योन ६

बोल (गंधद्रव्य) ना० कालकूट, गंधरस, गान्धार, गोप गोपक, गोपरस, गोल, गोलक, गोस, जातीरस, पिण्ड, पिण्डक, बोर, बोळ, महागंध, मुण्ड,रक्त गंधक, रक्तापह, रस, रसगंध, रसाळ, वर्व्वर; विश्व, विश्वगंध, विष, शश, शशक, शुभगन्धक, सौरभ. २६

बोलना या शब्दकरना ना० क्वण बण, रण ३

——बौ——

बौंडी ना० प्रतति, प्रतती,बोल, लता, बल्लरि, वल्लरी, बल्लि, बल्ली, विटप, वीरुधा, व्रतति, वृतती. १२

बौंडीफैलीहुई ना० उलपः, गुल्मिनी; गुल्मी, वीरुध्, ४

ब्यवाई ना० पाद्स्फोट; विवार्यी, बेवार्यी, ब्यवाई, विपादिका, ५

ब्रह्मदण्डी (औषधि विशेष) ना० कण्टपत्रफला, ब्रह्मदण्डी२

ब्रह्मा ना० अज, अण्डज,अब्जज, अब्जभव, अब्जभू अब्जयोनि, अब्जयोनी, अब्जस्थिति, आत्मभू, आत्मयोनि, कः, कमलज; कमलजन्मन्, कमलभव, कमलासन, कमलासीन, चतुरमुख, चतुरानन, जगतप्रभु, जगतयोनि, जगतसृष्ट, द्रुघण, द्रुहण, द्रुहिण, धाता, धातृ, नाभिज, नाभिजन्मन्, नाभिभू,पंकजज,पंकजजन्मन्, परमेष्ट, परमेष्टिन्, परमेष्ठी, पद्मालय, पद्मासन, पद्मोद्भव, पितामह, प्रजापति, प्रजासृज्, ब्रह्मन्, ब्रह्मा, लोकनाथ; लोकपति, लोकपितामह, लोकेश, विधाता, विधातृ, विरञ्च, विरञ्चि, विश्वयोनि, विश्वसृज; वेधस्; शतधृति, सुरज्येष्ठ, स्रष्टा, स्रष्टृ, स्वयम्भुव, स्वयंभू, हंसवा, हन, हिरण्यगर्भ. ६१

१—हंस नामोंपर, वाहन अर्थके शब्द लगाने से ब्रह्माके नामहोते हैं॥

२—कमल नामोंपर सुत नामके शब्द लगाने से ब्रह्मा के नाम होते हैं॥

३—लोक शब्दपर नाथ अर्थके शब्द लगाने से ब्रह्मा के नाम होते हैं॥

ब्राह्मण ना० अग्रजन्मन, अग्रजन्मा, द्विज, द्विजन्मन्, द्विजन्मा, द्विजाति,ब्राह्मण,

ब्राह्मन, भूदेव, भूमिदेव, भूसुर, वाड़व, विप्र. १३

१—भूमि नामोंपर देवतानामके शब्द लगाने से ब्राह्मण के नामहोते हैं ॥

ब्राह्मी (औषधि) ना० कपोतवंका, चन्द्रवल्लरी, दिव्यतेज, दिव्यतेजस्, दिव्या, परमेष्ठिनी, वरा, ब्रह्मकन्यका, ब्रह्मचारिणी, ब्रह्मी, ब्राह्मी, भारती, मण्डूकमाता; मण्डूकी, मत्स्याक्षी, महौषधी, मेध्या, वरा, वीरा, वैधात्री, शारदा, सरस्वती, सुरश्रेष्ठा; सुरसा, सुरेष्टा, सोमवल्लरी, सोमवल्ली, सौम्या, स्वायम्भुवी.

——❀ भ ❀——

भंगरा ना० अंगारक, अंगारवल्ली, अंगारवल्लरी, अंगारलता, अंगार्कि, अजागर; अविद्धकर्णा, एकरज, करंजक, कुन्तलवर्द्धन, केशरंजन, केशराज, केश्य, पितृप्रिय, भंगरा, भृंग, भृंगरज, भृंगरजस्, भृंगरजा, भृंगराज, भृंगराजन, भृंगराजा, भृंगार, भृंगाह्व, मधुकर, महानील, मार्क, मार्कर, मार्कव, सुनामक. ३०

भंगरानीला ना० नीलपुष्प, नीलभृंगराज, महाभृंग ३

भंगरापीला ना० देवप्रिय, पावन, पीतभृंगराज, वन्दनीय, स्वर्णभृंगार, हरिप्रिया.

भग (स्त्रीचिन्ह) ना० उपस्थ, पुष्पपथ, बन्धुर, भग, मदनायुध, मदनालय, योनि, योनी. ८

भगन्दररोग ना० उष्ट्रशिरोधर, भगन्दर.२

भटकटैया, (कटैया देखो)

भटेउरा ना० नाकपुष्प, गुच्छक, ग्रंथिक, ग्रंथिपर्ण; तेजपर्णक, नीलपुष्प, सुगंध.७

भद्रचूड़वृक्ष ना० राजवृक्ष, लंकास्थ.यी, लंकास्थायिन, विशाकर ४

भद्रदन्ती ना० केशरुहा, जयारुहा, जयाह्वा, ज्वरांगी, भद्रदन्ती, भद्रदंतिका, विषभद्रा. ७

भयानक ना० घोर, दारुण, प्रतिभय, भय भयकारी, भयंकर, भयानक; भीम, भीषण, भीष्म, भैरव, भ्यानक, रौद्र. १२

——❀ भा ❀——

भांग ना० अजया, आनन्दा, इन्द्राशन, गजाशना, चपला, जया, भंग, भांग, भांगा, मत्कुणारि, मातुलानी, मदनी, विजया, बीरपत्रा, शक्राशन, शण, संमदा, हर्षिणी, त्रैलोक्यविजया. १६

भांटा ना० कण्टालु, चित्रफला; चित्रफला, निद्रालु, नीलफला, नीलवृषा, नृपप्रियफला, बाडिंगन, भण्टा, भण्टाकी, भांटा, महाबृहती, मांसफला, मांसलफला, मिश्रवर्णफला, रक्तफला, रक्तवर्द्धन, राजकूष्माण्ड, बंग, वंगण, वंगन, वातिग, वातिगम, वार्तिगन, वार्ता, वार्ताक, वार्ताकि, वार्ताकिन्, वार्ताकी वार्ताकु, वर्ताकु, वार्तिक, वृताक वृन्ताकी, वेर, शाकबिल्व, शाकबिल्वक, शाकश्रेष्ठा, हिण्डीर, हिंगुली,

भांटाउजला ना० श्वेतबैंगन, श्वेतवार्ताक, श्वेतवार्ताकी, ३

भांड़ ना० कथिक देखो

भाई ना० बन्धु बांधव, भाई, भ्रात, सगोत्र, सनाभि, सहोदर, सज्ञात, सोदर्य, स्व:, स्वजन. ११

भाईगोती ना० एकगोत्र, गोतीभाई, बन्धु, बान्धव, सगोत्र, स्व:,स्वजन,स्वा:, स्वौ:, ज्ञाति. १०

भाईछोटा ना० अनिशायन, अनुज, अवरज, कनिष्ठ, कनीय, कनीयस्, कनीयान्, कन्यस, जघन्यज, भ्रीय, यविष्ठ; यवीय, यवीयस्, यवीयान्, १४

भाईबड़ा ना० अग्रज, अग्रिम,अग्रिय, अग्रीय, अग्र्य, जेठाभाई,ज्येष्ठ, ज्येष्ठबंधु पूर्वज ९

भाईसगा ना० सगर्भ्य, समानोदर्य्य; सहज, सहोदर, सोदर; सोदर्य. ६

भागजाना (भागना) ना० अपक्रम, अपयान, उद्द्राव, द्रव, पलायन, प्रद्राव, विद्रव; संद्राव, संद्राव ६

भाग्य ना० उदय, दिष्ट, दैव, दैष्ट्य, नियति, प्रारब्ध, प्रारब्धि, प्राक्तन, प्राक्तधि, भाग; भागधेय, भाग्य, भाग्यधेय, विधि. १४

भाग्यमान ना० धन्य, पुण्यवान, भाग्यवान, भाग्यमान. सुकृती, सुकृतिन्, ६

भात ना० अन्न, अन्ध,: अन्धस्, ओदन, दीदिवि, भक्त, भात; भिस्सा, भिस्सा, याज.१०

भातकामाड़ ना० आचाम, निस्रव, निश्राव, माड़, मासर ५

भादोंमास ना० नभस्य, प्रोष्टपद; प्रौष्टपद, भाद्र; भादौं, भाद्र; भाद्रपद;

भारंगी औषधि ना० अङ्गारपर्णी, अङ्गारवल्ली, आरटी,काञ्जिका,कासजित्, खरशाक, गर्द्दभशाक, गर्द्दभशाका, गर्द्दभशाखी,पद्मा,काञ्जिका, फञ्जी,बहुसंतति, बालेय, बालेयशाक, ब्रह्मचारणी,ब्रह्मदण्ड, ब्रह्मनेटि, ब्रह्मयष्टि,ब्रह्मयष्टिका,ब्रह्मयष्टी, ब्रह्मी; ब्राह्मणयष्टिका, ब्राह्मणयष्टी, ब्राह्मणी, ब्राह्मिका, ब्राह्मी, भारङ्गी, भारता, भार्ङ्गी, भृंगजा,भृंगेष्टा,भ्रमरेष्टा, मार्कण्डी, मुग्धीता, वर्द्ध, वर्द्धक वर्ब्बर, वर्ब्ब, वरीक, वातारि, विप्र, व्रणद्विट्, व्रणद्विष्, शक्रमाता, शान्त्वति, श्वान्नाति, सुरूपा, स्थूलवर्त्मकृत्, हञ्जिका ५०

भाला ना० प्रास, भ्राम;बर्छी, भाला४

——❀ भि ❀——

भिखारनीकापुत्र(जोव्यभिचारसेहो) ना० कालकेय, कौलटिनेय,कौलटेय, कौलटेर, भिक्षुकात्मज. ५

भिखारनीकी पुत्री (जो व्यभिचार सेहो) ना० कालकेया, कौलटिनेया, कौलटेया, कौलटेरा; भिक्षुकात्मजा भिक्षुकात्मजा, भिक्षुकापुत्री, भिक्षुकासुता, ८

भिण्डीवृक्ष ना० अमूपत्रक, करपर्ण; चतुष्पुण्ड्र; भिण्ड, भिण्डक, भिण्डा, भिण्डीतक,७

भिण्डी फल ना० वृत्तबीज, सुशाक, रोम स्तम्भन. ३

भिन्न ना० अन्य, अन्यत, अन्यतर, अन्यतम, अलग, इतर, एक, एकतर, त्वत, भिन्न. १०

भिलावांफल ना० अरुष्कर,क्रमिघ्न, दहन, भल्लातक, भिलावा. भिलावां; बृषांक, ब्रणकृत्, शोथजित्, ९

भिलावांबृक्ष ना० अग्नि, अग्निमुख, अनल, अंतःसत्वा, अरुष्क, अर्शोहित, अहुला,तपन,दहन,दुर्वर,धनुर्बृक्ष,निर्दहन पावक, पावकसंज्ञक, पृथग्बीज, भल्लात, भल्लातक,भल्लातकी,भल्लिका;भल्लीका, भूतनाशन, महातीक्ष्णा, रक्ताघ्न, वन्हि, वन्हिनामा, वन्हिनामन्, वातारि, विषास्या, बीजपादप, वीरतरु, वीरबृक्षः शैलबीज, शोफहृत्, स्फोटबीजक. ३४

——भी——

भीम ना० कीचकजित्; कीचकरिपु, कीचकशत्रु, कुरुबृद्ध, भीम, वायुकुमार, वायुजात, वायुतनय,वायुनन्दन वायुपुत्र, वायुसुत, वायुसूनु, बृकोदर.१२

१—पवन नामोंपर पुत्रनामके शब्द लगाने से भीमके नामहोते हैं॥

——भु——

भुईफोड़ ना० उच्छिलीन्ध्र, ऊर्ध्वग, छत्रिका, दिलीर, शिलीध्रक,५

——भू——

भूख ना० अशनाया, बुभुक्षा, भूख, क्षुध, क्षुधा. ५

भूखा ना० अशनायित, जिघत्सु, बुभुक्षित, क्षुधित ४

भूमि ना० अचला, अदिति, अनन्ता, अम्बरा, अवनि, अवनी, इला, इलिका, उरवी, उर्वरा, उर्वी, काश्यपी, कुः,केलिशुषि, गातु; गातू, गात्रा, गो, गोत्रा, ग्मा, जगती, द्वीपवती, धरणि, धरणी, धरती, धरा, धरित्री, धरीत्री, धात्री, पुहुमि; पुहुमी, पूषा, पृथवी, पृथिवी, पृथ्वि, पृथ्वी, भू, भूतधरा, भूतधारिणी, भूतधात्री, भूमि,भूमिका, भूमी, महि,मही, मेदनी, मेदिनी, रत्नगर्भा, रसा, वसुधा, वसुन्धरा, वसुमती, विपुला, विश्वम्भरा, सर्वसहा, सर्वसहा, सहा, सागरधरा, सागरनेमि, सागरमेखला, सागराम्बरा, क्षमा, क्षिति, क्षिती, क्षोणि, क्षोणी, क्षौणि क्षौणी, क्ष्मा. ६६

१—भूमि नामोंपर धर लगाने से कच्छप पहाड़ और शेशजीके नामहोते हैं

२—भूमिनामोंपर पति अर्थ के शब्द लगानेसे राजा और क्षत्रियोंके नामहोतेहैं

३—भूमि नामोंपर रुह शब्दलगाने से बृक्षके नामहोतेहैं जैसे भूरुह आदि

४—भूमि नामोंपर सुतनामके शब्द लगाने से मंगलग्रह के नामहोतेहैं

५—भूमि नामोंपर सुता नामके शब्द लगाने से जानकीजी, तिनपर पति अर्थी शब्दलगाने से रामचन्द्रजीके नामहोते हैं

६—भूमिनामों पर सुर शब्द लगाने से ब्राह्मण के नामहोते हैं जैसे भूसुर

—— भे ——

भेजाहुआ ना० अस्त, आविद्ध, ईरित, नुत्त, नुन्न, प्रेरित; प्रेषित क्षिप्त. ८

भेट ना० (नज़र) ना० उपग्राह्य, उपदा, उपहार, उपादेय, उपायन ५

भेड़हा ना० इहामृग, ईहामृग, कोक, भेड़हा, भेड़िया मृगधूर्तक, वृक ७

भेड़ा ना० उरण, उरभ्र; ऊर्णायु, एड़क, मेढ़; मेढा, मेष; मेण्ढ, वृष्णि, शिशुवाहक, हुड; हुडु, हुण्ड. १३

भेड़ी ना० अविक, अविता, अविला, अवी, उरग्रा, उरणा, उरभ्र, ऊर्णायु, एड़का, गड्डुर, गड्डल, जालकिनी, भेड़, भेड़ी, मेंढ १९

भैंसा ना० कासर, कासार, माहिष, लुलाप, लुलाय, वाहद्विषत, विपज्वर, सैरिभ ८

१—भैंसानामोंपर सुर शब्द लगानेसे महिषासुर दैत्यके नामहोते हैं ॥

२—भैंसा नामोंपर बाहन अर्थ के शब्द लगाने से यमराजके नाम होतेहैं

भैंसी ना० माहिषी, लुलापा, लुलाया, सैरभी

भैंसाकन्द ना० महिषकन्द, लुलाप कन्द, विषकन्द, शुक्लकन्द, शुभालु.५

भोजन ना० अदन, अशन, असन, अहार, आहार, खादन, जग्धि, जमन, जीमन, जेमन, निवस, न्याद, भक्ष, भक्षण, भक्षन, भुक्ति, भोग, भोजन, लेप, लेपन, लेह, लेहन; विघस, २३

—— भो ——

भोजनकरनेवाला ना० अदन, अशन, खादक, भक्षक, भक्षकार, भुज, लेपक ७

भोजन का मसाला ना० उपस्कर; वेशवार. वेसवार ३

भोजपत्र ना० कवचपत्र, पत्रपुष्पक, पत्राङ्ग, पित्तल, भूर्ज; भोजपत्र.लेखन;

भोजपत्र वृक्ष ना० चर्म्मद्रुम चर्म्मी, चर्म्मिन्, चित्रत्वक्, चित्रत्वच्, छत्रपत्र, छदपत्र, दलनिर्मोक, पत्रकी, पद्माकिन, बहुत्वक्, बहुत्वच्; भूतघ्न, भूर्ज, भूर्जपत्र, भूर्जपत्रक, भूर्जवृक्ष, मृदुचर्म्मिन्, मृदुचर्म्मी, मृदुच्छद, मृदुत्वक्, मृदुत्वच्, रक्षापत्र, वल्कद्रुम, विचित्रक, विद्यादल, विन्दुपत्र, शिति, शिली, शिवि, सुचर्म्मन्, सुचर्म्मा, स्थिरच्छद. ३३

—— भौ ——

भौंरा ना० अलि; अली; चंचरीक, दुरेफ, द्विरेफ, भंवर, भंवरा, भृंग, भौंरा भृंग, भ्रमर, मधुकर, मधुप, मधुपा, मधु पायिन्, मधुपायी, मधुरसिक; मधुलिह, मधुलेह, मधुव्रत, मधुसख, मधुसूदन, रोलम्ब, शिलीमुख, षट्पद, षटपद, सारंग २८

भौंह ना० भ्रुकुटि, भ्रुकुटी, भौंह, भौं, भ्रुकुटि, भ्रू.६

भ्रमज्ञान ना० अयथार्थज्ञान, भ्रम, भ्रमज्ञान, भ्रांत, मिथ्यामति ५

—— म ——

मंगता ना० अर्थिक, अर्थिन्, अर्थी, मार्गण, याचक, याचनक, वनीयक.७

मंगलग्रह ना० अङ्गारक, आर; कुज, धरणिसुत, धरणीसुअन, भूतात, भूमिसुत, भौम, मंगल, महीलाल, महीसुत, लोहितांग,

१—भूमि नामोंपर, सुत अर्थके शब्द लगाने से मंगलके नामहोतेहैं

मकरी ना० ऊर्णनाभ, ऊर्णनाभि, जालकारक, तंतवाय, तंतुवाय, तन्त्रवाय, मकड़ी, मकरी, मर्कक, मर्कट, मर्कटक, लूता, सूत्रा

मकोय ना० कटुकपाणि, कटुफला, काकमाचि, काकमाची, काकमाता, काका; मकोय, रसायनी, वायसाह्वा, वायसी, सर्वतिक्ता, सुन्दरी, १२

मक्खन ना० कलम्बुट; छात्रदर्शन, जीवन, दधिज, दधिसार, नयनू, नवनीत, नैनू, मक्खन, मन्थज, माखन, शुक्ल, सरज, सार, हिम, हैयंगवीन. १६

मखाना ना० पद्मबीजाभ, पानीयफल, मखान्न, मखाना. ४

मकर तेंदुआ वृक्ष ना० काकतिन्दुक, काकपीलु, कालपीलुक, कुपीलु, कुलक, जलज, मर्कटतिन्दुक, मर्कटेन्दु, विषतिन्दु

मगज ना० मस्कस्नेह, मस्तिष्क; मस्तुलुंग, मस्तुलुंगक. ४

मगर (जलजन्तु) ना० अम्बुकिरात, असिदन्त, असिदंष्ट्र, असिदंष्ट्रक, ग्राह, मकर, मगर, शिशुमार ८

मछली ना० अण्डज, अण्डजा; अण्डभव, झख, झष, तिमि, तिमिंगिल, तिमिंगिला, तिमी, पृथुरोमन्, पृथुरोमा, पृथुलोमन्, पृथुलोमा, प्रोष्ठ, प्रौष्ठी, मकर मच्छ, मच्छी, मछरी, मछली, मत्स, मत्स्य, मीन, राजीव, विसार, विसारिन्, वैसारिण, शकलिन्, शकली, शकुल, शकुली, शकुलार्भक, शंक, शंकुचि; शंकोच, शंकोचि, शफर, शफरि, शफरी, शल्कलिन्, शल्किन, शाल, शिशुक, सकुल, सकुला, सकुली, सहस्रदंष्ट्र. ४७

१—पानी नामोंपर चर शब्द लगाने से मछली के नामहोते हैं जैसे जलचर

मछली पढिन ना० पढिन, पढिना, पाठीन, मत्स्यपढिना; सहस्रदंष्ट्र, सहस्रदंष्ट्रा ६

मछलीरोहू ना० मत्स्यराज, रोहित्, रोहित, रोहूमत्स्य, लोहित, ५

मछलीसहरी ना० प्रोष्ठ; प्रोष्ठा, प्रौष्ठ; प्रौष्ठी, शफर, शफरि, शफरी, सफर, सफरी, सहरी, सहरीमत्स्य ११

मछली पकड़नेकी कटिया ना० मत्स्यबन्धन, मत्स्यवेधन, मत्स्यवेधनी, वडिश, वड़िशा, वडिशी, वलिश, वलिशी ८

मछली खानेवाला ना० मत्स्याद्, मत्स्याद, मत्स्यादन, मत्स्याशन, ४

मछली बांधनेकी टोकरी ना० कुपिनी, कुवेणी, मत्स्यकरण्डिका, मत्स्य, बंधनी, मत्स्यबंधिनी, मत्स्यबंधन, मत्स्यबेधनी, मत्स्यादनी, ८

मछलीमार ना० कुपिनिन्, कुपिनी, केवर्त, कैवर्त, कैवर्तक, दास; धीवर, धीवरक, मत्स्यघात, मत्स्यघातिन्, मत्स्यघाती, मत्स्यजीवन्, मत्स्यजीविन्, मत्स्यजीवी, मत्स्यबधः, मत्स्यबधिन्, मत्स्यबधी, मत्स्याजीव, मत्स्योपजीविन्, मत्स्योपजीवी, मैनाल. २१

मजीठ ना० अरुणा, असृग्यष्टिका, कलाया, कारिडरी, कालभाण्डिका, कालमेशिका; कालमेशी, कालमेषिका, कालमेषी, काला, मण्डेरी, गौरी, चक्रांगी, चित्रपर्णी, चित्रा, चित्रांगी, छत्रा, जननी, जिंगी, ज्वरनाशिनी, ज्वरहन्त्री, ताम्रपर्णी, ताम्रवल्लि, ताम्रवल्लिका, ताम्रवल्ली, नागकुमारिका, भण्डिका, भण्डी, भण्डीतकी, भण्डीरलतिका, भण्डीरी, भण्डील, मंजिष्ठा, मंजूषा, मण्डूकपर्णी, मण्डूकमाता, मण्डूका, मण्डूकी, योजनपर्णी, योजनवल्लिका, योजनवल्लरी, योजनलता, योजनवल्ली, रक्तयष्टि; रक्तयष्टिका, रक्तयष्टी, रक्ता, रक्तांगी, रञ्जनी, रसायनी, रागांगी, रागाढ्या, रोहिणी, लतायष्टि, लोहितयष्टि, लोहितलता, वप्रा, वस्त्रभूषा, विकषा, विकसा, विजया, शंकरी, समंगा, हरिणी, हेमपुष्पी. ६५

मजूर ना० कर्मकर, कर्मकार, कर्मण्यभुक, चाकर, पण, भरण्यभुक, भरण्यभुज, भरण्यु, भारवाह, भारवाहन, भारहार, भृतक, भृतिभुक, भृत्य, वस्त्रिक, वैतनिक १६

मजूरी ना० कर्मण्या, कर्मकारी, चाकरी, दर्माहा, निर्वेश, भरण, भरण्य, भरण्या, भर्म्म, भर्म्मन्, भर्म्मण्या, भारवाही, भारहारी, भृति, भृत्य, भृत्या, मूल्य, विधा, वेतन १९

(येही दर्माहा वा माहवारी के भी नाम हैं)

मटर ना० अतिवर्तुल, कण्टी, कण्टिन्, कलाय, कषाय, कयराव, खण्डिक, गोलक, निखिडका, मटर, मातुलानी, मुण्डचणक, यन्त्रगोल, रेणुक, वर्तुल, सतीनक, सतील, सतीलक, सतीलक, हरेणु, हरेणुक, त्रिपुट.

मट्ठा ना० अम्ल, अरिष्ट, कंकर, कच्चर, कटुर, कटूवर, कालशेय, कालसेय गोरस, गोरसज, घोल, छाछ, तक्र; दण्डाहत, दधिस्वेद, मट्ठा, मथित; माठा १८

मट्ठा आधे पानीका ना० औदश्वित, औदश्वितक. २

मत्स्याक्षी (मछेछी) औ० ना० मछेछी, मत्स्यगंधा, मत्स्याक्षी. ३

मथानी ना० जालगणिका, मथानी, मन्थदण्ड, मन्थरु, मन्थान, रई, विलोनी, विलौनी, वैशाख. ६

मदन मादनी (गणकारी) वृक्ष ना० अलिमोदा, कंचनपुष्पा, गणिकारी, मदनमादनी, बसंतदूती, ५

मदन मालती ना० उष्ट्रपादिका, भद्रवल्ली; भूमिमण्ड, योजनमल्लिका ४

मदार वृक्ष ना० अरुण; अर्क, अर्कपर्ण. अर्काह्व; अर्यमन, अर्यमा, अहर्बान्धव, अहर्मणि, अहस्कर, अहस्पति, आक, आदिता; आस्फोट, आस्फोत; आस्फोतक, उष्णरश्मि, कटुक; खर्जूघ्न, गणरूप, गृहपति, चित्रभानु, तपन, तरणि, दिवाकर, दिव्य पुष्पिका, दोहली, द्युमणि, द्वादशात्मन; द्वादशात्मा, पुच्छिन्; पुच्छी, प्रभाकर, बृध्न; भानु. भास्कर, भास्वात्, भास्वान्, मदार, मंदार.

मार्तण्ड, मि... ...ना, विकर्तन, विकिरण, वि... ...भाकर, विभावसु, विरोचन, ...विवस्वान्, विक्षीर, शुकफल, ...सदापुष्प, सदाप्रसून, सप्ताश्व; मीर... ...सूर, सूर्य्य, सूर्य्याह्व, हरिदश्व, ...न हुताग्नि, क्षीरकाण्डक, क्षीर... ...क्षीरपर्णिन्, क्षीरपर्णी, क्षीरिन्, चार... ७१

१ —जो सूर्य्यके नामहैं वह मदारके भी नाम हैं

मदार उजलावृक्ष ना० अलर्क, अलर्क, काष्ठीर, कुरव, गणरूपक; गणरूपिन, गणरूपी, दीर्घोलर्क, प्रतपस, मन्दार; राजार्क, रूपिका, वसुक, वृक्षमल्लिका, वेवस, वेधा, शम्भु, शुक्लार्क, श्वेतमन्दारक, श्वेतार्क, सितार्क. २१

मदारलालवृक्ष ना० अर्कपर्णी, आदित्यपुष्पिका, रक्तार्क, लोहितार्क, मदारपुष्पी, सूर्य्या. ६

मधुमक्खी ना० तरघा, मधुमक्खी, मधुमक्षिका, सरघा. ४

मनसिल=मैनसिल देखो

मंत्री ना० अमात्य, आमात्य, धीसख, धीसचिव, मंत्री, सचिव. ६

मन्दार वृक्ष ना० देववृक्ष, निम्बतरु, मन्दार, मन्दारतरु. ४

मरघटा ना० पितृकानन, पितृवन, पितृवसति; प्रेतभूमि, मरघट, मरघटा, मृतक दाहस्थान, मृतकदाहभूमि, श्मशान ८

मरसावृक्ष (शाकप्रसिद्ध) ना० कन्धर, मारिष, मार्ष, मार्षिक ४

मरुआवृक्ष ना० आजन्म सुरभिपत्र, कुठक, कुठसौरभ, खरपत्र, खरपुष्प, गन्धपत्र, जम्बीर, जम्भीर, तिलक, दुलामल, पाण्डुर;प्रस्थपुष्प,बहुवीर्य्य, मरिच, मरु, मरुत्, मरुत्तक, मरुव, मरुवक, मरुवा, वरोट, वर्णिपुष्प, शीतक, शुक्लपुष्प, समीरण, सुरह्व. २६

मरोरफली (औषधि) ना० अतिरस, कटम्भर, नगीपुष्प, कुचरिडका, गोकर्णी गोवल्ली, तनरस, तजमल, चुरनहार, ज्वलिनी, तिक्तवल्ली, तेजनी, दिव्यलता, दीर्घमूल, दृढसूत्रिका, देवश्रेणी, देवी, धनुःशाखा, धनुःश्रेणी, धनुर्गुणी, धनुर्मौला, ध्रुवा निदहनी, पीलुपर्णी, पीलुनी पीलुपत्र, पृथक्त्वचा, मधुरसा, मधुश्रेणी, मधूलिका मधुस्रव, मधुसूत्रा, मूलरस, मूर्वा, मोरटा, शिखरा, शिखारसी, शिखावती, श्रुवा, मनद्र, सुदल, सुधा, सुरंगिका, स्रवा, स्रुवा, क्षारमोरट. ४६

मर्कतमणि ना० शितिरत्न, लोहसार, सौपर्ण ३

मर्यादा ना० धारणा, मर्यादा, संस्थ; स्थिति

मल्लाह ना० तरणधार, केवट, केवर्त, कैवर्त, कैवर्तक, गुह, दास, धीमर; धीवर, धीवरक निषाद, मलाह, मल्लाह, १३

मल्लाहिन ना० करणधारिनी, कैवर्तिनी, खेवटिन दासी; धीमरी; धीवरी, निषादिन; निषादिनी, निषाधिनी, मलाहिन, मल्लाहिन, मल्लाहिनी, १२

मल्लिका पुष्पवृक्ष ना० गिरिजा, गौरी, चन्द्रिका, तृणशून्य; मल्लिका, रामभवानिन्दनी, शतभीरु, शिखरिणी, शीतभीरु, शृंगिनी, श्लेष्मघना, श्लेष्मघनी, सौम्या, त्रिपुटा. १४

मसा (देहका) ना० कालक जटुल, जडुल, तिप्लु, ४

मसूर ना० कल्याणबीज, गर्भोलिक, गुडबीज, ताम्रवराग, मंगलय, मंगल्यक, मसरा, मसुर, मसूर, मसूरा, रागभाजि, वनसंकट, ब्रीहिकांचन, शूर. १४

महाकाललता ना० काकमर्द, काकमर्दक, किम्पाक, जलेग, दालव, दालिका, देवदालिका, महाकाल, महाकाललता. ९

महाजावृक्ष ना० महाना, महार्द्ध २

महादेव ना० अन्धकरिपु, अन्धकारि, अष्टमूरति, ईश, ईशान, ईश्वर; उग्र, उड्डीश, उमानाथ, उमापति, उमारण, उमावर, उमेश, कपर्दिन्, कपर्दी, कपालभृत्, कपालमालिन्, कपालमाली, कपालशिरस, कपालि, कपालिन् कपाली, कामनाशन, कामरिपु, कामशत्रु, कामारि, कृत्तिवास, कृत्तिवासस्, कृशानुरतस्, कृशानुरेता, खण्डपरशु, खण्डपर्शु, गंगाधर, गंगाभृत, गजारि; गिरिजानाथ, गिरिजापति, गिरिजारमण, गिरीश, चण्ड, चण्डीपति, चण्डीश्वर, चन्द्रचूड़, चन्द्रचूड़ामणि, चन्द्रधर, चन्द्रमौलि, चन्द्रमौलि, चन्द्रशेखर, चन्द्रापीड़, जटिन्, जटी, दिगम्बर; धूर्जटि, धूरिजटी, धूर्जटि, नीलकण्ठ नीललोहित, पशुपति, पितृरूप, पिनाकिन्; पिनाकी, पुरारि, पुरारी, प्रमथाधिप, भग, भर्ग, भवभीत, भूतनाथ, भूतपति भूतेश, महाकाल, मदनमर्दन, महेश; महेश्वर, मृड, मृत्युञ्जय, यज्ञारि, रुद्र, वाम, वामदेव, विरूपाक्ष, विशालदृग विश्वनाथ, विश्वनाथ, विश्वम्भर विश्वेश्वर, वृषध्वज, वृषपति वृषपर्वन्, वृषभध्वज, वृषभकेतन, वृषवाहन, वृषाङ्क वृषाचन, व्योमकेश, शंकर, शम्भु, शम्भू, शर्व, शशिधर, शशिभूषण, शितिकण्ठ, शितिकण्ठ, शिपिविष्ट, शिव, शिवापति, शंकल, शूलधन्वन्, शूलधर; शूलधारिन्; शूलधारी, शूलधृक, शूलपाणि; शूलभृति, शूलिन्, शूली; श्रीकण्ठ, सर्वः, सर्वकर, सर्वकर्मन्, सर्वकाम, सर्वकामद, सर्वकामवर, सर्वगः, सर्वचारिन्, सर्वचारी सर्वदेवमय, सर्वधारिन्, सर्वधारी, सर्वभावकर, सर्वभावन, सर्वरूप, सर्वात्म, सर्ववासिन्, सर्ववासी, सर्ववित्, सर्वविख्यात, सर्वविग्रह, सर्वसाधन, सर्वज्ञ, सावित्र, स्थाणु, हर, हरि, त्रयचक्षु, त्रयनयन, त्र्यम्बक, त्रिपुरान्तक, त्रिपुरारि, त्रिलोचन, त्रिनैन, त्र्यम्बक. १५२

१—अन्धक काम और त्रिपुर नामों पर रिपुअर्थके शब्द लगाने से महादेवके नामहोते हैं॥

२—पार्वती नामोंपर पति अर्थके शब्द लगाने से महादेवके नामहोते हैं

३—चन्द्रमा नामोंपर धर शब्द

लगाने से यह देवके नामहोते हैं

महादेव धनुष ना० अजकव; अजकाव अजगव, अजगाव, पिनाक; शंकरधनु, शिवधनुष ७

महापारेवत ना० रक्तरैवतक. १

महामेदा औषधि ना० दिव्या, देवगन्धा, देवमणि, देवतामणि, देवेष्ट, पांशुरागिनी, पुरोद्भवा, महाच्छिद्रा, महामेद, महामेदा, क्षेमशा, वसुच्छिद्रा, वृक्षाहा; सुरमेदा. १४

महावर ना० अलक्त, अलक्तक, चक्रवर्तिनी, जतुरस, जनकारिन्, जनकारी, जननी, यावक; रागचूर्ण, लक्षक, लाक्षारस. ११

महुआवृक्ष ना० अग्निमुक, कुलिशक, गुडपुष्प, मधु, मधुद्रु, मधुपुष्प, मधुशाख; मधुष्ठील, मधुस्रव, मधुस्रवा, मधुसृतम्, मधूक, माधव, रोध्रपुष्प, वानप्रस्थ. १५

महुआ जलवृक्ष ना० कीरेष्ट, गौरिकाक्ष, जलमधूक, दीर्घपत्रक, पतंग, मधूल मधूलक, क्षौद्रप्रिय. ८

महुआपहाड़ी वृक्ष ना० गिरिज, मधूल, ह्रस्वपत्रक ३

महुआभेद वृक्ष ना० गौरशाक,

——❀ **मा** ❀——

मांगना ना० अभिशस्ति, अर्थना, अर्दना, भिक्षा, याचना, ५

मांस ना० आमिष, आमिष, क्रव्य, जांगल, तरस; पल, पलल, पिशित, पेशि, पेशी, मांस, शुष्क, शुष्कल. १२

मांसभक्षी ना० आमिषाशी; मांसाहारी शाष्कुल; शाष्कुली, शौष्कल. ६

मांसभूनाहुआ ना० तलित, भ्रष्टमांस शूलाकृत, शूल्यक ४

मांसरोहिणी औषधि ना० अग्निरुहा, कशा, गुणा; प्रहारवल्ली, मांसरोहिणी, मांसरोही, रोहणी रोहिणी, वसा, विकषा, वीरवती, वृत्ता, १२

मांससूखा ना० उत्तप्त, वल्लूर, वल्लूर, शुष्कमांस, शुष्कळ ५

माघ ना० तप, तपस्; तपस, तपा, दिव्य, माघ, माह. ७

माजूफल ना० कृमिशंख, कृमिजा, कृमिजा, क्रिमिजा, मज्जफल ५

माता (महतारी) ना० अम्ब, अम्बा, अम्मा, जननि, जननी, जनयित्री, जनित्री जनित्री, प्रसू, मा, माता, सू. १२

माथा ना० अलिक, अलीक, गोध, गोधि, भाल, मस्तक, माथ; ललाट. ८

माधवी लता ना० अतिमुक्त, अतिमुक्तक, कामुक, कामुककान्ता, चन्द्रवल्ली, पुण्ड्रक, भद्रवल्ली, भूमिमण्डपभूषणा, भृङ्गप्रिया, भ्रमोत्सवा, मद्रवल्ली, माधविका, माधवी, माधवीलता, लता, लता माधवी, वसंतदूती, वासंती, सुगन्धा. १९

मानकन्द ना० मानक, मानकं, मानकन्द विस्तीर्णपर्ण, स्थलपत्र, स्थूलकंद ६

मामी ना० मातुला; मातुलानी, मातुली मामी. ४

मायाफल ना० मायफल, मायाफल, मायिक. ३

मारण ना० अपासन, आलम्भ, उज्जासन, उद्वासन, उन्मथन, उन्माथ, कदन, क्रथ, क्रथन, घात, घातन, घाति, निकारण, निपातन, निर्बर्हण, निर्ग्रंथन, निग्रंथन, निर्वापण, निर्वासन, निशारण, निषूदन, निसूदन, निस्तर्हण; निहनन, निहिंसन, परासन, परिवर्जन, पिंज प्रातघातन, प्रमथन, प्रमापण, प्रापन, प्रवासन, वध, मारण, मारन; वध, विशर, विशारण, विशसन, संहार, संज्ञपन, हत, हन, हनन, क्षणन ४६

मालकंगुनी ना० अनलप्रभा, अमृता, इंगुदी, कंगुनी, कटभी, कट्भी, ज्योतिष्का, ज्योतिष्मती, तेजस्विनी, तेजिका, दीप्त, दुर्जरा, नमणा, निष्फला; पण्या, पारावतपदी, पारावतांघ्रि, पिण्या, पीततैला, पूतितैला, मतिदा, मालकंगुनी; रसपूतिका, लता, शृंगिनी, शैलसुता; श्लेष्मघ्नी, सुपिंगला, सरस्वती, सुमनस्, सुमेधा, स्फुटबंधनी, स्वर्णलता. ३२

मालकंगुनी बड़ी ना० अग्निगर्भा, अग्निदीप्ता, कनकप्रभा, काकाण्डी, कंगनी गर्भिता, तीव्र, तीक्ष्णा, तेजनी, तेजस्विनी तेजोवती, पारा पीततैला, पीता, बहुरसा ब्राह्मी, महाज्योतिष्मती, मेध्या ता, यशस्विनी, लवणकिंशुका, वायसादनी, वायसी श्री त, सप्तैना, सुरलता सुवर्ण सौम्या ०४

मालतीपुष्पलता ना० जाति, मधुमल्ली मालती, राजपुत्री, सुकुमारा; सुमनस्, सुमना. ७

माला ना० दामन, मार; गात, माल्य, माल्य, सृज, हार ७

मालाफूलकी ना० माला, माल्य, सृज ३

माली ना० माला, मालाकार, मालिक; मालिन् मा ी ५

माषपर्णी ना० अश्वपुच्छी, आत्मोद्भवा, आर्द्रमाषा, ऋषिप्रोक्ता, ऋष्यगता कम्बपर्णी, काम्बोजी, कृष्णवृन्ता, कृष्णवृन्तिका, घना, पर्णिनी, पर्णिनीद्वय, पर्णिनचतुष्टय, पाण्डुरा, पाण्डुलोमशा, पाण्डुलोमा, बहुफला, मंगल्या, मधवन, महामहा, मांसमाला, माषपर्णी, लोमसपर्णिनी, वज्रमूली, विसारिणी, शूर्पपर्णीद्वय, सिंहपुच्छी, सिंहपुर्णी, सिंहविन्ना सुलभा स्वयम्भू, हयपुच्छी, हंसमाषा. १९

मि

मिठाई ना० प्रमेलक, महेलक, मिष्टान्न मिष्टान्न, वैयंजक. ५

मिरच उजली ना० चन्द्रक, धवल, शुक्लमरिच, श्वेतमरिच, सितमरिच. ५

मिरचकाली ना० ऊषण, ऊषण, कफरोधिन्, कफरोधी, कृष्ण, केवलद्रव्य, कोल, कोलक, धर्मपत्तन, पवित, मिरच, मारिच, मरीच, मिर्च, मल्लज, मृष्ट, यवनप्रिय, यवनेष्ट, वरिष्ठ, वल्लीज, वीर, वृत्तफल; वेणुज, वेल्लज, शाकाङ्ग, शुद्ध; श्याम, सर्वहित, सूचक ३९

मिरच लाल ना० मिरचा, शिरोवृत्त २

मिलाहुआ ना० अपदान्तर, अन्वत हित, संमिलित, संयुक्त, संलग्न, संसक्त ७

मिलित ना० युक्त, युत, संयुक्त, संहत, संहित, सहित, संसक्त, ७

मिलीहुई वस्तु ना० प्रणिहित, प्राप्त, व्याप्त; ३

मित्र (दोस्त) ना० इष्ट; दयित, प्यारा, प्रिय, प्रीय, वल्लभ, मित्र, सखा, सुहृत्, सुहृद, १०

मित्र हमजोली के ना० वयस्य, सवयस्, स्निग्ध. ३

मिश्री ना० दृढगात्रिका, मत्स्यण्डिका, मत्स्यण्डी, मिश्री. ४

—— मु ——

मुकुट ना० किरीट, मकुट; मुकुट, मौलि, मूर्धा. ५

मुक्ति ना० अपवर्ग; अपुनर्भव, अमृत, कैवल्य, निःश्रेयस्, निर्वाण, मुक्ति, मोक्ष, श्रेयस् ९

मुख ना० आनन, आस्य, तुण्ड, वदन, मुख, मुह, लपन, वक्त्र ८

मुख्य ना० अग्र, अग्रिय, अग्रीय, अनवराध्य; अनुत्तम, उत्तम, परार्ध्य, प्रधान, प्रमुख, प्रवर्ह, प्रवेक, प्राग्रहर, प्राग्र्य, मुख, मुख्य, वरेण्य, वर्य्य. १७

मुद्गपर्णी (मुगवन) ना० अतिशुपर्णी, अतिशुपर्णया, आरण्यमुद्गा; काकपर्णी, काकमुद्गा, कुरङ्गिका, मार्जारगंधा, मार्जारगंधिका मुद्गपर्णी, रिंगिनी, वनजा, वनमुद्गा, शिखिपर्णिका, शिम्बिपर्णिका, शिम्बिपर्णी, शिम्बी, सहस्सा, सहा, सूपपर्णी, क्षुद्रसहा. २०

मुद्गर ना० घन; द्रुघण, द्रुघन, मुद्गर ४

मुचकुन्द वृक्ष ना० उन्मत्त, चिबुक, प्रतिविष्णुक, मुचकुन्द, क्षत्रवृक्ष, ५

मुरण्डी ना० अरुणा, निर्गुण्डी, मुण्डी, म्योंढी, शेफालि, शेफालिका, शेफाली आविर्ण सिन्दुवार, सिन्दुवारक, सिन्दुवारिका, सिन्धुवार, सिन्धुवारक, सिन्धुवारित. १४

मुनक्का ना० कपिलद्राक्षा, गोस्तना, गोस्तनी, चारुफला, तापसप्रिया, दाख, दीर्घफला, द्राक्षा, पथिका, मधुफला, मधुरसा, मृद्वी, मृद्वीका, रसाला, शतवीर्या, स्वादु, स्वाद्वी; हारहारा, हरिता, हारहूरा, हिमोत्तरा. २१

मुरदासंग ना० कंकुष्ठ, कंकुष्ठमृत्तिका, कालकुष्ठ, कालपालक, पुलक, मुरदासंग, रंगदायक, रेचक, विरंग शोधक. १०

मुरा (कपूरकचरी) ना० उत्कला; कुटी, कूटक, खशा, गन्धकुटी, गन्धमादिनी, गन्धमालिनी, गन्धवती; गन्धिनी, तालपर्ण, तालपर्णी, तालारूपा, दित्या, दुच्छक, दैत्या, पुरा, भूतगंधा, मुरा, वीरा, सुरभि, २०

मुरेठी ना० अतिरसा; कृतक, क्लीतक, जेठीमधु, तिक्तवर्धन, तिक्तपर्वा, मधु, मधुक, मधुका, मधुयष्टिका, मधुयष्टी, मधुरा, मधुवल्ली, मधुस्रवा, मधूक, मधूली, मुलहटी, मुरेठी, यष्टि, यष्टिका, यष्टि

मधु, यष्टिमधुका, यष्टी, यष्टीक,यष्टी मधु, यष्टीमधुक, यष्टीमधुका,यष्ट्याह्व, यष्ट्याह्वा, यष्ट्याह्वका, यष्ट्याह्विका, वादल, शोषापहा, ३१

मुर्गा ना० अरुणशिखा, कालज्ञ. कुक्कुट, कुर्कुट, कृकवाकु, चरणायुध, चरनायुध, ताम्रचूड़, दक्ष, मुरगा, मुर्गा, यामघोष, विष्किर, १९

मुर्दा ना० कुणप, परासु, परेत,प्रमीत, प्रेत, मृत, मृतक, शव, संस्थित ६

मुसब्बर ना० आलु,आलुक,एलुआ, एलवालु, एलवालुक, ऐलवालुक, ऐलेय, कपित्थत्वक्, कुष्ठगंधि, गन्धत्वक्, तृणौषध, त्वक्सुगंधा, दुर्वर्ण, बालु, बालुक, मुसब्बर, वीरा, सुगंधि, सुवर्णप्रसव, हरिवालुक, हरिभद्र. २१

मुसाफिर ना० अध्वग, अध्वगमन, अध्वगामिन्,अध्वगामी, अध्वनीन, अध्वन्य, पथिक, पथिल, पान्थ, बटाऊ,बटोही, मुसाफिर, यात्रिक, यात्री; राही, विस्तृत, विमृमर. १६

मुहासा ना० मुखदूषिता,यौवनपिटका

—— मू ——

मूंग ना० बलाट, मुक्तिप्रद;मुग्द, मूंग, रसोत्तम, वनाखुग, वर्णार्ह, वाजिभोजन, वासन्त, सिम्बिजा, सुफल, सूपश्रेष्ठ, हयानन्द, हरित, हरिन्नाम, हरिन्नामन,

मूंगकाली ना० कृष्णमुग्द, माधव, शिम्बिक,वासन्त,सुराष्ट्रज,हरिमन्थज, ६

मूंगजंगली—मोठदेखो

मूंगपीली ना० खण्डीर, पीतमुग्ध, प्रवेल. ३

मूंगहरी ना० शारद, हरितमुद्ग २

मूंगा ना० अंगारकमणि, अम्भोधिवल्लभ, अम्भोमुक्; अम्भोमुच्, प्रवाल, भौमरत्न; मूंगा, रक्तकन्द, रक्तकन्दल, रक्तवर्णक, रक्ताकार, रक्तांग, रत्नकन्दल, रत्नवृक्ष लतामणि, लतायानक, विद्रुम, हेमकन्दल. १८

मूंज ना० तेजन. दर्भाह्वय, दूरमूल, दृढतृण, दृढमूल, बहुप्रज; ब्रह्ममेखल, मुञ्ज, मूंज, मौञ्जीतृणाख्य, रञ्जन, वानीरक, सुमेखल, स्थूलदर्भ. १४

मूड़ ना० उत्तमांग, कं, मस्तक, मूड़, मूद्ध, शिर, शीर्ष, शीश .८

मूत ना०प्रस्राव,मूत;मूत्र,वस्तिमल. ५

मूरि (मुख्यधन)ना० नीवि, नीवी, परिपण, परिपन, मूरि, मूल, मूलधन.७

मूर्ख ना० अबुध्, अबुध, अबोध, अज्ञ, कुवादी, जड़; बुद्धिहीन, मन्द, मुग्ध, मूढ़, मूरख,मूर्ख,यथाजात, वालिश; वैधेय, वैधेयी, शठ. १७

मूर्छा ना० कश्मल, कस्मल, मूर्छा,मोह

मूर्छित ना०नष्टचेतन,नष्टचेष्ट,नष्टसंज्ञ, मूर्छाल, मूर्छित, मूर्त. ६

मूर्ति ना० अर्चा,प्रतिकृति,प्रतिच्छाया, प्रतिनिधि, प्रतिबिम्ब, प्रतिमा, प्रतिमान, प्रतियातना; मूर्ति. ९

मूर्तिलोहकी ना० लोहप्रतिमा, लोहमूर्ति मूर्मिम, सूर्म्मी,स्थणा'(श से मी

लिखते पढ़तेहैं)

मूर्वा—मरोरफली देखो

मूली ना० कन्दमूल, कुंजरक्षारमूल, कुरुकन्दक, दीर्घकन्दक, दीर्घमूलक, नील कण्ठ, पटीर, मूरी, मूलक, मूला, मूलाह्व, मृत्क्षार, राजालुक,रुचिर, शंखमूल, सित, सेकिम, हरितपर्ण, हरिपर्ण हस्तिदन्त, हस्तिदन्तक. २१

मूली छोटी ना० चाणक्यमूल, चाण क्यमूलक,मिश्र,स्थूलमूल,४

मूसर ना० अयोग्र,मुषल, मुसल,मूसर, मूसल,५

मूसाकानी ना० अद्रिभू, आखुकर्णी, आखुपर्णी, आखुपर्णिका, आखूपर्णी,इन्दु कर्णी; उन्दुरकर्णी, उन्दूरकर्णी,उपचित्रा, कृशिका, चण्डा, चित्रा;तालपत्री, द्रवंती, न्यग्रोधा, न्यग्रोधी, पुत्रश्रेणी, पुष्पश्रेणी, प्रत्यक्पर्णी, प्रत्यक्श्रेणी, प्रतिपर्णशिफा, फंजिपत्रिका, बहुकर्णिका, बहुपर्णिका, भूदरीभवा, माता, मूषककर्णी.मूषकमारी, मूषाकर्णी, मूषिकपर्णी, मूषिका, मूषिका ह्वय,मूषिपर्णिका, मूषीककर्णी,मूसाकन्नी, रण्डा, वृश्चिकर्णी, वृषा, वृहपर्णी, शतमू लिका, शम्बरी; श्रुतश्रेणी, सम्बरी, सह स्रमूली, सुकर्णिका,सुतश्रेणी, सुवर्णी,४७

मूसली ना० अर्शोघ्नी, खलिनी, गो धापदी, गोधावती, टुनाका,तालपत्रिका, तालपर्णी, तालमूलिका, तालि, तालिका, ताली, तालमूली;तीर्णपदा, दीर्घकन्दिका, भण्टाकी, भूताल, मुशली, मुषली,मुसली मूसरी, शैलेय, शैलेयक,सुवहा, हेमपुष्पी

मूसा (चूहा) ना० आखु, उन्दरु, उन्दुरु, ऊन्दुर, खनक, चूहा, मूखक, मूषक, मूषीक, मूस, मूसा,११

मूसा (छोटीजातिवाला) ना० गिरि, गिरिका, बालमूषिका, मूषिक, ४

मृगछाला ना० अजिन, कृत्ति चर्म, मृगछाला, ४

मृगतृष्णा ना० मरीचिका, मृगजल, मृगतृष्णा. ३

मृगशिरा (नक्षत्र) ना० अग्रहायणी, मृग, मृगशिरस्, मृगशिरा, मृगशीर्ष. ५

मृगी ना० अपस्मार,भूतविक्रिया;मृगी.

——मे——

मेंहदी वृक्ष ना० मेन्धिका, मेन्धी २

मेघ ना० अद्रि; अभ्र, अभ्र, अम्बु भृत, अम्बुमुच, अम्बुवाह,अश्म; अश्मा, अहि, उपर,उपल, ओदन, कोश, गिरि, ग्रावा; ग्रावन घन, घनाघन, चरु, जलद, जलधर, जलमुच; जलभू, जलभृत, जल वाह, जीमूत, तडितगर्भ, तडितपति,तडि त्वत्, दर्दुर, दृति, धाराधर, धूमयोनि, नभाक, नभ्राज, पर्जन्य, पुरुभोजस्, बला हक, मुदिर, मेघ,वराह, वारिद, वारिधर वारिवाह, वारिमस, वारिमच, विद्युत्वत्, वृत्र, व्रज, शम्बर, स्तनयित्नु. ५१

मेघगर्जन ना० अभ्रोत्थ, गर्जित, ध्व नित, मेघगर्जन, मेघनाद,मेघनिर्घोष, मेघ पुष्प, रसित, स्तनित, ६

मेघघटा ना० कादम्बिनी, मेघपंक्ति,

मेघमाला; मेघसमूह, ४

मेघधारा ना० आसार, धारासंपात, मेघधार, मेघधारा. ४

मेडुका ना० दर्दुर, दर्दुरोहारी; दादुर, प्लव, प्लवग; प्लवगम, भेक, मण्डूक, मेंगा, मेंडक, मेडुका, मेढक, वर्षाभू, वृष्टिभू; शालूर, सालूर. ११

मेडुकी ना० भेकी, मेडुकी, वर्षाभू, ३

मेडुवा ना० मड़क, मडुआ, मेडुआ ३

मेढ़ाश्रृंगी ना० गृहद्रुम;चक्षुरुका, चक्षुष्या, तिक्तदुग्धा, नेत्रौषधी, पुत्रश्रृंगी, मेढ़श्रृंगी, मेढाश्रृंगी,मेढ़्रश्रृंगी, मेषवल्ली मेषविषाणिका,मेषश्रृंगी, मौर्वी, वहलचक्षुः वहलचक्षुस्, विषाण, विषाणिका,विषाणी, विषानिका, शृंगला, सर्पदंष्ट्रिका,२१

मेढ़ाशिंगी वृक्ष ना० अजगंधिनी, अजश्रृङ्गी, अहिच्छत्र, आवर्त्तिनी, कर्णिका, गृहद्रुम, चक्रश्रेणी; चक्षु, चक्षुस् चक्षुवर्हन, नन्दीवृक्ष, ११

मेथी ना० कुंचिका, कैरवी, गंधफला, गन्धवीजा, चन्द्रिका, ज्योतिः ज्योतिस्, दीपनी, पीतवीजा, बहुपत्रिका, बहुपर्णी, मन्था, मिश्रपुष्पिका, मेथिका, मेथिनी, मथी, वल्लरि, शिखिन्, शिखी. १८

मेथी का साग ना० मेथिका, मेथिनी मेथी. ३

मेदा (औषधि ना० जीविनी; पुरुषदंतिका; वरा, बहुरन्ध्रिका, मणिच्छिद्रा, मधुरा, मेदःसारा, मेदा, मेदिनी, मेदोद्भवा; मेदोवती, विभावरी, शल्यदा, शल्यपर्णिका, श्रेष्ठा, साध्वी, स्निग्धा, स्नेहवती. १८

मेल ना० मिलन,मिलाप, मेल,मेलन, संग, संगत संगम, संगमन, सांगम ६

——— मै ———

मैथुन (स्त्रीरमण) ना० ग्रामचर्य्या, ग्रामधर्म, ग्राम्य, ग्राम्यकर्मन्. ग्राम्यधर्म, निधुवन, प्रसंग, मैथुन; रत, रति, रमण, व्यवाय; संसर्ग,सुरत, स्त्रीप्रसंग, स्त्रीभोग स्त्रीसंग. १७

मैनफर ना० फल, फेनिल; मदनफल मैनफल.४

मैनफर वृक्ष ना० उदर्क, कण्टकिन्, कण्टकी, कण्ठ, करहाट, करहाटक, कैटर्य, गोल, छर्द्दन, तस्कर, दलामल, धारफल, पिचुक, पिण्ड, पिण्डीतक; मदन, मदनक, मरुव मरुवक, मातुल, मादन, वीजपुष्प; शल्य, शल्यक, श्वसन, स्वसन. २६

मैनशिल ना० कल्याणिका, कुनटी, कुम्भकारी, कुलटी, गोला तालांकुर, नली, नागजिह्विका,नागमाता, नेपालिका नैपाली, मनःशिल; मनःशिला, मनशिल, मनोह्वा, मनोगुप्ता, मनोज्ञा, मैनशिल, रसनेत्रिका, रामचर्द्दन, रोगशिला, रोचनी, लोहकण्टक; वांतिकृत, वासंत, विचकिल, वितण्डा,विषपुष्प, विषपुष्पक वृश्चिक; शलाका,शिला, हृत्पाषाण.३३

मैना (पक्षी) ना० प्रियवादिनी, मैना, शलाका, सारि सारिका. ६

मैला ना० अनच्छ,आविल, कच्चर, कलुष, कुत्सित, मलदूषित मलिन, मलीमस, मैला ६

——॥ मो ॥——

मोंगरी ना० कोटिश,कोटीश, मोगरी, लोष्टभेदन, लोष्टघ्न ५

मोखावृक्ष ना० गौलिक,घण्टा,घण्टाक, घण्टापाटली, जटाल, झाटल, तीक्ष्ण, तीक्ष्णक, मुञ्चक, मुष्कक, मोक्ष.मोक्षक, वनवासी, वनवासिन्, विषापह, सन, सुतीक्ष्णक, क्षारद्रु, क्षारवृक्ष, क्षारश्रेष्ठ २०

मोगरावृक्ष ना० अतिगन्ध, कर्दमी, गन्धराज, गन्धसार, जनेष्ट, प्रिय, मुद्गर, मृगेष्ट, विटप्रिय, वृक्षपुष्प, सप्तपत्र ११

मोचरस=सेमरका गोंद देखो ॥

मोटा ना० पीन, पीव, पीवन, पीवर, पृथु, पृथुल, मोटा, स्थूल ८

मोठ ना० अमृत, अरण्यमुद्ग, कुलीनक, क्रमीलक, खण्डिन् खण्डी, निगूढ, मकुष्ठ,मकुष्टक, मकुष्ठ, मकुष्ठक.मयष्ट, मयष्टक, मयुष्टक, मुद्गष्ट, मुद्गष्टक,राजमुद्ग, वनमुद्ग वरक, वल्गुपत्र, वल्लीमुद्ग सिम्बिजा, २२

मोतिया (पुष्प) ना० मदयंती,मोतिया

मोतियाभेद ना० गन्धकुसुमा, गन्धपुष्पा, मदनमादनी, मल्लि, मल्लिका ५

मोती ना० अम्बुज, अम्भःसार,इन्दुरत्न, कुवल, गुलिका, गुटी, जलज, तार, तारा, तौतिक, नक्षत्र, नीरज, भौतिक, मञ्जर; मंजरी, मुक्ता, मुक्ताफल, मोती,मौक्तिक, रसोपल, लक्ष्मी, शशिप्रभ; शुक्तिज, शुक्तिबीज, शुक्त्युद्भव, शौक्तिज, शौक्तिकेय, शौक्तेय,सीपसुत,सुधांशुरत्न,स्वच्छ,हिम, हेमल, क्षीराब्धिज ३४

१—चन्द्रमा नामोंपर मोती शब्द लगानेसे मोतीके नाम होतेहैं ॥

२—सापी नामोंपर जकार और सुत नामक शब्दलगानेसे मोतीके नाम होतेहैं

मोतीसीप ना० अब्धिमण्डूकी, महाशुक्ति, मुक्तामाता, मुक्तास्फोट,मोतीसीप, मौक्तिकप्रसवा, मौक्तिकमाता, शुक्ति, शुक्तिका, शुक्तिज, शुक्तिपुट, शुक्तिपेशी, शुक्तिबीज, शुक्तिमौक्ति, शुक्तिवधू १५

मोथा ना० अन्त्य, अब्द, अभ्र, अम्बुद, अम्बुभृत्, अम्बुवाह, अम्भोद, अम्भोधर, अर्णोद, कुरुविन्द, क्रोडेष्टा, गांगेय, घन, जलद, जलधर, जीमूत, तडित्वात, तडित्वान्, तोयद; तोयधर, धूमयोनि, नाग, नागर, नीरद, पिठर, बलाहक, भद्र,भद्रगन्धिका,मुस्त, मुस्तक, मुस्ता, मेघ, मेघनामन्, मेघनामा, मेघाख्य, मोथा, वनज, वराह, वारिद, वारिवाह, सुगन्धि, स्तनयित्नु ४२

मोथाकेवटी ना० कुटन्नट,कैवर्त्तमुस्त, कैवर्तमुस्तक,कैवर्तीमुस्तक,कैवर्तीमुस्तक, गोनर्द, गोपुर, जर्णिवुध्नक, दशपुर,दासपूर, धान्य, परिपेल,परिपेलव,पशुपल्वल, पूरण, प्लव, मृतन, वानेय, शीतपुष्प, सितपुष्प, २०

मोथानागर ना० उच्चटा, कलापिनी, कच्छरुहा, काण्डहीन, कान्ता, गांगेय; चक्रा, चूडाला देवी, नागरघन; नागरमुस्ता, पिण्डमुस्ता, पुर, पूर्णकोष्ठा, भद्रमुस्तक, भद्रमुस्ता, मुस्ताभ, मोथानागर, हिमा १८

मोथाभद्र ना० कक्षोत्था, काण्डहीन, क्रमुक, खपुर, गांगेय, गुन्द्रा, चारुकेशरा, भद्रक, भद्रकाशी, भद्रमुस्तक, भद्रमुस्ता, राजकशेरु, वन्या, वराही, श्यामा, श्रीभद्रा, हिमा. १७

मोम ना० द्रावक, मदन, मदनक, मधुज, मधुशेष, मधूच्छिष्ट, मधूत्थ, मधूत्थित, माक्षिकज, मोदन, मोम, सिक्थ, शिक्थ, शिक्थक, चौदूज. १५

मोर न० अहिद्रुह, अहिद्विष, अहिमार, अहिरिपु, अहिविद्विष्, अहिभक्षी, अहिभक्षी, अहिभुज, उरगारिपु, उरगशत्रु, उरगारि, उरगारी, उरगाशन, कलापिन्, कलापी, केकावल, केकिक:, केकिन्, केकी, गुहयान, चन्द्रकवत्, चन्द्रकिन्, चन्द्रकी, नीलकण्ठ, बर्हिण, बर्हिन, भुजंग भुक्, भुजंगभुज्, मयूर, मयूरक, मरुक, मेघानंदिन्, मेघानन्दी, मेघनादानुलास, मेघनादानुलासिन्, मेघनादानुलासी, मेघनादमुदा, मोर, शम्भुसुतवाहन, शिखण्डिन्, शिखण्डी, शिखावर, शिखाधार, शिखावल, शिखिन्, शिखी, शिवसुतवाहन, शुक्लांग, शुक्रापांग, हरि. ५०

१—स्वामिकार्तिक नामोंपर वाहन और सर्पनामोंपर और अर्थके शब्दजगोसे मोरके नामहोते हैं ॥

मोरपंख ना० पिच्छ, बर्ह, बर्हभार, मोरपंख, शिखण्ड, शिखण्डक. ६

मोरशिखा (औषधि) ना० कारवी, खराश्वा, दीपक, दीपन, दीप्य, नीलकण्ठ शिखा, प्रियतम, मयूर, मयूरक, मयूरचूडा, मयूरशिखा, लोचमर्कट, लोचमस्तक, वन्हि शिखर, शिखालु, शिखाबला, शिखिनी, संदीप्य, सुशिखा, सुदर्शीर्ष. २१

मोल (भाव) ना० अवक्रय, भाव, मूल्य, मोल, वस्न. ५

मोहनभोग ना० अपूप, अपूप्य, तरला, प्रहेणक, प्रहेलक, यवागू, विलेपी, श्राणा, श्राण,

—— मौ ——

मौत ना० अत्यय, अन्त, आहार, काल, कालधर्म्म, दिष्टान्त, नरांतक, नाश, निधन, पंचता, पंचत्व, प्रलय, मरण, मरत, मरन, मृत्यु, मृत्यु, मौत, लय, विदर २०

मौलसिरी वृक्ष ना० केशर, केसर, गूढपुष्पक, चिरपुष्प, दन्तधावन, धन्विन् धन्वी, भ्रमरानन्द, मकुर, मदन, मदनक मधामोद, मधुपुष्प, मुकुर, बकुल, वकूल, विशारद, शारद, सिंहकेशर, सीधुगंध, सीधुपुष्प, सीधुसंज्ञ, सुरभि, स्थिरपुष्प.

—— य ——

यमराज ना० अन्तक, कृतान्त, काल, तपनतनय, तपनात्मज, दण्ड, दण्डधर, दण्डधार, दण्डभृत्, धर्म्म, धर्मराज, नरकदेवता, परेतभर्तृ, परेतराज, पितृपति,

महिषध्वज, महिषहित, महिषवाहन, मृत्यु, मृत्युपाश, मृत्युपति, मृत्युराज, यम, यमराज, यमान्तक, यमुनाबंधु, यमुनाभ्रात, वैवस्वत, शमन, श्राद्धदेव, श्राद्धदेवता, सवितातनय, सवितासुत, सूर्यसुत ३४

१—सूर्य नामोंपर सुत अर्थके शब्द और यमुना नामोंपर भ्रात्र अर्थ के शब्द लगाने से यमराजके नामहोते हैं

२—यमराज नामोंपर पिताअर्थ के शब्दलगाने से सूर्यके नामहोते हैं उनपर कन्या नामके शब्दलगाने से यमुनाजीके नामहोते हैं

३—यमराज नामोंपर बहिन नामके शब्द लगानेसे यमुनाजीके नाम होते हैं तिनपर पिता अर्थके शब्द लगानेसे सूर्य के नामहोतेहैं ॥

यमुना (नदी) ना० अंशुमती, कालिन्दी, कृष्णा, तपनतनया, तपनात्मजा, यमभगिनी, यमी, यमुना, रविजा, रवितनया, रविनन्दिनी, रविसुता, शमनस्वसा, श्यामा, सवितासुता, सूर्यतनया १६

१—यमनामोंपर बहिन अर्थ के शब्द लगानेसेयमुना तिनपर पिता अर्थकेशब्द लगाने से सूर्यके नामहोतेहैं ॥

२—सूर्य नामोंपर कन्या अर्थके शब्द लगाने से यमुनाके नाम तिनपर भाईअर्थ के शब्द लगाने से यमराज के नामहोतेहैं

यवेची ना० पत्रतण्डुली, महातिक्ता, यवतिक्ता, यशस्विनी, विसर्पिणी, शंखिनी, सूक्ष्मपुष्पी. ७

यश ना० कीर्तना, कीर्ति, यश, समज्या, समाख्या, समाज्ञा. ६

यज्ञ ना० अध्वर, अभिषव, आहव, आहवन, इष्ट, इष्टि, क्रतु, देवतात, धर्म, प्रजापति, मख, मेध, यज्ञ, याग, सप्ततंतु, सव, सवन, होत्रा. १८

यज्ञअग्नि ना० उपचाय्य, परिचाय्य, समूह्य, ३

यज्ञार्थ पशु ना० उपसंपन्न, प्रमीत, प्रोक्षित ३

यज्ञभूमि ना० आहवन, यज्ञभूमि, यज्ञस्थल ३

यज्ञांत स्नान ना० अभिषव, अभिषवण, सवन. ३

यज्ञौषधी का कूटना ना० अभिषव, अभिषवण, सवन, सुत्या सूत्या. ५

यज्ञकी वेदी ना० चत्वर, यज्ञवेदि, यज्ञवेदी, यज्ञभूमि, यज्ञशाला, यज्ञस्थाणु, यज्ञागार, स्थण्डिल. ८

यज्ञदर्शक (यज्ञमें वेदोक्त क्रिया कलापको देखनेवाला) ना० यज्ञदर्शक, विधिदर्शक, विधिदर्शी, विधिदेशक ४

यज्ञपशुमारना ना० परंपराक, प्रोक्षण, शमन ससन ४

—॥ यु ॥—

युधिष्ठिर ना० अजातरिपु, अजातशत्रु, कंक, कर्णानुज, कौंतेय, धर्मराज, धर्मराजन्, युधिष्ठिर, राजलक्ष्मन्. ९

युवा (पुरुष) ना० तरुण, युवा, वयस्थ. ३

—ॐ यो ॐ—

योधा ना० भट, योद्धा, योधा, वीर, शूर, ५

—ॐ र ॐ—

रंगसाज ना० चितेरा, चित्रक, चित्रकर, चित्रकर्मन्, चित्रकार, चित्रविद्, रंगसाज, रंगाजीव ८

रंगकाला ना० असि, असित, काल, काला, कालांग, कृष्ण, कृष्णवर्ण; नील, मेचक, श्याम, श्यामल, श्यामवर्ण. ११

रंगलाल ना० अरुण, कोकनदच्छवि, रक्त, रक्तवर्ण, रोहिणी, रोहित, रोहिता लोहित, लोहिता, लोहिनी, शोण, शोणा.

रंगहरा ना० पलाश, पालाश, हरणी हरित, हरिता. ५

रज (स्त्रीकारक्त) ना० आर्त्तव, कुसुम, पुष्प; ऋतु, रज, रजस स्त्रारज, ६

रजस्वलास्त्री ना० अवि, अवी, आर्त्रेयी आत्रेयी, उदक्या, ऋतुमती, पुष्पवती, मलिना, मलिनी, रजस्वला, स्त्रीधर्मिणी

रहवृत्त ना० अरडवृत्त, अमंगल, अमण्ड, असार, आमण्ड, इन्ट, उरुबुक, उरुवक; एरण्ड, एरण्डक, कराटफल, गन्धर्वहस्त, गन्धर्वहस्तक, चच्चु, चित्र चित्रक, तरुण, तुच्छद्रु, दीर्घदण्ड, दीर्घ दण्डक, दीर्घपत्रक, पञ्चांगुल, फलपुच्छ, मण्ड, रड़, रुबु, रुबुक, रुतुक, रुबूक, वरण्डालु, वर्द्धमान, वर्द्धमानक, वातारि, व्यडम्बक, व्याघ्रपुच्छ, वृणह, शूलशत्रु, हस्तिकर्ण, त्रिपुटिन्, त्रिपुटी, त्रिपुटीफल.

रहवृत्तउजला ना० रुचक, श्वेतएरंड,

रहवृत्तलाल ना० उत्तानपत्रक, उरुवक, करपर्ण, चञ्चु, चित्रबीर्य्य, नागकर्ण, पाचन, रक्तक, रक्तैरण्ड, रुबु, रुबुक, रुवुक, रुबूक, व्याघ्र, व्याघ्रतल, व्याघ्रदल, व्याघ्रम्ब, हस्तिकर्ण. १८

रतालू ना० रक्तकन्द, रक्तपिण्डक, रक्तालु, लोहित. ४

रथ ना० चक्रपाद, रथ, शतांग, स्यन्दन.

रथजनानी } ना० कर्णीरथ, डयन,
रथपरदेदार } प्रवहण, हयन. ४

रथवान } ना० दक्षिणस्थ, निय
गाड़ीवान } न्ता, नियन्तृ, प्राजिता, प्राजितृ, यन्ता, यन्तृ, रथिक, रथिर, सव्येष्ट, सव्येष्टृ, सारथि, सारथी, सूत, त्तत्ता, क्षत्तृ. १६

रनिवास ना० अन्तःपुर, अवरोध, अवरोधन, रनिवास, शुद्धान्त. ५

रनिवासका द्वारपाल ना० अन्तःपुराध्यक्ष, कञ्चुकिन्, कञ्चुकी; सुविद्, सौविद; सौविदल्ला, स्थपति, स्थापत्य,

रस ना० द्रव, रस २

रसोईदार ना० आन्धसिक, आपूपिक; आरालिक, औदनिक, कान्दविक, गुण, बल्लव, भक्तकार, भत्तकार, भद्यकार, भद्यकार; बल्लव, सूद; सूपकार. १४

रसोईकाघर ना० पाकशाला, पाकस्थान, महानस, रसवती, सूदशाला ५

रसौत ना० अग्निसार, अञ्जन, कर्परी, कृत्रिम, क्वाथोद्भव, चक्षुष्य, तार्क्ष्य;

तार्क्ष्यज, तार्क्ष्यशैल,तुत्थ.दार्वि,क्वाथोद्भव; नलिवर्ण, पुष्पक, प्राणन्त, बालभैषज्य, रसगर्भ, रसज, रसराज, रसाग्रज, रसाञ्जन, रसोत, रसौत, शैल २३

रस्सी ना० गुण, रज्जु,रस्सी वटाकर; वटारक, वटी, वराट, वराटक, शुल्ल, शुल्व, शुल्वा, शुल्वी, सुष्म. १३

रस्सीचमड़े की ना०चर्म्मबंधनी; वरत्रा, वर्ध्रिका, वर्ध्री, वाध्र, वार्ध्री. ६

रक्षक ना० रक्षक, रक्षण, त्रा.३

रक्षा ना०परित्राण. पर्य्याप्ति, रक्षण. रक्षा, रक्षण, वधोद्यतवारण, हस्तधारण, हस्तवारण, त्रा, त्राण. १०

——— रा ———

रांगा ना० अपूप, आलीनक,कस्तीर, कुरूप्य, गिरिसार, गुरुपत्र, चक्रसंज्ञ,नाग, नागज, नागजीवन, पिच्चट, पूतिगन्ध, मधुक, मधुर, मृद्वंग, रंग, रांग, रांगा, वंग, सिंहल, सुरभ, स्वर्णज, हिम, त्रपु, त्रपुस्, त्रपुल, त्रपुष, त्रपुस २८

रांड—स्त्रीरांड देखो

राई ना० असुरी, आसुरी, कटु, कटुक, कृष्णसर्षप, कृष्णा, क्षविका, तीक्ष्णा, तीक्ष्णगन्धा, प्रियंगु, मधुलिका, मुष्टक, रक्तसर्षप, राक्तिका, राजिका, राजसर्षप, राजी, सूरी, क्षव, क्षवक, क्षुतक, क्षुताभिजनन, क्षवाभिजनन, २३

राख ना०भस्म; भस्मन्, शिवांगभूषण, क्षार. ४

राग ना० दीपक, भैरव, मल्लार, मालकौस, मेघ, श्री.६

राछ ना० वायदण्ड, वायदण्ड, वेम, वेमा. ४

राजकुमार ना० कुमार, कुमारक, भर्तृदारक,युवराज,राजकुमार, राजपुत्र.६

राजगद्दी ना० नृपासन, भद्रासन, राजगद्दी, राजासन. ४

राजधतूर ना० निस्त्रैणपुष्पिक,,भ्रांत; महाशठ, राजधत्तूर, राजधत्तूरक, राजधुस्तूरक, राजधूर्त्त, राजस्वर्ण. ८

राजबेर ना० तनुबीज,नृपबदर, राजबदर. ३

राजवंश ना० राजबीजिन्, राजबीजी, राजवंश, राजवंश्य. ४

राजसदन ना० उपकारिका, उपकार्या, राजमहल, राजसदन, सौध. ५

राजा ना०अधिप, अधिपा, अधिपति, इन. इन्द्र,ईश.ईशान, ईश्वर,देव,नरदेव, नरनाथ, नरपति. नरपाल, नराधिप; नराधिपति. नरेन्द्र, नरेश, नरेश्वर, नृप, नृपति. नृपाल, पार्थिव, भट्टारक, भूप, भूपति. भूपाल, भूमिनाथ.भूमिप, भूमिपति भूमिपाल, महिपाल, महीन, महीनाथ, महीप, महीपति, महीपती, महीपाल, महीभर्तृ, महीभुज्, महीभृत् महीश, महीश्वर, महीक्षित्, महेन्द्र. महेश, महेश्वर, राज्, राज, राजन्, राजा, विभु, स्वामिन्, स्वामी, क्षितिनाथ, क्षितिप, क्षितिपति, क्षितिपाल, क्षितिभुज्, क्षितिरक्षिन, क्षितीश, क्षितीश्वर, क्ष्माप,

क्ष्मापति, क्ष्माभुज्, क्ष्माभृत्. ६५

१—भूमि और मनुष्य नामोंपर पति अर्थके शब्द लगाने से राजाके नामहोतेहैं

राजामचूत (कलमी आम) ना०टंक, राजपुत्र, राजाम्र् १

राति ना० अक्तु, आसिक्नी, असुग, ऊर्म्या, घृताची, चक्रभेदिनी, तमस्वती; तमस्विनी तमा, तमि, तमिस्रा, तमी, तमस्या, नक्ता, नक्तन्, नक्ति, निश, निशा निशिता निशीथ निशीथिनी, निशीथ्या पयस्त पयस्विनी याम्या, यामवती, यामिका, यामिनी, रजनि, रजनी, रात, राक्षसी, रात्रि, रात्री, विभावरी, शर्वरी, शार्वरी, श्यामा, क्षणदा क्षपा, क्षिपा, त्रियामा. ४०

१—राति नामोंपर कर औरपति अर्थके शब्द लगानेसे चन्द्रमाके नामहोते हैं

२—रातिनामोंपर चर लगानेसे उल्लू चोर, चमगीदड़, और राक्षके नामहोतेहैं

३—राति नामोंपर रिपु अर्थके शब्द लगाने से सूर्य के नामहोतेहैं

राति दिनबराबर ना०विषुण, विषुप; विषुव, विषुवत्. ४

राब ना० फाणि, फाणित, फाण्ट, मत्स्यण्डी, राब. ५

रामचन्द्र ना०अयोध्यानाथ, अयोध्यापति, अवधपति, अवधेश ताड़ुकाहनन, दशकण्ठजित्, दशकंठारि, दशकंधरिपु, दशमुखन शन, दशवदननिकन्दन, दशरथसुत, धनुर्धर, नारायण, निश्चरदलन, बालिविदारणः बालिमुजारि, भरतगूज, रघुकुलभूषण, रघुकुलमण्डन, रघुनन्दन, रघुनाथ, रघुपति, रघुवंशतिलक, रघुवंशावतंस, रघुश्रेष्ठ, रघुसिंह, राघव, राम, रामचन्द्र, रावणदलनः रावणारि, शंभुधनुखण्डन, शिवधनुखण्डन, सारंगधर, सारंगपाणी, सीतानाथ सीतापति ४७

१—दशरथ नामोंपर सुतनामके शब्द ताड़ुका, निश्चर, बालि, और रावणनामों पर हनन, और शत्रु अर्थके शब्द और सीतानामों पर पति अर्थ के शब्द लगानेसे रामचन्द्र के नामहोते हैं

रामसर—सरपत्ता देखो

रायता ना० राईता, राज्यक्ता, रायता.

राल ना० अग्निवल्लभ, अराळ, कनकलोद्भव, कलकल, कललन, काल, गल; धूनक, धूपन, बहुरूप, मेरुक, यक्षधूप, रान, वन्हिगन्ध, वन्हिवल्लभ, विरूप, शालनिर्यास, शालवेष्ट, शीतल, सर्ज, सर्जनिर्यास, सर्जमणि, सर्जरस, सर्ज्य, सर्वरस, साल, सालन, सालनिर्यास, सालरस, सालवेष्ट, सुरधूप, सुरभि.

रावण ना० दशकंठ, दशकंधर, दशग्रीव, दशमुख, दशवक्त्र, दशवदन, दशशीश, दशानन, दशास्य, निश्चरनाह, निश्चरपति, मांसभुज, मन्दोदरीपति, मन्दोदरीरमण, राक्षसराज, राक्षसेश, लंकापति, लंकेश. १८

१ रावण नामोंपर रिपुअर्थके शब्दलगाने से रामचन्द्रके नामहोते हैं

रास्ना ना० अमिरसा, एलापर्णी,

छत्राकी, द्रोणगन्धिका, धूर्तनाकुषा, नकुलेष्टा, नन्दनापिता, नाकुली, नागसुगन्धा, पलंकषा, प्राचीना, भद्रा, भुजंगाक्षी, मुक्तरसा, मुक्ता, यक्तरसा, युक्ता, रसना रस्या, बहुरस्या, रायसन, रासना, रास्ना, श्रेयसी, सर्जगन्धा, सहा, सुगन्धमूला, सुगन्धा, सुराम, सुरसा, भुवहा २१

राहु (गृह) ना० असुर, तम, तमस् तमोगु, तमोमय, नभाक, राहु, विधुन्तुद, सिंहीसुत, सिंहिकातनय, सिंहिकापुत्र, सिंहिकासुत, सिंहिकासूनु, सैंहिक, सैंहिकेय, स्वर्भानु १५

राक्षस ना० अश्रप, असुर, असृप, आशर, आशिर, आसुर, इन्द्रारि, कर्बुर, कर्बूर कर्बुर, कर्बुर, कौणप, कौणप, क्रव्यभुज, क्रव्याद्, क्रव्याद, जातुधान, तमीचर, दनुज, दनुपुत्र, दनुसंभव, दनुसूनु, दानव, दानवेय, दैत, दितितनय, दितिसुत, दित्य, दैतेय, दैत्य, निकषात्मज, निकषापुत्र, निकषासुत, निशचर, निशाचर, निशाट, निशाटन, निश्चर, नैऋत, पिशाच, पिशितभुज, पिशिताश, पिशिताशन, पिशिताशिन्, पिशिताशी, पुण्यजन, पूर्वदेव, यातुः, यातुधान, राक्षस, रात्रिचर, रात्रिंचर, रात्रेय, शुक्रशिष्य, सुरद्विष, सुररिपु, सुरारि, सुरारी ५८

१—रात्रिनामोंपरचर लगानेसे राक्षसों के नामहोते हैं ॥

२—शुक्र नामोंपर शिष्य अर्थके शब्द लगानेसे राक्षसों के नामहोते हैं॥

३—राक्षस नामोंपर रिपु अर्थके शब्द लगाने से देवतोंके नाम होतेहैं ॥

राक्षसी ना० आसुरी, आसृपा, दनुजा; दानवी, दितिसुता, दित्यात्मजा, दैत्या, निशाचरी, निश्चरी राक्षसी. १०

—— री ——

रीछ ना० ऋक्ष, भल्ल, भल्लक, भल्लुक, भल्लू, भल्लूक, भालुक, भालूक, भाल्लुक, भाल्लूक, रीछ. ११

रीठा ना० अरिष्ट, अरिष्टक, गर्भपातन, फेनिल, रिष्ट, रीठा, वस्तिकर्माढ्य, वेशीर, सुगा. ९

रीठाकरंज ना० अरिष्टक, कुम्भबीजक, गुच्छक, गुच्छपुष्पक, गुच्छफल; प्रकीर्य, फेनिल, मंगल्य. ८

—— रु ——

रुई—कपास देखो

रुद्रदन्ती वृक्ष ना० रुदन्तिका, रुदन्ती; रुद्रदन्ती, रोमाञ्चिका ४

रुद्रजटा ना० ईश्वरी, घना, जटा, जटावल्ली, दीप्यक, नेत्रपुष्करा, पत्रवल्ली, महाजटा, रुद्रजटा, रुद्राणी; रौद्री, शंकरजटा, सुगन्धपत्रा, सुगन्धा, सुपत्रा, सौम्या. १६

रुद्राक्ष ना० नमेरु, नीलकण्ठाक्ष, भूतनाशन, शिवप्रिय, शिवाक्ष, सर्पाक्ष ६

—— रू ——

रूप ना० आप्न, अप्नस्, कृशन, निर्णिज, पेश, वपुस, वर्पस्, शिल्प.८

रूपामक्खी ना० माक्षिक, चांदधातु

रूमीमस्तगी वृक्ष ना० गुहावदरी, भंगुरा, मस्तकी. ३

रूसावृक्ष ना० अटरुष, अटरूष, अडुस, अडूसा, आमलक, कण्ठीरवी, कसतोतत्पाटन, नाशा, भिषग्माता, भूकन्द, मृगेन्द्राणी, रूपक, रूसा, बांसा, वाजिदन्त, वाजिदन्तक, वाशा, वाशिका, वासक, वासका, वासा, वासिका, वृश, वृष, वैद्य वैद्यमाता, वैद्यसिंही, शब, सिंहपर्णी, सिंहमुखी, सिंहास्य, सिंही, सितकर्णी. ३१

—रे—

रेणुका ना० अभीष्टा,कपिला, कपिलोमा, कान्ता, कृतान्ता, कौन्ती, खरनादिनी, ज्योत्स्नी, द्विजा,धर्मिणी, नन्दिनी; पाण्डुपत्नी, पाण्डुपत्री, ब्रह्माणी, भस्मगन्धा, भस्मगन्धिका, भस्मगन्धिनी, भस्मगर्भा, महिला, राजजननी, राजपुत्री, रेणु, रेणुका, वरमुखा, वृत्ता, शान्ता, सुरर्णिका, हरेणु, हिमा, हेमगन्धिनी, ३०

रेहू ना० ऊप, ऊष, ऊषर, रेह, रेहू, क्षारमृत्तिका. ६

—रो—

रोग ना० आतंक, आमय, उपताप, उल्लाप, गद, रुक्, रुज्, रुजा, रुद, रोग, व्याधि. ११

रोगरहित ना० उल्लाघ, कल्प, निरामय, निराग, निरोगी, वार्त्त, वार्त्ता ७

रोगी ना० अभ्यमित, अभ्यांत,आतुर आमयावी; रोगी, व्याधित. ६

रोना ना० क्रन्दत;क्रंदित;क्रुष्ट;रुद;रुदित रोदन; विलाप; ७

रोम ना० तनुरुह;तनूरुह; रोम;रोमन-लोम; लोमन ६

रोमखड़े होना ना० उल्लास, रोमपुलक, रोमविकार, रोमविक्रिया, रोमविभेद, रोमहर्षण, रोमहर्ष, रोमाञ्च, रोमोद्गम, रोमोद्भेद, लोमसहर्षण, लोमहर्ष, लोमहर्षण, लोमहर्षित. १४

रोहिस (गन्धजघास) ना० कत्तृण, कातृण, गंधखेट्क, गन्धतृण, देवजग्ध, देवजग्धक, धूमगन्धिक, ध्यामक, पूति, पौर, भूति, भूतिक, भूतृण, मुद्गल, रामकर्पूर, रामकर्पूरक, रौहिष, सौगन्ध, सौगन्धिक. १६

रोहिस बड़ा ना० दीर्घनाल, दीर्घरोहिषक, दृढ़काण्ड,दृढ़च्छद,यज्ञष्ट, ५

रोहेड़ा वृक्ष ना० कुशाल्मलि, दाड़िमपुष्पक, प्लीहघ्न,प्लीहशत्रु, प्लीहारि, प्लीहाशत्रु; मांसदलन, यकृद्वैरी, यकृद्वैरिन्, यकृन्मर्द, रक्तघ्न, रक्तपुष्प, रक्तपुष्पक, राजपुष्प, रोहिण, रोहित, रोहितक, रोहितेय,रोहिन्, रोही, रोहीतक; विरोचन, शाल्मलिक. २१

रोहेड़ावृक्ष सफेद ना० वनवल्लभ, शुक्लरोहित; श्वेतरोहित, सितपुष्प, सितांग, सिताह्वय. ६

—❀ ल ❀—

लंगड़ा ना० खञ्ज, खञ्जक, खञ्जखेल, खोड़, खोर, खोल, पंगु, पंगुल. ८

लगाम ना० कवि, कविक, कविका, कवियं, कवीय, खलिन, खलीन, लगाम·

लजारू ना० अञ्जलिकारिका, अमरोधिनी, कन्दिरी, कृताञ्जलि, खदिरपत्रिका, खादरपत्री, खदिरा, खदिरी, गण्डकारी, गण्डकाली, गण्डमालिका, छुईमुई, ताम्रमूला, नमस्कारी, प्रसारणी, प्रसारणी, महाभीता, महौषधि, रक्तपदी, रक्तपादी, रक्तपुष्पिका; रक्तमूला, लज्जालिका, लज्जा, लज्जालु; लज्जिरी, लज्जावती, लज्जालू, लाजवन्ता, शमीपत्रा, संकोचनी, सप्तपर्णी, समंगा, स्पर्शलज्जा, स्वगुप्ता, हाथाजोड़ा. २६

लजारूलाल ना० कर्णाटी, कीटपादिका, कीटमाता, कीटमारी, गोधापादिका, गोधापदी, गोधावती, जलमण्डलिका, त्रिपदा, ताम्रपदी, धार्त्तराष्ट्रपदी, पदांगी, ब्रह्मादनी, मधुस्रवा, शिवगन्धि, शीतांगी, संचारिणी, सुतपादिका, सुवहा, हंसपादी, हंसपादिका, हंसपदी; हंसवती, त्रिदला; त्रिपदा, त्रिपदी, त्रिपादिका. २४

लज्जित ना० लज्जित, व्रीडित, ह्रीत, ह्रीण, ह्रीत, ह्रीकु; ह्लीकु. ७

लट (बालों की) = पटिया देखो

लड़कपन ना० कौमार, कौमारक, बालकपन; बालिश्य; बाल्य, बाल्यावस्था शैशव.

लड़का ना० अंगज, अंगजन्मन्; अंगजात, अपत्य, आत्मज; आत्मजन्मन्, आत्मजात, आत्मप्रभव, आत्मभू, आत्मभूत; आत्मयोनि; आत्मसंभव, आत्मसमुद्भव, आत्माधीन, आत्मोद्भव, आत्मोद्भव, उत्तानशय, कुमार, तत्कृत्, तनय, तनुज, तनुभव, तनूभुज, तनूद्भव, तनजनि, तनूजन्मन्, तोक, दारक; नन्दन, पुत्र; पुत्रक, पृथुक, बालक, वटु, शिशु, शिशुक सुअन, सुत, सूनु. ३६

लड़का लड़की ना० अपत्य, तनयौ

लड़की ना० अंगजा, अंगोद्भवा, अपत्या, अर्भका, आत्मजा, आत्मभू, आत्मभूता, आत्मसंभवा, आत्मसमुद्भवा, उत्तानशया, कना, कन्यका, कन्यला, कन्या, कुमारिका, कुमारी, तनया, तनुजा, तनुभवा, तनूजा, तनूजाता, तनूद्भवा, तोका, दारिका, दुहिता; नन्दना, नन्दनी, नन्दिनी, पुत्रका, पुत्रिका, पुत्री, पृथुका, बालिका, सुता, सूनू: ३१

लड़ाई ना० अनीक; अभिमर्द, अभिसम्पात, अभीक, अभ्यागम, अभ्यामर्द, अभ्यामर्दन, आक्रन्द, आजि, आयोधन, कदन, कलह, कलि, खजा, खल, जन्य; नदन, नैमधिति, पृतना, पौंस्य, प्रधन, प्रयुद्ध, प्रविदारण, मर, महाधन, मीढ़, मृध, मृधस्, मृध, युद्ध, युध, रण, वाज, विग्रह, संयत, संयुग, संख्य, संगर, संग्राम; समर, समाघात, समित्, समिति, समिथ, समीक, सम्परायक, साम्परायिक, सम्प्रहार. ४८

लड्डू ना० मोदक, लड्ड;लड्डुक,लड्डू.

लम्बा ना० आयत,गुरु, दीर्घ, प्रांशु, लम्बा, विशाल, बृहत्. ७

लम्बाई ना० आयति, आयत्ति २

लमोड़ा वृक्ष ना० उद्दाल, उद्दालक, कोलक, गन्धपुष्प,द्विजकुत्मित,पिच्छिल, भूतद्रुम, भूतपादप, बहुवार, शाकट, शीत, शीतल, शेलु, श्लेष्मल, श्लेष्मात, श्लेष्मातक, श्लेष्मान्तक, सेलु, सेलू १९

लसोड़ाफल ना० बहुवार, बहुवारक, शाकटफल, शीतफल, शेलुफल. ५

लमोड़ा छोटा ना० भूकर्बुदारक, भूशेलु, लघुपिच्छल, लसेरा; लभेड़ा, क्षुद्रश्लेष्मान्तक. ६

लहर ना० ऊर्मि, ऊर्मिका, ऊर्म्मी, कल्लोल, तरंग, भंग, लहर, लहरी, विचि, विची, वीचि, वीची, १२

लहसुन ना० अरिष्ट, उग्रगन्ध, कटुकन्द,गृञ्जन डिंडिरमोदक, दविपत्रक; भूतघ्न, महाकन्द, महौषध, म्लेच्छकन्द, यवनेष्ट, रसुन, रसोन, रसोनक, राहूच्छिष्ट,राहूत्सृष्ट,लसुन, लशून,लहशन, लहशन, श्रीमस्तक,सोनह, स्नास्तक.२३

लहशुन लाल ना० गृञ्जन, दीर्घपत्रक, पृथुपत्र, महाकन्द, स्थूलकन्द,

लक्ष्मणा कन्द ना० अपत्यदा, असृबिन्दुच्छदा, नागपत्री,नागाह्व, पुत्रच्छदा. पुत्रकन्दा,पत्रदा,लक्ष्मणा,लक्ष्मणाकन्द.९

लक्ष्मी ना० इन्दिरा, कमला, चपला, नदजा, पद्मा, पद्मालया, पद्मावती, मा, माता, मातृ, रमा, लक्ष्मी, लोकमाता, लोकमातृ, विष्णुवल्लभा, श्री, सम्पद्, सिंधुजा, सिन्धुसुता, हरिप्रिया, हरिवल्लभा,क्षुनना,क्षीराब्धिजा, क्षीराब्धितनया, क्षीराब्धिसुता, २५

१—विष्णु नामोंपर प्रिया अर्थके शब्द लगाने से लक्ष्मी के नाम होतेहैं ॥

२—समुद्र नामों पर कन्यानामके शब्द लगाने से लक्ष्मी के नाम होतेहैं ॥

३—लक्ष्मी नामोंपर पति नाम के शब्द लगाने से विष्णुके नाम होते हैं

४—लक्ष्मी नामोंपर बन्धु नाम के शब्द लगाने से चन्द्रमा, शंख, अमृत आदिके नामहोते हैं

लक्ष्मीवान् ना० लक्ष्मण, लक्ष्मीवान्, श्रीमन्, श्रीमान, श्रील, श्लील. ६

—— ला ——

लाख ना० अलक्त, अलक्तक, कार्पट, कीटजा, कृमि, कृमिजा, क्रमिजा, खदिरिका,गन्धमादिनी, गराजिका, गवाधिका, जतु, जतुक, जन्तुका, द्रुवरसा,द्रुमव्याधि; द्रुमामय,नीला,पलंकषा,पलाशी, पित्तारि, रक्ता, रंगमाता, रंगमातृका, रक्षा, राक्षा, राक्षया, लाख, लाह, लाक्षा, वरवर्णिनी, क्षतघ्नी ३२

लाज ना० मन्दास्य, लज्जा, लज्या, लञ्जा, व्रीड़: व्रीडन, व्रीडा, हया, ह्रिणीया, ह्रिति, ह्री, ह्रीका, ह्राका; त्रपा;

लामंजकतृण ना० नलद, लघु, लव, लामञ्जक. ४

लार वा थूक ना० मुखस्राव, लार, लाला, श्लेष्म, सृणिका, सृणीका, स्यन्दिनी. ७

लालची ना० लालची लुब्ध, लोभी.

लाही ना० राई, राजसर्षप, राजसर्षों, राजिका, लाई, लाही, श्यामा, सुकुमार, स्रव, स्रवक. १०

—— लि ——

लिंग (पुरुषइन्द्री) ना० ध्वज, मदनांकुश, पुरुषांग मेढ्र, मेहन,ललाक, लिंग, शिश्न, शेपः, शेपस्, शेफः, शेफस्, शेव,

लिंगनीलता ना० आपस्तम्भिनी,देवी, लिंगिनी, लैंगी,शिवबल्लिका, शिवबल्ली,

लिपटाना व प्यार करना ना० आलिंग, आलिंगन, उपगूहन, परिरंभ. परिष्वंग,परिरम्भन, ली, श्लेष' श्लेषा.९

—— ली ——

लीन (किसीविषयमें आशक्तहोना) ना० आविष्ठ, आसक्त, तत्पर, प्रसित.

लीलना ना० गिर, गिलन, गिलि, गरिण, निगरण. ५

—— लू ——

लूट ना० डमर, डामर, डिम्ब. ३

—— ले ——

लेखक ना० अक्षरचण, अक्षरचुंचु, अक्षरजीवक, लिपिकर, लिपिकार, लेखक

लेनदेन ना० दानादान,निमय, नैमय, परिदान, परिवर्तन; परीवर्त, प्रतिदान, विनिमय, विमय, वैमय. १०

लेना ना० ग्रह, ग्रहण, ग्राह. ३

लेप ना० प्रदेह. प्रलेप, लेप.३

—— लो ——

लोकवा (फालिज) ना० अर्दित, अर्धांग, पक्षघात, पक्षाघात. ४

लोकवृत्तान्त (कुशलआदि) ना० उदन्त; प्रवृत्ति, वार्ता, वृतान्त. ४

लोध ना० काण्डकीलक, काण्डनील, गालव, तिरीट, तिल्व, तिल्वक, बलभद्र, भिल्लतरु, भिल्ली, रोध्र. लोध, लोध्र, लोध्रक, शम्बर, शश, शशक, शाल्व, सावर, हरितलोध्रक, हेमपुष्पक. १६

लोधवृक्ष ना० गालव, बलिप्रिय, मार्जन, लोध्रकवृक्ष, वानराघात, शावर, सूद. ७

लोध उजला ना० गालव, तिल्व, मार्जन, बहलत्वच, शबरलोध्र, श्वेतलोध्र ६

लोध पठानी ना० अक्षिभेषज क्रमुक, गालव, जीर्णबुध्न, तिल्व, पट्टिका. पट्टिकाख्य, पट्टिकालोध्र, पट्टिलोध्र पट्टिलोध्रक, पट्टिन्, पट्टी. महालोध्र, लाक्षाप्रसाद, वल्क, वल्कलोध, बृहद्दल, बृहद्वल्क, शीर्णपत्र, श्वेतलोध्र. २०

लोध लाल ना० कषायकृत्, तिल्व, पाटला, मार्जन, लक्तकर्मन्,लक्तकर्मा, लाक्षाप्रसादन, साम्भरी, स्थूलवल्कल. ९

लोबान ना० कुन्द, कुन्दक. कुन्दु, कुन्दरु, कुन्दुरुक, कुन्दुरू, गोपुरक, तीक्ष्ण, तीक्ष्णगन्ध, दधित्थाख्य, पद्म-

दर्शन, पालंकी, पालंक्या, पालिन्द, मुकुन्द, मुकुन्दु, लवणखोटि, शक्रसुधा, शिखरिन, शिखरी, श्रीवास, श्रीवेष्टक, सुरभि, सौगन्धिक. २४

लोबिया ना० कुल्माष, द्विजसप्त, निष्पाव, नीलमाष, नृपांचित, बर्बट, बर्बटी, बलिन्, बल्ली, मकुष्टक, महामाष, राजमाष, सितमाष १२

लोहकीट ना० अयोमल, किट्ट, कृष्णचूर्ण, धूर्त, मण्डूर, रोगत, लोष्ट, लोहकिट्ट, लोहचूर्ण, लोहकीट, लोहज, लौहकिट्ट, लौहज, लौहमल, सरण, सिंहाण; सिंहान. १७

लोहा ना० अयः, अयस्, अश्मसार, आयस, काल, कालायस, कृष्ण, खड्ग, गिरिज; गिरिसार, घन; चानन, तीव्र, तीक्ष्ण, दैत्य, दृढ़, निशित, पुष्पक, मलीमस, मुण्ड, मुण्डायस, मुण्डित, रुक्म, लोह, लोहा, शठ, शस्त्र, शस्त्रक, शस्त्रायस, शिलाज, शिलात्मज; शिलासार, सार. ३२

लोहार ना० अयस्कर, अयस्कार, कालायसकर, मुष्टिकर, लोहकार, लोहकारक, लोहार, व्योकार. ८

लोहाइस्पात ना० काललौह, चित्रायस; चीनज, तीक्ष्णायस, पिण्ड, पिण्डायस, मुण्डायस, मण्डित, लौहसार, सारलौह.

लोहाकाला ना० कृष्णामिष; कृष्णायस, नीललोह, वर्त्तक, वर्त्तलोह. ५

लोहू ना० असृक्, असृज्, असृ, कीलाल, प्राणद, रक्त, रुधिर, रोहित, लोहित, लोह, शोणित. ११

—— लौ ——

लौंग ना० इन्दुपुष्प, गर्भिणीकुसुम; ग्रहणीहर, चन्दनपुष्प, तीक्ष्णपुष्प; तोयधिप्रिय, त्वक्सुगंध, दिव्य; दिव्यगंध; देवकुसुम, देवपुष्प; द्रुमालय, भृंगार, मादन, रांचर, लव, लवंग, लवंगक, लवंगकलिका, लक्ष्मापति, लौंग, लौंग, वश्य, वारिज, वारिसम्भव, श्रृंगार, श्री, श्रीपुष्प, श्रीसंज्ञ, सगंध, सुपुष्प, त्रिदशपुष्प. ३२

लौकी ना० अलाबू, अलाबु, आलाबू, तुम्ब, तुम्बक तुम्बा; तुम्बि, तुम्बी; तुम्बुक, तृणकूर्म, पिण्डफल, पिण्डी, लाबु, लाबू १४

लौकीकडुई ना० अलाबू, इक्ष्वाकु, कटुका, कटुकालाबु, कटुतिक्तिका; कटुतुम्बी, तिक्तका, तिक्ततुम्बी, तिक्तबीजा, तिक्तालाबु, तिक्तका, तुम्बिका, तुम्बिनी, तुम्बी, नृपात्मजा, पिण्डफला, राजपुत्री, लम्बा, बृहत्फला १९

लौकागोल ना० कुम्भतुम्बी, गोरक्षतुम्बी, गोरक्षी, घटालाबु, नागालाबू ५

लौकीमिठी ना० तुम्बीमिष्ठा भक्ष्यालाबु, मधुरालाबुनी, महातुम्बी, राजालाबु, शाकालाबु ६

—— व ——

वंश ना० अन्वय, अन्ववाय, अभिजन, आम्नाय, कुल, गोत्र, जनन; वंश, संतति, संतान १०

वंशपत्री तृण ना० जीरका, जीर्णपत्रका, नाड़ी, शिरा. वंशपत्री, वेणुपत्री, हिंगु, हिंगुपत्री, हिंगुशिराटका. ९

वंशलोचन (तबाशीर) ना० कर्म्मीरी, तुंगाक्षीरी, तुगा, तुगाक्षीरी, तुंगा. त्वक्सारा, त्वक्क्षीरा; त्वक्क्षीरी, त्वगाक्षीरी, पिंगा, रोचनिका, वंशकर्पूररोचना, वंशजा, वंशरोचन, वंशरोचना, वंशलोचन, वंशलोचना, वंशशर्करा, वंशक्षीरी, वैणवी शुभा, शुभ्रा, श्वेता २३

वंसी ना० वंशी. वाणा, वेणु, स्टक ४

बंसी बजानेवाला ना० वेणुध्मा, वेणुवाद, वेणुवादक, वैणविक, वैणिक ५

बंसी (जिसमें मछली पकड़ते हैं) ना० मत्स्यघातनी, मत्स्यवेधना, मत्स्यवेधनी, मत्स्यबन्धन, मत्स्यवेधन, बंसी, बडिश, बडिशा, बडिशी, बलिश ६

वज्र ना० अशनि, अशनी, कुलिश, कुलीश, तुंज, दम्भोलि, दिद्यु, नेमि, नेमी, पवि, भिदिर, भिदु, भिदुर, वज्र, वज्राशनि, शतकोटि, शम्ब, स्टक, स्वरु, स्वरुस्, हति, ह्रादिनी. २२

वटपत्री औ० ना० मोहनी, वटपत्री २

वत्सनाभ विष (बच्छनाग) ना० अमृत, काकोल, कालकूट, गर, नागस्तोकक, प्राणहारक, बच्छनाभ, महौषध, मरण, वत्सनाभ, विष, स्थावरादि. १२

वराहक्रांता ना० गवडकारी, तिक्तगंधिका, नमस्कारी, बदरा, मधुपर्णिका, रोहिणी, लोहिता, शूकरक्रांता, शूकरी, समंगा, सूकरी, क्षीरिणी, क्षुरिणी. १६

वरुण (जलदेव) ना० अपांनाथ, अपांनिधि, अपाम्पति, अप्पति, जलेश, जलईश्वर, जलनाथ, जलपति, जलाधिप, पाशधर, पाशपाणि, पाशभृत, पाशहस्त, पाशिन्, पाशी, प्रचेतस्, प्रचेता, यादस्नाथ, यादस्पति, यादसांनाथ, यादसाम्पति; वरुण २२

१—जल नामोंपर पति अर्थके शब्द लगाने से वरुण के नाम होते हैं

वरुणवृक्ष ना० अचल, अश्मरीघ्न, कुमार, कुमारक, जम्बुक, तमाल, तमालक, तिक्त, तिक्तशाक, मूलिकदम्ब. निष्कण्ट, प्रचण्डमूर्ति, बल, बलाय, मारुतापह; वरण, वरन, वराण, वरुण, शिखिमण्डल, श्वेतवृक्ष, श्वेतसर्प, साधुवृक्ष; सेतु, सेतुक, सेतुवृक्ष. २६

वर्तमानकाल ना० तत्काल, तदात्व, वर्तमान. वर्तमानकाल ४

वर्ष ना० अनुवत्सर, अब्द, परिवत्सर, वत्सर, वरष, वर्ष, शरद, संवत्, संवत्सर, समा, साल, हायन. १२

वर्षा ना० वर्ष, वर्षण, वर्षणि, वर्षा, वृष्टि. ५

वर्षाऋतु ना० पावस, प्रावृष, प्रावृषा, बरसात, वर्षा, वर्षाऋतु. ६

वसुदेव (श्रीकृष्ण के पिता) ना० अनकदुन्दुभि, अनकदुन्दुभी, आनकदुन्दुभि, दुन्दु, वसुदेव. ५

१—कृष्ण नामोंपर पिता नाम के

शब्द लगाने से वसुदेवके नाम होते हैं

वसुवृत्त ना० वसुक, शिवमल्लिका, शिवशेखर. ३

—वा—

वाण (तीर) ना० अजिह्मग, असुमू, आशुग, इषु, कलम्ब,कादम्ब,खग, तीर, नाराच, पत्रिन, पत्री, पृषत्क, मार्गण, मार्गन, रोप, वाण, बान, विशिख, शर, सर, सायक. २१

वातरोग ना० अनिलामय चलातंक, प्रतान वातरोग, वायुरोग. ५

वायुविडंग ना० अमोघा, कापाली, कीटहाग्न, कृमिकण्टक, कृमिघ्न, कृमिघ्नी, कृमिरिपु, कृमिशत्रु, केतन, केराल, कैराली, क्रिमिघ्न, क्रिमिरिपु, क्रिमिशत्रु, क्रिमिकण्टक, क्रिमिघ्न, क्रिमिरिपु, क्रिमिशत्रु, गहूम, चित्रतण्डुल, चित्रतण्डुला, जन्तुघ्न, जन्तुघ्ना, जंतुहन्त्री, तण्डुल, तण्डुला, तण्डुलीयक, तण्डुलीयिका, तण्डुलु, बन्धुर, वरा, भस्मक, मृगगामिनी, मोघा, रसायन, रुचक,वरा, वातारि, वायुविडंग, वायुभरंग, विडंग, विडंगा, वीजसार, वृषनाशन, वेल्लु, सुचित्रवीजा. ४७

वाराहीकन्द ना० अमृत, कन्या, कोलकन्द, कौमारी, क्रोडि क्रोडी, गृष्टि, गृष्टी,गेठी, घृष्टि,घृष्टी, पञ्चल,ब्रह्मपुत्री, ब्राह्मी, ब्राह्मीकन्द, महावीर्य, महौषध, माधवेष्टा, वनमालिनी, वनवासिन्, वनवासी, वन्य वराह, वराहकन्द,वराहकान्ता, वराहनामन्, वराहनामा; वराही, वस्त्रपंचल वाराही विल्लमूला,विष्वक्सेनप्रिया,वीरवृद्धि,व्याधिहन्ता,शम्बरकन्द, शूकरकन्द, शूकरी, सुकन्दक, सुपुट, सुरभिका, त्रिनेत्रा. ४१

वाल्मीक ना० आदिकवि; प्राचेतस, मैत्रावरुण, वाल्मिक, वाल्मीकि. ५

—वि—

विघ्न ना० अन्तराय,उपद्रव, प्रत्यूह, प्रत्यूह, विघ्न. ५

विचार ना० चर्च, चर्चन, चर्चा, विचार, संख्या, संख्यान, ६

विचारा हुआ ना० विचारित, वित्त, विन्न. ३

विजय सार ना० अजकर्ण, अशन, असन,आशन, आसन, नीलक,परमायुष; पीतक, पीतशाल, पीतसार, पीतसाल, पीतसारक, पुष्पप्रियक, प्रियक, प्रियसालक, बन्धूक, बन्धूकपुष्प, महासर्ज्ज, वनेसर्ज, वाजिकर्ण, विजयसार, बीजक, शाकयुग्म, सर्ज्जक, सौरि. २५

विदारीकन्द ना० इक्षुविदारी,गजेष्टा, गन्धफला, पलाशिका, भूकूष्माण्डी, भूमिकुष्मांड, रसाला, वारिवल्लभा,विडाली, विदारी, विदारीकन्द,वरी, वृष्यवल्लिका वृष्यकन्दा, वृत्तादनी, शुक्ला, शृगालिका, शृगाली, [illegible]ता, स्वादुकन्दा, क्षीरकन्दा, क्षीरवल्ली, क्षीरविदारिका, क्षारयुक्ता, क्षुद्रश्वेता २५

विदारीकन्द उजला ना० इक्षुगन्धा.

क्रोष्ट्री, श्वेतभूमिकुष्माण्ड. ६

विदाराकन्द काला ना० कृष्णभूमि कुष्माण्ड; क्रोष्ट्री. २

विधारावृक्ष ना० आवेगी, ऋक्षगंधा, कोठरपुष्पी, छगना; छगलाण्डी, छगलांत्रिका, छगलान्त्री; छगलगंधी, छगला-छागलान्त्रिका, जुंग, जुंगक, जुंगा, विधारा, वृद्ध, वृद्धदारक, वृद्धदारु, वृष्यगन्धा, श्याम, श्यामा, सुपुष्पी, क्षतविध्वंसिन, क्षतविध्वंसी. २३

विपत्ति ना० आपत्ति; आपद, आपदा, विपत्ति, विपद, विपदा. ६

विलस्त ना० द्वादशांगुल, वितस्ति, वित्ता, विलस्त, बीता. ५

विशाखा नक्षत्र ना० राधा, विशाखा २

विश्वामित्र ना० कौशिक, गाधिज, गाधितनय, गाधिपुत्र, गाधिसुअन, गाधिसुत, गाधेय, विश्वामित्र. ८

विश्वासी ना० आप्त, प्रत्ययित, प्रत्ययिता, विश्वासपात्र, विश्वासी. ५

विष ना० अमृत, कलाकूट, कालकूट, गद, गर; गरद, गरल, घोर, क्ष्वेद, जंगुल, जांगुल, तीक्ष्ण, धूनक, निद, निर्मोक, नील, मूगर, म, मधुर, रक्तशृंगिक, रस; विष, विषल, हाहल, क्ष्वेड. २८

विषभेद (स्थावरादि) ना० काकोल, कालकूट, गौरार्द्रक; प्रदीपन, ब्रह्मपुत्र; शौक्लिकेय, सारोष्ट्रिक, सौराष्ट्रिक, हलाहल, हालहल, हालाहल, हालहाल.

विषवैद्य ना० जांगलि, जांगलिक जांगुलि, जांगुलिक, विषभिषज, विषवैद्य, विषहरवैद्य. ७

विष्णु ना० अखिलेश्वर, अच्युत, अज अजित, अनघ, अनन्त, अनन्तात्मन्, अनन्तात्मा, अनन्तरूप, अनंतश्री, अनर्थ; अनल, अनामय, अनिमिष, अनिमेष, अनिरुद्ध; अनिर्देश्य, अनिर्विराम, अनिवर्तिन, अनिल, अनीश अनुत्तम, अनेकमूर्ति, अंतरयामी, अन्न, अन्नाद, अपराजित, अभयद, अमरप्रभु; अमरेन्द्र, अमरेश; अमितविक्रम, अमिताशन, अमूर्तिः, अमूर्तिमत्, अमृत, अमृतप, अमृतांशूद्भव, अमृत्युः, अमेयात्मन्, अमोघ, अयोनिज, अरविंदाक्ष; अरीन्द्र; अर्क, अर्चिष्मत्, अर्थ, अर्ह, अविज्ञाता; अव्यक्त, अव्यय, अशोक, असुरारिपु, असुरसूदन, असुरहत् अक्षर, आत्मयोनि, आदित्य, आनन्द, आश्रम, इन्द्रकर्मन्, इन्द्रावरज, ईशान, उत्तम, उत्तारण; उदारप्रिय, उदीर्ण, उद्भव, ऊर्ज, एक, एकपाद, कपिल; कपिलाचार्य; कमलापति, कमलासन, कर्ता, काम, कामिन्, कुन्द, कुन्दर, कुमुद, कृष्ण, केशव, कैटभजित, कैटभारिपु, कैटभारि, क्रम, क्रोधहन्, गदाधर, गदाभृत, गदिन्, गभस्तिन्, गरुडध्वज, गरुडांक, गरुडासन; गुप्त; गुरुत्तम. गुह, गुह्य गोप, चक्रधर, चक्रपाणि, चक्रभृत, चक्रहस्त, चक्रायुध, चक्री, चक्रेश्वर, चतुरात्मन्, चतुर्भाव, चतुर्भुज, चतुर्व्यूह, चन्द्रांशु,

जगत्पति, जगदीश, जनार्दन, जयंत, जलशय, जलशयन, जलशायिन्, जलशायी; जितक्रोध; जितामित्र, जीव, ज्योतिस्; तारण, तंतुवर्द्धन, तीर्थंकर, तुष्ट, दम, दमन; दमयित्र; दर्पद्न, दर्पद, दर्पहन्, दक्ष, दक्षिण, दानवारि; दीप्तमूर्ति, दुरतिक्रम, दुर्जय, दुर्मर्षण, दृप्त, देवभृत्, देवातिदेव, देवाधिदेव, देवारिनिकन्दन, देवेश, दैत्यारि, द्युतिधर, द्रविणप्रद, धनंजय; धनुर्धर, धनर्भृत्, धन्विन्, धन्वी, धरणीधर, धरणीश्वर, धर्म्मकृत, धर्म्मगुप्त, धर्म्मविदुत्तम, धर्म्माध्यक्ष, धातृ, धुर्य्य,धृतात्मन्, धृत्वन्,ध्रुव, नन्द, नन्दकिन्, नन्दन, नन्दि, नय, नरायण, नरोत्तम, नक्षत्रनेमि, नक्षत्रिन्, नारसिंह, नारायण, निमिष, निवृतात्मन्,निवृतात्मा निष्ठा, न्यग्रोध; न्याय;पद्मकर, पद्मगर्भ, पद्मनाभ; पद्महस्त, पद्मिन्, पद्मेशय, परमांगक, परमेश, परमेश्वर, परमेष्ठिन, परमेष्ठी, परिग्रह, पर्जन्य, पवन, पापनाशन, पावन, पीतांबर, पुण्डरीकाक्ष, पुण्यकीर्तन, पुण्यश्रवण, पुनर्वसु,पुरंदर, पुराण, पुरुष, पुरुजित, पुरुषकेसरिन्, पुरुषाद्य, पुरुषोत्तम, पुष्कराक्ष,पुष्पहास पूतात्मा, पेशल प्रकाशन, प्रकाशात्मन, प्रग्रह, प्रजापति, प्रणव; प्रतिष्ठित; प्रत्यय, प्रथित,प्रभव, प्रभु, प्रमाण, प्रमोदन प्रसन्नात्मन्, प्राणद; प्राणभृत्, प्रियकृत, प्रियार्ह, प्रीतिवर्धन, बलिध्वंसि, ब्रह्मकृत, ब्रह्मपितृ, ब्रह्मण, ब्रह्मण्य, ब्रह्मण्यदेव,

भक्तवत्सल, भगवंत, भगवान, भयकृत्, भर्तृ, भारभृत्, भावन, भास्करद्युति, भिषज, भमिपराक्रम; भूगर्भ, भूतभावन, भूतात्मन्, भूतावास, भूषण, भोक्तृ, भोजन, भ्राजिष्णु, मधुसूदन, मनःपति, मनस्पति, महक, महाक्रम, महातपस, महामाय, महामूर्ति, महायज्ञ, महायाम्य, महावराह, महास्वन, महाहंस, महीधर, महीध्र, महेश, महेश्वर, मुकन्द, मेधज, यज्वन, यदुपति, यज्ञ, यज्ञकृत,यज्ञकृत्, यज्ञपति, यज्ञपुंस, यज्ञपुमान्, यज्ञपुरुष, यज्ञफलद, यज्ञभावन;यज्ञभृत, यज्ञवाहन यज्ञसार, यज्ञत्रातृ, यज्ञांग, यज्ञांतकृत, यज्ञात्मन्, यज्ञावयव, यज्ञी; यज्ञेश्वर, योगनिद्रालु, योगपति, योगिन्, योगी, रथांगपाणी, रमाकान्त.रमानाथ, रमापति रमाप्रिय.रमेश.रविनेत्र. रविलोचन, रक्षण, लक्ष्मीनाथ. लक्ष्मीपति. लक्ष्मीरमण. लोकनाथ, लोकपति. लोहिताक्ष. वत्सल. वत्सल. वरांग, वराह. वर्द्धमान. वाग्मिन्, वाजसन, वासुः, विक्रम, विक्रामित, विधु, विभु; विरज, विरिंच, विरिंचन, विरिंचि, विशिष्ठ, विश्व; विश्वजित्, विश्वभावन, विश्वयोनि; विश्वरूप विश्वात्मन; विश्वात्मा, विषय विष्ठरश्रवा, विष्णु, वीर, वीरबाहु. वीरहन्. वृषभेक्षण. वृषान्तक. बृहत्.वेद. वेदविद.वेधस. वैकुण्ठ. व्यक्त. व्यक्तरूप, व्यग्र, व्यवसाय, व्यवस्थान, व्यादिश, व्यापिन, शंखभृत्, शतावर्त, शतावर्तिन्, शशबिन्दु, शिखण्डिन्, शि-

खण्डी, शिपीविष्ट, शौरि, श्रीअंक, श्रीकांत, श्रीगर्भ, श्रीदयित, श्रीधर, श्रीनिकेतन, श्रीनिवास, श्रीपति, श्रीमूर्ति, श्रीरंग, श्रीवत्स, श्रीवत्सधारिन, श्रीवत्सधारी, श्रीवत्सलक्ष्मन, श्रीवत्सलांछन, श्रीवल्लभ, श्रीहरि, श्रीश, श्रेष्ठ, सत्कर्तृ, सच्चिदात्मन; सत्य, सहस्रदृश, सहस्रनयन, सहस्रभुज, सहस्रपाद, सहस्रमूर्धन्, सहस्रवदन, सहस्रश्रवण, सहस्रानन, सहस्राक्ष, सात्वता, सामगर्भ, सामगायन, सुखद, सुरारिघ्न, मुरारिहंतृ, सुवर्णवर्ण, सुवर्णबिन्दु, स्वामी, हंस, हरि, हिरण्यगर्भ, हृषीकेश, हेमांग, त्रिकोधिपति, त्रिककुद, त्रिदशाध्यक्ष, त्रिदशायन, त्रिधाम, त्रिपद, त्रिपात, त्रिपाद, त्रिभुवनपति, त्रिविक्रम, ज्ञान. ४२४

१—शंख, चक्र, गदा, पद्म, पर्वत, पृथ्वी और धनुष नामों पर धर लगाने से विष्णु के नाम होते हैं ॥

२—लक्ष्मी नामोंपर पतिअर्थके शब्द लगाने से विष्णु के नाम होते हैं

३—गरुड़ नामोंपर आसन और ईश अर्थ के शब्द लगाने से विष्णु के नाम होते हैं ॥

४—दैत्य और पाप नामोंपर नाशन अर्थ के शब्द लगाने से विष्णु के नाम होते हैं ॥

विष्णुकन्द ना० जलवास, बहुसम्पुट, विष्णुकन्द, विष्णुगुप्त, वृहत्कन्द. ५

विष्णुक्रांता ना० अपराजिता, असनपर्णी, कोयललता, गर्द्दभी, गवाक्षी, गिरिकर्णिका, गिरिशालिनी, छर्दिका, नलिकांता, नीलपुष्पा, नीलपुष्पी, राधा, विष्णुक्रांता, श्वेतस्पन्दा सुनीला. १५

—वी—

वीणा ना० तंत्री, तंत्री, वीण, वीणा, वीन; वाना. ६

वीणा आदि का शब्द ना० क्वण, क्वणन, क्वाण, निक्वण, प्रक्वण, प्रक्वाण, वैणय. ७

वीरकीमाता ना० वीरप्रसू, वीरमा, वीरमाता, वीरमातृ, वीरसू. ५

वीरकीस्त्री ना० वीरपत्नी, वीरभार्या, वीरस्त्री ३

वीर्य (मनी) ना० इन्द्रिय, कर्ल, तेज, तेजस्, धातु, पुंसत्व, बल, बन्ध, मज्जसमुद्भव, रेत, रेतस्, रोहण, बीज, वीर्य, शुक्र, शर्टीय, हरण. १७

—वृ—

वृद्धि औषधी ना० आशी, आशीस्, जनेष्टा, जीवभद्रा, प्राणदा, भूति, मुत्, मुद, योग्य, लक्ष्मी, वसु, वृद्धि, वृद्धिका, सुख, हृद्या १५

वृषण ना० अण्ड, अण्डक, अण्डकोश, अण्डकोष, फलकोश, फलरसिक, मुष्क, बीजपोषक, वृषण. ९

वृहस्पति ना० आंगिरस, आंगिरस, गीपति, गीष्पतिः, गीर्पति, गीष्पति, गुरु, चित्रशिखण्डिज, जीव, देवाचार्य, धिषण,

धिमत, वर्फि, वाचस्पति, वृहस्पति, शिखराडी, सुराचार्य्य. १७

वृक्ष(पेड़) ना० अग, अगच्छ, अगम, अनोकह, अंघ्रिप, कुट, कुठ, कुठार, कुठारु, कुठि, जगतीरुह्, तरु, तरू; द्रुः; द्रुम, पत्रिन्, पत्री, पादप, फलद, महीज, महीप्ररोह, महीरुह, वनस्पति, विटपिन्, विटपी, वृक्ष, शाखिन्, शाखी, शाल, साल.

१—भूमि नामों पर रुह शब्द लगाने से वृक्षके नाम होते हैं

वृक्षअफर ना० अफर, अफल, अवकेशिन्, अवकेशी, फलवन्ध्य. ५

वृक्षकी उचाई ना० उच्छ्रय, उच्छ्राय उत्सेध. ३

वृक्षकीचोटी ना० अग्र, शिखर, शिर,

वृक्षकी छाल ना० त्वक्, वल्क, वल्कल. ३

वृक्षकीजड़ ना० अंघ्रि, तरुजीवन, बुध्न, मूल. ४

वृक्षछांटा हुआ ना० छिन्नद्रुम; छिन्नविटप, ध्रुव, ध्रुवक, शंकु, स्थाणु. ६

वृक्षफरेया ना० अवन्ध्य फलगृहि, फलगृहिष्णु, फलग्राहिन्, फलेग्राह, फलेग्राहिन्. ६

वृक्षफूलेहुए ना० उत्फुल्ल, प्रफुल्ल, फुल्ल, विकच, विकसित, व्याकोश; व्याकोष, संफुल्ल, स्फुट. ९

वृक्षसफल ना० फलन, फलवत्, फलग्रहिष्णु, फलिन, फली, फलेगृहि, फलगृहि' फलग्राहिन्, फलपादन, फलेगृहिन्, फलेग्राही, सफल. ११

वृक्षाम्ल (महादा) ना० अम्लपूर, अम्लवीज, अम्लवृक्ष, चुक्राम्ल, चूडाम्ल, पूराम्ल; फलाम्ल, विषाविल, वीजाम्ल, वृक्षाम्ल, शाकाम्ल, शाखाम्ला, श्रेष्ठाम्ल

——वे——

वेग ना० जवन, जूति, वेग, शीघ्र. ४

वेणी—पटिया देखो

वेद ना० आगम; आम्नाय, धर्ममूल, निगम, ब्रह्मन, वेद, वृधान, शास्त्र, श्रुत, श्रुति. १०

वेदपाठी ना० छान्दस, छान्दोग्य, वेदपाठी, वेदज्ञ, वैदिक, श्रोत्रिय ६

——वै——

वैक्रांतमणि ना० नीचरत्न, वैक्रांत, वैक्रांतमणि. ३

वैडूर्य्यमणि(लहसुनिया)ना० अभ्ररोह, बाल्य, वायज, वैडूर्य्य, वैडूर्य्यमणि, वैदूर्य ५

वैद्य ना० अगदंकार, चिकित्सक, भिषक् भिषज्, भेषजिन्, रोगहारिन्, रोगहारी, वैद्य, व्याधघात ९

वैर ना० द्वेष, विद्वेष, विरोध, वैर ४

वैरी ना० अभिघातिन, अभिघाती, अभिमाति, अभियातिन, अभियाती, अभियोगिन्, अभियोगी, अमित्र, अराति, अराती, अरि, अर्य, आमित्र आराति, आराती, अहित, दस्यु, दुःखकारी, दुर्हृद, द्विट, द्विष, द्विषत, द्वेषक, द्वेषण द्वेषिन, द्वेष्टु, परः, परिपादन, परिपंथक, परिपंथिन, परिपंथी, परिमर्ष, प्रत्यर्थिन, प्रत्यर्थी,

प्रत्यवस्थातृ, रिपु, विपक्ष, वैरी, शत्रु, शत्रू, शात्रव, सपत्न ४२

वैशाख ना० माधव, राध, राधा, वैशाख, वैसाख ९

वैश्य ना० अर्य, ऊरव्य, ऊरुज, भूमिस्पृक्, भूमिस्पृश, विट, वैश्य ७

वैश्याणी ना० अर्या,अर्याणी,ऊरव्या

व्याध (हरिण मारनेवाला) ना० मृगजीवन, मृगयुः,मृगयुन्,मृगयूः मृगयु, मृगवधाजीव, मृगवधाजीव, मृगव्याध, मृगहन, मृगाजीव, मृगाविधि, लुब्ध, लुब्धकः व्याध, व्याधा. १५

व्यासऋषि ना० द्वैपायन, पाराशर, पाराशर्य, पाराशरि, वेदव्यास, व्यास, सत्यभारत, सत्यरत; सत्यवतीसुत. ९

व्यासानदी ना० विपाश, विपाशा, व्यासा. ३

—— श ——

शंख ना० अन्तःकुटिल, अब्ज, अर्णोभव, कम्बु; कम्बुक, जन्तुकम्बु, जलकरंक, जलज, दर, दीर्घनाद, पावन ध्वनि, पूत, बहुनाद; वारिज,शंख,शंबत, षोडशावर्त, सारंग; सिन्धुपुष्प, सूचिकामुख, हरिप्रिय, त्रिरेख. २२

शंखछोटा ना० जलडिंब, नखशंख, नखालि, क्षुद्रशंख, क्षुल्लक. ५

शंखाहूली ना० कम्बुपुष्पी, कम्बुमालिनी, चराढा, पीतपुष्पी, भूलग्ना, मंगल्यकुसुमा, मंगल्य, मलविनाशिनी; मेध्या, शंखपुष्पी, शंखाह्वा, शंखाहूली,

शंखिनी ना० नकुली, यवतिक्ता, सूक्ष्मपुष्पी, स्थूलपुष्पी. ४

शकरकन्दी (गंजी) ना० खगड़कर्णी, रक्तालु, वज्रकन्द शकरकन्द, शकरकन्दी. ५

शक्कर (चीनी) ना० अहिछत्रा, उपला, कठिना,गुडोद्भवा, वालुकात्मिका, मत्स्यण्डिका, मत्स्यण्डी, मार्गी, मीनाण्डी, शर्करा, शार्क,शुक्ला, शुक्लोपला, श्वेता, सिता, सितोपला,सुसिकता. १७

शक्कर उजली ना० खण्डक, सिताखण्ड. २

शतलजनदी ना० शतद्रु, शतलज, शितद्रु, शुतुद्रि, शुतुद्रू. ५

शतावर (औषधि) ना० अभीरु, अभीरुपत्री, अहेरु, आत्मशल्या, इन्दीवरी,उत्तमारणी,ऋष्यगता, ऋष्यप्रोक्ता, करम्भा, काञ्चनकारिणी, कार्णी, केशिका, जटा, तैजवल्ली, दरकण्टिका, दिव्या, दुर्म्मना:, दुर्म्मनाम्, द्वीपशत्रु, द्वीपिका, द्वीपिशत्रु, नारायणी, पीवरा, पीवरी, वरी, बहुपुत्री, बहुपुत्रिका, बहुमूला, बहुमता, भीरु, भीरुपत्री, मदभञ्जिनी, मधुरा, महापुरुषदन्ता, महाशीता, मूला, रंगिनी, रसपूर्तिका,लक्ष्मणमातृका, वरा, वरी, वातारि, वासुदेवप्रियंकरी, विश्वस्था, विश्वी,वीरा, वृषाकपायी, वृष्या, शतपदी, शतपुत्री, शतमूली, शतवीर्या, शतावरी. शताह्वा, सम्बरी, सुपत्रा,सूक्ष्मपत्रिका, स्पर्शशाह्वा,

स्वादुरसा. ८९

शतावर बड़ी ना० ऊर्ध्वकण्टी, तुंगिनी, फणिजिह्वा, बहुपत्रिका, महापुरुषदन्तिका, महावीर्य्या, महाशतावरी; महोदरी, सहस्रवीर्य्या, सुरसा. १०

शनिश्चर ना० छायातनय, छायात्मज, छायासुत, रविज, रवितनय, रविपुत्र, रविसुत, रविसूनु, शनि, शनिश्चर शनी, शनैश्चर, शौरि, शौरी, सप्तांशुपुङ्गव, सप्ताचिस. १६

१—छाया और सूर्य नामोंपर सुत नाम के शब्द लगाने से शनिश्चर के नाम होते हैं

शब्द (आवाज) ना० आरव, आराव, ध्वन, ध्वनि, नाद, निनद, निनाद निर्घोष, निस्वन, रव, राव, रुद्, विराव, शब्द, शब्दन, संराव, स्वन, स्वान. १८

शयन (सोना) ना० निद्रा, शयन, सुप्ति, स्वप्न, स्वाप. ५

शरफोंका ना० इषुपुंखा, काण्डपुंखा, शरपुंखा. ३

शरफोंका उजला ना० शुभ्रपुंखा, श्वेतशरपुंखा, शितशायका. ३

शहत ना० कल्य, कौशल, कुसुमरस, कुसुमासव, क्षवक, पवित्र, पित्र्य, पुष्परस, पुष्परसाह्वय, पुष्पासव, मधु, माक्षीक, माक्षक, मार्क्षीक, सारघ, सुधा, क्षौद्र. १७

शहदकी मक्खी=मधुमक्खी देखो

शहदकी मक्खियों का छत्ता ना० करण्ड, मधुकोष, मुहाल. ३

शहदकी शक्कर ना० मधुजा, मधुजातशर्करा, मधुशर्करा, माधवी, माक्षिकशर्करा, शर्करजा. ६

—॥ शा ॥—

शाक ना० पर्णाभि, पत्रात्मक. २

शाकवृक्ष ना० अर्जुनोपम, अर्ण. २

शांतिशाक ना० पचूर, पत्रक, लोहमारक, शालाञ्चि, शालिञ्ची, शालिञ्चु,

शालवृक्ष—सांखूवृक्ष देखो

शालइवृक्ष ना० असफला, कुन्दुरुकी, कुरुला, गजप्रिया, गजभक्षा, गजभक्ष्या, गजवल्लभा, गजाशना, गन्धफला, गन्धमूला, छिन्नरुहा, जलानिकिका, बहुस्रवा, भीषणा, महेरणा, महेरुणा, रसा, वनकर्णिका; शल्लकी, शल्लकी, शिलाकर्णी, शल्लकी; सिल्लकी, सिल्हकी, सिह्लभूमिका, सुखमोदा, सुगन्धा, सुरभि सुरभिस्रवा, सुरभी, सुरभीरसा, सुवहा, सुश्रीका, स्रुवा, हयाशना, हूस्वदा, ह्लादिनी; ह्लादिनी ३८

शालपर्णी ना० अंशुमती, अस्तमती, एकमूला, कुमुदा, गन्धा, गन्धांशुमती, गुहा, गुहाबदरी, त्रिवी, दीर्घपत्रा, दीर्घपत्रिका, दीर्घमूला, देवी, ध्रुवा, निश्चला, पीवरी, विदारिका, विदारी, विदारीगन्धा, शालपर्णी, शालपत्रसमा, शालवन, शुभपत्रिका, शोथघ्ना, शोफघ्नी, सर्वानुकारिणी, सालपर्णी, सुदला, सुधा, सुपत्रा, सुभगा, सुमूला, सुस्रुवा, सौम्या, स्थिरा, त्रिपर्णी.

शास्त्री ना० अन्तर्वाणि, शास्त्रवित, शास्त्रविद्, शास्त्रज्ञ, शास्त्री, ज्ञातसिद्धान्त. ६

—— शि ——

शिकलीगर ना० असिधाव असिधावक, अस्त्रमार्ज, शस्त्रमार्ज, शाणाजीव, शाणाजीविक, शाणाजीवी, शिकलीगर. ८

शिकार ना० अहेर, आखेट, आखेटक, आच्छोदन, आच्चोदन, मृगया, मृगव्य. ७

शिर ना० उत्तमांग, मस्त, मस्तक, मूर्धा, शिर, शीर्ष, शीश. ७

शिरिआरीशाक ना० कुक्कुट, कुरुट, चुचु, तोयधर, मेधाकृत्, वितुन्न, श्रीवारक, श्वेतावर, सितावर, सितिवार, सूचिपत्रक, सूचीदल, सूच्याह्व, स्वप्नकृत्, स्वस्तिक. १५

शिलाजीत ना० अगज, अद्रिज, अश्म्य, अश्मज, अश्मजतुक, अश्मजतु, अश्मपुष्प; अश्मोत्थ, कालानुसारि, गिरिज, गुग्गुल, गैरेय, जत्वश्मक, पाषाणजतु, पिण्याक, मकुल्ल, शिलाजतु, शिलाजीत, शिलाव्याधि, शिलाह्व, शैल, शैलेय; शैलेयक. १२

शिलारस ना० कपि, कपिक, कपिज, कपितैल, कपिनामा, कपिनामन, कपिह्व, कपिश, करेवर, कल्क, कृत्रिम, कृत्रिमक तुरुष्क, तैल, तैलपर्णी, धूम्र, धूम्रवर्ण, पण्डित, पावन, पिण्ड, पिण्डक, पिण्डतैलक; पिण्डात, पिण्याक, पीतसार, महाधन, मुक्तिमुक्त, यवन, लेपन, वृकधूम, शल्लकीद्रव, शल्लकीरस, शिह्ल, शिह्लक, सर्वगन्ध, सिह्ल; सिह्लक, सुगन्धिक ३८

—— शी ——

शीघ्र ना० अविलम्बित, अर, आशु, उत्ताल, चपल, जवन, जूर्णि, झटिति, तुर, तूर, तूर्ण; तूर्णि, त्वरि, त्वरित, द्रुत, लघु, वेग, शीघ्र, सहसा, क्षिप्र. २०

शीघ्रगामी ना० जंघाल, जवन, तुर; तुरग, तुरंग, तुरंगम, तुरायण, वेगिन्, शीघ्र, शीघ्रगामी. १०

शीत ना० जड़, तुषार शिशिर, शीत, शीतल, सुषिम, सुषीम, हिम. ८

शीतलचीनी ना० कक्कोल, कक्कोलक, कटुकफल, कटुफल, काल, कृतफल, कोरक, कोल, कोलक, कोशफल, गन्धव्याकुल, तैलसाधन, फल, मरिच, माधवोचित, शीतलचीनी, सर्वगन्ध. १७

शीरखिस्त (फारसी यवासरस घटित शर्करा) ना० खण्डज, खण्डमोदक, खण्डशर, गुडभा, जलबिन्दुजा, तवराज, यवासशर्करा, सुधामोदक, हिमशर्करा, हिमानी; तुरुशर्करा. ११

शीशफूल (चोटीमणि)ना० चूड़ामणि, शिरोभूषण, शिरोरत्न, शीशफूल.

—— शु ——

शुक्र ना० असुरगुरु, असुरपुरोहित, असुराचार्य, उशनस्, उशना, एकनयन, एकनेत्र, एकाक्ष, कवि, कवी; काव्य,

दैत्यगुरु, दैत्यपुरोधस, दैत्यपूज्य, दैत्यपुरोहित, भार्गव, भृगु, शुक्र. १८

१—राक्षस नामोंपर गुरु नामकेशब्द लगाने से शुक्र के नामहोते हैं ॥

२—नेत्र नामोंके प्रथम एक लगाने से शुक्र के नामहोते हैं

शुवाठोढ़ीवृक्ष ना० शुकजिह्वा, शुकनासा, शुकाख्या, शुकानना. ४

—॥ शू ॥—

शूद्र ना० अवरवर्ण, जघन्यज, वृषल, शूद्र. ४

शूलतृण ना० कशाखा, भूमशूलिका, पिच्छिला, मधुलता, महिषीप्रिया. ५

—॥ शे ॥—

शेष ना० अनंत, अहिपति, अहिराज, धरणीधर, धरणीभृत, धरणाभृत, धराधर, द्वयजिन्, नागपति, नागराज, नागेश, भुजंगपति, भुजंगपती, भुजंगेन्द्र, भुजंगेश, वासुकि, वासुकेय, शेश, शेष, सर्पपति, सर्पराज, सहस्रवदन, सहस्रमुख, सहस्रानन,

१—पृथ्वी नामोंपर धर लगानेसे शेश के नाम होते हैं ॥

२—सर्प नामोंपर पति अर्थ के शब्द लगाने से शेश के नाम होते हैं

—॥ शो ॥—

शोक ना० मन्यु, शुच्, शोक, शोच.

शोणभद्रनदी ना० शोण, शोणभद्र, हिरण्यवाह, हिरण्यबाहु. ४

शोभा ना० आभा, कांति, छवि, छबी, दीप्ति, द्युति, द्युती, परभा, प्रभा, प्रभान, भा, रुचि, रोचित्, रोची, शोभा, श्री; सुषमा. १७

शोरा ना० तीक्ष्णरस, शोरा, सोरा. ३

श्याम तमाल=तमाल श्याम देखो

श्यामलता=सालसाकाला देखो

श्रीताड़वृक्ष ना० मर्षालरुयदल, मृदुच्छद, मृदुताल, याम्योद्भूत, विशालपत्र, श्रीताड़. ६

—॥ स ॥—

संयम ना० यम; याम, वियाम, संयम, संयमन, संयाम. ६

संसार ना० जगत, जगती, विष्टप, भव, मात्र, भुवन, लोक; विश्व, विष्टप, विष्टभ, संसार, संसृत. १२

संक्षेप ना० अविस्तर, अविस्तार, संक्षेप, सञ्चरण, समसन. ३

सखी ना० अलि, अली, आलि, आली, भटू, मित्रा, वयसा, वयस्या, वैस्या, सखि सखी, सखीजन, सध्रीची, सवयस, सवया, सहचरी, सहेली, सुमुखा, सुमुखि, सुमखी, हितु. २१

संखिया ना० कैंटक, संखिया. २

संग्रहणी ना० ग्रहणि, ग्रहणी, प्रवाहिता, संग्रहणी. ४

सच्चा ना० ऋजुसु, प्रगुण, सरल, सांचा. ४

सच्चाज्ञान ना० प्रमा, प्रमिति, यथार्थज्ञान, सच्चाज्ञान. ४

सज्जन ना० आर्य्यः, कुलीनक, कौ

लीन, कौलेयक. महाकुल, महाकुलीन, सज्जन, सभ्य, साधु. ९

सज्जी (क्षारप्रसिद्ध) ना० कापोत, योगवाही, रुचक, शुद्धिनशा, सज्जी, सर्जि, सर्जिका, सर्जिकाक्षार, सर्जिक्षार; सर्ज्जी, सुखवर्चक, सुखवर्चाः, सुखवर्चस्, सुखर्जिक सुवर्चक, सुवर्चला; सुवर्चिक, सुवर्चिका, सुवर्चिस्, सुवर्चि, मृत्तिकाक्षार, सौवर्चल, स्वर्जिक, स्वर्जिकाक्षार, स्वर्जिक्षार, स्वर्जिन् स्वर्जी, क्षार

सणपुष्पीबड़ी ना० महाशणपुष्पिका, महाश्वेतघण्टी, महाश्वेता, महासिता, बृहच्छणपुष्पी. ५

सतिवनवृक्ष (छितवन व सतपन्ना) ना० अयुक्छद, अयुग्मछद, गन्धिपर्ण, गुच्छपुष्प, गुत्सपुष्प, ग्रहनाश, ग्रहनाशन, गृहाशी, गृहाशिन्, छत्रिवन, छत्रपत्र, दलगन्धि, देववृक्ष, बहुपर्ण, बहुपत्र, मदगन्ध, मुनिच्छद, युग्मपर्ण, विनद, विन्यास, विशालत्वक्, विशालत्वच्, विषमच्छद, बृहत्वक्, बृहत्वच्, शाल्मलिपर्ण, शारद, शारदी, शाल्मलिपत्रक, शिरोरुजा, सतिवन, सतौना, सतोना, सप्तच्छद, सप्तदल, सप्तपर्ण, सप्तपर्णाख्य, सप्ताह्व, सुपर्णक. ३६

सतुआ (सत्तू) ना० चूर्णक, चूर्णिका, धाना, सक्तु, सत्तू. ५

सत्य ना० ऋत, ऋतम्, तथ्य, सत्य, समीचीन, सम्यक्. ६

सन ना० मातुलानी, वमन, शण, क्षुमा. ४

सनवृक्ष–पटुआ देखो

सनईवृक्ष ना० घण्टारवा, घण्टाशब्दा, बृहत्पुष्पा, शणई, शणपुष्पिका, शणपुष्पी, शणिका. ७

सनाय ना० स्वर्णपत्रिका, स्वर्णपत्री, हेमपत्री. ३

सन्दूख ना० पेट, पेटक, पेटा, पेटिका, पेडा, मंजूष, मंजूषा. ७

सन्देह ना० द्वापर, विचिकित्सा, सन्देह, संशय. ४

सन्ध्या ना० दिनान्त्य, दिनांत, दिनावसान, पितृप्रसू, प्रदोष, रजनीमुख, सन्ध्या, सायं, सायंकाल. ९

सन्यासी ना० कर्मन्दिन्, कर्मन्दी, पराशरिन्, पराशरी, परिव्राज्, परिव्राज, परिव्राजक, पाराशरिन्, पाराशरी, भिक्षु, मस्करिन्, मस्करी, सन्यासी. १३

सप्तर्षि ना० चित्रशिखण्डिन, चित्रशिखण्डी, सप्तर्षि. ३

सफाई ना० पूत; पूति २

सब ना० अखण्ड, अखिल, अनून, अन्यूनक, अशेष, कृत्स्न, निःशेष, निखिल, पूर्ण, सकल, सब, सम, समग्र, समस्त, सम्पूर्ण, सर्व. १६

सभा ना० आकर्ष, आस्थान; आस्थानी, गोष्ठी, परिषत, पार्षद्य, सदस्, संसत, संसद्, सभा, समज्या, समित, समिति.

सभासद (सभामें बैठनेवाले) ना० सदस्य, सभासद, सभास्तारा, सभिक, सभ्य, सामाजिक, सामाजिका. ७

समय ना० अनेह, अनेहस्, अनेहा, अवसर, औसर, काल, दिष्ट, बेरा, बेला, समय. १०

समाधान ना० अवधान, प्रणिधान, समाधा, समाधान. ४

समुद्र ना० अकूपार, अपाम्नाथ, अपाम्निधि; अपाम्पति, अपार, अप्पति, अब्धि, अम्बुधि, अम्बुनिधि, अम्बुराशि, अम्भोध, अम्भोनिधि, अम्भोराशि, अर्णव, अवारपार, आपाम्पति, आर्णव; उदधि; उदन्वत्, कूपार, कूवार, जलधर, जलधि, जलनिधि, जलनिधी, जलपति, जलेश, जलेश्वर, नाविप, नाविधी, तावीषी, तिमि, तिमिकोष, नदपति, नदराज, नदीकांत, नदीपति, नदीश, पयोध, पयोधि, पयोनिधि, पयोराशि, पारावार, पारावार, यादसाम्नाथ, यादःशाम्पति, रत्ननिधि, रत्नराशि, रत्नाकर, वारिधि, वारिनाथ, वारिनिधि, वारिराशि, वारीश, समुद्र, सरस्वत्, सरितापति, सरित्नाथ, सरित्पति, सागरभर्तृ, सलिलनिधि, सलिलपति, सलिलराशि, सागर, सिन्धु. ६५

१—जल और नदी नामोंपर पति अर्थके शब्द लगानेसे समुद्रके नामहोतेहैं

२—समुद्र नामोंपर ज या सुत अर्थके शब्द लगानेसे समुद्रसे उत्पन्न १४रत्नों के नाम होतेहैं

३—समुद्र नामोंपर जा या कन्या अर्थ के शब्द लगानेसे लक्ष्मी, मदिरा, हद्द, मणि, और गौके नाम होतेहैं

समुद्रफल ना० अदल, अब्ज, अम्बुज, इज्जल, कान्त, कार्मुक, जलज, दीर्घपत्रक; धनद, नदीकान्त, नदीज, निचुल, पिचुल, रक्त, रक्तमञ्जर, समुद्रफल, सेव्य, हिज्ज, हिज्जल. १९

समुद्रफेन ना० अब्धिकफ, अब्धिफेन, अमल, अम्बुज, अर्णवज, उदधिमल, कफ, जलहास, डिण्डिर, डिण्डीर, पयोधिक, पिण्डीर, फेण, फेन, फेनक, महाफेना, श्वेतधामन, श्वेतधामा, समुद्रकफ, समुद्रफेन, सामुद्र, सामुद्रक, सिन्धुकफ, सुफेन; हिण्डिर, हिण्डीर. २६

समुद्रशोष ना० समुद्रशोष, हिज्जलबीज,

समूह ना० अनीक, ओघ, कदम्ब, कलाप, गण, ग्राम, चय, जाल, तति, तती, निकर, निकाय, निकुरम्ब, निचय, निवह, पुञ्ज, प्रकर, यूति, यूथ, वार, विसर; विसार, वृन्द, व्यूह, व्रात, संघ, संघात, संहति, संहनन, सञ्चय, संचिति, सन्दोह, समवाय, समावाय, समुदय; समुदाय, समूह, स्तोम. ४८

सम्भालूवृक्ष ना० अनन्त, अर्धसिद्धक, इन्द्रसुरस, इन्द्रसुरिस, इन्द्रसुरी, इन्द्राणिका, इन्द्राणी, नदीकान्त, निसिन्धु, वारेन्द्र, शक्राणी, शुक्लपृष्ठक, श्वेतपुष्प, सम्भालू, सम्हालू, सिह्लक; सिन्दुवार, सिन्दुवारक, सिन्दुवारिका, सिन्दूक, सिंधु, सिन्धुक, सिन्धुवार, सिन्धुवारक, सिन्धुवारित, सुरस, सुवहा, स्थिरसाधनक. २८

सम्भालूनीलावृक्ष ना० निर्गुण्डी,

नीलसिन्धुवार, बदरीफला, भूतकेशी, मयिका, शीतसहा, शेफालिका, शेफाली. ८

सरकण्डा ना० अनुपुष्प, इक्षुकाण्ड, इक्षुप, इक्षुवेष्टन, उत्कट, कलम्ब; गुन्द्र, गुन्द्रक, चित्रपुष्प, तेजन; तेजनक, दीर्घ, नृपप्रिय, भद्रमुंज, रामसर, बाण, विशिख, वीरतर, शर, सरकण्डा, सरपत, क्षुर, क्षुरपत्र, क्षुरिकापत्र. २४

सरफोंका ना० नाडीकलाप, बाणदहन, बाणपुंखा, बाणांघ्रि, शरपुंखा, सर्पाक्षी, सारकपुंखा. ७

सरबत ना० पानीय, सरबत, सर्बत ३

सरलवृक्ष ना० पारिभद्र, पीतद्रु, पीतदारु, पीतवृक्ष, पूतिकाष्ठ, पूतिकाष्ठक, भद्रदारु, मरिचपत्रक, श्रीवासच्छद, श्रीवेष्टक, सरल, स्निग्ध, स्निग्धदारु, क्षीराह्व. १४

सरलकागोंद ना० भृताह्व, तिलपर्णी, तैलपर्णी, तुरुष्क, धूपांग, पायस, रक्तशीर्षक, रसाह्व, वृकधूप, वृक्षधूप, वेष्ट, वेष्टक, वेष्टसार, शीकर; श्रीवास, श्रीवासाम्, श्रीवेष्ट, सरलद्रव, सरलांग, क्षीर, क्षीरशीर्ष. २१

सरलका रस (तार्पीनका तेल) ना० श्रीपिष्ट, श्रीरस, श्रीवास, सरलद्रव,

सरसों ना० कटुस्नेह, कदम्ब, कदम्बक, कदम्बद, तन्तुक, तन्तुभ, भूतनाशन. राजक्षवक, विकट, सरसप, सरसों, सरिषप, सर्षप, सर्षपिका, सूचिका. १५

सरसोंजली ना० अनद्य, कटुस्नेह, कण्डुघ्न, गुरुघ्न, गौर, गौरसर्षप, गौरिल; तीक्ष्णक, दुराधर्ष, धवलसर्षप, रक्षोघ्न, राजिकाफल, श्वेतसर्षप, सितसर्षप, सिद्धप्रयोजन, सिद्धसाधन, सिद्धार्थ. १७

सरसों काली—जो राई के नाम हैं वेही इसके भी नामहैं

सरस्वती ना० अनुष्टुभ, इडा, इरा, इला, गिरा, गो, ब्रह्मरानी, ब्राह्मी, भारती, भाषा, लपित, वच, वचन, वाक, वाचा, वाणि, वाणी, व्याहार, शची, शारदा, सरस्वती, हंसवाहनी, हंसयानी, हंसाधिरूढा, होत्रा. २४

सरीफा ना० आतृप्य, गण्डगात्र, पिच्छल, बहुबीज. ४

सर्पाक्षी ना० भुजंगाक्षी, सर्पाक्षी. २

सर्पिणीवृक्ष ना० कुण्डली, पन्नगी, फणि, फणिन्, सर्पिणी. ५

सलगम ना० कन्द, गजागण्ड, गृञ्जन, ग्रन्थिमूल, पिण्डमूल, यवनेष्ठ, रक्तलशुन, शिखाकन्द, शिखामूल. ९

सवँर (सौरि) ना० अरिष्ट, प्रसवस्थान, प्रसूतगृह, प्रसूतस्थान, सूतिकागार, सूतिकागृह, सूतिकागेह, सूतिकाभवन, सूतिगृह ९

सवार ना० अश्ववार, अश्वरोह, अश्वसादिन्, अश्वरोहण, अश्वारोह, असवार, सवार, सौरि, सादिन, सादी, सादीन. सायिन, सायी, हयारूढ़ १४

सवारी ना० पत्र, वाहन, यान, युग्य.

सहदेई पौधा ना० कटम्भरा, केश-

वर्द्धिनी, केशारुहा;केसरिका,गन्धवल्लरी, ज्येष्ठबला, देवबला, देवाही, पीतपुष्पा, पीतिपुष्पी, पुरासिनी, महाबला, मृगरसा, मृगा, मृगादनी, वंशपुष्पा, वर्षपुष्पा, सहदेई, सहदेवी. १९

सहनेवाला ना० तितिक्षु, सहन, सहिष्णु,क्षन्ता, क्षन्तृ;क्षमावान, क्षमिन्, क्षमी, क्षांत. ९

सहेला ना० जन्य वयस्क, वयस्य, सहेला ४

सहिंजन वृक्ष ना० अक्षिव, अक्षीव, आक्षिव, आक्षीव, उग्र, उपदंश, कटुकन्द, कामिनीश, कास, काक्षीव, काक्षीवक,कृष्णगंधा, कृष्णशालि, गन्ध,गंधक, चक्षुष्य, तीक्ष्णगन्ध; तीक्ष्णगन्धक, तीक्ष्णमूल, दंशमूल; द्रविननाशन, नीलशिग्रु, प्रभांजन, बहुमूल, मधुगृञ्जन, मुखमोद, मूलकपर्णी, मेचक, मोच, मोचक, रुचिराञ्जन, विद्रधिनाशन, शाकपत्र, शिग्रु, शुभाञ्जन, शोभनक, शोभाञ्जन, शौभाञ्जन, सनामक, सहिंजन, सुतीक्ष्ण, सुपत्रक, सुभांजन, सैजिन, सोभाञ्जन, सौभाञ्जन,स्त्रीचित्तहारिन्,स्त्रीचित्तहारी, हरितशाक, क्षमादंश. ५०

सहिंजनउजला वृक्ष ना० रोचन, शुक्लशोभाञ्जन, श्वेतशिग्रु,सिताह्वय, सुतीक्ष्ण, सुमूल. ६

सहिंजन लाल वृक्ष ना० कृष्णवीज, केसरिन्, केसरी, गर्भपातक, गुग्गुल, गुणशिग्रु, बहुलच्छद, मधुद्रव; मधुर, मधुलग्न, मधुशिग्रु, मृगारि, रक्तक, रक्तशिग्रु, रिष्ट, रिष्टक,श्वेतकेश, सिंह,सुगंध, सुरंगी, सुरुंगी, २१

सहिंजनकातेल ना० वैजिक,शिग्रुतैल

सहिंजनके बीज ना० शिग्रुज, शिग्रुबीज, शोभाञ्जनबीज, श्वेतमरिच. ४

—— सा ——

सांखूवृक्ष ना० अग्निवल्लभ, अजकर्णक, अश्वकर्णक, उपमेत, कल, कलिलोद्भव, कषायिन,कषायी;कार्श्य,कार्ष्य, कुशिक, गन्धवृक्षक,चीरपर्ण, जलदाशन, तार्क्ष्य, दिव्यसार, दीर्घशाल, राळकार्ष्य, लतातरु,लताद्रुम,लताशंख, ललन,वल्लीवृक्ष,शंकुतरु,शंकुद्रुम, शस्यसंवर, शाल, शालयुग्म, शूर,सर्ज,सर्जक,सस्यसम्बर, साल, सिद्धक सुरेष्ट, सुरेष्टक. १४

सांड ना० इत्वर;इत्त्वर, शण्ड,शण्ढ, सांड़. ५

साप ना० अहि, आशीविष, उदरग, उरग,उरंग, उरंगम,काकोदर,कुण्डलिन्, कुण्डली, कुम्भीनस, केंचुली, गूढपाद्, गूढपाद, गूढांघ्रि, चक्री, चक्रिन्, चक्षुश्रवस्,चक्षुश्रवा,जिह्मग,तिलित्स,दंदशूक, दंष्ट्राविष, दंष्ट्रिन,दंष्ट्री,दर्वीकर,दर्विजिह्व, दीर्घपृष्ठ, दीर्घरसन,द्वन्फूः,द्विरसन, नाग, पन्नग, पवनभुज, पवनाश, पवनाशन, पृदाकु,फणाकर, फणधर,फणभृत,फणवत, फणावत्, फणिन्, फणी, बिलवासिन्, बिलगम, बिलेवासिन्, बिलेशय, भुजंग, भुजंगम, भोगिन्;भोगी,लेलिह, लेलिहान,

वायुभक्ष, वायुभक्षण;वायुभषू, वायुभन, विषदंतक, विषधर; विषानन, विषायुध, विषास्य,व्याड़,व्याल,सरीसृक सर्प, सांप, हरहार, हरि, ७०

१—सांप नामोंपर अरि अर्थके शब्द लगाने से गरुड़ मोर, और न्योरा के नाम होते हैं

२—सांप नामोंपर पति अर्थ के शब्द लगाने से शशनीके नामहोते हैं

३—सांप नामोंपर भष शब्द लगाने से पवन (हवा) के नामहोते हैं

सांपकाला ना० अलगर्ध; अलगर्द, अलिगर्द्द, करायठ, कालानाग. ५

सांपखोटा (संपोलवा) ना० गोनस, गोनास. २

सांपदुमुहा ना० डुण्डुभ, डुण्डुभ, राजिल, राजिर. ४

सांपपनिहा ना० अलगर्द, अलिगर्द, जलव्याळ, जलसर्प,डुण्डु, डुण्डुभ,डुण्डुम

१—सांपनामों के प्रथम पानी नामके शब्द लगाने से पनिहा सांपके नामहोतेहैं

सांपिन ना० अहिन,नागिन, सर्पिण, सर्पिणी, सर्पिनी. ५

सांवा (अन्न) ना० तृणधान्य, तृणबीज, तृणबीजोत्तम,राजधान्य, वीरवृक्ष, श्यामाक, समाक ;सामा,सामाक;त्रिबीज

सागौनवृक्ष ना० उपमेत, कल, महीरुह,शाक. शाकतरु, शाकवृक्ष, शाकाख्य, शाळ, शेगुन; श्रेष्ठकाष्ट, श्वेतप्रसूनक, सागवन, सागून,सागौन, स्थिरसार, हलीन. ११

सातलावृक्ष—थूहरभेद देखो

साफ ना० उज्वल, उज्वण, निर्मळ, पवित्र, पूत, प्रव्यक्त, मलरहित, मेध्य, साफ़, स्पष्ट, स्वच्छ. ११

साबुन ना० मलारि, सर्वक्षार, स्नेहक्षार, क्षारमेलक. ४

सामिआना ना० उल्लोच,उल्लोचन, केथिका, वितान. ४

सारस ना० ईहामृग, कामिन्, कामी, गोनर्द, पुष्कराख्य, पुष्कराह्व, रक्ताक्ष, रक्तमूर्धा,रक्तालोचन,लक्ष्मन, सारस. ११

सारिवा (गौरीसर) ना० अनन्ता, अकण,अविभिया, आस्फोता,उत्पलशारिवा, कालमेषी, काष्ठशारिवा, कृष्णमूली, गोपकन्या,गोपवधु, गोपवल्ली, गोपी;चंदना, नागजिह्वा, पालिन्दी, वधू, भद्रवल्लिका, बल्लिवरा,लता, शारिवा, शारदा,सारिवा-

सारिवसाला ना०केलिकुंचिका,सारी.

सारिवाकाला (कालीसर) ना० अनन्ता, कराला,कृष्णवल्ली, कृष्णशारिवा, कृष्णा, गोपवल्ली, गोपा, गोपाळ, चन्दनगोपी, चिन्हधारिणी, दीर्घमूला, वृहच्छिनी, मद्रा, महाश्यामा, शारिवा, श्यामलता, श्यामा, श्यामालता, सारिवा, सुभद्रा. २०

सालवृक्ष—सखुआवृक्ष देखो

सालवमिश्री ना० वीरकन्द,मुधामूली-

सालसा—सारिवा देखो

सालसाकाला—सारिवाकाला देखो

सावनमास ना॰ नभस्, नभा, श्रावण, श्रावणिक, सावन. ५

साही ना॰ शल्क, शलाका, शल्ल, शल्लक, शल्लकी, श्वावध, श्वाविधि, साही. ८

साही का कांटा ना॰ शल, शलल, शलली. ३

——— सि ———

सिंघाड़ा ना॰ जलकण्ट, जलकण्टक, जलफल; जलवल्ली, जलाशय, वारिकण्टक, वारिकुब्ज, वारिकुब्जक, विषाणिन्, विषाणी, बीजकोश, बीजकोष, शुक्लदुग्ध, शृंगकन्द, शृंगमूल, शृंगाट, शृंगाटक, संघाटिका, संघाटिका, क्षीरशुक्ल, त्रिकोणफल. २१

सिंह ना॰ इभमाचल, इभारि, कण्ठीरव, करभीर, करिदारक, करिमाचल, कुंजराराति, केशरिन्, केशरी, केसरिन्, केसरी, केहरि, केहरी, गजारि, गजमाचल, गजमोटन, चित्रकाय, द्विरदांतक, द्विरदाराति, द्विरदाशन, द्वीपिन्, द्वीपी, पंचनख, पंचवदन, पंचमुख, पंचवक्त्र, पंचशिख, पंचानन, पंचास्य, पारिन्द्र, भारि, मरुतप्लव, मृगद्विष; मृगनाथ, मृगपति, मृगप्रभु, मृगराज्, मृगराम; मृगरिपु, मृगादन, मृगाधिप, मृगाधिराज; मृगाराति मृगारि, मृगाशन, मृगेन्द्र, मृगेश, मृगेश्वर, रक्तजिह्व, शार्दूल, सिंह, हर्यक्ष, हरि, हरी, हस्तिकक्ष, हस्तिघ्न, हेमांग. ५७

१—मुख नामों के प्रथम पञ्च शब्द लगाने से सिंहके नामहोते हैं

२—मृगनामों पर पति राजा और रिपु नाम के शब्द लगानेसे सिंहके नाम होते हैं ॥

सिंहपुच्छी–पिठवन देखो

सिंहलीपीपल ना॰ अद्रिजा, उत्कटा कुरुम्बी, जीवनेत्री, भीवला, जीवाला; ताम्रा, पार्वती, ब्रह्मभूमिजा, लम्बदन्ता, सर्पदण्डा, सर्पांगी, सिंहलस्था, सैंहली. १४

सिड़ी ना॰ उन्मद, उन्माद, पागल, सिड़ी, सिर्री; सोन्माद. ६

सिन्दूरियापुष्पवृक्ष ना॰ करच्छदा, तृणपुष्पी, रक्तबीजा, वीरपुष्पी शोणपुष्पी, सिन्दूरपुष्पी, सिन्दूरी. ७

सियार ना॰ क्रोष्टु, क्रोष्टुक, गंदिह, गोमायु, जम्बुक, जम्बू, जम्बूक, निशामृग, फेरु, फेरंड, फेरव, फेरु, भूरिमाय, मृगधूर्त, मृगधूर्तक, वंचक, शिवा, शिवालु, शृकाल, शृगाल; सृगाल. २१

सिरसावृक्ष ना॰ अम्बुल, कपीतन, कर्णपूर, कलिंग, दलाढक, प्रत्यंगिरा, प्लवग, भण्डिर, मण्डिल, भण्डी, भण्डीर, भण्डलि, मधुपुष्प, मृदुपुष्प, मृदुपुष्प, लोमशपुष्पक, विषहन्तिन्, विषहन्ती, विषघ्न, विषनाशन; शंखिनीफल; शिरीष; शीतपुष्प; शुक; शुकतरु; शुकद्रुम; शुकपुष्प, शुकप्रिय; सप्तभद्र; सुपुष्प, सूसिनीफल. ३१

सिरसाजलवृक्ष ना॰ अम्बुशिरीषिका, जलशिरीष, डाडोनि; दुर्बला. ४

सिर्का ना० शुक्त; सिरका, सीधु. ३

सिहोरावृक्ष ना० जलधर, करच्छद, कर्कशच्छद, कोशिकयोत, खरच्छद, गवाक्षी, घूकावास, निःसार; पिशाचक, पिशाचवृक्ष, पीत, पीतफल, पीतफलक, भूतवृक्ष, रूक्षपत्र, शंखिनीवास, शाखोट, शाखोटक, सकट, हारक, क्षीरनाश. २१

—— सी ——

सीक ना० कुद्दाल, बुहारीवृक्ष. २

सीढ़ी (काठ बांसकी) ना० अधिरोह, अधिरोहणी, अधिरोहिणी, आरोहण, निःश्रयणी, निःश्रयिणी, निःश्रेणी, निश्रयणी, निश्रेणि, निश्रेणी, सोपान. ११

सीढी (ईंटमाटी का जीना) ना० आरोहण, निःश्रयणी, निःश्रयिणी, निःश्रेणी, निश्रयणी, निश्रयिणी, निश्रेणि, निश्रेणी, सोपान, सोपानपंक्ति, सोपानपथः, सोपानपद्धतिः, सोपानपरम्परा, सोपानमार्ग. १४

सीताफल=कोहड़ा देखो

सीधा(जोटेढ़ानहीं) ना० अजिह्म, अवक्र, ऋजु, ऋजुक, ऋजुधा, प्रगुण, सरल, सीधा. ८

सीना ना० सीना, सीवन, सूचीक्रिया, सेवन, स्यूत, स्यूति. ६

सीपी (जलजंतु) ना० कृमिशुक्ति, तोयशुक्तिका, दीर्घकोशिका, दीर्घकोषिका, पंकशुक्ति, पटोलक, पुटिका, शुक्ति, शुक्तिका, सीपी, क्षुद्रशुक्ति. ११

सीपीमोती ना० मौक्तिक, मुक्तागार, मुक्तागृह, मुक्ताप्रसू, मुक्तामात, मुक्तास्फोट, मुक्तास्फोटा, मुक्ताशुक्ति,शुक्तिका

सीसमवृक्ष ना० अगुरु, अगुरुशिंशपा; अपुच्छा, कालानुसार्य्य, कृष्णसार, कपिला, तद्दिणसारा, धूम्रिका, पिंगला, पिच्छा, पिच्छिलतिका, पिच्छिला, महाश्यामा, युगपत्रिका, युग्मपत्रिका, वीरा, शिंशपा, सीसम १८

सीसम भूरेरंगका वृक्ष ना० कपिला, कपिलाक्षी, कुशिंशपा,भस्मगर्भा,सारिणी,

सीसाधातु ना० अहि, उरग, कुवंग, चीन, चीनपिष्ट, चीनवंग, चीर, जड़, तारविमला, तारशुद्धिकर, नाग, पद्म, परिपिष्टक, पातालनृपति, पिच्चट, पिष्ट, वप्र, वधूक, बहुमल, वार्ब्बटीर, भुजंगम, महाबल, मृदुकृष्णायस, यवनेष्ट, यामुनेष्टक, योगेष्ट, वप्र,वयोरंग,वर्द्ध, शिरावृत,सिन्दूरकारण,सीस,सीसक,सीसपत्रक, सीसोद्भव, त्रपु. ३६

—— सु ——

सुअर ना० किटि; किटी,किर, किरि, किरी, क्रियाणी,कोल,क्रोड,गृष्टि, गृष्टी, घृष्टि, घृष्टी,घृष्वि, घोणिन, घोणी, दीर्घरद, पोत्रायुध, पोत्रिन, पोत्री, भूदार, रोमस, वराह, वाराह, विटचर, शूकर, सुअर, सूकर, स्तब्धरोमन. २८

सुअर जंगली ना० क्रियाणी,दंष्ट्रासू, दंष्ट्रायुध, दंष्ट्रिन्, दंष्ट्री. ५

सुआ पक्षी ना० कीर, दाडिमप्रिय, दाड़िमभक्षक, रक्तचंचु, रक्तचुञ्चु, र-

रक्तमुख, शुक, सुग्गा. ८

सुख ना० कम्, शं, शात, शिव, शेव, सुख, सुदिन, सुम्न, स्यूम, स्योन. १०

सुगन्ध ना० इष्टगन्ध, घ्राणतर्पण. निर्हार, सुगन्धि, सुगन्धी, सुरभि, सुरभी.

सुगन्धदूरजानेवाली ना० निर्हारिन्, निर्हारी; समाकर्षिन्, समाकर्षी, समाकर्षिणी. ५

सुगन्धवाला—नेत्रबालादेखो

सुग्रीव ना० तानतनय, तपनात्मज

सुजाक ना० कृच्छ्र, प्रमेह, बालीश, मूत्रकृच्छ्र, मेह, रक्तमेह, रक्षणारक. ७

सुतारी ना० आरा, चर्मप्रभेदिका. २

सुदर्शन वृक्ष ना० कुध्वानिनी, चक्राङ्गा, चक्राङ्गी, दध्यानी, मधुपर्णिका, वृषकर्णी, श्रमणा, सुदर्शन, सुदर्शना, सोमवल्ली १०

सुन्दर ना० अनूप, अनूपम, अभिराम, कमन, कमनीय, कमनीया, कम्, कांत, काम्य, चारु, चित्तहर, चित्ताकर्षी, चित्तापहारक, चित्ताकर्षिन्, चित्तापहारिन्, चित्तापहारी, चित्ताहारिन्, चित्ताहारी, दर्शनीय, दृशीक, प्रशस्त, बन्धुर, भद्रक, भद्रिका, भव्य, मञ्जु, मञ्जुल, मनोरम, मनोहर, मनोहारिन्; मनोहारी, मनोज्ञ, रमणीक, रमणीयक, रम्य, रुचिर, रुचिष्य, रुच्य, ललाम, विशाल, शुभग, शोभन, साधु, सुन्दर, सौम्य ४५

सुन्दरी वृक्ष ना० सुन्दर, सुन्दरी २

सुपारी (फल) ना० अकोट, उद्वेग, काण्डकार, क्रमुकफल, खपुर, गुवाक, गूवाक, गोपदल, चामरपुष्प, चामरपुष्पक चिक्कणा, चिक्कणी, चिक्का, छटाफल, ताम्बूल, दृढवल्कल, पिच्छा; पूग, पूगफल, लक्ष्मीपति, विम्बु, शृंगारी, शृंगारिन्, शौभ, श्लक्ष्णक, स्थकर २६

सुपारीवृक्ष ना० कपीतन, करमद, क्रमु, क्रमुक, क्रमुकी, गुवाकवृक्ष, घोर, चिक्कण, प्रोड़, तन्तुसार, दीर्घपादप, पूग, पूगवृक्ष, राजताल, वल्कतरु, सुरञ्जन. १६

सुपारी चिकनी ना० कार्मीर, मुनिपूग, रामगुवाक, रामपूग, रामसुपारी, सुरंवरु. ६

सुमेरुपर्वत ना० मेरु, रत्नसानु, सुमेरु, सुरपर्वत, सुरालय, हेमगिरि, हेमपर्वत, हेमांग, हेमाद्रि. ९

सुरमा ना० अञ्जन, कपोतसार, मेचक, वल्मीकशीर्ष. ४

सुरमाउजला ना० कपोतक, कापोत, कापोताञ्जन, चक्षुष्य, नील, नीलाञ्जन, पार्वतेय, वारिसम्भव, सुवीरक, सौवीर, सौवीराञ्जन. ११

सुरमाकाला ना० कापोताञ्जन, कुलत्थिका, नदीज; पीतसार, मेचक, यामुन, वारिभव, सौवीर, सौवीरसार, स्रोतोञ्जन,

सुरहगाय ना० चमरक, चमरागो, दीर्घबाला, सुरहगाय. ४

—सू—

सूंड ना० कर, पुष्कर, शुण्ड, शुण्ड,

सुण्ड, सूंड, हस्ताग्र, हस्तिहस्त ८

सूइस ना० उलपिन, उलुप, उलुपिन्, उलुपी, उलूपी; उलूपिन्, ऊलूप, ऊलूपी, ऊलूपिन्, चुल्लकी चुलुकिन्, शिशुक, शिशुमार, सूइस, सूप. १५

सूकरकन्द ना० कोलकन्द, क्रिमिघ्न, पञ्चल, पुटकन्द, महाकन्द, वस्त्रपञ्चल, वृद्धिद, सुपुट. ८

सूजन ना० भांमा, शोक, शोथ, श्वयथु.

सूजाक—सुजाक देखो

सूत ना० तंतु, तंतुक, तंत्र, सूत्र, सूत्रतंतु. ५

सूद (ब्याज) ना० अर्थप्रयोग, कुशीद, कुषीद, कुसिद, कुसीद, कुसीदपथ, कुसीदवृद्धि, वार्धुष्य, ब्याज, सूद. १०

सूदखोर (ब्याजलेने वाला) ना० कुशित, कुशीद, कुषीद, कुसिद, कुसीद, कुशीदिक, कुसीदिन, वार्धुषि, वार्धुषिक, वार्धुषिन्, वृद्धिआजीव, वृद्धिआजीविन्, वृद्धिजीवन, वृद्धिजीविक, वृध्याजीव, वृध्याजीविन, ब्याजखोर १७

सूप ना० प्रस्फोटन, शूर्प, सूप, सूर्प ४

सूर्य ना० अंशुधर, अंशुपति, अंशुबाण, अंशुभर्तृ, अंशुभृत्, अंशुमान, अंशुमालिन, अंशुमाली, अंशुस्वामी, अंशुहस्त, अम्बरमणि, अम्बुजपति, अरुण, अर्क, अर्यमन्, अर्यमा, अर्यम्य, अहःकर, अहस्कर, अहःनाथ, अहःपति, अहर्पति, अहस्पति, अहर्बान्धव, अहर्मणि, आदित्य, आशुग, आशुगामिन्, आशुगामी, उष्णअंशु, उष्णकर, उष्णगु, उष्णदीधिति, उष्णरश्मि, उष्णरुचि, उष्णभासू, कंजर, कंजार, कर्मसाक्षिन्, कर्मसाक्षी, ख, खद्योत्क, खग, खल, गगनध्वज, गगनविहारिन्, गगनविहारी, गगनमणि, गगनाध्वग, ग्रहनायक, ग्रहपति, ग्रहपुष, ग्रहराज, ग्रहाधीश, ग्रहेश, चक्रवाकबन्धु, चण्डदीधिति, चण्डभानु, चण्डांशु, चित्रभानु, चित्ररथ, जगतचक्षुस्, जगतचक्षू, जगतदीप, जगतसाक्षिन, जगतसाक्षी, तपन, तापनकर, तपनदीधिति, तपनांशु, तरणि, तापन, तिग्मकर, तिग्मदीधिति, तिग्मरश्मि, तिग्मरुचि, तिग्मांशु, तिमिररिपु, तिमिरारि, त्विषांपति, त्विषाधीश, दिनकर, दिनकर्तृ, दिनकृत, दिनप, दिनपति, दिनबन्धु, दिनप्रणी, दिनमणि, दिनमयूख, दिनरत्न, दिनाधीश, दिनेश, दिनेश्वर, दिवसकर, दिवसनाथ, दिवसपति, दिवसेश, दिवाकर, दिवावसु, द्युपति, द्युमणि, द्वादसात्मन, द्वादशात्मा, धामकेशिन, धामकेशी, धामनिधि, ध्वांतविरोचन, ध्वांतशात्रव, ध्वांताराति, पतंग, पूषन, पूषण, पूषा, प्रभाकर, ब्रध्न, भानु, भास्कर, भास्वत्, भास्वर, महिर, मार्तण्ड, मिहिर, मित्र, रवि, रश्मिमुच, रश्मिमत, वाति, वासरपति, वासरमणि, वारिजपति, वारितस्कर, विकर्तन, विभाकर, विभावसु, विरोचन, विवस्वत; वृध्न, शूर, सप्ताश्व, सप्ताश्ववाहन, सप्तसप्तिः, सविता, सहरि, सहस्रांशु, सहस्रार्चिस्,

सहस्रकर, सहस्रकिरण, सहस्रदीधिति, सहस्रधामन, सहस्रपाद, सहस्रमरीचि, सहस्ररश्मि, सहूरि, सूर, सूरज, सूर्य, हंस, हरिदश्व, त्रयीतनु. १८१

१—दिननामोंपर कर, मणि और पति अर्थके शब्द लगानेसे सूर्य्यके नामहोतेहैं

२—कमल नामोंपर पति अर्थके शब्द लगाने से सूर्य्यके नामहोते हैं

३—निशा, तम और हिम नामों पर रिपु अर्थके शब्द लगानेसे सूर्य्यके नाम होते हैं ॥

४—किरण नामोंके पूर्व उष्ण अर्थके शब्द लगाने से सूर्यके नामहोते हैं

५—सूर्य्य नामोंपर सुत नामके शब्द लगाने से शनिश्चर सुग्रीव करण और यम के नामहोते हैं

६—सूर्य्य नामों पर कन्या नाम के शब्द लगाने से यमुनानदी के नामहोते हैं

सूर्यकांतिमणि (आतसीशीशा) ना० अग्निगर्भ, अग्निमणि, इनकांत, तपन, तपनमणि, तपनोपल, तापन, दहनोपल, रविकांत, सूर्यकांत, सूर्यमणि, सूर्याश्मन्, सूर्याश्मा. १३

सूर्यके निकट रहनेवाले ग्रह ना० दण्ड, पिंगल, माठर ३

सूर्य्यमण्डल ना० उपसूर्य्यक, परिधि, परिवेश, परिवेष. मण्डल, रविमण्डल, सूर्य्यमण्डल. ७

सूर्यमुखी (वृक्ष व पुष्पप्रसिद्ध) ना० अर्कपुष्पी. कटुम्बर्ना, कटुम्बिनी, क्रूरकर्मा, क्रूरकर्म्मन्, जलकामुक; तामच्छद, दिवाकरपुष्पी, दुराधर्षा, पयस्या, रविपत्र, रविप्रिय, रश्मिपति, वक्रशल्या, वराहकाली; वराहकालिन्, विटप, शीतला, सिता, सुवर्चला, क्षीरिणी. २१

सूर्य्यसारथी ना० अनूरु, अरुण, काश्यप, काश्यपनन्दन, काश्यपि:, गरुडाग्रज; सूरसूत. ७

—— से ——

सेंदुर ना० अरुण, गान्धार, चीनपिष्ट, नागगर्भ, नागज, नागरक्त, नागरेणु, नागसम्भव, भालदर्शन, मंगल, रक्त, रक्तचूर्ण, रक्तबालुक, रक्तरेणु, रक्तबालुका, रक्तशासन; रंगज, वंगज, वीररजः, वीररजस्, शृंगार, शृंगरक, शृंगारभूषण; शोण, सन्ध्याराग, सिन्दूर, सीमंतक, सेंदुर, सैमन्तिक, सौभाग्य. ३०

सेज ना० कशिपु, तल्प, शयन, शयनीय, शय्या, सेज. ६

सेम ना० कुसिम्बी, निष्पाव, मण्डपा, वल्लिजगुप्ति, शिम्बी, सिम्बी. ६

सेमउजली ना० निष्पाव, निष्पावक, श्वेतसिम्बी, सफेदसेम. ४

सेमकाली ना० कृष्णशिम्बिका; कृष्णशिम्बी. २

सेमसुआरा ना० काकाण्डा; काकाण्डोला, कृतफला, कोलशिम्बी, कोलसिम्बी; दधिपुष्पी, पर्य्यंकपादिका, शूकरपादिका.

सेमरवृक्ष ना० अपूरणी. अश्वपुत्री, अहिका, कण्टकद्रुम, कण्टकारी, कण्टकाष्ठ, कुकूटी, कुक्कुटी, गन्धाढ्ना, चिर-

जीवी, चिरजीविन, चिरंजीविन, चिरंजीवी, तुलिनी, तुलिफला, तूलवृक्ष, तूलिनी, तूलिफला, दीर्घद्रुम, दीर्घायु, दीर्घायुस्; दुरारोहा, द्रुमकण्टका, धरणी, धारिणी, निर्गन्धपुष्पी, पिच्छिला, पूरणी, पूर्णी, बहुवीर्य्य, मोचा, यमद्रुम; रक्तपुष्पक; रक्तपुष्पा, रक्तोत्पल, रम्यपुष्प, वधस्था, शल्मलि, शाल्मल, शाल्मलि, शाल्मली, श्रीपर्णी, अथा, स्थिरजीविता, स्थिरा, स्थिरायु, स्थिरायुस्, स्थूलकण्टकिका, स्थूलफल. ४६

सेमरकाला ना० कोशाल्मलि, कूटशाल्मलि, कूटशाल्मली, रोचन. ४

सेमरका गोंद ना० पिच्छा, पिच्छिलसार, मोच, मोचरस, शाल्मल, शाल्मलीवेष्ट, शाल्मलीवेष्टक, शाल्मलीनिर्यास, सुरस. ९

सेमरका मूसरा ना० कुक्कुटिकन्द, नाकुली, मरुघ्न, मरुहन्ता, वनवासी, वनवासिन, विजुल, शाल्मलीकन्द. ८

सेव (फल प्रसिद्ध) ना० बदर, मुष्टिप्रमाण, सेव, सेवि, सेवित; सेवीफल,

सेवतीवृक्ष ना० तरुणी, लघुपुष्पा, शिववल्लभा, सुदला, सुमना:, सुमनास्, सुरभिकुसुम, सुशीता. ८

सेवतीपुष्प ना० चारुकेशरा, बहुपत्रा, भृंगवल्लभा, भृंगेष्टा, रामतरुणी, शतदल, शतपत्री, शतपत्रिका; सहा, सेमन्ता, सौम्यगंधा, स्थलपद्म. १२

सेवा ना० उपचार, उपासन, उपासना, उपासित, परिचर्य्या, पारिसर्य्या, शुश्रूषण, शुश्रूषा, सेवा. ९

सेवार ना० अम्बुचामर, अम्बुताल, अरक, कावार, जटाल, जलकुन्तल, जलकेश, नलम, नलशूक, नलाञ्चल, पंवार; भूकेश, वारिचामर, वितुन्न, शिवार, शैवल, शेपाल, शेवल, शेवाल, शैवल, शैवल; शैवाल, सकण्टक; सलिलकुन्तल, हठपर्णी, हठपर्णी. २१

सेहुवारोग ना० किलास, त्वक्पुष्प, त्वक्पुष्पिका, त्वक्पुष्पी, सिध्म, सिध्मन्, सिध्मा, सेहुँवा. ८

सेहुंडवृक्ष ना० कृष्णसार, गण्डीरी, गुडा, गुडा, गुडी, नागद्रु, निस्त्रिंशपत्रिका, बहुदुग्धिका, बहुशाख, भद्र, महातरु, वज्र, वज्रकण्टक, वज्रद्रु, वज्रद्रुम, वज्रवृक्ष, वज्रा, वातारि, व्याघ्रनख, शाखाकण्ट, शुक्ला, समन्तदुग्धा, सिहुण्ड, सीहुण्ड, सुधा; सेहुण्ड, स्नुक्, स्नुह, स्नुषा, स्नुहा, स्नुहि; स्नुही, क्षीरी, क्षीरिन. ३४

—— सो ——

सोआ (शाक प्रसिद्ध) ना० आवाक्पुष्पी, कारवी, घोषा, छत्रा, तालपर्णी, मधुरिका, माधवी, मिशि, मिशी, मिश्रेया, मिषि, मिषी, मिसि, मिसी, वनजा, वन्या, शतपुष्पा, शतपुष्पिका, शतप्रसूना, शालीना, शीतशिव, शीतशीवा, संहितपुष्पिका, साउंफ, सुपुष्पी, सुरसा, सोया, सोवा, स्कन्धबन्धना. ३०

सोंठ ना० इन्द्रभेषज, उषणा, कटु-

ग्रंथि, कटुभंग, कटुभद्र, कटूत्कटक, कफारि, चान्द्रक, दीपनीय, नागर, नागराह्व, पृथ्वी, महौषध, वचन, विश्व, विश्वभेषज, विश्वौषध, शुण्ठि, शुण्ठी, शुण्ठ्य, शुष्कार्द्र, शृंगवेर, शृंगवेरक, शोषण, सौपर्ण. २५

सोठ मिर्च पपिल ना॰ कटुक; कटुत्रय, व्योष, श्लेष्मघ्नी, त्रिकटु, त्रिवर्णक, त्र्युषण, त्र्यूषण. ८

सोना (धातुप्रसिद्ध) ना॰ अकुप्य, अग्नि, अग्निभ, अग्निबीज, अग्निवीर्य, अग्निशिख, अभ्र, अभ्रक, अमृत, अय, अर्जुन, अष्टापद, आग्नेय, आपिञ्जर, उज्ज्वल, ककन्द, कंचन, कनक, कर्च्चुर कर्च्चूर, कर्वुर, कर्बूर, कलधौत, कल्याण, कांचन, कार्तस्वर, केसर, गांगेय, गारुड, गैरिक, गौर, चन्द्र, चामीकर, जातरूप, जाम्बव, जाम्बूनद, तपनीय, तपनीयक, तर्वीप, तामरस, तार्क्ष्य, तार्वीप, तेजः, तेजस्, दलप, दीप्त, दीप्तक, देवार्ह, द्रविण, द्रु, पारक्, पारज्, पिंजर, पिंजान, पुरट, पुरुष, भद्र, भरु, भर्म्म, भर्म्मन्, भस्मक, भास्कर, भूषम, भूरि, मंगल्य, मनोहर, महाधन, महाधातु, महारजत, महारजन, महेश्वर, मृदुत्तक, रजत, रा, रुक्म, रुग्म, रेकणः, रेक्णस्, लोहवर, लोहितायस, वर्णि; वसु, वाह्निबीज, शतखण्ड, शातकुम्भ, शातकौम्भ, सानसि, सारंग, सुरभि, सुवर्चिस्, सुवर्च्चा, सुवर्ण; सोन, सोना, सौमेचक, सौमेरुक, स्पर्शमणिप्रभव, स्वर्ण, हरण, हर्षयित्नु; हाटक, हिरण, हिरण्य, हेम हेमक, हेमल, हेमसार, त्रिनेत्र. १०७

सोनापाठावृक्ष ना॰ अध्वान्तशात्रव, अरडु, अरलु, अरुण, ऋक्ष, कटम्भर, कट्वंग, कषाय, कुटन्नट, कुनट, केशट, जम्बुक, टुण्टुक, टेंटु, टैंटू, टैंटी, डिम्बिका, दीर्घवृन्त, दीर्घवृन्तक, ध्वान्तशात्रव, नट, नरेन्द्रद्रुम, निःसार, न्यंकुभूरुह, पत्रोर्ण, पीतक, पतिवृक्ष, पीतांग, पूतिपत्र, पूतिवृक्ष, पृथुशिम्ब, प्रियजीव, फल्गुवृन्ताक, भण्टुक, भण्डुक, भण्डूक, भल्लूक, भूतपुष्प, भूतवृक्ष, भूतसार, भ्रमरेष्ट, मण्डूक, मण्डूकपर्ण, मयूरजंघ, मुनिद्रुम, वटु; वसन्तक; विरोचन, विषनुत; शुक; शुकनाश; शुकनासिका; शूरण; शोण; शोणक; शोनाक, श्योनाक; स्योनाक, स्वर्णवल्कल. ५९

सोनामक्खी ना॰ अज, आपीत, आवर्त्त, कांचनमाक्षिक, खग; गरुत्मान्; गरुत्मान्; चक्रनामन; चक्रनामा; तापिज, ताप्य; ताप्यक ताप्युत्थसंज्ञक; धातुमाक्षिक, पीतक; पीतमाक्षिक; मधुधातु; माक्षिक, विहंग, स्वर्णमाक्षिक, सौद्रधातु

सोनार ना॰ कणाद; कलाद, कामन्धमिन्, कामन्धमी, गौंमिक, गौंजिग; नाडिंधम, नाडींधम, माषवर्धक, रुक्मकारक, स्वर्णकार, स्वर्णकृत, हेमकर, हेमकर्तृ, हेमकर्ता, हेमकार, हेमकारक, हेमल १८

सोमयज्ञ ना॰ सोमयज्ञ, सोमयाग २

सोमयज्ञकर्ता ना० सोमन्. सोमप. सोमपा. सोमयाजिन. सोमयाजी, सोमिन, सोमिनी, सोमी ८

सोमलता ना० इन्दुलेखा, इन्दुवल्ली, गुल्मवल्ली, चन्द्रवल्लरी, चन्द्रवल्ली, द्विजप्रिया, धनुर्लता, ब्राह्मी, मत्स्याक्षी; महागुल्मा, मीनाक्षी, यज्ञवल्ली, यज्ञश्रेष्ठा, यज्ञाङ्गा, वयस्था. श्यामा, सरस्वती, सोम, सोमलता, सोमलतिका, सोमवल्लरी, सोमवल्ली, क्षीरिन्; क्षीरी. २४

सोहागा ना० कनकक्षार, टगर, टंकण, टंक, टंगण, धातुमारिणी, धातुवल्लभ, मलिन, मालतीतीरज, रंग, रंगद, रंगक्षार, रसघ्न, रसशोधन, रसाधिक, लोहिन, लोहद्राविन, लोहद्रावी, लोहश्लेषण, वर्तुल, शुभग, सुभग, सौभाग्य, स्वर्णपाचक, क्षार. २५

सोहागासफेद ना० द्रावकर, मालती, तीरसम्भव, लोहि, शिव, शीतक्षार, श्वेतटंकक, श्वेतटंकण, सिन्धु, सिन्धुकर.

—— सौ ——

सौंफ ना० अतिच्छत्रा, अवाक्पुष्पी, कारवी, घोषा, छत्रा, तालपर्णी, तृषाहा, पुष्पाह्वा, पोतिका, मंगल्या, मधुरा; मधुरिका, माधवी, मिशि, मिशी, मिश्रेया, मिषि, मिषी, मिसि, मिसी, वज्रपुष्पा, वनपुष्पा, वहला, शतपुष्पा, शतपुष्पिका, शतप्रसूना, शताह्वा, शताक्षी, शालेय, शालेया, शिफा, शीर्णपुष्पिका, शीतक, संघातपत्रिका, सितच्छत्रा, सुगन्धा, सुपुष्पी. १७

सौंफजंगली ना० अतिच्छत्रा, वनसौंफ, शीतशिवा. ३

सौगन्ध (कसम) ना० शपथ, शपत, शाप, सौगन्ध ४

सौति ना० अधिविन्ना, अध्यूढा, कृतसपत्निका कृतसपत्नीका, कृतसापत्नका, कृतसापत्निका, कृतसापत्नी, कृतसापत्नीका, सपत्नी, सौत, सौति, सौती १२

सौदागर ना० आपणिक, क्रयविक्रयानुशय, क्रयविक्रयिक; क्रयिक, क्रयिन, नीवर, नैगम, पण्यजीव, वणिक्, वणिज, वणिजक, वणिजन, वाणिजः, वाणिजिक, वैदेह, वैदेहक, वैदेहिक, वैश्य, व्यवहारक, व्यापारिन, सार्थवाह. २२

स्तुति ना० नुत, नुति, नूत, स्तव, स्तुति, स्तोम; स्तोत्र. ७

स्फटिकमणि (फटिकमणि) ना० अमररत्न, अर्क, धौतशिल, निर्मलोपम, निस्तुषरत्न, फटिक, भासुर, शिवप्रिय, सितोपल, स्फटिक, स्फाटक, स्फाटिक, स्फाटिकोपल, स्फाटीक, स्वच्छमणि. १५

स्वतंत्र (खुदमुख्तार) ना० अपावृत, निरंकुश, निर्यंत्रण, स्वच्छन्द स्वतंत्र, स्वैर, स्वैरिन, स्वैरी ८

स्वतंत्रता (खुदमुखतारी) ना० यदृच्छा, स्वच्छन्दता, स्वतन्त्रता, स्वैरता, स्वैरत्व. ५

स्वभाव (आदत) ना० निसर्ग, प्रकृति, भाव, रूप, संसिद्धि, स्वभाव, स्वरूप. ७

स्वर्ग ना० गो, दिव, दिवन्, द्यो, द्यौ, नाक, सुरधाम; सुरपुर, सुरलोक, स्वर्ग, त्रिदशालय, त्रिदशावास, त्रिदिव, त्रिपिष्टप, त्रिविष्टप, त्रिविष्टपम्. १६

स्वर्णवल्ली ना० काकवल्लरी, काकायु, स्वर्णवल्ली. ३

स्वर्णक्षीरी ना० कांचनक्षीरी, कांचना, तिक्तदुग्धा, पयस्या, स्वर्णक्षीरी, हिमावती, हेमदुग्धा, हेमदुग्धी, हेमक्षीरी, हेमाद्रिजरण, क्षीरिणी. ११

स्वामिकार्तिक ना० अग्निकुमार, अग्निज, अग्निजात, अग्नितनय, अग्निभू, अग्निसुत, कार्तिकेय, कुमार, क्रौंचदारण, क्रौंचसूदन, क्रौंचरिपु, क्रौंचारि, क्रौंचाराति, गिरिजाकुमार, गिरिजातनय, गिरिजानन्दन, गिरिजासुअन, गिरिजासुत, गुह, तारकाजित, तारकारि, पार्वतीनंदन, पार्वतीसुअन, बाहुलेय, ब्रह्मचारिन, ब्रह्मचारी, ब्रह्मचारिणीज, महासेन, विशाख, शक्तिधर, शक्तिपाणि, शक्तिभृत, शरज, शरजन्मन्, शरजन्मा; शिखिध्वज, शिखिवाहन, षड्वक्त्र, षड्वदन, षण्मुख, षडानन, षाण्मातुर, सेनानी, सेनापति, स्कन्द, स्वामिकार्तिक, स्वामिन् स्वामी. ४८

१—पार्वती नामोंपर सुत अर्थके शब्द लगानेसे स्वामिकार्तिक के नामहोते हैं

२—मोर नामोंपर वाहन अर्थ के शब्द लगानेसे स्वामिकार्तिकके नामहोतेहैं

३—सेना नामोंपर पति अर्थके शब्द लगाने से स्वामिकार्तिक के नामहोते हैं

स्वामिनी ना० अधिपत्नी; अर्या; नायिका; पत्नी; स्वामिनी ५

स्वामी ना० अधिप; अधिपति; अधिपा; अधिभू; अध्यक्ष, अर्य, इन, ईश्वर. नायक. नेता, नेतृ; पति, परिवृढ़, प्रभु. प्रभू. स्वामी ११

स्त्री ना० अंगना, अबला, अभिरामिनी, अमत्ता, कमला, कलत्र, कांता, कामिनि, कामिनी, कामुका, कामुकी, कुटम्बिनी, गृहिणी, गेहिनी, ग्ना, चतुरा, चारुवर्धना, जनि, जनिका, जनी, जाया, जोषा, जोषिका, जोषित्, जोषिता, तरुणा, तरुणी, तलुनी, तिय, तिया, दारा, नारि, नारी, नितम्बनी, नितम्बवती, नितम्बिनी, प्रतीपदर्शिनी, प्रमदा, प्रमदाजन, वनिता, बाला, बिलासिनी, भामा, भामिनि, भामिनी, भार्या, भाविनी, भीरु, भीरू, भीलु, भीलू, मत्तकाशिनी, मत्तकासिनी, मनुजा, महिला, महीला, महेला, महेलिका, मानुषी, युवति, युवती, योवनवती, योषा, योषित, योषिता, योषिता, रमणा, रमणी, रमा, रामा, रूपवती, ललना, ललनिका, वधू, वधुका, वधुटी, वधूजन, वधूटी, वामदृश्, वामलोचना, वामनी, वामा, वासिता, श्यामा, सीमन्तिनी, सुन्दरी, सूनरी, सुभ्रास्या, स्त्री. ८८

स्त्रीउत्तम ना० उत्तमा, नारीरत्न, मत्तकाशिनी, मत्तकापिनी, मत्तकासिनी, योषित्रत्न, योषारत्न, योषितारत्न, वरवर्णिनी ९

स्त्रीकुलवती ना० कुलपालिका, कुलपाली, कुलयोषित्, कुलवती; कुलबधू, कुलवंती, कुलस्त्री; कुलांगना. ८

स्त्रीचतुरी ना० चतुरी, चातुरी. धीमती. प्राज्ञा. प्राज्ञी ५

स्त्रीछिनारि—छिनारि देखो

स्त्रीनङ्गी ना० कोटरी.कोटवी.कोट्टवी, नग्नका. नग्निका. नंगी. ६

स्त्रीपतिकोचाहनेवाली ना० पतिवरा, वर्या; स्वयम्वरा. ३

स्त्रीपति पुत्रयुत ना० कुटुम्बिनी, पुरंध्रि, पुरंध्री; बीरवती, सूरा. ५

स्त्रीपतिको मारनेवाली ना० पतिघातिनी, पतिघ्नी; पतिविद्वारिणी. ३

स्त्रीपतिव्रता-पतिव्रतास्त्री देखो

स्त्रीपुरुष ना० जम्पती, जायापती, दम्पति, दम्पती, भार्यापती, स्त्रीपुंसौ. ६

स्त्री पुरुषके योग्य ना० पतियोग्या, पतीयन्ती. २

स्त्रीप्रथमरजस्वला ना० दृष्टिरजम्, दृष्टिरजा, मध्यमा, मध्यमिका, मध्या. ५

स्त्रीबांझ ना० बन्ध्या; बन्धकी, बांझ, बांझिन, श्यामा ५

स्त्रीविवाहिता ना० कलत्र, कांता; गृहिणी; गेहिनी, जनि, जनिका, जनी, जाया, दारा; द्वितीया, नवयौवना, पत्नी, पाणिगृहीता,पाणिगृहीती; पाणिप्रणयिनी, प्रेयसी, भार्या, रमणा, रमणी, रमा, वनिता, बीरा, सधर्मचारिणी, सधर्मिणी, सहचारिणी, सहधर्मिणी, सुन्दिला, स्त्री, हृदयेशा, हृदयेश्वरी. ३०

स्त्रीबूढ़ी ना० जरतिका, जरती, पलिक्नी, पलिता, वृद्धा. ५

स्त्रीमैथुनचाहनेवाली ना० कामुका, कामुकी, जघनचपला,बन्धकी, मैथुनेच्छावती, वृषस्यन्ती. ५

स्त्रीयुवा ना० चिरण्टी, चिरिण्टी, छिक्करी, तरुणा, तरुणी, तलुनी; तलूनी, प्रमदाजन, युवति,युवती,यौवना, यौवनवती, वधुः, वधुका १४

स्त्रीरजस्वला—रजस्वलास्त्री देखो

स्त्रीरजहीना ना० निष्कला,निष्कली, निष्फला, निष्फली, रजहीना,विगतार्तवा,

स्त्रीरांड़ ना० रण्डा, रांड; विधुरा, विधवा, विधुरा, विश्वस्ता. ६

स्त्रीरूपवती ना० अंगना, अमला, कामिनी, चारुअंगी, चार्वी, प्रमदा, मानिनी, भाविनी, मत्तकाशिनी,मत्तकासिनी, रमा, रामा, रूपवती, शुभानना,सुदर्शना, सुन्दरी, सुलोचना. १७

स्त्रीशुभाशुभज्ञाता ना० ईक्षणिका, दैवज्ञा, विप्रश्निका. ३

स्त्रीसुवासिनी ना० चिरण्टी,चिरिण्टी, सुवासिनी, स्ववासिनी. ४

स्त्रीसोहागिन ना० अहिवातिन्, अहिवातिनी, अहिवाती, पतिवती पतिवत्नी, समर्तृका, सुवासिनी, सोहागिन, सोहागिल, सोहागिनी, सौभाग्यवती. ११

स्त्रीसौरही ना० जच्चा, प्रजाता, प्रसूता, प्रसूतिका, सौरही. ५

—— ह ——

हंस ना० चक्रांगी, मराल, मरालक, मानसचारिन, मानसचारी, मानसजन्मन्; मानसजन्मा, मानसालय, मानसौकस्, मानसौका, सुप्रीवि, वरटा, वारटा, वारला, हंस, हंसक, हंसा. १६

हंसकाला ना० घातिराम्र, मल्लिका, मल्लिकाख्य, मल्लिकाक्ष. ४

हंसराजचावल ना० गंधशालि, बासमती, हंसराज. ३

हठ ना० प्रसभ, बलात्कार, हठ. ३

हड़ ना० अनन्ता, अभया, अमृता, अमोघा, अव्यथा, कायस्था, कर्षफला, कल्पा, चेतकी, चेतनकी, जया, जीवन्तिका, जीवन्ती, जीवप्रिया, जीव्या; दिव्या, देवी, पथ्या, पाचनी, पावनी पूतना, प्रपथ्या, प्रपथा, प्राणदा, मुनिभेषज, रसायनफला, रुद्रप्रिया, रोहिणी, वनतिक्त, वयस्था, विजया, शक्रसृष्टा, शिवा, श्रेयसी, सुधा, सुधोद्भवा, हड़, हरड़, हरीतकी, हैमवती. ४०

हड़वृक्ष ना० पथ्य, हरीतकीवृक्ष २

हड़जोर ना० अमर, अस्थिशृंखला, अस्थिसंहारी, अस्थिसंधिक, वज्रवल्ली, वज्राङ्गी, वज्री, हड़शंकरी; हड़संघारी ८

हत्यारा ना० घातक, वधिक, व्याध, शरारु, हत्यारा; हन्तृ, हन्ता, हिंसक, हिंसात्मक, हिंस्र. १०

हथिनी ना० इभयुवति, इभी, इभ्या, कणेरा, कनेरा, करिणी, करिनी, करेणु, करेणू, कुञ्जरा, कुंजरी, धेनुका, नागांगना; पद्मिनी, वधकी, मनाका, मल्लाका, वामुरा, हथिनी, हस्तिनी २०

हथियार ना० अस्त्र, आयुध, प्रहरण, शस्त्र. ४

हथियारखाना ना० अस्त्रागार, आयुधागार, शस्त्रशाला, शस्त्रागार ४

हथियारबन्द ना० अस्त्रधारी, आयुधिक, आयुधिप, आयुधजीविन्, आयुधजीवी, आयुधी, आयुधीय, काण्डपृष्ठ, काण्डस्पृष्ठ, शस्त्रजीविन, शस्त्रजीवी, शस्त्रधारी, शास्त्राजीव, शस्त्राजीवी, शस्त्रिन, शस्त्री ११

हथियावृक्ष ना० अगस्ति, अगस्तिद्रु, अगस्त्य, अनालि, एकष्ठील, एकष्ठीला, काकनामन, काकनामा, काकशीर्ष, कुनलिन्, कुनली, क्रमपूरक, दीर्घफलक, मुनि, मुनितरु, मुनिद्रुम, मुनिपुष्प, मुनिभेषज, रक्तपुष्प, वक, वकपुष्प, बकपुष्प, वंगसेन, वंगसेनक, शिवप्रिय, शिवापीड़, शिवाह्लाद, शिवेष्ठ, शीघ्रपुष्प, सुनालक, सुपूरक, स्थूलपुष्प ३२

हनुमान ना० अञ्जनीनन्दन, अंजनीसुअन, कपीन्द्र, पवनतनय, पवनसुत, पवनात्मज, मरुततनय, मरुतपुत्र, मरुत्सुत, मरुतसूनु, मरुत्वत्, महावीर, मारुतसुअन मारुतसुत, मारुतसूनु, मारुतात्मज, मारुतिः, वायुजात, वायुतनय, वायुनन्दन, वायुपुत्र, वायुसुत, वायुसूनु, समीरसुत, समीरसूनु, हनुमत, हनुमन्त, हनु-

मान, हनूमत, हनूमान् १०

१—पवन नामोंपर सुत अर्थके शब्द लगाने से हनुमानके नामहोते हैं।

२—हनुमान नामोंपर पति अर्थ के शब्द लगाने से रामचन्द्र के नामहोते हैं

हरताल ना० अरिन्ताल, अल,आल, कनकरस, कर्बूर, कांचनक, खर्जूर, गोदन्त, गोराच, चित्रगंध, चित्रांग, ताल, तालक, नटभूषण, नटमण्डल,नाल, पिंग, पिंगसार, पिञ्जर, पिञ्जरक, पिञ्जल, पीन, पीतक, पीतन, पुलक, लोमहृत्, वंशपत्रक, वंगारि, वर्णक, वर्णोज्ज्वल, विडालक, विसूगंधी, हरताल, हरिताल, हरितालक, हरिबीज. ३१

हरतालगोदन्ती ना० गोदन्त, गोदन्तिका, गोदन्ती, नटसंज्ञक. ४

हरफारेवरी (सर्फारेवरी) ना० मुक्ताफल, लवली,लवलीफल, विन्ध्या, सुगंधमूला, हरपारेवड़ी, हरफारेवड़ी. ७

हरसिंहारवृक्ष ना० अपराजिता, अस्थिसंहार, कुलिश, कुलीश, ग्रंथिमान, ग्रन्थिमान, शिरालक,हड़संघार,हड़संहार,

हरिण ना० अजिनयोनि,ऋश्य,ऋष्य, कुरंग, कुरंगम, कृष्णतार, चारुनेत्र,चारु लोचन, पृषत, मृग, रंकु, रोहि, वातट, वातमृग, वातायु, शारंग, सारंग, सुलोचन, हरिण, हरिन, वर्षुक. २१

हरिणकाला ना० एण,एणक, ऐणेय, कालसार, कृष्ण:, कृष्णमृग, कृष्णशार, कृष्णशारंग, कृष्णसार, कृष्णसारंग; गोकर्ण, चमर, न्यङ्कु, पृषत, पृषत. १५

हरिण विशेष या हरिणएकजातिके ना० कदलिन,कदली, कन्दली, चमूरु, चीन:, प्रियक, रिश्य,रिष्य, रुरु, रोहित, रोहिष, रौहिष्, लोहित, शंबर, शम्बर, समूरु, संबर सम्बर. १८

हरिणशीघ्रगामी ना० वातप्रमी,वातमृग, समूर; समूरक. ४

हरिणी ना० कुरंगी, कुरंगमी, मृगी, वासिता, हरिणी. ५

हरिणीकाली ना० एणा,कृष्णकुरंगी, कृष्णमृगी. ३

हर्षित ना० प्रमणस्, प्रमणा, प्रमना, विकुर्वाण,हर्षित, हृष्टमानस्, हृष्टहृदय.

हल ना० गोदारण, लांगल, शीर,सीर, हर; हल. ६

हलकारा ना० अपसर्प, गूढ़पुरुष, चर, चरक, चारान्तरित, चार, चारक, दूत, दूतक, प्रणिधि,यथार्हवर्ण,वार्त्तावह, वार्त्ताहर. १३

हलदुआवृक्ष ना० पीतक, पीतकद्रुम, पीतदारु, सुपुष्प, सुराह्व, हरिद्रु, हरिद्रुवृक्ष. ७

हलुवा=मोहनभोग देखो

हल्दी ना० उमा,कटंकटेरी, काञ्चनी, कावेरी; क्रमिघ्ना, गन्धपलाशिका, गौरा, गौरी, घर्षणी,जनेष्टा, जयन्तिका, तमास्विनी, तमी,तुंगी, दार्वी, दीर्घरागा, धमनी, निशा, निशाख्या, निशाह्वा,पवित्रा, पिंगा, पिञ्जा, पीतका, पीतवालुका, पीता, पी-

तिका, प्रहर्षणी, बाधा, मंगवासा, भद्रा, मंगलप्रदा, मंगला, मंगलया, मेहघ्नी, यामिनी, युवति, युवती, योषित्प्रिया, रजनी, रंजनी; रात्रि, रात्री, रात्रिनामिका, रात्रिनामा, वरवर्णिनी, वरा, वरांगिन्, वरांगी, वर्णदात्री, वर्णवती, वर्णिनी, विभावरी, विषघ्नी, शर्वरी, शिफा, शोभना, शोभा, श्यामा, सच्चारा, सुन्दरी, सुभगा, सुभगाह्वया, सुवर्णवर्णा, सुवर्णा, स्वर्णवर्णा, हट्टविलासिनी, हरित, हरिता, हरिद्रा, हलदि, हलदी, हेमरागिणी, क्षणदा, क्षपा, त्रियामा. ७१

१—जो रात्रिके नामहैं वहभी हल्दी के नामहैं ॥

हल्दीजंगली ना० वनहरिद्रा, शोल२

हल्दीदारु–दारुहल्दी देखो

हवा ना० अग्निसख, अग्निसखा, अग्निसहाय, अनिल, आशुग, गन्धवाह, घन, जगत, जगताधार, जगतायु, जगतायुम्, जगत्प्राण, जगत्वल, नभस्वन, परिमर, पवन, पवमान, पृषतांश, पृषताश्व, पृषताम्पति, पृषत्पति; पृषदश्व, पृषोदर, प्रभञ्जन, मरुत्, मरुत, मातरिश्वन्, मातरिश्वा, मारुत, वात, वाति, वातृ, वायु, वेष्टू, श्वसन; सदागति, समिर, समीर, समीरण, समीरन, स्पर्श, स्पर्शन्, हरि. ४१

१—हवा नामों पर अशन अर्थ के शब्द लगानेसे सांपके नामहोते हैं

२—हवा नामोंपर सुत अर्थ के शब्द लगाने से हनुमान के नामहोते हैं ॥

हसिया ना० खड्गक, खड्गीक, दात्र, लवाक, लवाणक, लवि; लवित्र, स्तम्बघ्न, स्तम्बघात, स्तम्बघ्नी, स्तम्बहन, स्तम्बहनन. १२

हस्तिकन्द ना० अतिकन्दक, अतिपत्र, कुष्ठहन्ता, गजकन्द, गिरिवासिन्, गिरिवासी, स्वर्द्दोपारि, नगाश्रय, नागकंद, सुकर्णक, स्थूलकन्द, हस्तिकर्ण, हस्तिकन्द, हस्तिपत्र. १४

—॥ हा ॥—

हाड़ ना० अस्थि, कीकस, कुल्य, हड्डी, हाड़. ५

हाथ ना० कर, पंचशाख, पाण, पाणि, पाणी, शम, शय, हस्त, हाथ. ९

हाथियोंका राजा ना० करिवर, करीन्द्र, करीश्वर, गजपति, गजपुंगव, गजराज, गजाग्रणी, गजाधिपति, गजेन्द्र, यूथनाथ, यूथप, यूथपति, यूथमुख्य; यूथराज. १४

हाथी ना० अनेकप, इभ, कपि, कंबु, करटिन्, करटी, करभिन, करभी, करि, करिन, करी, करेणु, कुंजर, कुंभिन्, कुम्भी, गज, गयन्द, जतु; दन्तावल, दन्तिन, दन्ती, दीर्घपवन, दीर्घमरुत, दीर्घवक्त्र, दीर्घास्य, द्विप, द्विपायिन, द्विपायी द्विरद, द्विहन, नगज; नाग, पंचनख, पद्म, पद्माकिन, पद्मिनपद्मी, पृदाकु, पृष्टहायन, मतंग, मतंगज, मत्तकीज, मदवृंद, मातंग, रक्तपाद, वारण, वारीट, वेतरद,

वेदण्ड, व्याल, शन्त्रि, शूर्पकर्ण, सन्त्रि, सिन्धुर, स्तम्बेरम, हस्ती, हाथी. ५५

हाथीकी कमरबांधनेकी रस्सी ना० कक्षा, कक्ष्या, चूषा, दूष्या, वरत्रा, ५

हाथखाना ना० गजबन्धनी, गजबन्धिनी, हस्तिशाला. ३

हाथीकी जंजीर ना० अन्दु, अन्दू, निगड़, शृंखल, शृंखला. ५

हाथीका झुण्ड ना० इभघट, करिस्कन्ध, गजता, गजयूथ, हस्तियूथ, हस्तिवृन्द, हास्तिक. ७

हाथीकी झूल ना० आस्तरण, कुथ, कुथा, परिस्तोम, परिस्तोम, प्रवेणि, प्रवेणी, वर्णि. ८

हाथीका बच्चा ना० इभपोत, करभ, करिपोत, करिशाव, करिशावक, कलभ, कलभक; दिक्कक. ८

हाथीकामद ना० मदजल, मदवारि, मदप्रवेग, मदप्रसेक, मदप्रस्रवण, मदभाव, मदस्रुति. ७

हाथीबांधनेका खूंटा ना० अलान, करिबन्ध. २

हाथीमस्त ना० कण्ठीरव, प्रभिन्न, मत्त, मदकरिन, मदकरी, मदकल, मदद्विप, मदार, मन्दाकिर, मदोत्कट. १०

हाथीमदरहित ना० निर्मद, मदच्युत.

हाथी लड़ाईवाला ना० वारु, विजयकुंजर. २

हाथीवान (फीलवान) ना० धंबष्ठ, आधोरण, इभपालक, इभ्य, कारिग, गजाजीव, गजारोह, निषाद, निषादिन, नेतृ, नेता, महावत, मेंठ, मेंट, यन्तृ, यन्ता; हस्तिपालिन, हस्तिपाली, हास्तिक, हास्तिपक, हस्तिपाल, हस्त्यारोह, हस्त्यारोहा, हास्तिक, हाथीवान. २५

हाथीसुण्डा वृक्ष ना० इभदन्ता, कालोष्ठी, काकदन्तिका, अलेजच्छदा, धूमस्पर्शिका, नागफणा, नागदन्ती, नागस्फोता, पर्कशुण्डी, बलाटिका, भूरुण्डी, मधुपुष्पा, मातंग, वनाह्निका, विपदारा, शिथलाक्षी, विशोधिनी, विषाणी, शलदन्तिका, शुक्लपुष्पा, शुक्लपुष्पी, शुंडी, श्रीहस्तिनी, शंखपुष्पा, सर्पदन्ती, सर्पपर्णी, सहस्त्रा, स्वादुका, हस्तिशुण्डा, हस्तिशुण्डी. ३०

हानि ना० अपचय, हानि, क्षय. ३

हासय (हँसी) ना० हास, हास्य, हसित, हसन. ४

——— हि ———

हिमालयपुत्र ना० पृथग्भू, चन्द्रकान्त, मौनाक, कुदरुन, शिवपत्र, शिवरश्मि, क्रौंचनाभ, हिमाद्र. ८

हिजड़ा ना० क्लीब, तृतीयप्रकृति, नर्नाशप्रकृति, प्रजनरोग, नपुंसक, पण्ड, मदकट, शण्ड, षण्ड; षण्ढ, पण्ड, षण्डक, पण्डू, सण्ड, सण्ड, हिजड़ा. १६

हिलावली औषधि ना० कुष्ठघ्न, हिलावली. २

हिस्सा ना० अंश, अंस, भाग, हिस्सा

——— ही ———

हींग ना० अगूढगंध, उग्रगन्ध, केसर,

जतुक, जन्तुघ्न जन्तुनाशन, उग्रगंध; जातुक, दीप्त, त्रिकुव, पिण्याक, निर्यास, भूतारि, भेदन, रामठ, रामठध्वनि, रक्षोघ्न, रामठ, वाल्हिक, बाह्नीक, बिल्व, शालसार, शूलद्विट्, शूलद्विष्, शूलहृत्, सहस्रवेधि, सूपधूपन, सुगंध, हिंगु, हींग

हींगनाड़ी ना० जन्तुका, रामठी, हिंगुनाड़िका २

हींगपत्री ना० करवी, कबरी, कारवी, तजनी, स्वक्षुद्रत्री, दारुपत्री, दीर्घिका; पृथु, पृथुका, पृथुला, पृथ्वी, पृथ्वीका, बाष्पिका; बाष्पका, वाष्पिका, वाह्नी, बल्हिका, विल्वा, सरिका, स्रुवा, हिंगुपत्री. २१

हींगवृक्ष ना० केशर; हिंगुवृक्ष. २

हीरा (रत्न) ना० अभेद्य, अविक, अशिर, दधीच्यस्थि, दृढांग, बहुधार, भार्गवप्रिय, रत्नमुख्य, वज्र, वरारक, सूचीमुख, हीर, हीरक, हीरा. १४

—— हु ——

हुचकी ना० अनुद्वर्त्त, हिक्का, हृल्लास. १

हुरहुरपौधा ना० अर्ककान्ता, अर्कभक्ता, अर्कहिता, आदित्यभक्ता, आवर्त्ता, उत्तपाधिका, कपिपिप्पली, करम, जामाता, दार्घतेय; ब्रह्मगर्भा, भास्करेष्टा, मण्डूकपर्णी, मण्डूकी, महापर्णी, मार्तण्डवल्लभा; वरदा, वरिष्ठा; हरिनामा, सुतेजस, सुतेजा; सुरसम्भवा, सुवर्चला, सूर्यकान्त, सूर्यभक्ता, सूर्यलता, सूर्यावर्त्ता, सौरि, हुरहुर, हुलहुल, त्रिवृत्तपर्णी,

हुरहुरशाक ना० चक्रांगी, जलब्राह्मी, तिक्तपर्वन्, तिक्तपर्वा; ब्राह्मी, मत्स्यांगी, मत्स्याक्षी, मही, मोची, रोची, शंखधरा, हिलमोचि, हिलमोचिका, हिलमोची, हेलांची. १५

—— हृ ——

हृदय ना० अंतःकरण, आत्मा, चित्त, मन, मनस, मानस, हृद्, हृदय. ८

—— हे ——

हेमन्तऋतु ना० हेमन्त; हेमंत. २

हेमपुष्पी=स्वर्णपुष्पी देखो

हेलुवा=मोहनभोग देखो

—— क्ष ——

क्षयरोग ना० यक्ष्म, क्षय, क्षयी १

क्षत्री ना० मूर्द्धाभिषिक्त, राजन, राजन्य, बाहुज, विराज, क्षत्र, क्षत्रिय, क्षत्री. ८

क्षीरकंचुकीवृक्ष ना० मूलक, मूला, बहुपत्रिका, क्षीरकंचुकी, क्षीरीश. ४

—— क्षी ——

क्षीरकाकोली ना० अप्टमी, क्षीरवल्ली, अंसुमती, पयस्या, पयस्विनी, महावीरा, वयस्था, वीरा, शुक्ली, क्षीरकाकोलिका; क्षीरकाकोली, क्षीरविषाणिका, क्षीरशुक्ला, क्षीरिणी. १५

क्षीराईवृक्ष ना० ताम्रपुष्पा, क्षीराई. २

क्षीरिणीवृक्ष ना० कांचनी, कांचनक्षीरी, पटुपर्णिका, हिमजा, हिमदुग्धा, हिमाद्रिजा. ६

—❀ क्षे ❀—

क्षेम ना० कल्याण कल्यान, कुशल, भद्र, भद्र, भविक, भव्य, भावुक, मंगल, शस्त, शिव, शुभ, श्रेयस, क्षेम १४

—❀ त्रा ❀—

त्रायमाणालता ना० अनुजा, अवनी, कृतत्रा, गिरिजा, देवबला, बलदेवा, बलभद्रा, बलभद्रिका, भद्रनामिका, भयनाशिनी, मंगल्य, वार्षिक, वार्षिकी, सिता, सुकामा, सुभद्रणी, त्राण; त्राणा, त्रायंती, त्रायमाणा. १८

—❀ त्रि ❀—

त्रिकुट=सोंठ, मिरच, पीपरि देखो

त्रिपुरमालीपुष्प ना० मोहना, मोहनी, मोहिनी, त्रिपुरमल्लिका, त्रिपुरमाली. ५

त्रिफला ना० तृफला, तृफला, फलत्रिक, फलत्रय, वरा, त्रिफला, त्रिफली, त्रिवर्गक. ८

—❀ ज्ञा ❀—

ज्ञान ना० ज्ञप, ज्ञा, ज्ञान. ३

ज्ञानी ना० वेत्रु, वेत्ता, ज्ञ. ज्ञप, ज्ञा, ज्ञाता, ज्ञानवान ज्ञानिन, ज्ञानी. ९

इतिश्री लाला कन्हैयालालस्यात्मज लाला भगवानदास जैन महमूदाबाद प्रदेश सीतापुर निवासीकृत समर्हात भगवान्नामसागर पर्य्याय वाचक कोष समाप्तम् शुभम् ॥

❀ ग्रन्थ रचना में हानि ❀

इस पुस्तक भगवाननामसागर के बनाने को जैसी उमंग से मैंने साहस कियाथा उस तरह से कार्य में सफलता न हुई और जो २ विपत्तियां इस की रचना करने में आती गई उनको यह सोच विचारकर कि शुभ कार्य के करने में अनेक बाधायें उपस्थित होतीहैं सहतागया और ज्यों त्यों कार्य के पूर्ण करनेमें दत्त चित्तरहा जितने दिनों का काम महीनों में क्या बर्षों में होतारहा पर और बाधाओं के अतिरिक्त दो धक्के अतिही हानिकारक हुए जिनसे यह कार्य बहुत समय तक बन्दरहा प्रथम तो मेरे परम सहायक द्विजकुलभूषण पण्डित बद्रीनारायण मिश्र हाल कायम मुकाम असिस्टेण्ट इन्सपेक्टर आफ स्कूल्स कानपुर डिवीजन का नारमल स्कूल लखनऊ से तबदील होजाना इन महोदय ने भी इस पुस्तक के रचने में बड़ी सहायता दिया इनके परिश्रम और योग्यता का धन्यवाद करना मेरी शक्तिसे बाहरहै उनके चले जानेके बाद मैंने जिधर सहायता ढूंढी उधर खालीही पाया बहीं

ऐसा आधार न मिला जो कार्य पूर्ण होजाता तब ईश्वरके भरोसे अकेलाही इस कार्य के सम्पादन का साहस किया और २ कामों के साथ इसको भी करने लगा पर हाय अफसोस ! दूसरे धक्के ने मुझको बेकारही करदिया अर्थात जिन्दा को मुर्दा बनादिया हाथ पैर आंख कान दिमाग सबही को बेकार कर दिया कार्य सब एक दम बन्द होगया वह मेरे प्यारे इकलौते पुत्र बासुदेवकुमार का अपनी कुमार अवस्था में हम सबको तड़फते छोड़कर इस असार संसार से बिदा होना ! हाय ! इस फूलती हुई कली के एकदम कुम्भला जानेसे, इस उगते हुए पौधे के एकदम सूखजाने से, इस उदय होते हुए सूर्य के एकाएक अस्त होजाने से मैं सभी कामोंसे क्या अपनी जिन्दगी से हताश हुआ और संसारी कामों से कनारा करना चाहा पर गृहस्थी का भार जो प्यारे पिताजी के स्वर्गवास होनेसे प्रथमही सिर पर चढ़ चुकाथा पीछा न छोड़ा और पुनः अपनी गाड़ी में जोतना चाहा, खैर कुछ न कुछ करनाही पड़ा [illegible] फिर कई मेरे परमहितैषी मित्रोंने इस पुस्तक को और इसके साथही भगवानशब्दसागर कोष के पूर्ण करने का बहुत कुछ आग्रहही नहीं किया बल्कि बड़ा दबाव डाला और बहुत कुछ ऊंच नीच इस संसार की विचित्र लीलाओं के विषय में सम्बोधन किया तब लाचार होकर फिर यह कहकर कि "जबतक जीना तबतक सीना" इसमें हाथ लगाया और आज उस परमदयालु वीतराग भगवान सर्वज्ञ सर्वगत की करुणा कटाक्ष से पूर्ण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ ॥

मैं अपने पाठक महाशयों से अतिही नम्रता पूर्वक निवेदन करताहूं कि जो जो त्रुटियां उनकी दृष्टिगोचर हों उनके लिये हंसवत प्रकृति ग्रहणकर गुणको लेकर अवगुण को त्यागकर मुझे सूचित करें जो भगवान इसके पुनरावृत्ति का अवकाश दृष्टिगत करेगा तो उन त्रुटियोंके दूरकरनेका उद्यम किया जायगा।

आशाहै मेरे परम सहृदय पाठकगण अपने इष्ट मित्रों में इसका अति शीघ्र प्रचार कर मेरे श्रमको सफल करेंगे ॥

यदि मित्र पाठकगणों की कृपा हुई और परमदयालु भगवान सानुकूल रहा तो भगवान शब्दसागर के भी सम्पादन करने का साहस करूंगा और कुछ कालोपरान्त वहभी पाठकगणोंके कर कमलोंमें सुशोभितहोगा॥

सर्व गुणग्राहियों का सेवक

भगवानदास जैन ग्रन्थकर्ता

प्रकाशक जैन प्रेस रकाबगंज लखनऊ

॥ अनुक्रमणिका ॥

—— सा ——

—— सि ——